THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

महायुति के सीट शेयरिंग पर दिल्ली में मंथन

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में महायुति की सरकार में शामिल बड़ी पार्टियों में बीजेपी, शिवसेना शिंदे और एनसीपी (अजित) हैं। विधानसभा चुनाव में उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा के लिए बीजेपी की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक बुधवार को दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में की गई। इस बैठक में पीएम मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, पीयूष गोयल, भूपेंद्र यादव, अश्विनी वैष्णव, महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस, महाराष्ट्र बीजेपी अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले और दूसरे सीईसी सदस्य मौजूद थे।

वर्ष-29 अंक : 205 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) शरद पूर्णिमा 2081 गुरुवार, 17 अक्टूबर-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

9 नेताओं की सुरक्षा से हटेगी एनएसजी

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। वीआईपी सुरक्षा में लगे एनएसजी के कमांडो को हटाने का फैसला सरकार ने किया है। 9 अति महत्वपूर्ण लोगों को वीआईपी सुरक्षा दी गई और उनकी सुरक्षा में एनएसजी के कमांडो तैनात है। अब अगले महीने से इनकी सुरक्षा का जिम्मा सीआरपीएफ के हवाले होगी। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। गृह मंत्रालय ने विशेष रूप से प्रशिक्षित जवानों की एक नई बटालियन को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के वीआईपी सुरक्षा प्रकोष्ठ के साथ जोड़ने की स्वीकृति भी दी है।

सूत्रों ने बताया कि राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के ब्लैक कैट कमांडो जेड प्लस कैटेगरी के नौ वीआईपी लोगों में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बसपा अध्यक्ष मायावती, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, केंद्रीय जहाजरानी मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, बीजेपी नेता और छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह, जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद, नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू हैं, जिन्हें अब सीआरपीएफ का सुरक्षा घेरा प्रदान किया जाएगा।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सीआरपीएफ जिसमें छह वीआईपी सुरक्षा बटालियन हैं, से इस काम के लिए एक और सातवीं बटालियन को शामिल करने को कहा गया है।

>14

केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में 3% की बढ़ोतरी

दिवाली से पहले ये 50% से बढ़कर 53% हुआ

52 लाख केंद्रीय कर्मचारियों को फायदा

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय कर्मचारियों को मिलने वाले महंगाई भत्ते (डीए) में 3% बढ़ोतरी की गई है। बुधवार (16 अक्टूबर) को हुई कैबिनेट मीटिंग में डीए बढ़ोतरी पर फैसला हुआ। दिवाली से पहले हुई इस बढ़ोतरी के बाद महंगाई भत्ता 50% से बढ़कर 53% हो गया है। इसका फायदा करीब 52 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और 60 लाख पेंशनर्स को होगा। डीए हर 6 महीने में बढ़ता है। बढ़ा हुआ डीए 1 जुलाई से लागू होगा। कर्मचारियों को 3 महीने का एरियर मिलेगा।

10,000 बेसिक सैलरी पर 330 रुपए का फायदा

आसान भाषा में समझें तो बेसिक सैलरी में ग्रेड सैलरी को जोड़ने के बाद जो सैलरी बनती है, उसमें महंगाई भत्ते की दर का गुणा किया जाता है। जो नतीजा आता है, उसे ही महंगाई भत्ता यानी डियरनेस अलाउंस (डीए) कहा जाता है। अब इसे एक उदाहरण से समझते हैं, मान लीजिए आपकी बेसिक सैलरी 10 हजार रुपए और ग्रेड पे 1000 रुपए है।

दोनों को जोड़ने पर टोटल 11 हजार रुपए हुआ। ऐसे में बढ़ने के बाद 53% महंगाई भत्ते के लिहाज से देखें, तो यह 5,830 रुपए हुआ। सबको जोड़कर आपकी टोटल सैलरी 16,830 रुपए हुई। वहीं 50% डीए के लिहाज से आपको 16,500 रुपए सैलरी मिल रही है। यानी 3% डीए बढ़ने के बाद हर महीने 330 रुपए का फायदा होगा।

पाकिस्तान में जयशंकर बोले आतंकवाद के साथ व्यापार नहीं

चीन का नाम लिए बिना कहा- बॉर्डर का सम्मान करने की जरूरत

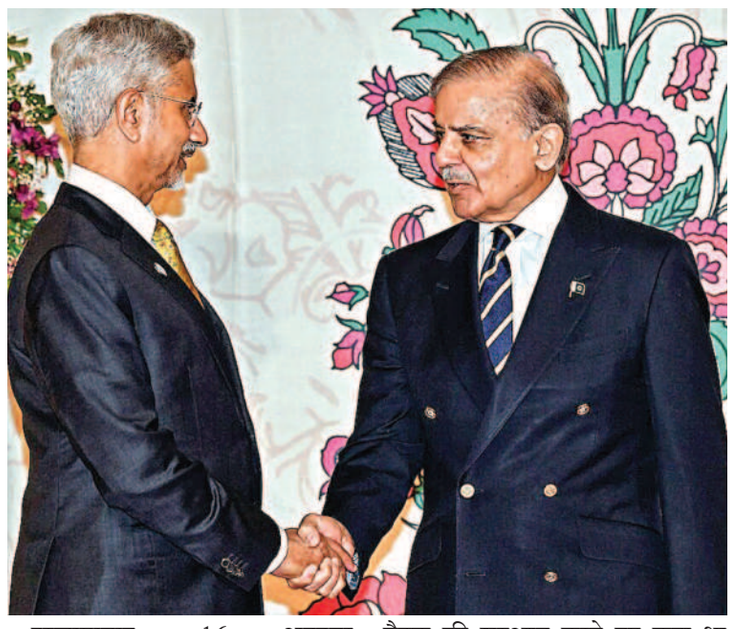

इस्लामाबाद, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पाकिस्तान में शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (एसीओ) की बैठक को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद और व्यापार एक साथ नहीं चल सकते। जयशंकर ने पाकिस्तान-चीन का नाम लिए बिना कहा कि सभी देशों को एक दूसरे की सीमाओं का सम्मान करने की जरूरत है।

भारतीय विदेश मंत्री ने कहा कि यदि एससीओ के मेंबर देशों के बीच दोस्ती में कमी आई है और पड़ोसी से संबंध बिगड़े हैं तो इस पर विचार किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि अगर हमारे बीच भरोसे में कमी आई है तो हमें अपने अंदर झांकने और इसकी वजह समझने की जरूरत है। इससे पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने एससीओ बैठक की शुरुआत करते हुए कहा था कि पाकिस्तान शांति, सुरक्षा और आर्थिक तरक्की चाहता है।

इससे पहले पीएम शहबाज शरीफ ने मंगलवार रात को एससीओ नेताओं के लिए डिनर रखा था। यहीं शहबाज और जयशंकर की मुलाकात हुई थी। पाकिस्तानी पीएम ने हैंड शेक किया। पिछले साल गोवा में एक बैठक में जयशंकर ने पाकिस्तान के तत्कालीन विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो को नमस्ते किया था और हाथ मिलाने से परहेज किया था।

डिनर के बाद एससीओ नेताओं के लिए एक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुआ। इसमें एक पाकिस्तानी कलाकार ने भरतनाट्यम किया। इस दौरान पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ चीन और कजाकिस्तान के प्रधानमंत्रियों के साथ बैठे नजर आए।

लोकायुक्त के छापे में 'अरबपति' निकला जूनियर ऑडिटर

भोपाल, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। लोकायुक्त पुलिस ने बुधवार को शिक्षा विभाग के एक जूनियर ऑडिटर रमेश हिंगोरानी के घर छापेमारी की है। हिंगोरानी पर आय से अधिक संपत्ति के आरोप थे। छापेमारी में करोड़ों की संपत्ति का खुलासा हुआ है। लोकायुक्त के अनुसार उसके घर से सिर्फ 70 लाख रुपए की जूलरी मिली है। इसके अलावे कई लग्जरी कारें मिली हैं, जिनकी कीमत लाखों में है। कैश भी बड़े पैमाने पर मिले हैं, जिससे गिनने के लिए मशीन बुलानी पड़ी है। वहीं, हिंगोरानी पर सरकारी जमीन हड़पने के भी आरोप हैं। लोकायुक्त पुलिस ने बुधवार सुबह 5 बजे रमेश हिंगोरानी के बैरागढ़ स्थित घर समेत छह ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। लोकायुक्त के एसपी दुर्गेश राठौर ने बताया कि आय से अधिक संपत्ति की शिकायत मिलने के बाद मामला दर्ज किया गया था और फिर यह कार्रवाई की गई।

मुदा स्कैम : चेयरमैन ने इस्तीफा दिया

लेटर लिखा- सीएम ने रिजाइन को बोला था; मैंने दबाव में नहीं तबीयत के चलते कुर्सी छोड़ी

बेंगलुरु, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। मैसुरु अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी (मुदा) के चेयरमैन और कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के करीबी मारी गौड़ा ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने रेजिग्नेशन लेटर में लिखा कि सीएम ने उन्हें इस्तीफा देने को कहा था। लेकिन उन्होंने किसी दबाव में नहीं, बल्कि स्वास्थ्य कारणों के चलते इस्तीफा दिया है। उन्होंने यह कदम मुदा जमीन घोटाले की लोकायुक्त जांच के बीच उठाया है।

मैसुरु लोकायुक्त मुदा जमीन घोटाले की जांच कर रहा है। जांच शुरू होने के बाद से अब तक सिद्धारमैया की पत्नी मुदा की तरफ से मिले 14 प्लॉट वापस करने की बात कह चुकी हैं, वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे राहुल खड़गे ने भी अपने ट्रस्ट को दी गई 5 एकड़ जमीन को लौटा दिया है।

अपने इस्तीफे में मारी गौड़ा ने लिखा- "मैंने अपना इस्तीफा अर्बन डेवलपमेंट डिपार्टमेंट के सेक्रेटरी को दे दिया है। मुझे सीएम ने रिजाइन करने को कहा तो मैंने रिजाइन कर दिया। मेरा स्वास्थ्य ठीक नहीं है, इसलिए मैंने इस्तीफा दिया है। मुदा की जांच जारी है, ये हो जाने दीजिए।

नायब सैनी आज सीएम पद की शपथ लेंगे

शाह की मौजूदगी में नाम तय; राजभवन पहुंच सरकार बनाने का दावा पेश किया

चंडीगढ़, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा में नायब सिंह सैनी ही मुख्यमंत्री बने रहेंगे। बुधवार (16 अक्टूबर) को पंचकूला में बीजेपी विधायक दल की मीटिंग में उन्हें नेता चुना गया। मीटिंग में विधायक कृष्ण बेदी ने नायब सैनी के नाम का प्रस्ताव रखा। जिसका अनिल विज और आरती राव ने समर्थन किया। फिर सभी विधायकों ने नायब सैनी के नाम पर सहमति दे दी।

इसके बाद गृह मंत्री अमित शाह ने नायब सैनी के सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुने जाने की घोषणा की। शाह ने कहा हरियाणा की स्थापना से लेकर अब तक कोई भी मुख्यमंत्री लगातार तीसरी बार सफल नहीं हुआ। युवा नायब सैनी के नेतृत्व में हम तीसरी बार चुनाव जीत पाए हैं। शाह के साथ मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव भी ऑब्जर्वर के तौर पर मौजूद रहे।

इसके बाद नायब सैनी ने अमित शाह के साथ राजभवन जाकर गवर्नर बंडारू दत्तात्रेय के समक्ष सरकार बनाने का दावा पेश किया। इस दौरान 3 निर्दलीय विधायकों ने भी बीजेपी को समर्थन का पत्र सौंपा।

गुरुवार को 11 बजे पंचकूला के शालीमार ग्राउंड में शपथ ग्रहण समारोह होगा। इसमें पीएम नरेंद्र मोदी समेत भाजपा और एनडीए के सहयोगी दलों के शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों समेत 37 नेता मौजूद रहेंगे। हरियाणा की 90 विधानसभा सीटों में से भाजपा ने 48 सीटें जीती थीं।

कर्नाटक हाईकोर्ट बोला- मस्जिद पब्लिक प्लेस

यहां जय श्रीराम बोलने से धार्मिक भावनाएं आहत नहीं; बेंगलुरु की मस्जिद में दो युवकों ने नारे लगाए थे

बैंगलूरू, 16 अक्टूबर (एजेंसिया)। कर्नाटक हाईकोर्ट ने बुधवार को कहा कि मस्जिद में जय श्री राम के नारे लगाने से धार्मिक भावनाओं को नुकसान नहीं पहुंचता है। कोर्ट ने बचाव पक्ष की दलील से सहमति भी जताई, इसमें कहा गया कि जो आरोप लगाए गए हैं उसके लिए कोई ठोस सबूत नहीं हैं।

साथ ही कहा गया कि मस्जिद एक सार्वजनिक स्थान है। उसमें प्रवेश करना कानून के तहत आपराधिक अतिक्रमण नहीं माना जा सकता है। दरअसल, कोर्ट की ये टिप्पणी 24 सितंबर 2023 को दर्ज हुए मामले में सामने आई, जिसे कोर्ट ने आज रद्द कर दिया।

बेंगलुरु के ऐत्तूर गांव की मस्जिद में दो युवकों कीर्तन कुमार और एन एम सचिन कुमार पर रात 10.50 पर जय श्री राम के नारे लगाने का केस दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता हैदर अली सी एम ने कहा था कि गांव में हिंदू-मुस्लिम सालों से प्यार से रहते आए हैं। युवकों ने गांव सांप्रदायिक कलह पैदा करने की कोशिश की।

हैदर ने दोनों युवकों पर धमकाने, आपराधिक अतिक्रमण के भी आरोप लगाते हुए आईपीसी की धारा 447, 295ए, 505 और 506 के तहत केस दर्ज कराया गया था। इसके बाद दोनों युवकों ने इन आरोपों को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

जस्टिस एम नागप्रसन्ना ने कहा- जय श्री राम के नारे लगाने को धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला काम कैसे माना जा सकता है। धमकी दिए जाने के आरोप लगाए गए हैं, उसके की कोई प्रत्यक्ष सबूत नहीं है। कीर्तन कुमार और एन एम सचिन कुमार ने उन पर लगे आरोपों को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। क्योंकि शुरुआत में जब केस केस दर्ज कराया गया था तब आरोपियों को अज्ञात दर्शाया गया था। सीसीटीवी में कीर्तन कुमार और एन एम सचिन मस्जिद के बाहर नजर आए थे, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया था।

लड़की का रेप-मर्डर चेहरा जलाया

बॉयफ्रेंड गिरफ्तार; पुलिस को शक- हत्या के बाद शव पूजा पंडाल के पास फेंका

कोलकाता, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के नदिया जिले में 20-22 साल की लड़की का शव मिला। आरोप है कि लड़की का रेप और फिर मर्डर किया गया। लड़की का चेहरा भी जलाने की कोशिश की गई है। घटना के सामने आने के बाद इलाके में तनाव है। कांग्रेस और सीपीएम ने पुलिस थाने के सामने प्रदर्शन किया और पोस्टमॉर्टम की मांग की। इसके बाद बॉडी को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया।

पुलिस ने अभी लड़की की पहचान की पुष्टि नहीं की है। लेकिन रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि लड़की कृष्णानगर कस्बे की रहने वाली है। 12वीं में पढ़ रही थी। उसका परिवार फूल बेचने का काम करता है।

रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि लड़की मंगलवार शाम अपने बॉयफ्रेंड राहुल बसु (22) के साथ घूमने गई थी।

>14

मुख्य चुनाव आयुक्त के हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग

मौसम खराब होने पर खेत में उतारा, ट्रैकिंग के लिए नंदा देवी जा रहे थे

पिथौरागढ़, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार के हेलिकॉप्टर की उत्तराखंड में मुनस्यारी के रालम में इमरजेंसी लैंडिंग हुई है। इसकी वजह खराब मौसम बताई गई है। हेलिकॉप्टर मिलम की तरफ जा रहा था। उनके साथ राज्य के उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी विजय कुमार जोगदंडे भी थे।

सीईसी का मिलम से नंदा देवी बेस कैम्प ट्रैकिंग के लिए जाने का प्लान था, लेकिन इस बीच दोपहर 1 बजे मौसम खराब हो गया। पायलट ने खतरा महसूस होते ही सूझबूझ का परिचय देते हुए हेलिकॉप्टर की पास में ही एक खेत में सेफ लैडिंग करा दी। डीएम ने सीईसी से बात की, वे सुरक्षित हैं। लैंडिंग के बाद मुख्य चुनाव आयुक्त और उनके साथ मौजदू अन्य अधिकारियों को पास स्थित गेस्ट हाउस ले जाया गया है।

कुमाऊं के कमिश्नर दीपक रावत ने बताया कि मुख्य चुनाव आयुक्त की मिलन ग्लेशियर में विजिट थी। वहां उन्हें नंदा देवी में आईटीबीपी जवानों से मिलना था। वहां से उन्हें पिथौरागढ़ जिले के पाछू, मातोली आदि क्षेत्रों के ग्रामीणों से मिलने जाना था। उन्हें यह देखना था कि हाई एटीट्यूड में इलेक्शन को लेकर किस तरह के चैलेंज रहते हैं। लेकिन, दोपहर करीब एक बजे डीएम पिथौरागढ़ ने इमरजेंसी लैंडिंग की जानकारी दी। इसके बाद सैटेलाइट फोन के जरिए इमरजेंसी लैंडिंग की जानकारी ली गई। मुख्य चुनाव आयुक्त के साथ मौजूद स्टाफ और अन्य लोगों से बात की गई है।

जम्मू-कश्मीर की सरकार में कांग्रेस क्यों नहीं?

क्या 370 की राजनीति नहीं झेल पा रही या अब्दुल्ला को अब जरूरत नहीं

नई दिल्ली , 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली है। सीएम के तौर पर उन्होंने दूसरी बार शपथ ली है। जम्मू-कश्मीर के केंद्रशासित प्रदेश बनने के बाद वह सूबे के पहले मुख्यमंत्री बने हैं। लेकिन उनकी सरकार में सहयोगी कांग्रेस शामिल नहीं हुई। मतलब राज्य में इंडिया की सरकार नहीं बनी! दोनों पार्टियां साथ मिलकर चुनाव लड़ी थीं तो फिर कांग्रेस सरकार में क्यों शामिल नहीं हुई? इसका जवाब है- महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा चुनाव।

उमर अब्दुल्ला के शपथ से पहले जबरदस्त सस्पेंस बना हुआ था। सस्पेंस इस पर कि कांग्रेस सरकार में शामिल होगी या नहीं। छन-छनकर खबरें आने लगीं कि पार्टी सरकार में शामिल नहीं होगी। अटकलें लगने लगीं कि नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस में शायद सबकुछ ठीक नहीं है। शपथ समारोह होते ही सबकुछ शीशे की तरह साफ हो गया। कांग्रेस उमर अब्दुल्ला सरकार में शामिल नहीं हुई। आखिर इसके पीछे वजह क्या है?

कांग्रेस उमर अब्दुल्ला सरकार का हिस्सा नहीं बनी, उसकी वजह पार्टी चाहे जो बताए लेकिन हकीकत में वजह महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा चुनाव हैं। हो सकता है कि बाद में पार्टी सरकार में शामिल हो जाए लेकिन दो अहम राज्यों के चुनाव से पहले नहीं। कारण ये कि अगर वह सरकार का हिस्सा बनती है तो दोनों राज्यों के विधानसभा चुनाव में बीजेपी को नेशनल कॉन्फ्रेंस के चुनाव घोषणा पत्र के बहाने से उसे घेरने का बड़ा मौका हाथ लग सकता है।

कांग्रेस नहीं चाहती कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के चुनावी वादों की सीधी आंच उसे महाराष्ट्र और झारखंड में झेलनी पड़े। पार्टी अभी हरियाणा चुनाव में हार के झटकों से भी नहीं उबरी है। आखिर कांग्रेस को नेशनल कॉन्फ्रेंस के चुनावी वादों का चुनाव में नुकसान का डर क्यों सता रहा है? जवाब उसी में छिपा है यानी चुनावी वादों में।

नेशनल कॉन्फ्रेंस ने आर्टिकल 370 और 35 ए की बहाली की कोशिश का वादा किया है। वादा किया है कि राजनीतिक कैदियों की रिहाई होगी। वादा किया है सार्वजनिक सुरक्षा कानून (पीएसए) को रद्द करने का। भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत आगे बढ़ाने का। जम्मू-कश्मीर के लिए अलग से ध्वज और संविधान की बहाली का। एक वादा ये भी कि शंकराचार्य पर्वत और हरि पर्वत किला के बीच रोपवे चलाई जाएगी। अब रोपवे चलाने में क्या बुराई है लेकिन विवाद नाम का है। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने अपने मैनिफेस्टो में शंकराचार्य पर्वत को तख्त-ए-सुलेमान और हरि पर्वत किला को कोह-ए-मारन नाम दिया है।

जम्मू-कश्मीर चुनाव के दौरान भी बीजेपी ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के मैनिफेस्टो को लेकर कांग्रेस को घेरा था। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी रैली में कहा था कि उनका घोषणापत्र देखकर पाकिस्तान बहुत खुश है। पीएम ने पाकिस्तान के मंत्री ख्वाजा आसिफ के उस बयान का जिक्र किया जिसमें उन्होंने कहा था कि आर्टिकल 370 की बहाली के मुद्दे पर नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन का रुख एकदम पाकिस्तान वाला है।

अब अगर कांग्रेस उमर अब्दुल्ला सरकार में शामिल होती तो बीजेपी को उसे महाराष्ट्र और झारखंड चुनाव में भी नेशनल कॉन्फ्रेंस के चुनाव घोषणा पत्र के बहाने से घेरने का मौका मिल जाता। हरियाणा चुनाव में हार के बाद कांग्रेस फूंक-फूंककर कदम रखना चाहती है। वह बीजेपी को ऐसा कोई मौका नहीं देना चाहती। यही वजह है कि वह उमर अब्दुल्ला सरकार में फिलहाल शामिल नहीं हुई।

'न्याय की देवी' की नई मूर्ति की आंखों से हटी पट्टी

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में न्याय की देवी की नई मूर्ति लगाई गई है। इस मूर्ति में कुछ बदलाव किए गए हैं। मूर्ति की आंखों से पट्टी हटा दी गई है और हाथ में तलवार की जगह संविधान की किताब दी गई है। भारत के चीफ जस्टिस (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने ये बदलाव करवाए हैं। इसका मकसद ये बताना है कि भारत में कानून अंधा नहीं है। नई मूर्ति को सुप्रीम कोर्ट के जजों की लाइब्रेरी में लगाया गया है। डीवाई चंद्रचूड़ ने खुद इस मूर्ति को बनाने का आदेश दिया था। दरअसल पुरानी मूर्ति में दिखाया गया अंधा कानून और सजा का प्रतीक आज के समय के हिसाब से सही नहीं था, इसलिए ये बदलाव किए गए हैं।

पहले की मूर्ति में आंखों पर पट्टी का मतलब था कि कानून सबके साथ एक जैसा व्यवहार करता है। हाथ में तलवार दिखाती थी कि कानून के पास ताकत है और वो गलत करने वालों को सजा दे सकता है। हालांकि नई मूर्ति में एक

चीज़ जो नहीं बदली है वो है तराजू। मूर्ति के एक हाथ में अब भी तराजू है। यह दिखाता है कि न्यायालय किसी भी फैसले पर पहुंचने से पहले दोनों पक्षों की बात ध्यान से सुनता है। तराजू संतुलन का प्रतीक है।

न्याय की देवी, जिसे हम अक्सर अदालतों में देखते हैं, असल में यूनान की देवी हैं। उनका नाम जस्टिया है और उन्हीं के नाम से 'जस्टिस' शब्द आया है। उनकी आंखों पर बंधी पट्टी दिखाती है कि न्याय हमेशा निष्पक्ष होना चाहिए। 1%वीं शताब्दी में एक अंग्रेज अफसर पहली बार इस मूर्ति को भारत लाए थे। यह अफसर एक न्यायालय अधिकारी थे। 18वीं शताब्दी में ब्रिटिश राज के दौरान न्याय की देवी की मूर्ति का सार्वजनिक रूप से इस्तेमाल होने लगा। भारत की आजादी के बाद भी हमने इस प्रतीक को अपनाया।

न्याय की देवी की आंखों पर पट्टी क्यों बंधी होती है, इसका जवाब भी दिलचस्प है। ऐसा इसलिए है क्योंकि किसी को देखकर न्याय करना एक पक्ष में जाना हो सकता है। आंखों पर पट्टी बंधे होने का मतलब है कि न्याय की देवी हमेशा निष्पक्ष होकर न्याय करेंगी। इस तरह, जस्टिया की मूर्ति हमें याद दिलाती है कि सच्चा न्याय निष्पक्ष और बिना किसी भेदभाव के होना चाहिए।

उमर अब्दुल्ला जम्मू-कश्मीर यूटी के पहले मुख्यमंत्री

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रैना को हराने वाले सुरेंदर चौधरी डिप्टी सीएम, कांग्रेस सरकार में शामिल नहीं

श्रीनगर, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इसके साथ ही वे इस केंद्र शासित राज्य के पहले सीएम बन गए। कार्यक्रम श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर में हुआ।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस सरकार में शामिल नहीं हुई है। हालांकि, उमर के शपथ समारोह राहुल और प्रियंका गांधी मौजूद रहे। कांग्रेस ने सरकार को बाहर से समर्थन दिया है। पार्टी का कहना है कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा मिलने तक उसकी लड़ाई जारी रहेगी।

डिप्टी सीएम सुरेंदर चौधरीः नौशेरा से विधायक हैं। विधानसभा चुनाव में राज्य भाजपा के अध्यक्ष रहे रवींद्र रैना को 7819 वोट से हराया।

मंत्री सकीना इट्टूः डीएस पोरा से विधायक, 1996 में जम्मू-कश्मीर की सबसे युवा विधायक बनी थीं। तब उम्र 26 साल थी। 2008 में जम्मू-कश्मीर से अकेली महिला मंत्री थीं।

मंत्री जावेद राणाः मेंढर से विधायक हैं। 2002 और 2014 में इसी सीट से विधायक बने। पहली बार मंत्री बनाए गए हैं। मंत्री जावेद अहमद डारः राफियाबाद से चुनाव जीते हैं। पहली बार विधायक बने हैं। मंत्री सतीश शर्माः छंब सीट से निर्दलीय विधायक हैं। उमर अब्दुल्ला की नेशनल कॉन्फ्रेंस को समर्थन दिया है। शपथ लेने के बाद उन्होंने ₹जय माता दी₹ का नारा लगाया।

केजरीवाल-ममता नहीं आए

शपथ में इंडिया ब्लॉक के नेताओं में अखिलेश यादव, संजय सिंह समेत 6 पार्टियों के लीडर्स पहुंचे थे। संसद विपक्ष के नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे, पश्चिम बंगाल सीएम ममता बनर्जी, तमिलनाडु सीएम एमके स्टालिन, उद्धव ठाकरे, शरद पवार, लालू प्रसाद यादव और अरविंद केजरीवाल सहित करीब 50 वीआईपीज को न्योता भेजा था। हालांकि केजरीवाल और ममता बनर्जी समारोह में नहीं पहुंचे।

भाजपा बोली- उम्मीद है शांति स्थापित करेंगेः जम्मू-कश्मीर भाजपा अध्यक्ष रविंदर रैना ने कहा- मैं उमर अब्दुल्ला को बधाई देता हूं, जिन्होंने जम्मू-कश्मीर के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है। उनके मंत्रिपरिषद को भी बधाई देता हूं। मुझे उम्मीद है कि वे जम्मू-कश्मीर में शांति स्थापित करने और जनता के सामने आने वाले मुद्दों को हल करने के लिए काम करेंगे।

पीडीपी बोली- लंबे समय बाद स्थिर सरकारः पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती ने कहा- मैं जम्मू-कश्मीर के लोगों को बधाई देती हूं, क्योंकि उन्हें लंबे समय के बाद एक स्थिर सरकार मिली है। 5 अगस्त 2019 के बाद जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए यह बहुत कठिन समय था। हमें उम्मीद है कि जो सरकार बनी है वह सबसे पहले घावों को भरेगी और लोगों की समस्याओं और पीड़ाओं को हल करेगी।

सुप्रीम कोर्ट बोला- केंद्रीय पैनल बिना दांत वाला बाघ

पराली पर पंजाब-हरियाणा सरकारों ने भी एक्शन नहीं लिया, अफसरों पर कार्रवाई करें

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। पराली जलाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार के पैनल कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट के साथ-साथ पंजाब और हरियाणा सरकारों को फटकार लगाई है।

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सीएक्यूएम को बिना दांतों का बाघ कहा है। कोर्ट ने कहा- पंजाब हरियाणा की सरकारों ने पराली जलाने वालों के खिलाफ एक्शन नहीं लिया। सीएक्यूएम पंजाब-हरियाणा सरकारों के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करे।

जस्टिस अभय एस ओका, जस्टिस अहसानउद्दीन अमनुल्लाह और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज की बेंच ने कहा कि दोनों सरकारों को एक्शन लेने के लिए पहले भी कहा गया था। फिर भी अभी तक कुछ नहीं किया गया है। पंजाब सरकार ने पिछले 3 साल में पराली जलाने को लेकर 1 भी केस नहीं चलाया है।

कोर्ट ने 23 अक्टूबर को पंजाब और हरियाणा के चीफ सेक्रेटरी को तलब किया है। कोर्ट ने कहा

है कि दोनों अधिकारियों को बताना होगा कि पराली जलाने को लेकर इन्होंने एक्शन क्यों नहीं लिया। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट दिल्ली में वायु प्रदूषण को लेकर लगी याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

हरियाणा सरकार ने कहा है कि वह पराली जलाने वालों के खिलाफ फाइन लगा रही है, लेकिन यह केवल नाममात्र का जुर्माना है।

इसरो आपको बता रहा है कि आग कहां लगी थी और आप कहते हैं कि आपको कुछ नहीं मिला। यह सीएक्यूएम द्वारा दिए गए निर्देशों की अवहेलना है।

पंजाब सरकार ने कहा है कि केस चलाना संभव नहीं है। अगर ऐसा है, तो लोग नाममात्र का जुर्माना भरते रहेंगे। वे कुछ हजार रुपए देंगे और पराली जलाते रहेंगे। जस्टिस अभय एस ओका, जस्टिस अहसानउद्दीन अमनुल्लाह और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज की बेंच मामले की सुनवाई कर रही थी। सीएक्यूएम की तरफ से एएसजी एश्वर्या भाटी पेश हुए। वहीं, पंजाब सरकार की ओर से एडवोकेट जनरल गुरमिंदर सिंह पेश हुए।

पराली जलाने के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई न करने को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सीएक्यूएम को 27 सितंबर को फटकार लगाई थी। कोर्ट ने कहा था कि प्रदूषण की वजह से इमरजेंसी जैसे हालात हैं। सीएक्यूएम से पूछा कि पराली जलाने में क्या कोई कमी आई है? आप पराली जलाने के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं कर रहे हैं? लगातार बैठकें क्यों नहीं हो रहीं? आपकी कार्रवाई केवल कागज पर है और आप मूकदर्शक हैं। सीएक्यूएम के अध्यक्ष राजेश वर्मा ने बताया कि उन्होंने समिति बनाने के बाद 82 कानूनी आदेश और 15 सुझाव जारी किए हैं। उनकी टीम ने 19,000 जगहों का निरीक्षण किया है और 10,000 से ज्यादा फैक्ट्रियों को बंद करने का आदेश दिया है।

इस पर कोर्ट ने कहा कि सीएक्यूएम तीन साल से अस्तित्व में है, लेकिन इसने केवल 82 निर्देश जारी किए हैं। इतनी कार्रवाई काफी नहीं है। आयोग को और अधिक एक्टिव होने की जरूरत है। आयोग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उसके निर्देशों से प्रदूषण की समस्या कम हो रही है या नहीं।

इंजीनियर राशिद बोले-पीएम ने 370 अब्दुल्ला परिवार से पूछकर हटाई

श्रीनगर, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। लोकसभा सांसद और अवामी इत्तेहाद पार्टी के चीफ इंजीनियर राशिद ने कहा है कि प्रधानमंत्री मोदी ने आर्टिकल 370 अब्दुल्ला परिवार से पूछकर ही हटाया था। उमर अब्दुल्ला के मुख्यमंत्री बनने उन्होंने बुधवार सुबह कहा- भाजपा ने नेशनल कॉन्फ्रेंस की मदद की है, जिसके कारण घाटी में NC की वापसी हुई है। पूरा मैच फिक्स था।

राशिद ने कहा- उमर अब्दुल्ला स्टेहुड, धारा 370 और 35A की बात करते हैं। उमर अब्दुल्ला आर्टिकल 370 से भाग रहे हैं। जब पीएम मोदी ने 370 हटाई थी, तो उससे 3 दिन पहले उन्होंने फारूक अब्दुल्ला से मुलाकात की थी।

मुलाकात के बाद फारूक अब्दुल्ला ने कहा था कि कुछ भी नहीं हटने वाला है, लेकिन 370 हटा दी गई। इसके बाद फारूक और उमर अब्दुल्ला को गेस्ट हाउस में रखा गया। ऐसा लगता है जैसे फारूक-उमर केंद्र सरकार के फैसले के साथ थे।

लोकसभा चुनाव में राशिद ने उमर को हराया था

राशिद को 2016 में जम्मू-कश्मीर में आतंकी फंडिंग के आरोप में यूएपीए के तहत अरेस्ट किया गया था। वे तिहाड़ जेल में बंद थे। राशिद ने जेल में रहते हुए ही 2024 लोकसभा चुनाव में जीत दर्ज की थी। उन्होंने बारामूला सीट से चुनाव लड़ते हुए एनसी के प्रत्याशी और अब सीएम बन चुके उमर अब्दुल्ला को हराया था।

10 सितंबर को दिल्ली की अदालत ने उन्हें अंतरिम जमानत दी थी। वे 11 सितंबर को तिहाड़ से बाहर आए। उन्होंने जेल से निकलकर कहा था मोदी ने जो 'नया कश्मीर' का नैरेटिव बनाया है, जिसे लोगों ने नकार दिया है, उसके खिलाफ लड़ाई लड़ूंगा। मोदी ने 5 अगस्त 2019 को जो किया, उसे लोगों ने खारिज कर दिया है।

भाजपा अध्यक्ष का चुनाव दिसंबर में

चुनाव के लिए 4 सदस्यीय टीम गठित, पहले राज्यों के अध्यक्ष चुनें

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। भाजपा ने संगठनात्मक चुनाव के लिए टीम का ऐलान कर दिया है। राज्यसभा सांसद के. लक्ष्मण को राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी घोषित किया गया है। यह टीम राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव प्रक्रिया का संचालन करेगी।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव दिसंबर में होना है। सदस्यता अभियान के साथ इसकी शुरुआत हो चुकी है। 17 अक्टूबर तक सदस्यता अभियान चलेगा। इसके बाद राज्यों में संगठनात्मक चुनाव होंगे।

लक्ष्मण होंगे चुनाव अधिकारी, बंसल और पात्रा भी शामिल

राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव कार्यक्रम घोषित होने के बाद नामांकन की तिथि और मतदान की तारीख का ऐलान होगा। यदि एक ही नाम राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए आया तो उसे चुनाव अधिकारी पार्टी का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित कर देता है। के. लक्ष्मण के साथ सांसद नरेश बंसल, संबित पात्रा और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रेखा वर्मा को राष्ट्रीय सह चुनाव अधिकारी बनाया गया है।

जून में बढ़ा था जेपी नड्□डा का कार्यकाल

नड्डा का कार्यकाल इसी साल जनवरी में खत्म हो चुका है। लोकसभा चुनाव के लिए जून तक विस्तार दिया गया था। जुलाई में पार्टी को नया अध्यक्ष चुनना था, लेकिन नए अध्यक्ष के चुनाव से पहले संगठनात्मक चुनाव की जरूरत होती है। इसमें 6 महीने का समय लगता है। इसलिए जून में नड्डा का कार्यकाल 6 महीने और बढ़ाया गया था। नड्डा अभी केंद्रीय मंत्री भी हैं, लिहाजा उनके दैनिक क्रियाकलाप के संचालन के लिए किसी महासचिव को कार्यकारी अध्यक्ष बना सकते हैं। सुनील बंसल व विनोद तावड़े के नाम सबसे आगे हैं।

सूत्रों का कहना है कि जिसे कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिलेगी, भविष्य में उसे पूर्णकालिक अध्यक्ष बनाया जा सकता है।

चूंकि पार्टी अध्यक्ष का कार्यकाल 3 साल का होता है। इसलिए नया अध्यक्ष अक्टूबर-नवंबर 2025 के बिहार, 2026 के पश्चिम बंगाल और 2027 के उप्र विधानसभा चुनाव (2027) के लिए अपनी नई टीम पर्याप्त समय रहते बना सकता है।

कार्यकारी अध्यक्ष बनाने के पीछे वजह

भाजपा के संविधान में एक व्यक्ति एक पद की व्यवस्था है, इसलिए केंद्रीय मंत्री रहते नड्डा पूर्ण रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं रह सकते।

लिहाजा कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त कर पार्टी इस तकनीकी पहलू को सुलझा सकती है। 2019 के बाद भी भाजपा ने अमित शाह को अध्यक्ष बनाए रखा था। नड्डा कार्यकारी अध्यक्ष बने थे।

14 मंजिला इमारत के 10वें फ्लोर पर आग

2 बुजुर्ग समेत 3 की मौत; फायर ब्रिगेड ने 1 घंटे में आग पर काबू पाया

मुंबई, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुंबई के अंधेरी इलाके में एक 14 मंजिला इमारत में बुधवार सुबह आग लग गई। आग से 2 बुजुर्ग समेत 3 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि अंधेरी इलाके के लोखंडवाला कॉम्प्लेक्स के रिया पैलेस बिल्डिंग के 10वें फ्लोर पर सुबह करीब 8 बजे आग लगी। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। 1 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया था, लेकिन तब तक फ्लैट में रह रहे 2 बुजुर्ग और उनका नौकर बुरी तरह झुलस चुके थे। तीनों को गंभीर हालत में कूपर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान चंद्रप्रकाश सोनी (74), कांता सोनी (74) और पेलुबेटा (42) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि आग लगने के कारण का अभी पता नहीं चल पाया है। जांच के बाद ही पूरी जानकारी दी जाएगी। मुंबई के चेंबूर इलाके के सिद्धार्थ कॉलोनी में 3 मंजिला इमारत में अक्टूबर को आग लग गई थी। इससे एक ही परिवार के 3 बच्चों समेत 7 लोगों की जलकर मौत हो गई। घटना रविवार सुबह 5:20 बजे की थी। चश्मदीदों ने बताया कि ग्राउंड फ्लोर पर बनी दुकान आग में भड़की। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची। देखते ही देखते आग ऊपर की मंजिल तक पहुंची, लेकिन वहां रह रहे लोगों को रेस्क्यू नहीं किया जा सका। फयर ब्रिगेड ने करीब 9 बजे तक आग पर काबू पाया, जिसके बाद अंदर फंसे सभी 7 लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बाबा सिद्दीकी मर्डर केस- पुलिस का खुलासा

शूटर्स ने 3 महीने प्लान बनाया, यूट्यूब से फायरिंग सीखी; कई बार बाबा के घर गए

मुंबई, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। एनसीपी अजित गुट के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या की साजिश 3 महीने पहले ही बन रही थी। आरोपी कई बार बिना हथियार के बाबा के घर भी गए थे। यह खुलासा मुंबई क्राइम ब्रांच ने मंगलवार रात किया। पुलिस के मुताबिक पूरी प्लानिंग पुणे में की गई। शूटर गुरमैल सिंह और धर्मराज कश्यप ने यूट्यूब पर वीडियो देखकर शूटिंग सीखी थी। ये लोग मुंबई में बिना मैगजीन के शूटिंग प्रैक्टिस करते थे। 12 अक्टूबर की रात बाबा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वे बेटे जीशान के बांद्रा में बने दफ्तर में थे। बाहर निकलते ही

उन पर 6 गोलियां चलाई गईं थीं। वारदात के बाद पुलिस ने तीन आरोपियों को अरेस्ट कर लिया। चौथा आरोपी हरीश बालकराम 15 अक्टूबर को बहराइच से पकड़ा गया। 3 अब भी फरार हैं। मर्डर की जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई की गैंग ने ली है। मुंबई क्राइम ब्रांच ने अब तक 15 से ज्यादा लोगों के बयान दर्ज किए हैं, जिनमें घटना के वक्त मौजूद कई चश्मदीद गवाह भी शामिल हैं।

15 अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया चौथा आरोपी हरीश बालकराम बिचौलिया था। गिरफ्तार आरोपी प्रवीण और शुभम लोनकर (फरार) ने गिरफ्तार शूटर गुरमैल सिंह और धर्मराज कश्यप को 2 लाख रुपए दिए थे। यह पैसे हरीश के जरिए पहुंचाए गए थे। हरीश, प्रवीण और शुभम का चचेरा भाई है। पैसों के साथ शूटरों को दो मोबाइल फोन भी मुहैया कराए गए थे, हरीश पिछले 9 सालों से पुणे में रह रहा है। आरोपी चैटिंग के लिए स्नैपचैट ऐप और कॉल करने के लिए इंस्टाग्राम का इस्तेमाल करते थे। बाबा सिद्दीकी को पहचानने के लिए आरोपियों को बाबा की फोटो दी गई और बताया गया कि यही टारगेट है। घटना से 25 दिन पहले घर और ऑफिस की रेकी भी की गई थी।

बहराइच हिंसा में 11 एफआईआर 50 गिरफ्तार, 1000 अज्ञात

कर्फ्यू जैसे हालात; सपा नेता बोले- हिंसा में मारे गए राम गोपाल की गलती

बहराइच, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। बहराइच में भड़की हिंसा का बुधवार को चौथा दिन है। हिंसा प्रभावित पूरे इलाके में फोर्स तैनात है। महराजगंज, जहां से हिंसा की शुरुआत हुई थी वहां 2 किमी इलाके में पूरी मार्केट बंद है। प्रशासन ने लोगों से दुकानें खोलने की अपील की, लेकिन डर की वजह से अभी कोई खोल नहीं रहा है।

जिले में इंटरनेट को दो दिन यानी गुरुवार तक के लिए और बंद कर दिया गया है। पुलिस लोगों को आने-जाने से रोक नहीं रही है, लेकिन नजर रखे है। स्कूलों को खोल दिया गया है। हालांकि, सन्नाटा पसरा हुआ है। महसी और हरदी तहसील के प्रभावित इलाकों में ज्यादातर घरों में महिलाएं हैं। इधर, सरकार ने सीओ महसी भूपेंद्र गौर को सस्पेंड कर दिया है। इधर, हिंसा में मारे गए युवक राम गोपाल मिश्रा की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट को लेकर भी दावे किए जा रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि गोली मारने से पहले पिटाई की गई थी। बॉडी में 25 छर्रे मिले थे। नाखून उखाड़ने के निशान भी मिले हैं।

महराजगंज चौराहे पर तैनात एक आईपीएस अफसर ने भास्कर को बताया कि दुर्गा विर्सजन के दौरान पुलिस से चूक हुई है। छतों पर पुलिस तैनात नहीं की गई थी, इस वजह से विवाद के बाद पथराव हुआ और मामला बढ़ गया। इस मामले में अब तक 26 लोगों को गिरफ्तार करके जेल भेजा जा चुका है।

दुर्गा पूजा कार्निवाल वर्ल्ड हैरिटेज में शामिल

ममता सरकार के खिलाफ डॉक्टरों ने द्रोह कार्निवाल निकाला; अनशन में 2 और डॉक्टर जुड़े

कोलकाता, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। कोलकाता में ममता सरकार ने दुर्गा पूजा कार्निवाल का आयोजन किया। इस दौरान 89 पूजा समितियों ने इस कार्निवाल में हिस्सा लिया। देवी दुर्गा की प्रतिमाएं रेड रोड पर एक जुलूस के रूप में निकाली गईं।

दुर्गा पूजा कार्निवाल 2016 से हर साल आयोजित किया जाता है। यूनेस्को ने 2021 में बंगाल की दुर्गा पूजा को अमूर्त विरासत का दर्जा प्रदान किया था। इसके बाद इसे वैश्विक स्तर पर पहचान मिली है। इधर, जूनियर डॉक्टरों रानी रासमनी रोड पर सरकार के विरोध में मार्च निकाला। इसे द्रोह कार्निवाल नाम दिया। इसके पहले कलकत्ता एचसी

ने कार्निवाल के परमिशन दे दी थी।

आरजी कर हॉस्पिटल में 8-9 अगस्त की रात ट्रेनी डॉक्टर से रेप मर्डर की घटना और सुरक्षा से जुड़ी अपनी मांगों को लेकर डॉक्टरों का अनशन 11वें दिन भी जारी है। 5 अक्टूबर से जारी आमरण अनशन पर मंगलवार को दो और डॉक्टर रूमेलिका कुमार और स्पंदन चौधरी भी जुड़ गए। अब अनशन पर कुल 7 डॉक्टर हैं, जबकि 5 हॉस्पिटल में भर्ती हैं।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने दुर्गा पूजा कार्निवल के पास के क्षेत्रों में निषेधात्मक आदेशों को रद्द कर दिया था। इसके तुरंत बाद, जूनियर डॉक्टरों ने रानी रासमनी रोड से अपना द्रोह कार्निवल शुरू किया। डॉ. देबाशीष हलदर ने कहा,-यह आम लोगों की प्रतिक्रिया है जो पश्चिम बंगाल सरकार के असंवेदनशील रवैये के खिलाफ विरोध करना चाहते हैं। सीएम इस बात से बेफिक्र हैं कि युवा डॉक्टर आमरण अनशन पर हैं।

15 अक्टूबर को इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने नेशनल टास्क फोर्स के काम को लेकर असंतोष जताया। बेंच ने कहा कि एनटीएफ को डॉक्टरों और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रोटोकॉल बनाने की जिम्मेदारी दी गई है, लेकिन ये बहुत धीमी गति से काम कर रहा है।

कोर्ट ने कहा कि एनटीएफ की पहली बैठक 27 अगस्त को हुई थी। हैरानी की बात है कि 9 सितंबर के बाद से कोई बैठक नहीं हुई। कोई प्रोग्रेस क्यों नहीं हुई? इस टास्क फोर्स को अपने काम में तेजी लानी होगी। कोर्ट ने कहा कि एनटीएफ 3 हफ्ते के अंदर डॉक्टरों की सुरक्षा को लेकर अपने सुझाव दे।

किशनगंज सांसद डॉ. जावेद को हत्या की धमकी

हिंदू राष्ट्र ने सोशल मीडिया पर बताया आतंकी; एमपी बोले-धार्मिक पहचान को बनाया जा रहा निशाना

किशनगंज (बिहार), 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। किशनगंज सांसद डॉ. मोहम्मद जावेद आजाद को जान से मारने की धमकी मिली है। यह धमकी सोशल मीडिया एक्स पर एक हिन्दू राष्ट्र नाम के आईडी से दी गई है। पोस्ट में लिखा है, मोहम्मद जावेद अलकायदा का आतंकी है, तुम्हारे जैसे आतंकियों के लिए गिरिराज सिंह ठीक बोलते हैं। इस देश मे जीतने भी दाढ़ी टोपी और हिजाब वाले मदरसा छाप आतंकी हैं। उसके लिए इस देश मे कोई जगह नहीं है।एक-एक को ठिकाना लगाया जाएगा काम शुरू हैं। तुम्हारा भी नंबर आएगा।₹ पोस्ट के बाद हिंदू राष्ट्र नाम के इस अकाउंट को सस्पेंड कर दिया गया है।

इस पोस्ट के बाद सांसद जावेद ने खुद की जान को खतरा बताते हुए कहा कि उनकी धार्मिक पहचान को निशाना बनाने की साजिश रची जा रही है। इसे लेकर उन्होंने दिल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है और पोस्ट की गहन जांच के बाद आरोपी के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। इसके अलावा उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपनी सुरक्षा बढ़ाने की अपील की है।

सांसद जावेद आजाद ने इस पोस्ट के बाद एक एक प्रेस रिलीज जारी किया, जिसमें उन्होंने कहा कि ट्वीट में उन पर आतंकवादी होने झूठा आरोप लगाया गया है। साथ ही मेरी धार्मिक पहचान को निशाना बनाया जा रहा है। इस ट्वीट के बाद सांसद डॉ. जावेद ने अपनी जान को खतरा बताया है। उनका कहना है कि इस पोस्ट के जरिए सांप्रदायिक अशांति भड़काने की कोशिश की जा रही है।

सांसद ने मांग की है कि भारतीय दंड संहिता की धारा 506 (आपराधिक धमकी) और 153-ए (शत्रुता को बढ़ावा देना) के तहत तत्काल FIR दर्ज किया जाए। अकाउंट के पीछे कौन व्यक्ति है, उन्होंने इसकी भी दिल्ली पुलिस से जांच कराने की मांग की है। डॉ. जावेद आजाद ने कड़ी सुरक्षा की भी मांग की है।

कांग्रेस अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष शमशीर अहमद उर्फ दारा ने कहा, 'ये मामला बहुत ही दुखद और गंभीर है। क्योंकि एक चुने हुए सांसद को सोशल मीडिया पर जान से मारने की धमकी दी जा रही है। उनकी धार्मिक पहचान बताकर ऐसा करना एक गंभीर मामला है। ऐसे लोगों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करना चाहिए। ऐसे लोग आम जनता के लोग नहीं है।

सुविचार

दुःख आता है तो, अटक जाते हैं लोग सुख आता है तो, भटक जाते हैं लोग!

जातरा को राष्ट्रीय त्योहार के रूप में मान्यता मिलने तक कोशिश जारी : कोंडा सुरेखा

हैदराबाद, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। वन, पर्यावरण और देवदया धर्मार्थ मंत्री कोंडा सुरेखा ने आज मुलुगु जिलों में प्रसिद्ध सम्मक्का सरक्का मंदिर का दौरा किया। सम्मक्का पुजारियों ने मंत्री को अम्मावरला साड़ी और हल्दी केसर भेंट की। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री सुरेखा ने कहा कि जब तक सम्मक्का सरक्का जातरा को राष्ट्रीय त्योहार के रूप में मान्यता नहीं मिल जाती, तब तक कांग्रेस सरकार की कोशिश जारी रहेगी। उन्होंने याद दिलाया कि कांग्रेस सरकार आने के बाद मेले का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। मंत्री सुरेखा ने कहा कि धर्मस्व विभाग की ओर से मंत्री के तौर पर वह, आदिवासी बालक मंत्री सीतक्का सम्मक्का सरक्का मेला क्षेत्र के विकास और सुविधाओं के निर्माण के लिए काम कर रहे हैं। मंत्री ने कहा कि सम्मक्का सरक्का, जो कि उनकी जाति के देवता हैं, का दौरा एक परंपरा के रूप में जारी है। मंत्री सुरेखा ने प्रार्थना की कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में राज्य प्रगति के पथ पर आगे बढ़ेगा और राज्य की वित्तीय कठिनाइयों को दूर करेगा। मंत्री सुरेखा ने देवी से कामना की कि वे राज्य के हितैषी सोनिया गांधी और राहुल गांधी की महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने की शक्ति प्रदान करें।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें

द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों की हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

खुली ई-निविदा सूचना सं.-सी/इ.29/इलेक./एम/एससी/21/एसएंडटी/ओटी/2024-25 दि.10/10/2024 PUB/1038

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं की ओर से, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्य के प्रति दि.04-11-2024 के 15.00 बजे तक ई-निविदा आमंत्रित है।

क्रम सं.-01 - ई-टेंडर नं. इटेंडर नं. /सी/इ.29/इलेक/एम/एससी/21/एसएंडटी/ओटी/2024-25, इटेंडर नं. इ- एम-एससी-21-ओटी-2024-25 कार्य विवरणः सिकंदराबाद डिवीजन बिजली रखरखाव विभाग-दक्षिण मध्य रेलवे के सिकंदराबाद डिवीजन में 4जी एलटीइ-आर संबंधित 25केवीए एटी की आपूर्ति का प्रावधान-बिजली व्यवस्था। निविदा मूल्यः रु.14,29,93,681.73 पूर्व धरोहर राशिःरु.8,65,000.00 सीटीएफः रु.0.00 पूरा करने की अवधिः 6 महिने

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, रखरखाव, सिकंदराबाद

खुली ई-निविदा सूचना सं.बी/इ.इजीएस/ 09/ 2024-25 दि.09/10/2024 PUB/1039

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु तत्संबंधित तिथिनुसार 15.00 बजे तक ई-निविदा आमंत्रित है।

क्रम सं.01 निविदा सं.-बी/इ.29/।/इजीएस/21/24-25 दि.08.10.2024 कार्य विवरणः 1)बीजेडए-जीडीआर सेक्शनः केसीसी डीइएन/सी/बीजेडए क्षेत्राधिकार के तहत एडीइएन/बीपीपी सब-डिवीजन में केसीसी स्टेशन पर गूड्स शेड का विकास कार्य। 2) बीजेडए-जीडीआर सेक्शनः टीइएलः डीइएन/सी/बीजेडए क्षेत्राधिकार के तहत एडीइएन/बीपीपी सब-डिवीजन में टीइएल स्टेशन पर गूड्स शेड का विकास कार्य। 3)बीजेडए-जीडीआर सेक्शनःपीजीयुः सीनि. डीइएन/दक्षिण क्षेत्राधिकार के तहत एडीइएन/बीपीपी सब-डिवीजन में पीजीयु स्टेशन पर गूड्स शेड का विकास कार्य। 4) बीजेडए-जीडीआर सेक्शनः सीनि. डीइएन/दक्षिण क्षेत्राधिकार के तहत एडीइएन/ओजीएल सब-डिवीजन में ओजीएल स्टेशन पर गूड्स शेड का ओजीएल विकास कार्य। बिजली व्यवस्था। निविदा मूल्यः रु.5,77,60,021.44 पूधरा/बोली सुरक्षा राशिःरु.438800.00 निविदा दस्तावेज मूल्यः रु. शून्य पूरा करने की अवधिः12 महिने बंद करने की

तिथिः 30-10-2024

क्रम सं. 02 निविदा सं. बी/इ.29/।/इजीएस/22/24-25 दि.09.10.2024 कार्य विवरणः बीजेडए डिवीजनः 1) एकेवीडीः डीइएन/पूर्व क्षेत्राधिकार के तहत एकेवीडी स्टेशन पर गूड्स शेड का विकास कार्य। 2) पीकेओःडीइएन/पूर्व क्षेत्राधिकार के तहत एडीइएन/बीवीआरएम सब-डिवीजन में पीकेओ स्टेशन पर गूड्स शेड का विकास कार्य। 3)टीएनकेयुः डीइएन /पूर्व क्षेत्राधिकार के तहत एडीइएन/बीवीआरएम सब-डिवीजन में टीएनकेयु स्टेशन पर गूड्स शेड का विकास कार्य। 4) जीडीवीः डीइएन/पूर्व क्षेत्राधिकार के तहत एडीइएन/बीवीआरएम सब-डिवीजन के जीडीवी स्टेशन पर गूड्स शेड का विकास कार्य-बिजली व्यवस्था। निविदा मूल्यः रु.3,99,13,127.64 पूधरा/बोली सुरक्षा राशिः रु.3,49,600.00 निविदा दस्तावेज मूल्यः रु. शून्य पूरा करने की **अवधिः12 महिने बंद करने की तिथिः 31.10.2024**

भावी निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि, तत्संबंधित निविदा के किसी भी परिवर्तनों/शुद्धिपत्रों को नोट करने हेतु निविदा बंद तिथि के पहले, वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें।

विभागीय रेल प्रबंधक, विद्युत, विजयवाडा

निविदा सूचना सं. जी/इ.29/टीआर./टेंडर नोटिस/14/2024-25 दि.15/10/2024 PUB/1040

भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, निर्वहणकर्ता वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/ट्रैक्शन/गुंटकल द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं.- जीटीएल-टीआरडी-29-इटीएन-21-2024-25

कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजनःगुंटकल डिवीजन के पुलों पर स्पेर ब्रिज मास्ट व्यवस्था का प्रावधान। अनुमानित मूल्यः रु.1,90,32,899/- पूधराः रु.2,45,200/-

बंद करने की तिथिः व समयः 06-11-2024 के 15.00 बजे

नोटः 1. निविदादाता, निविदा दस्तावेज को, निःशुल्क तौर पर वेबसाइटःwww.ireps.gov.in से डाउनलोड कर सकते हैं। टेन्डर बिड्डींग या निविदा बोली एवं अन्य विवरण हेतु http:// www.ireps.gov.in पर लागिन करें। शुद्धिपत्र यदि कोई हो तो, उसे केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, ट्रैक्शन, गुंटकल

नं.एनडब्ल्यू/148/डब्ल्यू।।।/टेन्डर नोटिस/2024--25 दि.15/10/2024 PUB/1041

निविदा के विवरण को पहले ही वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर अपलोड किया गया है।

क्रम सं.-01 टेंडर नं. टी-202425-3-059 प्राधिकरणः को-आर्ड. कार्य विवरणः नांदेड डिवीजनः सीनि. डीइएन/डब्ल्यू/एनडडी क्षेत्राधिकार के तहत एसडब्ल्यू-। -मौजूदा बफ्फर स्टाप्स(नान-स्टैंडर्ड बीएस) का मानकीकरण या स्टैंडर्डाइजेशन करना। एसडब्ल्यू-।।- जनरल मैनेजर्स एन्युएल सेफ्टी इंस्पेक्शन का सुधार कार्य, छिटपुट पी.वे कार्य। निविदा मूल्यः रु.44059961.36 पूधराः रु.370300.00 पूरा करने की अवधिः12 महिने निविदा प्रपत्र मूल्यः रु. शून्य

क्रम सं.-01 टेंडर नं. -टी-202425-3-059, समान स्वभाव का कार्य (रु.50 लाख मूल्य से अधिक)-ट्रैक रखरखाव कार्य सहित कोई भी रेलवे ट्रैक कार्य।

उपरोक्त निविदा दि.07-11-2024 के 15.00 बजे बंद होगी।

A1317 सीनि. डीइएन/को-आर्ड./नांदेड

निविदा की नियम शर्तें/अधिक जानकारी एवं निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः www.ireps.gov.in तथा http://www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

डयूटी मीट टीम भावना को मजबूत करती है : डॉ. जितेन्द्र

तेलंगाना पुलिस ने राज्य गठन के बाद पहली राज्य स्तरीय डयूटी मीट का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य पुलिस ने बुधवार को तेलंगाना पुलिस अकादमी (टीजीपीए) के विश्वम्भरा मैदान में पुलिस ड्यूटी मीट 2024 का गर्व से उद्घाटन किया। राज्य के गठन के बाद से यह तेलंगाना की पहली राज्य स्तरीय पुलिस ड्यूटी मीट है। पिछली पुलिस ड्यूटी मीट 2013 में काकीनाडा में आयोजित की गई थी। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता डॉ. जितेन्द्र डीजीपी ने की। कार्यक्रम की शुरुआत विभिन्न इकाइयों की टीमों द्वारा अपने अनुशासन और एकता का प्रदर्शन करते हुए एक प्रभावशाली मार्च-पास्ट के साथ हुई, जिसके बाद डीजीपी ने कार्यक्रम का आधिकारिक शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि और मंच पर मौजूद अन्य गणमान्य लोगों ने प्रतीकात्मक इशारे में गुब्बारे और कबूतर उड़ाए। सुश्री शिखा गोयल डीजी, सीआईडी और आयोजन समिति की अध्यक्ष ने अपने स्वागत भाषण में राज्य के गठन के बाद पहली तेलंगाना पुलिस ड्यूटी मीट की मेजबानी करने पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि, सबसे पहली ड्यूटी मीट 1953 में हुई थी जब पहली राइफल और रिवॉल्वर प्रतियोगिता नागपुर, महाराष्ट्र में आयोजित की गई थी और आज, हम इस मीट में प्रतिस्पर्धा करने वाली विभिन्न इकाइयों के 400 से अधिक प्रतिभागियों के साथ उस परंपरा को जारी रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि, यह आयोजन पुलिस विभाग के भीतर विभिन्न टीमों के बीच सहयोग प्रयासों को बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह उत्कृष्टता के लिए तेलंगाना पुलिस की निरंतर प्रतिबद्धता का प्रतिनिधित्व करता है। ड्यूटी मीट आयोजित करने के पीछे सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य विभिन्न पुलिस इकाइयों के पुलिस अधिकारियों के बीच अधिक से अधिक सहयोग और सहकारिता को बढ़ावा देना है। यह आयोजन पुलिस अधिकारियों को अपने कौशल और विशेषज्ञता का प्रदर्शन करने का अवसर भी प्रदान करता है और पुलिस संगठन को अपराध जांच के प्रति उनके अभिनव दृष्टिकोण को सीखने और अपनाने में सक्षम बनाता है। उन्होंने कहा कि आधुनिक समाज में लगातार विकसित हो रही चुनौतियों का सामना करने के लिए एक अच्छी तरह से सूचित और अद्यतन बल आवश्यक है और पुलिस ड्यूटी मीट सौहार्द और टीम भावना की भावना के माध्यम से विचार साझा करने और सामूहिक सहयोग के लिए एक मंच प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि हम सब मिलकर स्मार्ट तकनीक और अभिनव समाधानों के साथ पुलिसिंग के भविष्य को आकार दे सकते हैं। ड्यूटी मीट इसी लक्ष्य की दिशा में एक प्रयास है। समारोह के दौरान मुख्य अतिथि डॉ. जितेन्द्र, डीजीपी, तेलंगाना ने आयोजन समिति को इस आयोजन को संभव बनाने के लिए बधाई दी। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि ड्यूटी मीट किस तरह से टीम भावना को मजबूत करती है और अधिकारियों के बीच सहयोगात्मक प्रयासों को बढ़ाती है, जिससे वे वास्तविक दुनिया की चुनौतियों के लिए तैयार होते हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें यह देखकर खुशी हुई कि टीजीएनएबी और टीजीसीएसबी जैसे नए संगठनों की टीमें भी ड्यूटी मीट में अच्छी संख्या में भाग ले रही हैं और अपनी प्रतिबद्धता दिखा रही हैं। उन्होंने अधिकारियों को अपने प्रदर्शन का आकलन करने और

भविष्य के आयोजनों के लिए सुधार करने के लिए इस ड्यूटी मीट को एक मंच के रूप में उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ड्यूटी मीट में उत्कृष्टता हासिल करने से क्षेत्र में भी उत्कृष्टता प्राप्त होती है, जहां पुलिस, आपराधिक न्याय प्रणाली के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में, अक्सर उन मामलों में वैज्ञानिक साक्ष्य पर निर्भर करती है जहां प्रत्यक्ष गवाहों की अनुपस्थिति होती है। सभी प्रतिभागियों को सफलता की शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने प्रभावी कानून प्रवर्तन के लिए आवश्यक कौशल को बढ़ाने में ऐसे आयोजनों के महत्व को रेखांकित किया।

सीताक्का ने केटीआर के कर्ज संबंधी आरोपों का खंडन किया

हैदराबाद, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव के इस आरोप के जवाब में कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने मात्र 10 महीनों में रिकॉर्ड तोड़ 80,500 करोड़ रुपये का कर्ज लिया है, पंचायत राज मंत्री सीताक्का ने ट्विटर पर तीखी प्रतिक्रिया दी।उन्होंने कहा कि दरअसल केटीआर की पार्टी के नेतृत्व वाली पिछली सरकार ने ही राज्य को ऐसी स्थिति में धकेल दिया था, जहां मौजूदा कर्जों पर ब्याज चुकाने के लिए ही नए कर्ज लेने पड़ते थे। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि केटीआर की सरकार को कर्ज का चक्र विरासत में मिला है और इसे कायम रखा है। सीतक्का ने आगे बताया कि बीआरएस के साढ़े नौ साल के शासन के दौरान राज्य पर 7 लाख करोड़ रुपये का कर्ज हो गया। मंत्री ने केटीआर के दावों का जवाब देते हुए कहा कि हर दिन सरकारी खजाने से 207 करोड़ रुपये सिर्फ इन ऋणों पर ब्याज और किस्तों का भुगतान करने के लिए खर्च किए जा रहे हैं, जो औसतन 6,000 करोड़ रुपये प्रति माह है।

उन्होंने पिछली सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि उसने बेतहाशा ऋण जमा किए और वित्तीय प्रणाली पर ब्याज भुगतान का बोझ डाला, और उनकी तुलना "ऋण शार्क" से की। इसके अलावा, सीताक्का ने बताया कि बढ़ते ऋणों के अलावा, पिछली सरकार बकाया राशि का भुगतान करने में विफल रही।

इसमें शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए 5,000 करोड़ रुपये, आरोग्यश्री के लिए अवैतनिक बिल, ठेकेदारों को लंबित भुगतान, बिजली कंपनियों, आरटीसी, गुरुकुलम भवनों के किराए और सरकारी कर्मचारियों के लिए सेवानिवृत्ति लाभ शामिल हैं।

उन्होंने सवाल किया कि बीआरएस पार्टी अब ऋणों की आलोचना कैसे कर सकती है, जब उन्होंने खुद हर क्षेत्र को अवैतनिक बकाया राशि के बोझ से दबा दिया है।

सीतक्का ने इस बात पर जोर दिया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली मौजूदा सरकार अर्थव्यवस्था को स्थिर करने के लिए काम कर रही है और उसने पहले ही 18,000 करोड़ रुपये के कृषि ऋण माफ कर दिए हैं। उन्होंने कई कल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख किया, जिनमें महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा, 500 रुपये में गैस सिलेंडर उपलब्ध कराना और जनता को 200 यूनिट मुफ्त बिजली देना शामिल है।

मुसी निवासियों के बच्चों के लिए आवासीय विद्यालय में प्रवेश

हैदराबाद, 16 अक्टूबर(स्वतंत्र वार्ता)। मुसी शुद्धिकरण के दौरान अपने घर खोने वाले दो परिवारों के तीन छात्रों को तेलंगाना राज्य आवासीय विद्यालय में प्रवेश दिया गया है। जीएचएमसी शहरी समुदाय विभाग के पीओ और आरपी के प्रयासों से, उन्हें बिना किसी प्रवेश परीक्षा के समाज कल्याण आवासीय विद्यालय में प्रवेश दिया गया। छात्र विवरण: माधवी को 7वीं कक्षा में, शिरिषा को 8वीं कक्षा में और तेजस्वी को 5वीं कक्षा में प्रवेश दिया गया है। उन्हें सरूर नगर टीजी रेजिडेंशियल स्कूल में प्रवेश दिया गया। यूसीडी के अतिरिक्त आयुक्त चंद्रकांत रेड्डी ने टीजी रेजिडेंशियल एजुकेशनल सोसाइटी की सचिव प्रशांति गारी से बात की और बिना किसी प्रवेश द्वार के छात्रों को मुफ्त शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रवेश दिया।

तेलंगाना के 86 छात्रों ने कांची विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया

मुख्य सचिव शैलजा राम अय्यर ने कांची स्वामीजी के दर्शन किये

हैदराबाद, 16 अक्टूबर(स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य के 86 लोगों ने इस शैक्षणिक वर्ष में श्री चंद्र शेखरेंद्र सरस्वती विश्व महाविद्यालय, कांची में विभिन्न उच्च स्तरीय पाठ्यक्रमों में दाखिला लिया है। कांची स्वामीजी शंकर विजयेंद्र सरस्वती ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में शामिल हुए छात्रों को आशीर्वाद दिया। राज्य सरकार की मुख्य सचिव शैलजा रामअय्यर ने कांची कामकोटि पीठ जाकर कांची स्वामीजी विजयेंद्र सरस्वती के दर्शन किये. इस अवसर पर, शैलजा रामयार ने तेलंगाना की 34 महिला छात्रों और 52 पुरुष छात्रों से मुलाकात की, जो चालू शैक्षणिक वर्ष में कांची विश्वविद्यालय में शामिल हुए थे। ये छात्र कांची विश्वविद्यालय में भारतीय संस्कृति, इंजीनियरिंग, कानून, कला, मानविकी आदि विभागों में नामांकित हैं। छात्रों ने उन्हें बताया कि उन्हें कांची स्वामी शंकर विजयेंद्र सरस्वती का आशीर्वाद मिला है, जो विभिन्न पाठ्यक्रमों में शामिल हुए और यह विश्वविद्यालय, जो भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं का घर है, के पास सबसे कुशल और सर्वश्रेष्ठ संकाय है। बाद में, मुख्य सचिव शैलजा राम अय्यर, जिन्होंने कांची चिन्ना स्वामी विजयेंद्र सरस्वती का आशीर्वाद प्राप्त किया, ने उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने के लिए तेलंगाना के छात्रों को धन्यवाद दिया।

टीपीसीसी प्रमुख ने जीएचएमसी चुनावों में कांग्रेस की जीत का आह्वान किया

हैदराबाद, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पार्टी के विजन के अनुरूप काम करना चाहिए और आगामी ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) चुनावों में पार्टी की जीत के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए। "अनुशासनात्मक उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कोई कितना भी वरिष्ठ क्यों न हो, कोई नरमी नहीं बरती जाएगी। सभी को पार्टी के विजन के अनुरूप काम करना चाहिए। आगामी जीएचएमसी चुनावों में कांग्रेस पार्टी को महत्वपूर्ण परिणाम हासिल करने चाहिए। टीपीसीसी अध्यक्ष ने बुधवार को यहां गांधी भवन में हैदराबाद जिला कांग्रेस की एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की। बैठक के दौरान, उन्होंने सभा को संबोधित किया और पार्टी अनुशासन के महत्व पर जोर दिया। महेश कुमार गौड़ ने सत्ता में अपने 10 महीनों में कांग्रेस सरकार की उपलब्धियों पर जोर दिया। "पार्टी ने बड़े पैमाने पर राज्य के विकास और जन कल्याण कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित करते हुए उल्लेखनीय पहल की है। महेश कुमार गौड़ ने पिछली बीआरएस सरकार की आलोचना करते हुए कहा, "पिछले 10 वर्षों में, बीआरएस सरकार ने 7 लाख करोड़ रुपये उधार लेकर राज्य को कर्ज में धकेल दिया है, जिससे दिवालियापन हो गया है। कांग्रेस सरकार ने लोगों से किए गए अपने वादों को पूरा किया है, और हमारे कल्याणकारी कार्यक्रमों को व्यापक दर्शकों तक पहुंचना चाहिए। अगर हम कड़ी मेहनत करते हैं, तो हम जनता का समर्थन हासिल करेंगे और आगामी चुनावों में सफलता हासिल करेंगे।" उन्होंने विपक्षी दलों की साजिशों के बारे में भी बात की और कहा, "बीआरएस और भाजपा पर्दे के पीछे मिलकर काम कर रहे हैं, सोशल मीडिया और अन्य प्लेटफार्मों के माध्यम से कांग्रेस पार्टी को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं।

पुलिस ने लॉज/होटल के मालिकों और प्रबंधकों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद शहर के पुलिस आयुक्त के निर्देश पर, डीसीपी उत्तर क्षेत्र द्वारा उत्तर क्षेत्र के सभी पुलिस स्टेशनों की सीमा के अंतर्गत स्थित लॉज/होटल के मालिकों और प्रबंधकों के साथ एक बैठक आयोजित की गई थी। लॉज के कामकाज के संबंध में विशिष्ट निर्देश दिए गए ताकि तेलंगाना राज्य सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम, व्यापार लाइसेंस विनियमन और बीएनएसएस सहित कानून के दायरे में रहें। इस बैठक में हैदराबाद सिटी पुलिस के उत्तर क्षेत्र के एसीएसपी और एसएचओ के साथ 200 से अधिक होटल/लॉज के मालिक/प्रबंधक मौजूद थे। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि हाल ही में गोपालपुरम पीएस सीमा के तहत "मेट्रोपोलिस' होटल के नाम से एक विशेष प्रतिष्ठान का इस्तेमाल विभिन्न राज्यों के प्रतिभागियों के साथ महीने भर चलने वाली बड़ी सभाओं के आयोजन के लिए किया जा रहा था।

विशेष रूप से, इस सभा का एक प्रतिभागी सीआर संख्या 234/2024 में आरोपी है। मुनव्वर ज़मा के नाम से इस कार्यक्रम के आयोजक ने लगभग 151 सदस्यों को जुटाया था और होटल परिसर में अंग्रेजी बोलने और व्यक्तित्व विकास की कक्षाएं आयोजित करने का दावा किया था।

50 से अधिक कमरे भी मंडली के आवास के हिस्से के रूप में किराए पर दिए गए थे। आयोजक और होटल प्रबंधन ने इस कार्यक्रम को आयोजित करने के लिए न तो कोई अनुमति ली थी और न ही स्थानीय अधिकारियों को सूचित किया था। इस संदर्भ में, होटल मेट्रोपोलिस के व्यापार लाइसेंस को निलंबित करने का निर्णय लिया गया है और संबंधित अधिकारियों द्वारा कानून के अनुसार इसके परिसर को सील कर दिया जा रहा है। गोपालपुरम पीएस में सीआर संख्या 349/2024 के तहत आयोजक और होटल के प्रबंधन के खिलाफ मामला भी दर्ज किया गया है। लॉज के मालिकों के साथ आयोजित बैठक में, उन्हें प्रतिष्ठान के नियमित संचालन के हिस्से के रूप में बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में आगाह किया गया था। इसके अलावा, लॉज में रहने वाले लोगों के पहचान प्रमाण का रिकॉर्ड परिसर में आसानी से देखने के लिए दर्ज किया जाना चाहिए। पब्लिक सेफ्टी एक्ट के अनुसार बैकअप के साथ सीसीटीवी लगाना अनिवार्य है और इसका अनुपालन किया जाना चाहिए। इसके अलावा, परिसर में आयोजित होने वाले किसी भी व्यावसायिक कार्यक्रम की विधिवत सूचना स्थानीय पुलिस को दी जानी चाहिए और प्रबंधन द्वारा आवश्यक अनुमति अनिवार्य रूप से ली जानी चाहिए। उन्हें यह भी बताया गया कि यदि परिसर का उपयोग वेश्यावृत्ति या नशीली दवाओं की तस्करी जैसे किसी भी अवैध उद्देश्य के लिए किया जाता पाया गया, तो प्रबंधन भी उत्तरदायी होगा। अंत में, उन्हें परिसर में डीएफएमडी/एचएचएमडी और सुरक्षा गार्ड जैसे पर्याप्त सुरक्षा उपकरण की उपस्थिति सुनिश्चित करने की सलाह दी गई।

सीएम ने सड़क हादसे पर दुःख जताया

हैदराबाद, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने मेदक जिले के शिवमपेटा मंडल में हुई सड़क दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने तुरंत अधिकारियों से बात की और हादसे की जानकारी ली। एक ही परिवार के सात लोगों की जान चली जाना दुखद है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को घायलों को बेहतर चिकित्सा उपचार और आवश्यक सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया। सीएम ने प्रभावित परिवार के सदस्यों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

पूर्व तट रेलवे

सामग्रियों की आपूर्ति

निविदा सं. 30247153, दिनांक: 04.10.2024

कार्य का नाम : 150 SQMM फीडर केबल की प्रॉक्योरमेंट : क) फरवरी 2018 के RDSO विनिर्देश संख्या ELRS/SPEC/ELC/0019, REV-4 के अनुसार 150 SQ MM थिन वाल्ड फ्लेक्स, CU COND के साथ इलास्ट केबल (पीली), 1.8/3.0 KV, मात्रा : 1650 मीटर। ख) फरवरी 2018 के RDSO विनिर्देश संख्या ELRS/SPEC/ELC/0019, REV-4 के अनुसार 150 SQ MM थिन वाल्ड फ्लेक्स, CU COND के साथ इलास्ट केबल (लाल), 1.8/3.0 KV, मात्रा : 1650 मीटर। ग) फरवरी 2018 के RDSO विनिर्देश संख्या ELRS/SPEC/ELC/0019, REV-4 के अनुसार 150 SQ MM थिन वाल्ड फ्लेक्स, CU COND के साथ इलास्ट केबल (नीला), 1.8/3.0 KV, मात्रा : 1650 मीटर। पैकिंग निर्देश : ड्राइंग / विनिर्देश के अनुसार पैकिंग। TPI द्वारा निरीक्षण, मात्रा : 4950 मीटर।

द्रष्टव्य : सामग्री 90 दिन के भीतर आपूर्ति की जानी चाहिए।

निविदा खुलने की तिथि एवं समय : दिनांक 04.11.2024 को 1500 बजे।

संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

वरिष्ठ मण्डल सामग्री प्रबंधक/ वाल्टियर

PR-620/P/24-25

तत्काल खोले जाए सीसीआई कपास खरीद केंद्र : निरंजन

हैदराबाद, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में कपास किसानों के भविष्य पर चिंता जताते हुए बीआरएस नेता और पूर्व मंत्री एस निरंजन रेड्डी ने बुधवार को कॉटन कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (सीसीआई) द्वारा कपास खरीद केंद्र तुरंत खोलने की मांग की । तेलंगाना भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने मांग की कि गुजरात में कपास को दिए जाने वाले समर्थन मूल्य को तेलंगाना के किसानों तक भी पहुंचाया जाना चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि राज्य में अभी तक सीसीआई खरीद केंद्र क्यों नहीं खोले गए हैं।

बारिश के कारण तेलंगाना के किसान अपने कपास का स्टॉक करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और राज्य सरकार ने सीसीआई खरीद केंद्र स्थापित नहीं किए हैं, जिससे किसान बिचौलियों के हाथों में जा

रहे हैं।

किसानों को अपना कपास 5,500 रुपये प्रति क्विंटल पर बेचने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्हें कम से कम 7,521 रुपये का समर्थन मूल्य मिलना मुश्किल हो रहा है। इसके विपरीत, गुजरात 8,257 रुपये प्रति क्विंटल की दर से कपास खरीद रहा है। निरंजन रेड्डी ने सवाल उठाया कि गुजरात के किसानों को अधिक कीमत क्यों मिलती है जबकि तेलंगाना के किसानों को केवल 7,521 रुपये मिलते हैं। उन्होंने मांग की कि तेलंगाना के दो केंद्रीय मंत्री यह सुनिश्चित करने के लिए कार्रवाई करें कि गुजरात में कपास की कीमत तेलंगाना तक बढ़ाई जाए।

पूर्व मंत्री ने राज्य सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि वह कृषि क्षेत्र की जिम्मेदारी नहीं ले रही है, जो राज्य के 2.5 करोड़ लोगों को सहायता प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि ऋतु बंधु योजना का अब तक कोई संकेत नहीं है, और किसानों को धान के लिए प्रति क्विंटल 500 रुपये का बोनस देने का वादा नहीं किया गया है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि बोनस से इनकार करने के लिए धान की गुणवत्ता पर प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं।

कोदंडराम ने बीआरएस नेताओं की आलोचना की

हैदराबाद, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जन समिति (टीजेएस) पार्टी के अध्यक्ष और एमएलसी प्रोफेसर कोदंडराम ने आज कहा कि वे पिछड़ी जातियों की जनगणना का स्वागत करते हैं। उन्होंने राज्य सरकार से राज्य भर में सभी वर्गों की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों पर सर्वेक्षण करने का भी आग्रह किया, न कि केवल पिछड़ी जातियों की गणना करने का।

कोदंडराम ने तेलंगाना कर्मचारी संघ के पूर्व अध्यक्ष संपत कुमार को नामपल्ली में तेलंगाना जन समिति पार्टी कार्यालय में पार्टी में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। इस अवसर पर बोलते हुए कोडंडाराम ने कहा कि बीआरएस नेता कांग्रेस सरकार द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों की अनावश्यक रूप से आलोचना कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि पिछली बीआरएस पार्टी सरकार ने ही इनकी शुरुआत की थी। बीआरएस नेता गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार कर रहे हैं और उन्हें लोगों के प्रति जवाबदेह होना चाहिए।"

पूर्वोत्तर रेलवे

निविदा सूचना संख्याः 15 दिनांकः 15.10.2024

ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से निविदा आमंत्रण

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर-273012 कृते भारत के राष्ट्रपति तथा उनकी ओर से ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से निम्नलिखित सामग्री की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। सामग्री का पूर्ण विवरण तथा नियम एवं शर्तें वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रम सं0.	निविदा संख्या	खुलने की तिथि	सामग्री का विवरण	आरक्षित श्रोत द्वारा
1	22242062A	18.11.24	इन्स्टालेशन लीवर असेम्बली ईटीसी	RDSO
2	22230227	11.11.24	वियरिंग पीस फार साइड बियरर टू आईसीएफ ड्राइंग ईटीसी	ICF
3	29231041	11.11.24	सेट आफ मैग्नेटिक पाथ असेम्बली फार क्यूएन-1 ईटीसी	--
4	22241094	11.11.24	सेकेण्डरी स्प्रिंग आउटर फार फिएट बोगी ईटीसी	RDSO
5	30231142A	04.11.24	फोर वी डीप ग्रुव एक्सल पुल्ली असेम्बली ईटीसी	--

मुजाधि/S-63

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक गोरखपुर

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

भाकृ अनुप-केन्द्रीय बारानी कृषि अनुसन्धान संस्थान

ICAR - Central Research Institute for Dryland Agriculture

संतोषनगर, सैदाबाद पोस्ट, हैदराबाद-५०००५९. Santoshnagar, Saidabad (P.O.), Hyderabad-500 059.

Ph : 040-24530161, 24530163, 24530157, Fax : 040-24531802, 24535336

www.icar-crida.res.in E-mail : hoa.crida@icar.gov.in

सूचना

आईसीएआर-क्रेडा, हैदराबाद कार्यालय में, निम्न अस्थायी पद जैसे, सीनियर रिसर्च फेलो(एन्टोमोलोजी-कीट विज्ञान) (2 पद), युवा पेशेवर-।। (कम्पुटर एप्लीकेशंस) (1 पद) तथा युवा पेशेवर-।(1 पद) भरे जायेंगे। विस्तृत विवरण हेतु http://www.icar-crida.res.in देखें।

हस्ता./-

प्रशासकीय अधिकारी

महिला मेड ने अपने यूरिन से आटा गूंथकर रोटी बनाई

गाजियाबाद में बिजनेसमैन का पूरा परिवार बीमार, किचन में कैमरा लगाने के बाद पकड़ी गई

गाजियाबाद, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। गाजियाबाद में एक नौकरानी बिजनेसमैन के किचन में टॉयलेट करते हुए पकड़ी गई। वह बर्तनों में टॉयलेट करती थी। आरोप है कि इसके बाद खाना बनाने में इसका इस्तेमाल करती थी। बिजनेसमैन का पूरा परिवार का बीमार रहने लगा। शक हुआ तो बिजनेसमैन की पत्नी ने चुपचाप मोबाइल का कैमरा ऑन करके किचन में रख दिया। इसमें वह बर्तन में टॉयलेट करते हुए पकड़ी गई। पत्नी ने पुलिस से शिकायत की। नौकरानी को हिरासत में लिया गया है। वह ऐसा क्यों करती थी, यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस ने संक्रामक रोग फैलाने की धारा में महिला के खिलाफ केस दर्ज किया है।

किचन से टॉयलेट की बदबू आई तो शक हुआ

मामला क्रॉसिंग रिपब्लिक थाना क्षेत्र की सोसाइटी का है। यहां रियल एस्टेट कारोबारी परिवार के साथ रहते हैं। उनकी पत्नी ने एफआईआर में लिखवाया, "महिला पिछले 8 साल से घर पर खाना बना रही है। कई महीनों से हमारा परिवार बार-बार बीमार हो रहा था। इलाज कराने पर भी आराम नहीं मिला। मुझे कई बार रसोई से टॉयलेट की बदबू आई। शक हुआ तो 14 अक्टूबर को मैंने मोबाइल कैमरे की वीडियो रिकॉर्डिंग ऑन करके उसे किचन में छिपा दिया। घरेलू सहायिका के जाने के बाद मैंने रिकॉर्डिंग चेक की तो मेरा शक सही निकला। वो रसोई के बर्तन में ही टॉयलेट करती पाई गई। इसके बाद उसी टॉयलेट से रोटियां बनाईं। मुझे शक है कि ये काफी लंबे समय से चल रहा है और इसी वजह से मेरा परिवार बीमार रहता है। हमने जब नौकरानी से पूछा तो तुरंत घर से भाग गई।

पुलिस ने आरोपी महिला को हिरासत में ले लिया। शुरुआती पूछताछ में उसने ऐसा करने से मना किया। पुलिस ने जब उसको वीडियो रिकॉर्डिंग दिखाई तो वो कुछ बोल नहीं पाई। फिलहाल, पुलिस यह पता कर रही है कि आखिर वह ऐसा क्यों कर रही थी।

बक्सर की बेटी पहले प्रयास में बनी डीएसपी

सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर कर मुख्यमंत्री को जताया आभार

बक्सर, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। बीपीएससी के माध्यम से पहले प्रयास में डीएसपी पद के लिए चयनित बक्सर बेटी की चित्रा ने सोशल मीडिया पर नारी सशक्तिकरण को लेकर वीडियो शेयर किया है। आईपीआरडी विभाग द्वारा वीडियो को X पर डालते हुए कहा कि क्यों बेटियों ने बताया मुख्यमंत्री महोदय को नारी सशक्तिकरण का चेहरा। सोशल मीडिया पर शेयर किया गया वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। जिसमें चित्रा कुमारी में अपने सपने को साकार होने का श्रेय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को फिर से धन्यवाद दिया है। बक्सर की बेटी ने कहा कि मेरा नाम चित्रा कुमारी है। मैं बिहार के बक्सर जिले की रहने वाली हूं। मेरा चयन बीपीएससी के माध्यम से डीएसपी के पद पर हुआ है।

हेलीकॉप्टर से अवैध बालू खनन की होगी निगरानी

पटना, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। खनन मंत्री विजय सिन्हा ने साफ कर दिया है कि बिहार में बालू माफिया को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। खनन विभाग जब 1 हजार करोड़ रुपए का आमदनी कर सकता है तो अवैध खनन को रोकने के लिए हेलीकॉप्टर का भी सहारा लिया जाएगा। बिहार में बालू की अवैध खनन की निगरानी हेलीकॉप्टर से होगी। खनन विभाग ने हेलीकॉप्टर उतारने का फैसला लिया है। अवैध खनन की ड्रोन से भी निगरानी होगी। ड्रोन खरीदने की कार्रवाई शुरू हो गई है। 15 अक्टूबर से बालू खनन शुरू हो चुकी है। खनन मंत्री विजय सिन्हा ने साफ कर दिया है कि बिहार में बालू माफिया को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। खनन विभाग जब 1 हजार करोड़ रुपए का आमदनी कर सकता है तो अवैध खनन को रोकने के लिए हेलीकॉप्टर का भी सहारा लिया जाएगा। विजय सिन्हा ने हेलीकॉप्टर की संख्या के सवाल पर कहा कि जरूरत के मुताबिक समय-समय पर बालू घाटों को रैंडम जांच में हेलीकॉप्टर से निगरानी की जाएगी। बालू माफियाओं पर नकेल कसने के लिए ड्रोन से भी निगरानी की जाएगी। खान एवं भूतत्व विभाग ड्रोन की खरीदारी करेगा। उन्होंने कहा कि 15 अक्टूबर से घाटों से बालों निकलना शुरू हो गया है।

खान एवं भूतत्व विभाग डिपार्टमेंट में इंस्पेक्टर राज को खत्म करना चाहती है। इसके लिए नए कानून लेकर आई है। नए कानून के तहत गाड़ी मालिकों को राहत दी गई है। ओवरलोडिंग पर इंस्पेक्टर राज को खत्म किया गया है। गाड़ियों पर बालू की 5 फीसदी की ओवरलोडिंग पर फाइन खत्म कर दिया गया है। साथ हीं अपनी खेत से मिट्टी खुदाई करने पर भी धड़-पकड़ नहीं की जाएगी। बिहार सरकार घाट को बंदोबस्त कर उसे बेचने वाली है। घाट की वीडिंग के एक सप्ताह के अंदर एलओआई जारी नहीं किए जाने पर विभाग अपने ही अधिकारियों पर 1 लाख रुपए का जुर्माना ठोक सकेगा। कानून में घाट की नीलामी के पहले पर्यावरण से एनओसी देने का प्रावधान किया गया है। पर्यावरण विभाग घाट का पहला निक देगा उसके बाद टेंडर जारी किया जाएगा। मंत्री विजय सिन्हा ने बताया कि पूर्व में घाट को एनओसी में 7 से 8 महीने की देरी होती थी लेकिन, अब इतनी देरी नहीं होगी।

खान एवं भूतत्व विभाग में साफ कर दिया है कि बालू माफियाओं से अधिकारियों की सांठ-गांठ नहीं चलने वाली है। बालू माफिया से विभाग के अधिकारियों से सांठ गांठ पाएं जाने पर उसे सस्पेंड किया जाएगा। यहीं नहीं विजय सिन्हा ने कहा कि आने वाले दिनों में एक बड़ा खुलासा करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे अफसर को सेवा से भी मुक्त कर दिया जाएगा।

राज्य सरकार बालू के दाम को ओपन मार्केट कर कंट्रोल करेगा। ओपन मार्केट कर इसे कंट्रोल किया जायेगा। खान एवं भूतत्व विभाग के अपर मुख्य सचिव मैं कहा कि बालू का दाम नियंत्रण ओपन मार्केट कर किया जाएगा सरकार इसका दर तय नहीं करेगी। ऑनलाइन बालू बेचने में डिमांड और सप्लाई के अनुपात में बालू तय होते रहेंगे अर्थशास्त्र के नियम मुताबिक दाम तय होंगे।

बेडरूम में पति, किचन में मिला पत्नी का शव

अकेले रहते थे 65-75 साल के दंपती, हैदराबाद, दुबई, दिल्ली में बेटे

पटना, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। पटना के पाटलीपुत्र थाने से 100 मीटर बदमाशों ने लूटपाट के दौरान बुजुर्ग दंपती की हत्या कर दी। नेहरू नगर रोड नंबर 2 के सुजाता निवास में मंगलवार शाम ये वारदात हुई है। बदमाशों ने एनके श्रीवास्तव (75) और उनकी पत्नी सुजाता देवी (65) की हत्या कर दी और लूटपाट कर फरार हो गए।

एनके श्रीवास्तव मूलरूप से सीवान के नौतन थाना क्षेत्र के पचलखी गांव रहने वाले थे। वे बिस्कोमान के रिटायर अधिकारी थे। एनके श्रीवास्तव का शव उनके बेडरूम में मिला है। पत्नी का शव किचन में था। शव खून से सने थे। एनके श्रीवास्तव को चाकू से गोदा गया था। सुजाता को सिलौटी के लोढ़े से कूचा था। किराएदार अजय का कहना है कि 'दोनों के बीच अक्सर लड़ाई होती थी। घटना वाले दिन भी दोनों के बीच विवाद हो रहा था।' इस वारदात के पीछे स्मैकर्स के हाथ होने की संभावना है। एनके श्रीवास्तव के तीन बेटे हैं। बड़ा हैदराबाद में, मंझला नितीन दुबई और छोटा बेटा राजन दिल्ली में रहता है। सुजाता निवास के ग्राउंड फ्लोर पर किराएदार रहते हैं। फर्स्ट फ्लोर पर दंपति रहते थे। मंगलवार को दुबई से नितीन ने कई बार मां पिताजी को फोन किया। दोनों में से किसी ने फोन नहीं उठाया। मंगलवार की देर शाम बेटे ने अपार्टमेंट के गार्ड राम प्यारे यादव को फोन किया और घर जाकर देखने को कहा। गार्ड राम प्यारे यादव ने कहा कि मैं उनके एक किराएदार को लेकर सुजाता निवास के पहले तल्ले पर गया। देखा कि दोनों मृत पड़े हैं। एक का शव बेडरूम में और दूसरे का किचन में पड़ा था।

गार्ड ने पाटलीपुत्र थाने और उनके बेटे को घटना की जानकारी दी। पुलिस अनुमान लगा रही है कि घटना दोपहर के दो से तीन बजे के बीच की है। क्योंकि कमरे से लेकर किचन तक पसरा हुआ खून सूख चुका था। इधर घटनास्थल से एफएसएल की टीम ने कई साक्ष्य बरामद किए हैं।

सबसे पहले शवों को जानकी अपार्टमेंट के गार्ड राम प्यारे यादव ने देखा। प्यारे यादव, नागेंद्र के बेटे नितीन के कहने पर सुजाता निवास में गया था। प्यारे ऊपर जाते वक्त नागेंद्र के किराएदार अजय को भी अपने साथ ऊपर ले गया। प्यारे ने बताया कि 'ऊपर बेडरूम में नागेंद्र और किचन में उनकी पत्नी का शव पड़ा था। अलमारी का दरवाजा खुला ही हुआ था। दोनों के शरीर से काफी खून बहा था।'

सुजाता निवास के ग्राउंड फ्लोर पर रहने वाले किराएदार अजय ने बताया कि वह 'मैं औरंगाबाद का रहने वाला हूं। पिछले तीन सालों से यहीं किराए पर रहकर पढ़ाई कर रहा हूं। बुजुर्ग दंपती हमेशा लड़ाई करते रहते थे। नागेंद्र के पैर में काफी तकलीफ थी, वो बिना वॉकर के चल-फिर नहीं पाते थे। उनकी तबीयत भी खराब रहती थी। उनकी पत्नी ही सारा काम करती थी। दोनों में हमेशा लड़ाई होती थी। 7 दिन पहले भी दोनों में जमकर लड़ाई हुई थी। आवाज सुनकर मैं ऊपर गया और दोनों को शांत किया।'

आसपास के लोगों का कहना है कि बुजुर्ग दंपती की हत्या लूटपाट के इरादे से स्मैकर्स ने की है। नेहरू नगर में जिस जगह पर दंपती का घर है वहीं पास में स्मैकर्स का अड्डा भी है।

बिहटा एयरपोर्ट के लिए खर्च होंगे 665.85 करोड़ रुपए

पटना, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहटा एयरपोर्ट के टर्मिनल बिल्डिंग बनाने के लिए टेंडर जारी कर दिया गया है। दिल्ली स्थित कॉरपोरेट मुख्यालय के दक्षिणी क्षेत्र से टेंडर निकाला गया है। नए एयरपोर्ट के लिए यहां जी-प्लस टू भवन बनेगा। इसकी लागत करीब 655.85 करोड़ रुपए होगी। इसमें 613.76 करोड़ निर्माण के लिए है और 52.09 करोड़ रिपयेरिंग और अन्य खर्च के होगा। बिहटा एयरपोर्ट का टर्मिनल भवन 2 साल में बनकर तैयार हो जाएगा। टेंडर डालने की तिथि 16 अक्टूबर यानी आज ही शुरू हो जाएगी। टेंडर डालने की आखिरी तारीख पांच नवंबर है। दिल्ली स्थित कारपोरेट मुख्यालय में 5 पांच दिसंबर को खुलेगा। टर्मिनल बिल्डिंग बन जाने के बाद बिहटा एयरपोर्ट की क्षमता एक करोड़ हो जाएगी। टर्मिनल भवन का बिल्डिंग, आईटी सिस्टम और सिक्योरिटी सिस्टम की बिल्डिंग, ऑपरेशन ऑन इंजीनियरिंग प्रोक्यूरमेंट और कंस्ट्रक्शन। एयरपोर्ट का रन-वे 12 हजार फीट का होगा।

डिलीवरी ब्वॉय हत्याकांड का आरोपी मुंबई में छिपा था

रिमांड पर बताया- पैसे नहीं होने की बात से हर्ट हुआ इगो, खबर देख सरेंडर का किया प्लान

लखनऊ, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। लखनऊ के चिनहट में हुए डिलीवरी ब्वॉय हत्याकांड का मुख्य आरोपी गजानन को पुलिस रिमांड पर लेकर आई। 24 घंटे की रिमांड के दौरान पुलिस ने गजानन से पूछताछ की। इस दौरान उसने बताया कि जब वह पार्सल लेकर आया तो कहा कि औकात नहीं थी तो क्यों इतना मंहगा मोबाइल मंगा लिया। इतना सुनते ही गुस्सा आ गया।

मैं गला पकड़कर कमरे में खींच ले गया। यहां आकाश पहले से मौजूद था। दोनों लोगों ने पहले मारपीट की फिर लैपटॉप के चार्जर से गला कस दिया। जिससे उसकी मौत हो गई। भरत की हत्या के बाद शव को बैग में रखकर 4 घंटे तक घूमता रहा। अंधेरा होने पर शव को फेंक दिया। इसके बाद बचने के लिए मुंबई भाग गया। न्यूज पर अपनी तस्वीरें देख घबरा गया। जिसके बाद सरेंडर करने की योजना बनाई। आरोपी गजानन को पुलिस ने रिमांड पर लेने के बाद सबसे पहले जिस घर में हत्या हुई वहां लेकर पहुंची। यहां गजानन जिस रूम पर वारदात को अंजाम दिया था वह रूम दिखाया। इसके बाद सिलसिलेवार पूरी कहानी बताया। उसने कहा कि भरत से मोबाइल के पैसे को लेकर बहसबाजी हो गई थी। गजानन ने बताया कि हत्या करने के बाद बैग में शव को रखा। फिर बोरी में डाल दिया। ठिकाने लगाने के लिए गाड़ी में रख रहे थे, तभी आकाश की बहन आ गई। उससे बोरी के बारे में पूछा तो बता दिया कि बर्तन हैं। उसने ज्यादा कुछ ध्यान नहीं दिया। फिर गाड़ी में शव को रखकर 4 घंटे तक घूमते रहे। अंधेरा होने का इंतजार कर रहे थे। सन्नाटा होते ही शव को नहर में फेंक दिया। वहां से मुंबई भाग गया। जहां पर लूटे हुए पैसों से मौज मस्ती की। गजानन शुरुआत में तो मुंबई में बैखौफ मस्ती करता रहा, लेकिन फिर मीडिया में मामला ज्यादा हाई लाइट होने पर डर गया। न्यूज पर हर तरफ उसकी चर्चा थी। फोटो भी काफी वायरल हो गई थी।

अब मुंबई में लोग पूरे मामले को जान गए थे। फिर परिवार से संपर्क किया। परिवार ने वकीलों से सलाह ली। वकीलों ने पुराने मामले में बाराबंकी पुलिस के पास हाजिर होने की सलाह दी। तब गजानन ने 2 अक्टूबर को सरेंडर कर दिया। पुलिस को उसके पास से भरत का मोबाइल, आधार कार्ड और हत्या में शामिल कार बरामद हुई है।

बच्ची से रेप-हत्या के आरोपी को गोली मारी

मासूम के हाथ तोड़े, बेहोश हुई तो रेप किया पुलिस एक चप्पल से कातिल तक पहुंची

प्रयागराज, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रयागराज में 10 साल की बच्ची से रेप और उसकी बेरहमी से हत्या करने के आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया।

घटनास्थल पर मिली चप्पल से आरोपी की पहचान हुई। इसके बाद मंगलवार रात आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस ने दबिश दी। आरोपी भागने लगा तो पुलिस ने दौड़ाकर उसके पैर में गोली मार दी। मुकेश की जेब से बच्ची के कान की बाली बरामद की गई है। पुलिस ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया है। एनकाउंटर स्पॉट से एक तमंचा बरामद किया। आरोपी का नाम मुकेश कुमार (29) है। 4 अक्टूबर को क्लास-2 में पढ़ने वाली मासूम की लाश खेत में मिली थी। उसके शरीर पर एक भी कपड़े नहीं थे। मामला गंगानगर क्षेत्र का है। पुलिस ने बताया कि घटनास्थल पर एक जोड़ी चप्पल मिली। इन्हीं चप्पलों के सहारे जांच आगे बढ़ाई। मुखबिर और गांव वालों से पता चला कि यह चप्पल सोरांव के मुकेश कुमार की है। वह नशे का आदी है, घटना के बाद से मुकेश कुमार का बिहेवियर बदला है। पुलिस सक्रिय हुई तो 8 दिन बाद आरोपी मुकेश घर से फरार हो गया। मंगलवार रात पुलिस को सूचना मिली कि सोरांव के जूड़ापुर हाईवे के पास मुकेश है। पुलिस पहुंची तो खुद को घिरा देख मुकेश पुलिस पर फायरिंग करते हुए भागने लगा। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने गोली चलाई, जो मुकेश के पैर में लग गई।

डीसीपी गंगानगर कुलदीप गुनावत ने बताया- मुकेश ने बच्ची से रेप और हत्या की वारदात कबूल की है। मुकेश ने बताया- बच्ची पहले मेडिकल स्टोर गई। इसके बाद वहां से पैदल ही दुर्गा पंडाल की ओर जा रही थी। मैं साइकिल से शराब पीने के लिए हाईवे की तरफ जा रहा था। उसे पंडाल तक छोड़ने की बात कह कर साइकिल पर बैठा लिया। इस दौरान मेरी नीयत खराब हो गई। वो मुझे अच्छे से जानती थी।

आरोपी ने कहा- मैं उसे खेत की तरफ ले गया। कपड़े उतारने लगा तो चिल्लाने लगी। इसलिए मैंने उसे बहुत मारा। वो बेहोश हो गई। इसके बाद रेप किया, मुझे लगा कि पकड़ा जाऊंगा। इसलिए मैंने उसकी हत्या कर दी। 10 साल की मासूम बच्ची से दरिंदगी पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में सामने आई। बच्ची के दोनों हाथ तोड़े गए। शरीर पर चोट के 7 निशान मिले थे। बच्ची के स्वाब की स्लाइड प्रिजर्व की गई है।

रसेल वाइपर सांप का मुंह पकड़कर पहुंचा अस्पताल

घर जा रहे शख्स को डस लिया था, फर्श पर सांप के साथ लेटा पीड़ित

भागलपुर, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। भागलपुर में मंगलवार की रात एक अधेड़ रसेल वाइपर सांप को गले में लटकाते हुए मायागंज अस्पताल पहुंच गया। रसेल वाइपर सांप एशिया का सबसे खतरनाक सांप है। जीरोमाइल थाना क्षेत्र के मीराचक में प्रकाश मंडल घर जा रहे थे। इसी दौरान सांप ने उसे दाहिने हाथ में डस लिया। इसके बाद प्रकाश मंडल ने सांप को कंधे पर लटकाया और इलाज के लिए मायागंज अस्पताल पहुंच गए। वे सांप के मुंह को पकड़े थे। कुछ देर बाद सांप के साथ फर्श पर लेट गए। डॉक्टर ने मरीज के पास जाने से इनकार कर दिया। इधर, इलाज में काफी लेट हो जाने के कारण मरीज की स्थिति गंभीर हो गई। फिलहाल इलाज मायागंज अस्पताल में चल रहा है। दुनिया के पांच सबसे जहरीले सांपों में से एक रसेल वाइपर है। इससे भागलपुर में गंगा किनारे बसे लोग परेशान हैं। मंगलवार रात में भी एक व्यक्ति इस सांप के शिकार हुए। वे काफी देर तक हाथ में सांप को पकड़े इमरजेंसी वार्ड की गली में खड़े रहे। उसके साथ आए व्यक्ति उन्हें संभाल रहे थे। डॉक्टर ने कहा कि इलाज करना मुश्किल होगा, जबतक कि सांप हटाया नहीं जाता है। वहीं, कुछ लोग यह कह रहे थे कि देखिएगा कहीं हाथ से सांप छूट न जाए।

युवती को 20 घंटे तक बनाया डिजिटल अरेस्ट

पार्सल में ड्रग्स होने और जेल भेजने का दिखाया डर, 11.50 लाख रुपए ठगे

नोएडा, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। नोएडा में एक युवती को डिजिटल अरेस्ट कर लिया गया। विदेश भेजे जा रहे पार्सल में ड्रग्स समेत अन्य आपत्तिजनक सामान होने का डर दिखाकर साइबर जालसाज़ ने युवती से 11.50 लाख रुपए ऐंठ लिए। ठगों के कहने पर युवती ने पांच लाख रुपए का पर्सनल लोन भी लिया। ठगी की जानकारी होने के बाद युवती ने मामले की शिकायत साइबर क्राइम थाने की पुलिस से की। युवती को ठगों ने स्काइप कॉल के जरिए करीब 20 घंटे तक डिजिटल अरेस्ट करके रखा। जिन खातों में ठगी की रकम ट्रांसफर हुई है,पुलिस उन खातों की जानकारी एकत्र कर रही है।

पार्सल में बताया गया ड्रग्स

शिकायत में सेक्टर-44 स्थित गॉर्डन ग्लोरी सोसाइटी निवासी रिद्धिमा गोयल ने बताया कि बीते दिनों उनके मोबाइल पर अनजान नंबर से कॉल आई। जैसे ही युवती ने कॉल उठाई एक ऑटोमेटेड मैसेज के जरिए उसे बताया कि गया कि उसके इंटरनेशनल फेडेक्स पार्सल को निरस्त कर दिया गया है। इसके बाद कॉल कस्टमर केयर के अधिकारियों को ट्रांसफर कर दी गई। यहां युवती को बताया गया कि उसके नाम से जो पार्सल विदेश जा रहा था उसे मुंबई पोर्ट पर पकड़ा गया है। उसमें ड्रग्स समेत अन्य आपत्तिजनक सामान है।

युवती ने जब कहा कि उसने कोई पार्सल भेजा ही नहीं है तो कॉल मुंबई साइबर क्राइम थाने के लिए ट्रांसफर कर दी गई। यहां के एक पुलिसकर्मी ने कॉल नारकोटिक्स मुंबई के अधिकारी को कॉल ट्रांसफर की। इसके बाद युवती को ड्रग्स की तस्करी करने के आरोप में जेल जाने की धमकी दी गई और स्काइप कॉल से जुड़ने के लिए बाध्य किया गया। युवती को डिजिटल अरेस्ट करने के बाद कॉल सीधे डीजीपी को ट्रांसफर कर दी गई। कथित डीजीपी ने महिला की छवि को बर्बाद करने की धमकी दी। बताया गया कि उसकी जिंदगी खतरे में है। आधार कार्ड के जरिए 8 करोड़ की मनिलॉड्रिंग

इस दौरान शिकायतकर्ता को यह भी बताया कि उसके आधारकार्ड का लिंक आठ करोड़ रुपये के मनि लॉड्रिंग केस में हुआ है। इसके बाद खातों की जांच के लिए महिला से सेविंग अकाउंट में जमा सारी रकम जालसाजों द्वारा बताए गए खाते में ट्रांसफर करने के लिए कहा गया। जांच के बाद रकम मूल खाते में फिर से लौटाने की बात कथित अधिकारियों द्वारा कही गई। महिला ने ठगों द्वारा बताए गए खाते में साढ़े छह लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए।

भोजपुरी एक्ट्रेस के साथ मारपीट अभद्र व्यवहार का आरोप

नवादा में कार्यक्रम में पहुंची थी अनुपमा यादव, मुखिया समेत कई पर एफआईआर

नवादा, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। नवादा में भोजपुरी एक्ट्रेस सिंगर अनुपमा यादव के साथ मारपीट और अभद्र व्यवहार होने की बात सामने आई है। भोजपुरी कलाकार ने कुटरी मुखिया सह नारोमुरार ग्रामीण अभिनव आनंद समेत अन्य के खिलाफ वारिसलीगंज थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। घटना 15 अक्टूबर अहले सुबह 3 बजे की है। वहीं, मुखिया ने कलाकार के आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए कहा है कि कार्यक्रम में देरी से आई थी और जल्दी चली गई। इसके कारण गांव के लोग आक्रोशित हो गए थे। बताया गया कि सोमवार की रात वारिसलीगंज में दुर्गा विसर्जन के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ था। अनुपमा और उनके सहयोगी के आने की 31 अगस्त को बुकिंग की गई थी। 14 अक्टूबर की रात कलाकार पहुंचे थे। बताया गया कि उनके साथ मारपीट और अभद्र व्यवहार हुआ है। पूजा समिति के सदस्यों को भी आरोपित किया गया है। भोजपुरी कलाकार अनुपमा यादव यूपी के गोरखपुर के गोरखनाथ रसूलपुर की रहने वाली है। उनकी प्राथमिकी में कहा गया है कि कार्यक्रम खत्म कर कर वह वापस लौटने लगी। इसी बीच उनके साथ मारपीट हुई है। कलाकार के कपड़े भी फट गए। मारपीट में उनके अन्य सहयोगी भी जख्मी हो गए।

उनका इलाज सीएचसी में कराया गया है। प्राथमिकी के अनुसार, कलाकारों के गले की चेन छीन लेने के साथ-साथ वाहन का शीशा तोड़ा है। पकरीबरावां थाना क्षेत्र के कैशऔरी ग्रामीण रंजय सिंह का मोबाइल छीन लेने का आरोप लगाया गया है।

छपरा और सीवान में जहरीली शराब से 6 की मौत

दो की हालत गंभीर, बोले- भाई ने पिलाई थी शराब, 2 की आंखों की रोशनी गई

छपरा, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। सीवान और सारण में जहरीली शराब से 6 लोगों की मौत हो गई है। सीवान में 5 की मौत हुई है, जिसमें 3 की जानकारी जिला प्रशासन ने दी है। हालांकि मौत का कारण स्पष्ट नहीं किया है। सारण में एक मौत हुई है। यहां जिला प्रशासन ने जहरीली शराब पीने से मौत की पुष्टि की है। सारण में हुई घटना मशरख ब्लॉक के इब्राहिमपुर गांव की है। यहां रिश्ते में 3 भाइयों ने बीती रात मछली के साथ शराब पार्टी की थी। इनमें इस्लामुद्दीन अंसारी (32) की आज सुबह मौत हो गई। उसका शव पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल लाया जा रहा है। इसके अलावा छपरा सदर अस्पताल लाए गए 2 लोगों की गंभीर हालत देखते हुए उन्हें पटना के पीएमसीएच रेफर कर दिया गया है। दोनों लोगों को आज सुबह उल्टी-दस्त की शिकायत के बाद अस्पताल लाया गया था। बाद में धीरे-धीरे उनकी हालत बिगड़ने के साथ ही आंख की रोशनी भी कम होने लगी थी। जानकारी के अनुसार इस्लामुद्दीन अंसारी ने बीती रात सीवान के भगवानपुर हाट के पास से जहरीली शराब खरीदी थी। इसे लेकर वो अपने गांव आया था। भगवानपुर हाट से इब्राहिमपुर की दूरी 7-8 किमी के करीब है। इधर सीवान के भगवानपुर हाट ब्लॉक के ही 5 लोगों की मौत भी संदिग्ध हालत में हुई है। जिला प्रशासन ने 3 की मौत होने की बात कही है। हालांकि किनकी मौत हुई है और वजह की जानकारी नहीं दी गई है। जानकारी के अनुसार मरने वालों में कौड़िया वैश्य टोला के राजेंद्र सिंह (38) और बिट्टू कुमार (38) का आज पोस्टमार्टम होगा, जबकि अरविंद सिंह (34) का शव बीती रात ही जला दिया गया है। इनके अलावा बिलासपुर और सरसैया के कम से कम 5 लोगों को गंभीर हालत में सदर अस्पताल लाया गया। इनमें से 3 को पटना रेफर कर दिया गया है। सभी को उल्टी-दस्त और आंख की रौशनी जाने की शिकायत थी।

हालांकि इनकी प्रशासनिक पुष्टि नहीं की जा सकी है। सदर अस्पताल में पुलिस ने सख्त पहरा लगाया हुआ है। मीडिया समेत किसी को भी अंदर जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है।

अवैध ई-टिकट बनाने के आरोप में एक दलाल गिरफ्तार

कटिहार, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। कटिहार रेल मंडल अंतर्गत रेलवे सुरक्षा बल के ईस्ट पोस्ट कमांडर राकेश कुमार के नेतृत्व में आरपीएफ ने मंगलवार को एक दर्जन रेलवे के अवैध ई-टिकट बनाने के आरोप में एक दलाल को रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। आरपीएफ ईस्ट पोस्ट में 143 रेलवे एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार गिरफ्तार युवक 24 वर्षीय मो. मकसूद अलम कोढा, कटिहार जिला का निवासी है। जिसके पास से आरपीएफ के सब इंस्पेक्टर अनुज कुमार ने लगभग 20 हजार के 12 ई-टिकट में दो प्रीमियम तत्काल टिकट के साथ लैबटॉप, मोबाइल फोन आदि को बरामद करते हुए जब्त किया है। जिसे बाद में न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

आरपीएफ के सीपीडीएस टीम ने आरपीएफ कमांडेंट के निर्देश पर विशेष ड्राइव चलाया गया। आयोजित विशेष ड्राइव के दौरान आरपीएफ की विशेष टीम के प्रभारी सैयद एहसान अली के नेतृत्व में ट्रेन में महिला और विकलांग बोगी में चढ़े और रेल क्षेत्र में अनाधिकृत प्रवेश करने के आरोप में कटिहार से एनजेपी के बीच ट्रेन नंबर 15715, 13164, 15483, 15945, 19306, 15910 सहित अलग-अलग लगभग आधे दर्जन ट्रेनों को बारीकी से चेक किया गया । जिसमें कुल 22 लोगों को विभिन्न रेलवे एक्ट के तहत पकड़ कर मामला दर्ज किया गया।

डिजिटल अरेस्ट करने वाला रैकेट बेनकाब

रोज 10 करोड़ की ठगी का टारगेट

5000 करोड़ चीन-ताइवान भेजे; देशभर में इनके खिलाफ 450 केस

अहमदाबाद, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश भर में 'डिजिटल अरेस्ट' रैकेट चलाने वाले नेटवर्क का पर्दाफाश कर अहमदाबाद पुलिस ने सोमवार को 18 लोगों को गिरफ्तार किया था। इनसे पूछताछ में कई खुलासे हुए हैं। गैंग ने ठगी के 5 हजार करोड़ रु. चीन व ताइवान भेजे हैं। गैंग ठगी के लिए गेमिंग ऐप, शेयर बाजार इन्वेस्टमेंट और डिजिटल अरेस्ट जैसी तरकीबें अपनाता है। आरोपियों में 4 ताइवानी नागरिक हैं, बाकी 14 अहमदाबाद-वडोदरा सहित गुजरात के हैं। देश में इस गैंग के पर करीब 450 केस दर्ज हैं।

आरोपी सीबीआई और साइबर क्राइम अधिकारी बन टारगेट पूरे करते थे। गैंग के गुर्गे हर दिन करीब 1.5 करोड़ रु. ताइवान भेजते थे। हालांकि, माफिया ने रोज 10 करोड़ भेजने का टारगेट दिया था।

गैंग के ठिकानों से 761 सिम कार्ड, 120 मोबाइल, 96 चेकबुक, 92 डेबिट कार्ड और 42 बैंक पासबुक आदि चीजें भी बरामद हुई

हैं। अहमदाबाद के पॉश इलाके के एक बुजुर्ग दंपती को इस गैंग ने 10 दिन डिजिटल अरेस्ट रखकर 79.34 लाख ऐंठ लिए थे।

डिजिटल ठगी के लिए ताइवान और चीन के माफिया सक्रिय होने का खुलासा हुआ है। देशभर में लोगों को ठगने के लिए इन माफिया ने वडोदरा-दिल्ली-मुंबई-बेंगलुरु में 4 डार्क रूम बनाए थे। जहां से मोबाइल से नेट बैंकिंग की मदद से चंद सेकंड में ठगी का पैसा चीन-ताइवान और दुबई भेजा जाता था। ऐसा पहली बार है, जब साइबर पुलिस को कोई डार्क-रूम पकड़ने में सफलता मिली है।

गुजरात पुलिस को गैंग की एक गूगलशीट हाथ लगी। इसमें लेखा-जोखा मिला है। इसी से दिल्ली-बेंगलुरु, मुंबई होटल में ठहरने-टैक्सी-खाने के बिल सहित हिसाब-किताब मिले। इससे सुराग मिला कि ताइवान माफिया गैंग के गुर्गे भारत आते हैं।

गैंग 6 यूनिट बनाकर ठगी कर रहा था। ये अलग-अलग यूनिट प्री-पेड सिम कार्ड, बैंक एकाउंट खुलवाना, डार्कवेब एवं पब्लिक डोमेन से लोगों की जानकारी जुटाना, एक्सपर्ट टीम, टेक्निकल टीम और कॉल सेंटर के लिए भर्ती का काम करती थीं।

यह रैकेट दिल्ली का सैफ हैदर चला रहा था। पुलिस को लीलेश-जयेश से जानकारी मिली थी। दो ताइवानी नागरिक, वांग चुन वेई और शेन वेई, बेंगलुरु में डॉर्करूम चला रहे थे। मुख्य सूत्रधार, ची संग उर्फ मॉर्क और चांग हाव यून, ने 10 अक्टूबर को दिल्ली में ताज होटल में ठहरकर लैपटॉप खोला, तब साइबर पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

ताइवान-चीन के माफिया गुजरात के लोगों से ठगी करने के लिए नौकरी का जाल बिछाते थे। झांसे में आए युवाओं को मालदीव व वियतनाम में नौकरी देने का वादा करके फिलीपींस से कंबोडिया होते हुए ले जाते थे, जहां पासपोर्ट छीन कर कॉल सेंटर में जबरन नौकरी करवाते थे। 3 माह बाद पासपोर्ट देकर वापस रवाना कर देते थे।

देश के कुछ हिस्सों में चुनाव की जरूरत ही नहीं

ऐसा क्यों कह रहे हैं उपराष्ट्रपति धनखड़?

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है भारत लेकिन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ देश के कुछ खास इलाकों में चुनाव और लोकतंत्र को ही बेमतलब बता रहे हैं। कह रहे हैं कि उन इलाकों में चुनाव कराना ही नहीं चाहिए क्योंकि उसका कोई मतलब ही नहीं है। उपराष्ट्रपति की इन बातों में खीझ है, चिंता है। चुनौती को लेकर चेतावनी है। चिंता डेमोग्राफी में नाटकीय बदलाव को लेकर। खीझ है राजनीतिक स्वार्थों के तहत डेमोग्राफिक चेंज को होने देने को लेकर। चेतावनी है चुनौती को लेकर। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को जयपुर में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के एक सम्मेलन में कहा कि देश के कुछ क्षेत्रों में डेमोग्राफिक चेंज यानी जनसांख्यिकीय बदलाव इतना ज्यादा हो गया है कि वे 'राजनीतिक किले' बन गए हैं। वहां चुनाव चुनाव और लोकतंत्र का कोई मतलब नहीं रह गया है क्योंकि परिणाम पहले से तय होते हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि दुनिया में जनसांख्यिकीय परिवर्तन एक चुनौती बनता जा रहा है। उन्होंने आगे कहा, 'अगर इस बेहद चिंताजनक चुनौती से व्यवस्थित तरीके से निपटा नहीं किया गया, तो यह एक अस्तित्वगत चुनौती बन जाएगी। ऐसा दुनिया में हो चुका है।

मुझे उन देशों के नाम लेने की जरूरत नहीं है जिन्होंने इस जनसांख्यिकीय विकार, जनसांख्यिकीय भूकंप के कारण अपनी पहचान

100% खो दी है।' देशों का नाम लिए बिना, उन्होंने कहा कि कुछ विकसित देश ऐसे हैं जो 'इसकी गर्मी महसूस कर रहे हैं'। धनखड़ ने कहा, 'हमारी संस्कृति को देखिए, हमारी समावेशिता और विविधता में एकता, सकारात्मक सामाजिक व्यवस्था के पहलू हैं। बहुत सुखदायक। हम सभी के लिए खुले हाथों से स्वागत करते हैं और हो क्या रहा है? इसे इन जनसांख्यिकीय अव्यवस्थाओं, जाति के आधार पर दुर्भावनापूर्ण विभाजन और इसी तरह की अन्य चीजों से हिलाया जा रहा है और गंभीर रूप से समझौता किया जा रहा है।'

अगर इस बेहद चिंताजनक चुनौती से व्यवस्थित तरीके से निपटा नहीं किया गया, तो यह एक अस्तित्वगत चुनौती बन जाएगी। ऐसा दुनिया में हो चुका है। मुझे उन देशों के नाम लेने की जरूरत नहीं है जिन्होंने इस जनसांख्यिकीय विकार, जनसांख्यिकीय भूकंप के कारण अपनी पहचान 100% खो दी है।

किसी विशेष राज्य या क्षेत्र का जिक्र किए बिना उपराष्ट्रपति ने कहा, 'कुछ क्षेत्रों में जब चुनाव आते हैं तो जनसांख्यिकीय अव्यवस्था लोकतंत्र में राजनीतिक अभेद्यता का गढ़ बनते जा रहे हैं। हमने देश में यह बदलाव देखा है। जनसांख्यिकीय बदलाव इतना ज्यादा है कि वह क्षेत्र एक राजनीतिक गढ़ बन जाता है। लोकतंत्र का कोई मतलब नहीं रह जाता, चुनाव का कोई मतलब नहीं रह जाता। कौन चुना जाएगा यह एक पूर्व निष्कर्ष बन जाता है और दुर्भाग्य से हमारे देश में ये क्षेत्र बढ़ रहे हैं।' धनखड़ ने देश में सामाजिक सामंजस्य को निशाना बनाने वाले नैरेटिव और प्रयासों के प्रति भी आगाह किया। उन्होंने कहा, 'इसलिए, हम सभी को एक ऐसे एकजुट समाज के निर्माण के लिए जुनून और मिशनरी मोड में काम करना होगा जो राष्ट्रवादी सोच रखता हो और जाति, पंथ, रंग, संस्कृति, आस्था और व्यंजनों के गुटों से ग्रस्त न हो...।'

उपराष्ट्रपति ने कहा, 'हम बहुसंख्यक होने के नाते सर्व-समावेशी हैं, हम बहुसंख्यक होने के नाते सहिष्णु हैं, हम बहुसंख्यक होने के नाते एक खुशनुमा इकोसिस्टम बनाते हैं। दूसरी तरफ दीवार पर लिखी इबारत है एक ऐसे बहुमत की जो क्रूर, निर्दयी और अपने कामकाज में लापरवाह है। जो सभी मूल्यों को रौंदने में विश्वास करता है।'

अब 40% दिव्यांगता एमबीबीएस की राह में रोड़ा नहीं

सुप्रीम कोर्ट बोला- नेशनल मेडिकल कमीशन नियम बदले; मेडिकल बोर्ड जांच करे- दिव्यांगता बाधक है या नहीं

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि महज 40% की बेंचमार्क दिव्यांगता होना, किसी कैंडिडेट को कॉलेज में एडमिशन से नहीं रोक सकती, जब तक कि मेडिकल बोर्ड यह तय न कर दे कि उसकी दिव्यांगता आगे पढ़ने में परेशानी बनेगी। बेंच ने कहा- बोर्ड को यह भी बताना होगा कि अगर कोई व्यक्ति आगे बढ़ने के लायक नहीं है तो क्यों?

जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने 14 अक्टूबर को महाराष्ट्र के मेडिकल स्टूडेंट ओंकार रामचंद्र गोंड की याचिका पर सुनवाई करते हुए ये बातें कहीं। रामचंद्र ने नीट- यूजी 24 पास किया है।

गोंड को एमबीबीएस करने के लिए अयोग्य बताया गया था,

क्योंकि वे 1997 के ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन रेगुलेशन के तहत 45% स्पीच और स्थायी भाषाई दिव्यांग हैं। हालांकि कोर्ट ने मेडिकल बोर्ड से राय मांगने के बाद 18 सितंबर को गोंड को एडमिशन दिया था।

बेंच ने कहा कि दिव्यांग स्टूडेंट्स के एडमिशन की पात्रता जानने के लिए उम्मीदवार की विशेष रूप से जांच की जानी चाहिए। यदि बोर्ड इस नतीजे पर पहुंचता है कि दिव्यांग होने की वजह से वह पढ़ाई पूरी करने में असमर्थ है, तभी दाखिले से इनकार किया जा सकता है।

दरअसल, नेशनल मेडिकल काउंसिल के मौजूदा नियमों के अनुसार 40% से ज्यादा दिव्यांगता वाले छात्र एमबीबीएस की पढ़ाई नहीं कर सकते। बेंच ने निर्देश दिया कि एनएमसी इन नियमों को बदले और दिव्यांग कैटेगरी उम्मीदवारों के लिए एडजस्टमेंट और मददगार रवैया अपनाए।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के 25 जनवरी 2024 के लेटर के मुताबिक राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग जब तक उचित नियम तैयार कर रहा है, तब तक दिव्यांगता जांचने वाला बोर्ड अपनी राय बनाते समय हितकर बिंदुओं को ध्यान में रखेंगे। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि अपीलेट बॉडी बनने तक दिव्यांगता मूल्यांकन बोर्ड के उन फैसलों को कोर्ट में चुनौती दी जा सकेगी, जो उम्मीदवार के लिए नेगेटिव रिव्यू देते हैं।

बेंच ने सुधा चंद्रन, अरुणिमा सिंह का जिक्र किया

सुनवाई के दौरान बेंच ने भरतनाट्यम नृत्यांगना सुधा चंद्रन, माउंट एवरेस्ट फतह करने वाली अरुणिमा सिन्हा, प्रमुख खेल हस्ती एच. बोनिफेस प्रभु, उद्यमी श्रीकांत बोला और डॉ. सतेंद्र सिंह को भी याद किया।कोर्ट ने कहा- भारत के व्यक्तियों की एक लंबी और शानदार सूची में से कुछ चमकदार बेटियां और बेटे हैं, जिन्होंने सभी प्रतिकूलताओं का सामना करते हुए असाधारण ऊंचाइयों को छुआ।

बेंच बोली- यदि होमर, मिल्टन, मोजार्ट, बीथोवेन, बायरन और कई दूसरे लोगों को अपनी पूरी क्षमता का एहसास नहीं करने दिया गया होता तो दुनिया बहुत अधिक गरीब होती।

3 दिन में 12वीं धमकी, अब अकासा एयर की फ्लाइट में बम की धमकी

दिल्ली में इमरजेंसी लैंडिंग, 184 लोग थे सवार

बेंगलुरु, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। अकासा एयर के विमान नंबर QP1335 में बम होने की धमकी मिली। दिल्ली से बेंगुलरु जा रहे इस विमान को वापस लौटना पड़ा। इस विमान में 184 यात्री सवार थे। बता दें कि विमान में बम होने की धमकी की तीन दिनों में ये 12वीं घटना है। इससे कुछ देर पहले मुंबई से दिल्ली आ रही इंडिगो की एक फ्लाइट को भी इसी तरह की धमकी मिलने पर अहमदाबाद डायवर्ट करना पड़ा था। सूत्रों के मुताबिक, अकासा एयर को यह धमकी सोशल मीडिया के जरिए मिली थी।

इस घटना पर अकासा एयर के प्रवक्ता ने कहा कि 16 अक्टूबर, 2024 को दिल्ली से बेंगलुरु के

लिए उड़ान भरने वाली अकासा एयर की उड़ान QP 1335 में 174 यात्री, 3 शिशु और चालक दल के 7 सदस्य सवार थे। इस विमान को एक सुरक्षा चेतावनी मिली। एहतियात के तौर पर अकासा एयर की आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम स्थिति पर नजर रख रही है और उन्होंने पायलट को फ्लाइट को वापस दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर ले जाने की सलाह दी अकासा एयर की टीमें जमीन पर हैं और सभी यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए उनकी सहायता के लिए तैयार हैं।

वनकर्मियों ने लाठियां चलाई, आदिवासियों ने किया पथराव

वन भूमि से कब्जा हटाने पर झड़प; बच्चों को भी पीटने का आरोप

शिवपुरी, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। मप्र के शिवपुरी में वन भूमि से कब्जा हटाने पहुंची वन विभाग की टीम पर आदिवासी भड़क गए। हाथापाई करने पर टीम ने लाठियां भांजी। आदिवासियों ने टीम पर पथराव कर दिया। बच्चे भी पुलिस से बचकर यहां-वहां दौड़ते नजर आए।

घटना मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे कोलारस के मोरई गांव की है। करीब 8 आदिवासी परिवार यहां सालों से झोपड़ी बनाकर रह रहे हैं। वन विभाग का उड़नदस्ता और कोलारस थाना का पुलिस बल कब्जा हटाने पहुंचा था।वनकर्मी और आदिवासियों में झड़प के वीडियो सामने आए हैं। वन विभाग और आदिवासियों ने एक दूसरे की शिकायत कोलारस थाने में दर्ज कराई है।

कोलारस के सनवारा बीट में वन विभाग प्लांटेशन का काम चल रहा है। कार्यवाहक वनपाल गिरीश नामदेव ने बताया, जहां आदिवासी रह रहे हैं, वह वृक्षारोपण की जमीन है। आदिवासियों की झोपड़ी हटाने के निर्देश मिले थे। टीम मौके पर पहुंची तो आदिवासी

मारपीट पर उतारू हो गए। मेरी कॉलर पकड़कर वर्दी फाड़ दी। इसके बाद अमले पर पथराव कर दिया। बीट गार्ड रामचरण केवट और दिनेश सहरिया घायल हुए हैं।

आदिवासी मंगलवार शाम को कोलारस थाने पहुंचे। महिलाओं का कहना है, वनकर्मियों सहित पुलिसकर्मियों ने महिलाओं और बच्चों के साथ बेरहमी से मारपीट की। कृष्णा आदिवासी ने बताया, वन अमला झोपड़ी हटाने पहुंचा था। हम जगह खाली करने को तैयार थे। सामान निकालने के लिए थोड़ा समय मांगा था, लेकिन वनकर्मी झोपड़ी तोड़ने पर उतारू थे। वन विभाग के बड़े बाबू को झोपड़ी तोड़ने के लिए मना किया, लेकिन उन्होंने मेरे बाल पकड़कर लात मार दी। मेरा एक हाथ टूट गया। इसके बाद लाठियों से हमला बोल दिया। बच्चों को भी मारा।

आदिवासियों ने बताया, वन भूमि की कुछ बीघा जमीन पर खेतीबाड़ी कर लेते थे। इसके एवज में वनकर्मी उनसे मुफ्त में मजदूरी करवाते। मुर्गा और बकरा भी लेते थे। क्षेत्र में सैकड़ों बीघा जंगल की जमीन पर दबंग अतिक्रमण कर उसे जोत रहे हैं, लेकिन उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो रही।

जिस जमीन पर आदिवासी परिवार थोड़ी बहुत फसल लगाकर परिवार पाल रहे थे। कुछ माह पहले उस जमीन को दबंगों के कहने पर खाली करा लिया गया। तब से झोपड़ी बनाकर रह रहे थे, लेकिन वन विभाग ने झोपड़ियों को तोड़कर बेघर कर दिया। आवास योजना का लाभ तक नहीं मिला है।

बैंगलूरू में भारी बारिश से तबाही

डूबा मॉल, लोगों को घर से निकालने के लिए ट्रैक्टरों का इस्तेमाल

बंगलूरू , 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। कर्नाटक की राजधानी बंगलूरू समेत राज्य के अन्य हिस्सों में भारी बारिश के कारण आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। मंगलवार को भारी बारिश के कारण बंगलूरू के येलाहांका में स्थित फीनिक्स मॉल ऑफ एशिया पानी में डूब गया। सोशल मीडिया पर जारी वीडियो में देखा गया कि मॉल के पार्किंग और प्रवेश द्वार पर पानी भरा है, जिससे ग्राहक मॉल के अंदर नहीं जा पा रहे हैं। बता दें कि यह बंगलूरू का सबसे लंबा और बड़ा मॉल है। मंगलवार को हुई बारिश ने तबाही मचा दी और मॉल के चारों तरफ पानी भर गया। क्षेत्र में पानी भरने के कारण लोगों को ट्रैक्टर ट्रॉली के जरिए घरों से बाहर निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है।

मॉल के प्रबंधक पानी को

निकालने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे कि ग्राहक अंदर आ सके। पिछले साल जब इस मॉल का उद्घाटन हुआ था तब से ही यह खबरों में बना हुआ है। मॉल के लोकेशन को लेकर भी सवाल उठाया गया था। बंगलूरू पुलिस ने पिछले साल ही मॉल को 15 दिनों के लिए बंद रखने का आदेश दिया था, क्योंकि इससे बंगलूरू के उत्तरी हिस्से में यातायात में दिक्कत होने लगी थी। भारी बारिश के कारण येलाहंका में बाढ़ आ गई। हर तरफ सड़कों पर पानी भरने के कारण केंद्रीय विहार अपार्टमेंट के निवासी को ट्रैक्टर ट्रॉली की मदद से बचाया गया।

कर्नाटक सरकार ने की स्कूल बंद रखने की घोषणा

कर्नाटक सरकार ने भारी बारिश के पूर्वानुमान के कारण बेंगलुरु शहर जिले में स्कूल बंद करने की घोषणा की है। बेंगलुरु शहरी जिला कलेक्टर जगदीश ने शहर के सभी तालुकों के आंगनवाड़ी केंद्र, सरकारी और निजी स्कूलों के लिए छुट्टी का आदेश दिया और घोषणा की। चूंकि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर सरकारी अवकाश है, इसलिए राज्य में 17 अक्टूबर को भी स्कूल बंद रहेंगे।

केवल कर्नाटक ही नहीं बल्कि तमिलनाडु और आंध्र-प्रदेश भी बारिश भारी बारिश से जनजीवन पूरी तरह अस्तव्यस्त हो गया है। सड़क से लेकर ट्रेन और हवाई यातायात व्यवस्था चरमरा गई। कई ट्रेनें और उड़ानें रद्द करनी पड़ी।

उपचुनाव- कांग्रेस ने वायनाड सीट से प्रियंका को टिकट दिया

राहुल ने ये सीट छोड़ी थी; केरल की दो विधानसभा सीटों के भी प्रत्याशी घोषित

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। केरल की वायनाड लोकसभा सीट से कांग्रेस ने पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा को टिकट दिया है। यह प्रियंका गांधी का पहला लोकसभा चुनाव होगा। चुनाव आयोग ने 15 अक्टूबर की दोपहर को 13 राज्यों की 47 विधानसभा और लोकसभा की 2 सीटों पर उपचुनाव की घोषणा की थी। इनमें केरल की वायनाड और महाराष्ट्र की नांदेड़ लोकसभा सीट शामिल हैं।

लोकसभा चुनाव 2024 में राहुल गांधी ने वायनाड और यूपी की रायबरेली लोकसभा सीट से जीत हासिल की थी। उन्होंने गांधी

परिवार की पारंपरिक रायबरेली सीट को चुना था और वायनाड छोड़ी थी।

राहुल ने कहा था- वायनाड का दौरा करता रहूंगा

17 जून को वायनाड सीट छोड़ते वक्त राहुल ने कहा था- वायनाड और रायबरेली से मेरा भावनात्मक रिश्ता है। मैं पिछले 5 साल से वायनाड से सांसद था। मैं लोगों को उनके प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं। प्रियंका गांधी वाड्रा वायनाड से चुनाव लड़ेंगी, लेकिन मैं समय-समय पर वायनाड का दौरा भी करूंगा। मेरा रायबरेली से पुराना रिश्ता है, मुझे खुशी है कि मुझे फिर से उनका प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलेगा, लेकिन यह एक कठिन निर्णय था।

राहुल के ऐलान के बाद प्रियंका ने कहा था- मुझे वायनाड का प्रतिनिधित्व करने में बहुत खुशी होगी। मैं उन्हें उनकी (राहुल गांधी की) अनुपस्थिति महसूस नहीं होने दूंगी। मैं कड़ी मेहनत करूंगी।

सभी को खुश करने और एक अच्छा प्रतिनिधि बनने की पूरी कोशिश करूंगी। मेरा रायबरेली और अमेठी से बहुत पुराना रिश्ता है, इसे तोड़ा नहीं जा सकता। मैं रायबरेली में भी अपने भाई की मदद करूंगी। हम दोनों रायबरेली और वायनाड में मौजूद रहेंगे।

बांग्लादेश में 1000 टके में बन रहे आधार कार्ड

4000 में बॉर्डर पार, बीएसएफ ने यूं विफल की घुसपैठ

कोलकाता, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश से भारत में अवैध घुसपैठ कराने का धंधा चल रहा है। भारतीय सीमा में प्रवेश कराने का यह धंधा कोई ज्यादा महंगा नहीं है। जिन लोगों को अवैध तरीके से भारतीय सीमा में प्रवेश कराना है, उनके दस्तावेज भी बांग्लादेश में ही तैयार कराए जा रहे हैं। बांग्लादेश में 1000 टके में नकली भारतीय आधार कार्ड तैयार हो जाता है। इसके बाद मात्र 4000 रुपये में बॉर्डर पार कराने की गारंटी दे देते हैं। सीमा सुरक्षा बल 'बीएसएफ' ने अपनी सतर्कता से एक ऐसे ही मामले का खुलासा किया है। एक अहम ऑपरेशन में दक्षिण बंगाल फ्रंटियर की 73वीं बीएसएफ की बटालियन के सतर्क जवानों ने मुर्शिदाबाद जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा पर अवैध घुसपैठ के प्रयास को विफल कर दिया है।

सीमा सुरक्षा बल के मुताबिक, मुर्शिदाबाद जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा पर अवैध घुसपैठ का प्रयास हो रहा था। बीएसएफ जवानों ने मंगलवार को कथित तौर पर चेन्नई जाने के इरादे से फर्जी आधार कार्ड के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करने वाले चार बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ लिया। इसके अतिरिक्त, उन्हें प्रवेश कराने की सुविधा प्रदान करने वाले एक भारतीय दलाल को भी गिरफ्तार किया है। बामनाबाद सीमा चौकी पर बीएसएफ कर्मियों ने अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास संदिग्ध गतिविधियां देखीं। पांच व्यक्ति बांग्लादेश से भारतीय क्षेत्र में घुसने का प्रयास कर रहे थे। त्वरित कार्रवाई करते हुए, सतर्क बीएसएफ जवानों ने अलार्म बजाया। वे उन्हें चेतावनी देते हुए घुसपैठियों की ओर बढ़े। घुसपैठियों ने इसका विरोध किया और भारतीय क्षेत्र में जबरन घुसने की कोशिश की।

सिर्फ चार हजार टका में बांग्लादेश में बन रहा फर्जी आधार कार्ड

बीएसएफ जवानों ने इसका कड़ा जवाब दिया। इसके चलते घुसपैठिए तितर-बितर हो गए। वे इधर उधर छिपने का प्रयास करने लगे। सभी घुसपैठिए निकट पड़े घास के एक ढेर में छिप गए। त्वरित प्रतिक्रिया दल (क्यूआरटी) की मदद से सभी पांचों संदिग्धों को पकड़ लिया गया। गिरफ्तार व्यक्तियों को आगे की पूछताछ के लिए बामनाबाद सीमा चौकी ले जाया गया। शुरुआती पूछताछ में पता चला है कि उन पांचों में से एक भारतीय दलाल था। बाकी चार अवैध बांग्लादेशी नागरिक थे।

भारत और कनाडा के खराब होते रिश्ते का किस पर पड़ेगा असर ?

अशोक भाटिया

पहले से खराब भारत और कनाडा के साथ रिश्ते और खराब होते जा हैं। खालिस्तान समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर जिस तरह से घटनाक्रम बदले, उसने भारत और कनाडा के बीच एक बार फिर नया राजनयिक संकट खड़ा कर दिया है। कनाडा के पुलिस कमिश्नर ने आरोप लगाया था भारतीय राजनयिक और कॉन्सुलर अधिकारी सीधे तौर पर या एजेंटों के जरिए भारत सरकार के लिए जानकारी जुटाने के लिए अपने पद का फायदा उठाते हैं। इसके बाद कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो ने आरोप लगाया कि हमने भारत के एजेंटों के आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने के सबूत दिए थे। भारत से बार-बार आग्रह के बावजूद कोई सहयोग नहीं किया।इसके बाद भारत ने कनाडा में अपने उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा समेत कई राजनयिकों को वापस बुला लिया है। इसके साथ ही भारत ने कनाडा के छह राजनयिकों को भी निष्कासित कर दिया है और उन्हें 19 अक्टूबर तक भारत छोड़ने को कह दिया है। बताया जाता है कि अगर कनाडा का यही रवैया रहा तो जाहिर है कि इसका असर दोनों देशों पर पड़ेगा। भारत के हाथ में कनाडा की सबसे बड़ी ताकत है। अगर भारत ने अपना हाथ खींच लिया तो कनाडा की अर्थव्यवस्था पर भी असर पड़ सकता है। दरअसल, द्विपक्षीय व्यापार के अलावा कनाडा भारत के स्टूडेंट्स पर भी काफी डिपेंडेड है। अगर कनाडा के रवैये के कारण भारत के साथ उसके रिश्ते खराब हुए तो कनाडा की इकोनॉमी पर असर पड़ना तय है। कनाडा में बड़ी तादाद में भारतीय स्टूडेंट्स पढ़ाई करने जाते हैं और देश की अर्थव्यवस्था और यहां के कॉलेजों के लिए पैसे का बड़ा स्रोत हैं। ऐसे भारतीय स्टूडेंट्स कनाडा की इकोनॉमी में बड़ा योगदान हैं। भारत सरकार के डाटा के अनुसार , 13 लाख से ज्यादा भारतीय स्टूडेंट्स विदेशों में पढ़ाई कर रहे हैं। हर साल भारी तादाद में भारतीय बाहर पढाई करने जाते हैं। वहीं सबसे ज्यादा कनाडा भारतीय स्टूडेंट्स की पढ़ाई की पहली पसंद है। सबसे ज्यादा भारतीय स्टूडेंट्स कनाडा पढ़ाई करने जाते हैं। मौजूदा समय में कनाडा में 4,27,000 भारतीय स्टूडेंट्स पढ़ रहे हैं। कनाडा में 40 पर्सेंट भारतीय स्टूडेंट्स हैं और ये कनाडा की अर्थव्यवस्था में ढाई लाख करोड़ रुपये का योगदान देते हैं, जिससे कनाडा की इकोनॉमी मजबूत होती है। कनाडा भारतीय छात्रों की पहली पसंद इसलिए है क्योंकि उनके जरिए दी जाने वाली फीस यहां बाकी देशों से कम है। हालांकि, ये फीस कनाडाई नागरिकों के लिए और भी कम है और विदेशी छात्रों को उनसे चार गुना ज्यादा फीस भरनी पड़ती है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, भारतीयों समेत विदेशी छात्र कनाडा में औसतन 8.7 लाख रुपये फीस भरते हैं। जानकारों का कहना है कि भारत के स्टूडेंट्स कनाडा की इकोनॉमी में सिर्फ फीस और पढ़ाई करके ही योगदान नहीं कर रहे हैं बल्कि वो यहां नौकरी करके भी देश की अर्थव्यवस्था को बढ़ा रहे हैं। 2022 के डाटा के मुताबिक, कनाडा की अर्थव्यवस्था में विदेशी छात्रों का योगदान 22.3 बिलियन डॉलर का था जबकि इसमें 10.2 बिलियन डॉलर यानी 85,000 करोड़ रुपये तो अकेले भारतीय स्टूडेंट्स ही योगदान कर रहे थे। यही नहीं, कनाडा में कई कॉलेज यूनिवर्सिटीज भारत के भरोसे ही चल रही हैं। ऐसे में अगर भारतीय स्टूडेंट्स वहां जाना छोड़ दें और नौकरी न करें तो ट्रुडो की हेकड़ी निकल जाएगी। भारत ने अगर भारत के स्टूडेंट्स पर प्रतिबन्ध लगा दिया तो कनाडा की इकोनॉमी को कम से कम 85 हजार करोड़ का झटका लगेगा, ये वही पैसा है जो भारतीय वहां पढाई लिखाई और रहने खाने पर खर्च कर रहे हैं। गौरतलब है कि कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो 2015 से इस पद पर हैं।। पहली बार सत्ता में आने के बाद ट्रूडो ने अपनी कैबिनेट में 4 सिख सांसदों को मंत्री बनाया था । उस चुनाव में कुल 17 सिख सांसद जीते थे। इनमें से 16 ट्रूडो की लिबरल पार्टी से थे।मार्च 2016 में ट्रूडो ने अमेरिका में एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसा था । उन्होंने कहा था कि मेरी कैबिनेट में मोदी की तुलना में ज्यादा सिख हैं।' तब मोदी सरकार में दो सिख मंत्री श्रीमती मेनका गांधी और हरसिमरत कौर बादल ही थीं। अभी ट्रूडो की कैबिनेट में एकमात्र सिख मंत्री हरदीप एस। सज्जन हैं। हरदीप सज्जन को भारत विरोधी माना जाता है। सोमवार को जब कनाडा ने भारत के राजनयिकों को निष्कासित किया, तो हरदीप ने इसकी तारीफ की। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, 'कनाडा की धरती पर कनाडाई लोगों की सुरक्षा को खतरे में डालने के गंभीर आरोप के कारण आज भारतीय राजनयिकों को निष्कासित कर दिया गया। ये देखना अच्छा लगता है कि कानूनी एजेंसियां एक ऐसे मामले में लगातार काम कर रही है, जो सिख समुदाय को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहा है। मैं खुशनसीब हूं कि हम कनाडा में रहते हैं, जहां कानून अपना काम करता है। देखा जाता है कि कनाडा में ट्रूडो का सिख समुदाय, खासकर खालिस्तानी समर्थकों के प्रति प्रेम हमेशा से ज्यादा गहराता जा रहा है। जब 2018 में जस्टिन ट्रूडो अपनी पत्नी सोफी के साथ सात दिन की भारत यात्रा पर आए थे। इस दौरान ट्रूडो और उनकी पत्नी कई कार्यक्रमों में शामिल हुए थे। ऐसे ही एक कार्यक्रम में खालिस्तान समर्थक जसपाल अटवाल भी दिखा था।मुंबई और दिल्ली में जस्टिन ट्रूडो के कार्यक्रम का जसपाल अटवाल को न्योता मिला था। मुंबई में सोफी ट्रूडो के साथ जसपाल अटवाल साथ दिखाई दिया था। इस कार्यक्रम में कनाडा के मंत्री अमरजीत सोही भी साथ थे। इस पर जब बवाल हुआ तो कनाडा ने दिल्ली में जस्टिन ट्रूडो की डिनर पार्टी के लिए जसपाल अटवाल को दिया न्योता रद्द कर दिया। जसपाल अटवाल खालिस्तान का समर्थक रहा है और प्रतिबंधित संगठन 'इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन' से जुड़ा रहा है। 1986 में कनाडा के वैंकूवर में पंजाब के मंत्री मलकियत सिंह सिद्धू की हत्या की कोशिश के लिए जसपाल को कनाडाई कोर्ट ने दोषी ठहराया था। उस हमले में तो मलकियत सिंह बच गए थे, लेकिन भारत में उनकी हत्या कर दी गई थी। कनाडा की अदालत ने जसपाल को 20 साल की सजा सुनाई थी। इतिहास देखे तो 2015 से सत्ता में बने ट्रूडो न तो 2019 में बहुमत हासिल कर सके और न ही 2021 में। मगर दूसरी पार्टियों के सहारे उनकी लिबरल पार्टी सत्ता में बनी रही। कनाडा में अगले साल अक्टूबर में संसदीय चुनाव होने हैं। ट्रूडो की पार्टी लगातार कमजोर हो रही है। कनाडाई संसद में कुल 338 सीटें होती हैं और सरकार बनाने के लिए 169 सीटों की जरूरत पड़ती है। ट्रूडो की लिबरल पार्टी के पास अभी 154 सीटें हैं। ट्रूडो को पता है कि सत्ता बचाए रखनी है तो सिखों को अपने साथ रखना जरूरी है। इसी फायदे को देखते हुए वे लगातार भारत से पंगा ले रहे है । अपना जनाधार खोने के डर से ट्रूडो अब सिखों को खुश करने में जुटे हैं। जानकारों का मानना है कि 2025 में सत्ता में वापसी की उम्मीद के कारण ट्रूडो ऐसी भारत विरोधी हरकतें कर रहे हैं। ट्रूडो सरकार में विदेश नीति के सलाहकार रहे ओमर अजीज के अनुसार ऐसा नहीं है कि मोदी हमेशा कनाडा के अच्छे दोस्त रहेंगे, लेकिन इन सबसे बड़ा नुकसान कनाडा को हुआ है। दुनिया में मोदी की स्वीकार्यता बढ़ी है, जबकि कनाडा अलग-थलग है। उन्होंने लिखा था कि सीधे-सीधे आरोप लगाने की बजाय कनाडा को कनाडाई नागरिक की हत्या की जांच करनी थी और उसके नतीजों को सार्वजनिक करना चाहिए था और भारत के साथ तनाव कम करने की कोशिश की जानी चाहिए थी।ओमर अजीज के इस बात समझा जा सकता है कि 'वोटबैंक' के लिए भारत से रिश्ते बिगाड़ना ट्रूडो पर ही भारी पड़ सकता है, क्योंकि कनाडा में बहुत सारे लोग ट्रूडो जैसा नहीं सोचते।

बताया जाता है कि कनाडा और भारत के रिश्ते और बिगड़ते है तो सब कुछ कनाडा का ही बिगड़ेगा क्योकि भारत के पास कनाडा की अपेक्षा खोने को कुछ खास नहीं है । कनाडा जी-7 का सदस्य है। क्या जी-7 के बाकी देश कनाडा का साथ देंगे? जी-7 में बाकी देश यूएस, यूके, जर्मनी, फ्रांस, जापान और इटली सभी से भारत के रिश्ते अच्छे हैं।

एग्जिट पोल की साख पर सवाल

एक चुनाव की थकान उतरती नहीं कि दूसरा चुनाव आ जाता है। इस तरह से हो रहे चुनाव की परेशानी ख़त्म होने का नाम ही नहीं ले रही है। उम्र की लकीरे माथे पर दिखने लगी हैं लेकिन माथे की शिकन जाने का नाम ही नहीं ले रहा है। रूखी रोटी, सूखी चूरा खा कर ठंडा पानी पीने का सिद्धांत चुनाव के दौरान ही दिखता है। एक आदमी पैसा- पैसा जोडने में दिनरात लगा रहता है, लेकिन पैसा है कि हर महीने मुट्ठी में बंद रेत की तरह फिसल जाता है। लेकिन देश के कर्णधारों और उनकी राजनीति ने आम आदमी मजबूरी की गांठ में ऐसा बांधा है कि उससे वह चाहकर भी नहीं छूट पा रहा है। जब आम आदमी ज्यादा छटपटाता है तो उसे कुछ रेजगारी दे कर उसके हाल पर ही रहने का आश्वासन दे दिया जाता है। आखिर इस तरह की राजनीति कब तक चलती रहेगी। प्रत्येक मतदाता की आवाज तो सुनी नहीं जा रही है, कम से कम चीख निकलने से पहले उसकी खामोशी को ही समझ लिया जाए तो बहुत है। बहरहाल, जम्मू- कश्मीर और हरियाणा के चुनाव से उबरे भी नहीं थे कि अब महाराष्ट्र और झारखण्ड के चुनाव की बारी आ गई है। झारखण्ड में तो मुक़ाबला सीधा ही है। ज़्यादा चक्कर नहीं है। घुमाव भी नहीं है। लेकिन महाराष्ट्र में पहली बार छह राजनीतिक दल चुनावी मैदान में बराबरी के साथ उतरने वाले हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में शिवसेना एक थी। भाजपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ी थी और यह साथ वर्षों पुराना था। लेकिन चुनाव बाद मुख्यमंत्री पद को लेकर जिस तरह की खींचतान देखी गई उससे वर्षों पुराना नाता टूट गया। इस बार एक नहीं बल्कि दो शिवसेना हैं। इनमें से एक भाजपा के साथ है और दूसरी भाजपा के खिलाफ। इसी तरह पिछले चुनाव में महाराष्ट्र की लोकल पार्टी राकांपा एक थी और दमदार भी। इस बार राकांपा के भी दो फाड़ हो चुके। भतीजे अजित पवार ने चाचा शरद पवार से अलग होकर न सिर्फ अलग राकांपा बना ली, बल्कि पार्टी भी छीन ली और भाजपा से जा मिले। शिवसेना की तरह ही इस बार के चुनाव में राकांपा का भी एक धड़ा भाजपा के खिलाफ होगा और दूसरा भाजपा के साथ। महाराष्ट्र और देश की राजनीति में यह चर्चा अक्सर होती है कि अजीत पवार का धड़ा भाजपा के साथ कब तक रहेगा, इस बारे में निश्चित रूप से कुछ भी नहीं कहा जा सकता। चाचा से जा मिलने का मुहूर्त हो सकता है दिवाली से पहले आ जाए या दिवाली के बाद! महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव में पार्टियों की यह टूट भाजपा के लिए नुक़सानदायक साबित हुई थी। शरद पवार और उद्धव ठाकरे को बेचारा समझकर लोगों ने उन्हें ज़्यादा वोट या सीटें दे दी थीं। एकनाथ शिंदे वाली शिवसेना को तो फिर भी ठीक - ठाक सीटें मिल गईं थीं लेकिन राकांपा के अजीत दादा वाले धड़े का बेड़ा गर्क हो गया था। फिर भी कहा जा सकता है कि विधानसभा चुनाव का गणित कुछ अलग ही होता है। लोकसभा वाले समीकरण कितने चलेंगे, कहा नहीं जा सकता। वैसे भी लोकसभा चुनाव के बाद गोदावरी में बहुत पानी बह चुका है। निश्चित रूप से हवा का रुख़ भी बदला होगा। यह हवा दूसरे खेमे की तरफ़ बहने लगेगी, या फिर पहले ख़ेमे की तरफ़ प्रचण्ड रूप से बहेगी, कहना मुश्किल है। जिस तरह समन्दर करवटें लेता है तो पानी के पेट में बल पड़ने लगता है, वैसे ही चुनावी हवा का पेट भी सांय- सांय कुछ कहता रहता है। क्या कहता रहता है, वह किसी की समझ में नहीं आता। पिछले लोकसभा चुनाव और हाल के हरियाणा चुनाव के परिणामों को देखने के बाद तो यह साफ़ कहा जा सकता है कि कम से कम हवा का यह रुख़ एग्जिट पोल को तो बिलकुल समझ में नहीं आता। बेचारे एग्जिट पोल करने वाले ग़लत होकर माथा पीटने के अलावा और कर भी क्या सकते हैं। इससे उनकी विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिन्ह लग गए हैं। हो सकता है महाराष्ट्र और झारखण्ड चुनाव में एग्जिट पोल की खोई हुई प्रतिष्ठा वापस लौट आए। वर्ना इस पोल की गुमशुदगी कभी भी हो सकती है।

गंभीर सवाल खड़ा करती बहराइच हिंसा

राजेश कुमार पासी

भारत दुनिया का इकलौता देश है जहां बहुसंख्यक आबादी को अपना त्यौहार मानने के लिए कड़ी सुरक्षा का इंतजाम करना पड़ता है। हिन्दू समुदाय दुनिया का इकलौता धार्मिक समुदाय है, जो डरते-डरते अपना त्यौहार मनाता है। जिस समुदाय के डर के साये में हिन्दू समाज अपना त्यौहार मनाने के लिए मजबूर है, उसे भारत में हिंसा पीड़ित समुदाय माना जाता है। भारत में कई सवेंदनशील इलाके हैं, जहां हिन्दुओ के लिए खतरा रहता है लेकिन मुसलमानों के लिए इस देश के कोई इलाका सवेंदनशील नहीं है। वो पूरे देश में अपना त्यौहार मना सकते हैं। बहराइच हिंसा के बाद विपक्ष के कई नेता सवाल उठा रहे हैं कि जब प्रशासन को पता था कि शोभायात्रा के रास्ते में मुस्लिम इलाका पड़ता है तो सुरक्षा प्रबंध ज्यादा क्यों नही किए गए। अजीब बात यह है कि यह सवाल वही लोग खड़े कर रहे हैं, जो देश में गंगा-जमुनी तहजीब का ढोल पीटते हैं। सवाल उठता है कि जब पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान मुस्लिम इलाके बन चुके हैं तो भारत में मुस्लिम इलाके कहाँ से आ गए । ये कोई नहीं बताता कि मुस्लिम इलाके में ऐसा क्या है जो कड़ी सुरक्षा व्यवस्था करनी पड़ती है । ये आज से नहीं हो रहा है, आजादी से पहले से हो रहा है और देश का बंटवारा होने के बाद भी हो रहा है । जहां 20 से 30 प्रतिशत मुस्लिम रहते हैं वो संवेदनशील इलाका बन जाता है लेकिन जहां 95 प्रतिशत हिन्दू रहते हैं, वहां संवेदनशील इलाका क्यों नहीं बनता । कुछ विपक्ष के नेता कह रहे हैं कि जुलूस उस इलाके में क्यों गया, पुलिस कम क्यों थी, पुलिस ने डीजे में क्या बज रहा है, देखा था क्या ? सवाल यह है कि 95 प्रतिशत हिन्दू आबादी वाले इलाकों में मस्जिद से अजान होती है. कोई नहीं पूछता कि अजान में क्या कहा जा रहा है और उन इलाकों में कभी दंगा नहीं होता । दुर्गा पूजा के उपलक्ष में हिन्दू समाज मूर्तियों का विसर्जन करने के लिए शोभायात्रा निकाल रहा था । पुलिस के अनुरोध पर अलग-अलग शोभायात्रा निकालने की जगह इकट्ठी एक यात्रा निकाली गई थी ताकि पुलिस को अलग-अलग जगहों पर सुरक्षा प्रबंध न करने पड़े । यह शोभा यात्रा एक मस्जिद के सामने से गुजर रही थी तो कुछ मुस्लिम समाज के लोगों ने डीजे बंद करने को कहा लेकिन हिन्दुओं ने डीजे बंद करने से मना कर दिया । इसके जवाब में कुछ घरों से शोभा यात्रा पर पत्थरबाजी होने लगी । एक युवक राम गोपाल मिश्रा ने एक घर से इस्लामी झंडा उतार कर भगवा झंडा फहरा दिया । इसके जवाब में उस घर में रहने वाले मुस्लिमों ने उसकी जघन्य हत्या कर दी । उस युवक की हरकत का समर्थन नहीं किया जा सकता और उसके खिलाफ कानूनी कार्यवाही होनी चाहिए थी लेकिन उसकी हत्या कैसे हो सकती है । ऐसी हरकतें कई बार मुस्लिम युवकों द्वारा कई जगहों पर की गई है लेकिन हिन्दू समाज ने उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही की मांग की हैं, किसी की हत्या नहीं की गई है । मीडिया भी इसे एक विवाद में हुई मौत बता रहा है लेकिन कोई यह मानने को तैयार नहीं है कि यह एक लिंचिंग में की गई हत्या है । पहलू खान की लिंचिंग का रोना अभी तक रोया जा रहा है लेकिन इसके बाद भी कितनी लिंचिंग हो चुकी है, उस पर कोई चर्चा नहीं करना चाहता । अगर झंडा उतारने और फहराने के लिए लिंचिंग करके हत्या करना सही है तो फिर मूर्तियों का अपमान करने पर, गौ हत्या करने पर लिंचिंग भी सही ठहरा दी जायेगी । कैसा भी अपराध हो, उसकी सजा कानून और संविधान के अनुसार दी जानी चाहिए, किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने का अधिकार नहीं है । मस्जिद के आगे डीजे बजाना अपराध नहीं है लेकिन किसी धार्मिक यात्रा पर पत्थरबाजी करना जरूर अपराध है । विपक्षी दल इस हिंसा के पीछे सरकार का हाथ बता रहे हैं क्योंकि चुनाव होने वाले हैं । सवाल यह है कि ऐसी ही हिंसा झारखंड, बंगाल, बिहार और कई अन्य प्रदेशों में हुई है तो क्या वहां सभी जगहों पर चुनाव होने वाले हैं । क्या विपक्ष यह कहना चाहता है कि अभी तक देश में जितने भी दंगे हुए हैं सभी सरकारों द्वारा प्रायोजित थे क्योंकि चुनाव होने वाले थे । जिन्होंने शोभा यात्रा का डीजे बंद करवाने की कोशिश की, क्या वो भी चुनाव की वजह से कर रहे थे । क्या चुनाव की वजह से ही उस युवक की हत्या की गई । अजीब बात यह है कि जिस युवक की हत्या की गई, दोषी भी उसे साबित किया जा रहा है । पीड़ित परिवार ने मुख्यमंत्री योगी से मुलाकात की है और उन्होंने पीड़ित परिवार को पूरी मदद करने का वादा किया है लेकिन परिवार सिर्फ न्याय की मांग कर रहा है । आरोपी भाग चुके हैं, कब पकड़े जाएंगे, कुछ कहा नहीं जा सकता । विपक्ष मांग उठा रहा है कि घटना में शामिल अपराधियों को सख्त सजा दी जाये । दूसरी तरफ सच्चाई यह है कि कर्नाटक में अभी कांग्रेस सरकार ने 158 दंगाइयों से मुकदमा वापस ले लिया है । 158 दंगाइयों की एक भीड़ ने पुलिस बल पर लाठियों और पत्थरों से जानलेवा हमला किया था, जिसमें कई पुलिस वाले गंभीर रूप से घायल हो गये थे । इसके अलावा इस भीड़ ने कई सरकारी और निजी वाहनों को आग लगा दी थी । कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने इन दंगाइयों का मुकदमा वापस लेकर साबित कर दिया है कि वो सिर्फ सजा देने की बात करती है लेकिन वो दंगाइयों को बचाने की कोशिश करती है । ऐसे ही अखिलेश यादव ने अपने शासन काल में आतंकवादियों को मुकदमा वापिस लेने की कोशिश की थी लेकिन इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उन्हें ऐसा करने से रोक दिया । जो अखिलेश यादव आज अपराधियों को सजा देने की बात कर रहे हैं, वही आतंकवादियों को बचाने की कोशिश कर रहे थे जिन्हें बाद में माननीय अदालत ने सजा सुनाई थी । क्या देश नहीं जानता कि कांग्रेस और अखिलेश यादव किन लोगों को बचाने की कोशिश कर रहे थे । अपराधी किस जाति का है, किस धर्म का है, यह देखकर उसका अपराध और सजा तय नहीं की जा सकती । पीड़ित के साथ सिर्फ जाति या धर्म देखकर ही खड़ा नहीं हुआ जा सकता । विपक्ष का दोगलापन बहराइच की एक दूसरी घटना से समझा जा सकता है । बहराइच में अभी सिर्फ एक हफ्ते पहले एक दलित उत्पीड़न की घिनौनी घटना घटी है, जिसके ऊपर वर्तमान में दलितों के सबसे बड़े योद्धा चन्द्रशेखर आजाद, जिनके पास अपनी आर्मी भी है, उन्होंने इस उत्पीड़न पर सिर्फ एक टवीट करके अपना पल्ला झाड़ लिया है। जिसमें उन्होंने कहा है, चार दलित बच्चों को पांच किलो गेंहू चुराने के आरोप लगाकर, मुर्गी फार्म संचालक तथा उसके दोस्तों द्वारा बिजली के केबिल से बेरहमी से पीटना, उनके सिर मुंडवाकर चेहरे पर कालिख पोतना और पीठ पर चोर लिखकर अपमानित करना अत्यंत दुखदायी, कष्टदायक और दंडनीय है ।

दुनिया के सबसे बड़े रेलवे नेटवर्क में क्यों होते है सिग्नल फेल?

प्रियंका सौरभ

भारत का रेलवे बुनियादी ढांचा विशाल लेकिन पुराना है, जिससे विभिन्न कमियों के कारण दुर्घटनाओं का ख़तरा बना रहता है। हाल ही में सिग्नल की विफलता के कारण मैसूर-दरभंगा एक्सप्रेस चेन्नई के पास एक स्थिर मालगाड़ी से टकरा गई, जिससे मज़बूत सुरक्षा उपायों की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश पड़ा। दुनिया के सबसे बड़े रेलवे नेटवर्क में से एक होने के बावजूद, इस तरह की घटनाएँ ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए आधुनिकीकरण की आवश्यकता को रेखांकित करती हैं। ट्रेन में सुरक्षित सफ़र को लेकर अब सवाल उठने लगे हैं। ट्रेन में यात्रा करने वाले लोग अपनी मंज़िल तक सुरक्षित पहुँचेंगे या नहीं, हीं ट्रेन हादसे का शिकार तो नहीं हो जाएगी। दरअसल, भारतीय रेलवे से हर दिन एक लाख किमी से अधिक फैले देशव्यापी ट्रेक नेटवर्क पर करीब ढाई करोड़ यात्रियों को अपने गंतव्य स्थान तक पहुँचाती है। साल 2019-20 के लिए एक सरकारी रेलवे सुरक्षा रिपोर्ट में पाया गया है कि 70 फीसदी रेलवे दुर्घटनाओं के लिए उनका पटरी से उतरना ज़िम्मेदार था, जो पिछले वर्ष 68 फीसदी से अधिक था। इसके बाद ट्रेन में आग लगने और टक्कर लगने के मामले आते हैं, जो कुल दुर्घटनाओं में क्रमशः 14 और आठ फीसदी के लिए ज़िम्मेदार हैं। इस रिपोर्ट में साल 2019-20 के दौरान 33 यात्री ट्रेनों और सात मालगाड़ियों से सम्बंधित 40 पटरी से उतरने की घटनाएँ गिनाई गईं। इनमें से 17 पटरी से उतरने की घटनाएँ ट्रैक खराबियों के कारण हुईं। जबकि नौ घटनाएँ ट्रेनों, इंजन, कोच, वैगन में खराबी के कारण हुईं है। ट्रेनों का पटरी से उतरना रेलवे के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। एक ट्रेन कई कारणों से पटरी से उतर सकती है। ट्रैक का रखरखाव खराब हो सकता है, कोच खराब हो सकते हैं और गाड़ी चलाने में गलती हो सकती है। ट्रेन हादसों को रोकने के लिए ट्रेन की पटरियों का मरम्मत कार्य होते रहना बहुत ज़रूरी है। धातु से बनी रेलवे पटरियाँ गर्मी के महीनों में फैलती हैं और सर्दियों में तापमान में उतार-चढ़ाव के कारण सिकुड़ती है। ऐसे में इन्हें नियमित रखरखाव की ज़रूरत होती है। जरा-सी लापरवाही बड़े हादसे की वज़ह बन सकती है। ढीले ट्रैक को कसना, स्लीपर बदलना और अन्य चीजों के अलावा, चिकनाई और समायोजन स्विच। इस तरह का ट्रैक निरीक्षण पैदल, ट्रॉली, लोकोमोटिव और अन्य वाहनों द्वारा किया जाता है। बुनियादी ढाँचे की कमियाँ दुर्घटनाओं में योगदान दे रही हैं, कई वर्ग अभी भी मैन्युअल सिग्नलिंग पर भरोसा करते हैं, जिससे मानवीय त्रुटि का ख़तरा बढ़ जाता है, जो दुर्घटनाओं का एक महत्त्वपूर्ण कारक है। 2024 मैसूर-दरभंगा टक्कर सिग्नलिंग विफलता के कारण हुई, जिसके कारण ट्रेन को ग़लत ट्रैक पर ले जाया गया। दिल्ली-कोलकाता जैसे मार्गों पर भारी भीड़भाड़ होती है, जिससे अक्सर देरी होती है और नेटवर्क पर बढ़ते दबाव के कारण सुरक्षा से समझौता होता है। कवच जैसे एटीपी सिस्टम की अनुपस्थिति से ओवरस्पीडिंग या सिग्नल उल्लंघनों के कारण होने वाली टक्करों को रोकना मुश्किल हो जाता है। पुरानी पटरियाँ, खराब रखरखाव कार्यक्रम के साथ मिलकर, अक्सर पटरी से उतरने और दुर्घटनाओं का कारण बनती हैं। 2017 कलिंग उत्कल एक्सप्रेस के पटरी से उतरने की घटना का कारण ट्रैक की खराब स्थिति को बताया गया था। अत्यधिक काम करने वाले कर्मचारी, विशेष रूप से लोकोमोटिव पायलट, अक्सर तनावपूर्ण परिस्थितियों में काम करते हैं, जिससे त्रुटियाँ होती हैं। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की 2021 की रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया कि प्रशिक्षित कर्मचारियों की कमी सीधे सुरक्षा को प्रभावित करती है। कई भारतीय रेलगाड़ियाँ पुराने कोचों का उपयोग करती हैं, जिनमें क्रैशवर्थी डिज़ाइन जैसी आधुनिक सुरक्षा सुविधाओं का अभाव होता है। 2023 ओडिशा दुर्घटना में पुराने आईसीएफ कोच शामिल थे, जो आधुनिक एलएचबी कोचों की तुलना में कम प्रभाव-प्रतिरोधी थे। मज़बूत आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र की कमी दुर्घटना होने पर क्षति को बढ़ा देती है। 2023 बालासोर दुर्घटना में मलबा हटाने में 6 घंटे से अधिक का समय लगा, जिससे महत्त्वपूर्ण बचाव कार्यों में देरी हुई।

इन कमियों को दूर करने में 'कवच' प्रणाली की भूमिका बहुत ही अहम है, कवच प्रणाली लाल सिग्नल पार करने पर ट्रेनों को स्वचालित रूप से रोक देती है, जिससे खतरनाक टकराव को रोका जा सकता है। रेल मंत्रालय ने दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा मार्गों पर कवच लागू किया, जिसके परिणामस्वरूप घटनाओं में कमी आई।

हिंदुओं के त्योहार पर ही क्यों फैलती हैं अराजकता और हिंसा

संजय सक्सेना

यह हिन्दुस्तान का दुर्भाग्य है कि यहां की बहुसंख्यक आबादी को अपने तीज-त्योहार मनाने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हिन्दुओं के द्वारा कोई भी धाार्मिक आयोजन किया जाता है उस पर मुस्लिम कट्टरपंथियों का साया पड़ जाता है। हिन्दू जब भी कावड़ यात्रा निकाले,माता का जागरण कराये, मूर्ति विसर्जन को जाये या इसी तरह के अन्य कोई आयोजन करे तो मुस्लिम कट्टरपंथी कहीं उस पर पथराव करने लगते हैं तो कहीं रास्ता रोक कर खड़े हो जाते हैं। उनके इस कृत्य का विरोध होता है तो यह लोग तलवारें भांजने लगते हैं। आगजनी और पेट्रोल बम तो आम बात हो गई है,लेकिन पेट्रोल बम फोड़ने वाले तब जरूर आहत हो जाते हैं जब उन्हें कहीं पटाखों की आवाज सुनाई पड़ जाती है। हालात यह है कि हिन्दुओं के छोटे से छोटे धार्मिक आयोजन भी बिना पुलिस की सुरक्षा के घेरे के पूर्ण नहीं हो पाते हैं। हिन्दुओं के देवी-देवताओं को कभी कला के तो कभी अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर अपमानित किया जाता है। न जाने क्यों पांच टाइम लाउडस्पीकर पर चीखने चिल्लाने वालों को हिन्दुओं के धार्मिक आयोजनों में बजने वाला डीजे बेचैन क्यों कर देता है। इसी तरह से होली के रंग-गुलाल भी एक वर्ग विशेष के चंद कट्टरपंथियों के चलते साम्प्रदायिक हो जाता है। ऐसा नहीं है कि यह कट्टरपंथी तभी भड़कते हों जब हिन्दुओं के द्वारा अपना कोई धार्मिक जुलूस आदि सड़क पर निकाला जाता हो,हद तो तब हो जाती है जब हिन्दुओं के लिये अपने घरों में पूजा करना भी लड़ाई-झगड़े की वजह बन जाता है। गरबा या दुर्गा पूजा के पंडालो तक में यह मुस्लिम चरमपंथी पहुंच कर माहौल खराब करने से नहीं हिचकते हैं। इतना हीं कई बार तो इन अराजक तत्वों को वोट बैंक की राजनीतिक करने वाले नेताओं और पार्टियों का राजनैतिक संरक्षण भी मिल जाता है। यदि ऐसा न होता तो बहराइच में बेरहमी से मारे गये रामगोपाल मिश्र की हत्या पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव एक्स पर वह कथित वीडियो नहीं पोस्ट करते जिसमें रामगोपाल मिश्रा एक मुस्लिम परिवार के घर से हरा झंडा उतार कर भगवा झंडा लगाते हुए दिखाई दे रहा है। अखिलेश इस वीडियों के सहारे रामगोपाल मिश्रा को ही कटघरे में खड़ा कर रहे हैं,जबकि इसका कानूनी पहलू यह है कि यदि रामगोपाल मिश्रा ने हरा झंडा उतार कर वहां भगवा झंडा फहरा भी दिया था तो हत्यारों को उसका कत्ल करने की छूट नहीं मिल जाती है। रामगोपाल मिश्र को मारा ही नहीं गया,उसके साथ हत्यारों ने वहशीपन दिखाते हुए रामगोपाल के नाखून तक बेरहमी के साथ नोंच लिये थे। ज्यादा पीछे न भी जाया जाये तो हाल फिलहाल में ही इस्लामी कट्टरपंथियों ने देश के अलग-अलग हिस्सों में दुर्गा पूजा और हिन्दुओं को निशाना बनाया है। मुस्लिम कट्टरपंथियों ने कहीं पंडाल पर पथराव किया गया तो कहीं मूर्ति विसर्जन के जुलूस पर हमला हुआ, जुलूस के रास्तों को लेकर भी विवाद हुआ।

बुद्धिजीवी और बाँसुरी का संतुलन

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

एक दिन सुबह-सुबह एक बुद्धिजीवी मेरे घर आ धमके। उनके कंधे पर झोला था, माथे पर चिंताओं की रेखाएँ थीं और चेहरे पर समाज सुधारने का बोझ। आते ही बोले, समाज पतन की ओर जा रहा है। आजकल की पीढ़ी बस मोबाइल में खोई रहती है। संस्कृति को कौन बचाएगा? मैंने कहा, आपके पास तो बाँसुरी है, आप बचा सकते हैं। बुद्धिजीवी ने झोले से बाँसुरी निकाली और बोले, ये बाँसुरी नहीं, विचारों का प्रतीक है। इसे बजाने का मतलब है समाज को सही दिशा में ले जाना। लेकिन ये नई पीढ़ी बाँसुरी क्या जाने, इन्हें तो सिर्फ रील्स और मीम्स समझ में आते हैं। मैंने कहा, आप बजाकर देखिए, शायद कुछ असर हो। उन्होंने बाँसुरी होठों से लगाई, लेकिन बजाने से पहले बोले, बजाने से पहले हमें इस पर विचार करना चाहिए कि बाँसुरी का सांस्कृतिक और सामाजिक महत्व क्या है। मैंने कहा, भाई साहब, पहले बाँसुरी बजाइए, फिर उसके महत्व पर विचार करेंगे। बुद्धिजीवी थोड़े चिंतित हुए, बोले, देखिए, बिना चर्चा के अगर बाँसुरी बजा दी, तो लोग इसे मनोरंजन समझेंगे। समाज को संदेश देना है, मनोरंजन नहीं। मैंने सोचा, चलिए अब एक बुद्धिजीवी की बाँसुरी भी दर्शनशास्त्र से होकर गुजरेगी। खैर, मैंने चाय का कप थमाया, और उन्हें चर्चा के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बाँसुरी हाथ में घुमाते हुए कहा, बाँसुरी का स्वर तो शांति का प्रतीक है, लेकिन आजकल शांति की बात कौन करता है? सब तो केवल हंगामा चाहते हैं। सोचिए, अगर बाँसुरी बजा भी दी, तो क्या ये शोरगुल में सुनाई देगी? मैंने कहा, शोरगुल के बीच शांति की आवाज़ ही सबसे ज़्यादा असर करती है। वे थोड़ा गंभीर होकर बोले, शांति की आवाज़ सुनने के लिए आत्मा का शांत होना ज़रूरी है। और आजकल आत्मा को कौन शांत रहने देता है? सरकार, मीडिया, और सोशल मीडिया... सब शांति को निगल रहे हैं। ऐसे में बाँसुरी किस काम की? मैंने धीरे से कहा, फिर बाँसुरी साथ लेकर घूमने का क्या फायदा?बुद्धिजीवी ने थोड़ा सोचते हुए कहा, ये सही सवाल है। शायद बाँसुरी केवल प्रतीकात्मक है। हमें असल बदलाव के लिए विचारधारा की बाँसुरी बजानी होगी। फिर उन्होंने बाँसुरी को वापस झोले में रखा और बोले, बदलाव विचारों से आता है, बाँसुरी से नहीं। आज की पीढ़ी को हमें बाँसुरी नहीं, विचार देना चाहिए। मैंने मन ही मन सोचा, तो भाई साहब, बाँसुरी क्यों साथ लाए थे?लेकिन मैंने कुछ कहा नहीं। आखिरकार, बुद्धिजीवी थे, उनका काम है बातें करना, और मेरा काम था सुनना।

श्री कृष्ण दीवानी मीराबाई की अमर प्रेम कहानी

भक्ति और प्रेम के अद्भुत मेल की मिसाल भगवान श्रीकृष्ण की अनन्य भक्त तथा निश्छल भक्ति रूपी गगन में ध्रुव तारे की भांति अडिग एक दिव्य नाम है चिरवंदनीय 'मीराबाई' जी का, जो एक आध्यात्मिक कवयित्री होने के साथ-साथ अध्यात्म पथ का अनुसरण करने वाले पथिकों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने अपने चरित्र से सार्थक किया कि प्रेम विहीन भक्ति सदैव अधूरी है। निश्छल प्रेम आत्म तत्व की रचना है, जिसे मीरा जी ने अनुभव किया। कलिकाल में प्रेमाभक्ति को चरमोत्कर्ष प्रदान करने वाली दिव्य ऊर्जा माता मीरा के निश्चल प्रेम को शब्दों में व्यक्त करते हुए **शब्द भी निःशब्द से हो जाते हैं :**

प्राकट्य : ऐतिहासिक तथ्यों के अनुसार सन् 1498 ईस्वी के करीब जोधपुर के चोकड़ी नामक ग्राम में मेड़ता राजस्थान के राठौर श्री रतन सिंह घर संत आत्मा श्री मीरा देवी का जन्म हुआ था।

कृष्ण भक्ति में रुचि

इनकी माता जी योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण की उपासक थीं। माता के संग बचपन से ही श्रीकृष्ण का गुणगान श्रवण करते-करते इन्हें श्रीकृष्ण चरणों से अनुराग बाल्यकाल से ही हो गया था पर भगवान कृष्ण संग आत्मिक संबंध का बीज बालहृदय पर उस समय अंकुरित हुआ, जब वह अपनी माता के संग पड़ोस की एक कन्या के विवाह में गई।

वहां वर-वधू को सजा संवरा देख कर मीरा जी ने अपनी मां से पूछा मेरा पति कौन है? मां ने मुस्कुराते हुए भगवान कृष्ण की मूर्ति उठाकर हंसते हुए मीरा के हाथ में थमा कर कहा यह तेरा पति है। मां के वचन मीरा के हृदय में अंकित हो गए। अब भोर काल से ही भगवान कृष्ण की सेवा-उपासना करना मानो मीरा जी का नित्य-नियम और धर्म बन गया। सांस-सांस में श्रीकृष्ण का स्मरण करने वाली मीरा ज्यों-ज्यों बढ़ रही थीं उनके अंतःकरण में श्री कृष्ण के प्रति भाव भक्ति भी बढ़ रही थी।

विवाह

मीरा जी के पिता ने इनका विवाह संस्कार 13 वर्ष की आयु में उदयपुर के राणा सांगा के ज्येष्ठ पुत्र महाराज कुमार भोजराज के साथ किया। एक किंवदंती के अनुसार जब इनका विवाह हुआ तो फेरों की विधि के समय मीरा जी ने भगवान कृष्ण की वही मूर्ति अपने वक्ष से लगाए रखी।

विवाह संस्कार संपन्न हुआ, मीरा जी ससुराल आईं तो पति महाराज भोजराज से भेंट हुई। मीराबाई जी ने पति से कहा कि आप मात्र मेरे तन के स्वामी हैं, मेरी आत्मा के स्वामी तो भगवान श्री कृष्ण हैं।

'जाके सिर मोर मुकुट मेरो पति सोई'।

वही मेरे आत्मापति हैं। आरंभ में तो महाराज भोजराज ने मीरा जी के इन भावों को गंभीरता से नहीं लिया किन्तु धीरे-धीरे इनका भक्ति भाव राज घराने की आंखों में खटकने लगा, किंतु मीरा जी की भक्ति में जरा भी अंतर नहीं आया। इनके पति कुछ वर्षों बाद ही संसार को छोड़ गए, ऐसे में मात्र भगवान कृष्ण ही इनके एकमात्र सहारा थे ।

विधवा होने पर भी मीरा जी ने श्रृंगार नहीं त्यागा, वह तो अपने आत्मापति श्री कृष्ण के लिए श्रृंगार करती थीं। मीरा जी ठाकुर द्वारे में जाकर भगवान श्री कृष्ण के सम्मुख लोक लाज और मिथ्या आडम्बरों से दूर हो पैरों में घुंघरु बांधकर करताल बजा-बजाकर नृत्य करती हुई **निज भावों को गातीं :**

पग घुंघरू बांध मीरा नाची रे । लोग कहै मीरां भई रे बावरी, सास कहै कुलनासी रे।।

इस प्रकार अपनी प्रेम जनित अश्रुधारा से भगवान श्री कृष्ण के चरणों को पखारती थीं। यह सब राज घराने की मर्यादा के विपरीत था। परिवार वालों ने इनके भक्ति भाव को भक्ति न जानकर कुल मर्यादाओं में सेंध समझा। मीरा को कुटुंबजनों के अनेकों अमर्यादित कटु वचनों को ही नहीं सुनना पड़ा, बहुत दुर्व्यवहार भी सहना पड़ा। इन्हें मारने के लिए राणा ने विष भेजा।

उन्होंने अपने ही मुख से कहा :

विष का प्यालो राणाजी भेज्यो, पीवत मीरा हांसी रे।।

श्री कृष्ण कृपा से विष भी अमृत समान हो गया जिससे मीरा की भक्ति को और अधिक बल मिला परन्तु परिवार के बुरे व्यवहार से तंग आकर मीरा जी ने समकालीन कवि तुलसीदास जी को एक पत्र लिखा, जिनसे वह अपने भक्ति पथ के विषय में मार्गदर्शन चाहती थीं। तुलसीदास जी ने मीरा जी के **पत्र का जवाब देते हुए कहा :**

जाके प्रिय न राम वैदेही।
सो नर तजिए कोटि बैरी सम जधपि परम सनेहा ।।
नाते सबै राम के मनियत सहृदय सुसंख्य जहां लौ।
अंजन कहा आंखि जो फूटे, बहुतक कहो कहां लौ।।

तुलसीदास जी का पत्र पढ़कर मीरा जी हाथ में एकतारा लेकर 'मेरे तो गिरधर गोपाल दूसरो न कोय' गाती हुई द्वारिका और वृंदावन गईं।

मीरा जी की कविताएं और रचनाएं

मीरा जी की ग्रंथ रचनाएं, कविताएं और गीतों का संकलन दर्शाता है कि उस समय नारी की शिक्षा स्थिति अति उत्तम थी। उनके द्वारा साहित्य से सुसज्जित माधुर्य भाव सहित रचित मुख्य चार ग्रंथ हैं (1). गीता गीत गोविंद टीका, (2). बरसी मायरा, (3). राग गोविंद तथा (4). राग सोरठ पद आदि।

उनके गीतों के संकलन के रूप में 'मीराबाई की पदावली' आत्म अभिव्यक्ति से ओत प्रोत अत्यधिक प्रसिद्ध ग्रंथ है। इनके गीत, आध्यात्मिक कविताएं और ग्रंथ रचनाएं उनके श्रेष्ठ सरल व्यक्तित्व, त्याग, करुण स्वभाव तथा समर्पण, सौहार्द और निश्छल दृढ़ प्रेमाभक्ति भाव को स्पष्ट दर्शाते हैं।

संसार विरक्ति तथा सामाजिक विरोध

श्री कृष्ण की भक्ति में मीरा जी को संसार से पूर्ण वैराग्य हो गया था। नारी होने के कारण प्रेमाभक्ति पथ पर आगे बढ़ते हुए सामाजिक विरोध भी उनके लिए एक बड़ी चुनौती था परंतु मीरा जी के उच्च चरित्र, संयम, धैर्य और ज्ञान भक्ति प्रकाश से समाज की जटिल, आधारहीन, भक्ति बाधित, कुंठित मानसिकता के अज्ञान रूपी बादलों को छंटने पर विवश होना पड़ा।

विरक्त भाव से सुसज्जित होकर वह जहां भी गईं, वहीं श्री कृष्ण प्रेम की वर्षा होने लगी। मीरा रचित एक-एक पद उनकी श्रीकृष्ण प्रीति का संदेश है। प्रेमयोगिनी मीराबाई के स्नेहपूरित पावन गायन, उनके स्मरण, उनके चिंतन आज भी भागवदभक्तों को आनंद दान दे रहे हैं।

संतों का अनुसरण

मीरा जी जिस मार्ग से जातीं वहां संतों-संग सत्संग करतीं तथा ज्ञान धारा में डुबकी लगातीं और आगे बढ़ती रहती थीं। जैसे नदियां समुद्र से मिलन की आस में निरंतर बहती रहती हैं वैसे ही मीरा अपने प्रिय कृष्ण से मिलने को आतुर हुई आगे ही आगे बढ़ती जाती थीं। श्री गुरू रविदास जी से मंत्र दीक्षा ग्रहण करके मीरा जी साधना से समाधि की अनंत भक्ति यात्रा की और अग्रसर हुई।

परलोक गमन

इतिहास में इस विषय में स्पष्ट उल्लेख नहीं है लेकिन अनुमानित है कि लगभग 1546 ईस्वी में अपने जीवन के अंतिम पड़ाव में मीरा जी द्वारकापुरी पहुंचीं, जहां वह अपने सांस-सांस में श्रीकृष्ण को भजतीं, कृष्ण को ही सिमरतीं और कृष्ण को ही गुनगुनाया करती थीं। 'संत मंथन' सारानुसार एक दिन ब्रह्म मुहूर्त में बहुत तेज आंधी-तूफान के चलते हुए मीरा जी की कुटिया में जगते हुए दीए से आग लग गई। कृष्ण प्रेम और ध्यान में मग्न श्री मीरा जी को उस दिन के बाद किसी ने नहीं देखा।कहा जाता है कि मीरा जी सशरीर ही श्री कृष्ण के विग्रह में समा गईं। इस प्रकार मीराबाई आत्मज्योति और परमज्योति के मिलन का उदाहरण बन गईं।

साधारण-सी दिखने वाली कन्या असाधारण निश्छल भक्ति का उदाहरण बनकर संसार में अमिट छाप छोड़ गईं। उनके श्रेष्ठ व्यक्तित्व ने स्पष्ट कर दिया कि जीव के अपने ही कर्म जीव की गति मुक्ति सुनिश्चित करते हैं। मीरा जी ने अपने जीवन जीने की शैली से यह समझाया कि आत्मा और देह भिन्न हैं और भिन्न होते हुए भी एक हैं।

मीरा जी ने भक्ति का मार्ग विवशता में नहीं अपनाया था क्योंकि उनके ग्रंथों में यह शिक्षा है कि विवशतावर्क भक्ति मार्ग को अपनाने वाला एक समय में आकर इस मार्ग से अवश्य भटकता है, किंतु ईश्वर अनुरागी जीव जब निज समर्पण कर आत्म चेतना जागृत हेतु प्रभु का शरणागत होता है तो वह सदैव प्रभु चरणों का अनुरागी बना रहता है और भक्ति मार्ग पर निर्भय होकर चलता है। मीरा जी ने अपने व्यक्तित्व से स्पष्ट किया कि भक्त का भगवान संग सुंदर निर्मल निश्छल संबंध ही भक्ति भाव को दृढ़ता देता है। वास्तव में प्रेमाभक्ति मुक्ति की युति है। भक्ति मार्ग सांसारिकता प्राप्ति का मार्ग नहीं है, संसार में रहते हुए सांसारिक पदार्थों से विमुख होकर आत्म कल्याण का प्रकाशमय पथ है जिसे संतजन दीपक की भांति अपने ज्ञान से आलोकित करते हैं।

मध्यप्रदेश के मडिया मंदिर में देवी मां भक्तों से करती हैं बात और देती हैं प्रसाद!

भारत को मंदिरों का देश कहा जाता है। यहां बहुत से प्राचीन और चमत्कारी मंदिर हैं। इन मंदिरों में होने वाले चमत्कारों के बारे में आज तक कोई भी पता नहीं लगा पाया है। जिनमें किसी मंदिरो की सीढ़ियों में सुरों की सरगम बजती है तो कहीं भगवान कृष्ण खुद बांसुरी बजाते है। ऐसा ही एक चमत्कारी मंदिर मध्यप्रदेश में स्थिति हैं। मान्यता है कि इस मंदिर में मां अपने भक्तों से बात कर उनकी सभी परेशानियां दूर करती है और यही नहीं भक्तों के खुद प्रसाद भी देती हैं।

कहां है यह मंदिर ?

यह चमत्कारी मंदिर मध्य प्रदेश के निवाड़ी जिले के पृथ्वीपुर तहसील क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत मडिया में यह चमत्कारी मंदिर स्थित है जिसका नाम अछरू माता मंदिर है। इस मंदिर की जुड़ी मान्यता के चलते यहां बड़ी संख्या में भक्त अपनी मनोकामना लेकर पहुंचते है। मान्यता है कि इस मंदिर में मां अपने भक्तों से बात करके उनकी इच्छाएं पूरी करती हैं। मंदिर से जुड़े इस अनोखे रहस्यों के बारे में कई बार लोगों ने जानने की कोशिश की लेकिन आज तक इन रहस्यों के बारे में कोई भी पता नहीं लगा पाया है।

चमत्कारी कुंड में भक्तों से बात

अरुछा माता मंदिर में एक चमत्कारी कुंड हैं। मान्यता है कि अछरू माता उस कुंड में रहते हुए भक्तों बात करती हैं और उनके सवालों के जवाब भी देती हैं। इसके बाद मां कुंड से ही भक्तों को मनोकामना पूरी होने का आशीर्वाद देती हैं। इसके अलावा यह भी कहा जाता है कि मां भक्त का काम पूरा होगा या नहीं ये भी बता देती हैं।

मां देती हैं प्रसाद

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मंदिर में मां अछुर अपने भक्तों से बात करने और उनकी मनोकामना पूरी करने से पहले उन्हें प्रसाद भी देती है। भक्तों का कहना है कि मां अछरू अपने भक्तों को कुंड में से प्रसाद के रूप में चिरौंजी, नारियल, दही, नींबू आदि देती हैं।

नहीं सूखता कुंड का पानी

लोगों का कहना है कि इस मंदिर के चमत्कारी कुंड का पानी कभी नहीं सूखता। कहा जाता है कि जब गर्मियों के दिनों में पूरे बुंदेलखंड में पानी की कमी होती है, लेकिन उंची पहाड़ी पर बसे इस मंदिर में स्थित कुंड हमेशा ही जल से भरा रहता है।

मंदिर का इतिहास

इस मंदिर का इतिहास हैरान करने वाला बताया जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यहां एक चरवाहे को माता ने दर्शन दिए थे। कथा के अनुसार, कई साल पहले एक अछरू नाम का चरवाहा था। जो अपनी भैसों को रोजाना जंगल में चराने के लिए ले जाया करता था। एक दिन अचानक उसकी भैंस कहीं खो गई।

जिसके बाद अछरू ने पूरे जंगल में अपनी भैंस को ढूंढ़ा लेकिन उसे भैंस कहीं नहीं मिली। थक हारकर वह एक पेड़ के नीचे बैठ गया। जिस स्थान पर वह बैठा वहीं एक कुआं था। उस कुएं से अचानक देवी मां प्रकट हुई और उसे उसकी भैंस का पता बता दिया। साथ ही उसे परेशान थका-हारा देख कुंड का जल पीने की सलाह भी दी। अछरू अभी पानी पी ही रहा था तभी उसकी लाठी कुंड में गिर गई और पानी के अंदर चली गई।

बिना लाठी के ही वो माता के बताए गए स्थान पर पहुंच गया और वहां पर अपनी लाठी और भैंस को देखकर हैरान हो गया। उसके बाद से ही अछरू रोजाना उस कुंड में जाकर माता की पूजा करने लगा। उसके बाद धीरे-धीरे इस मंदिर से जुड़े चमत्कारों के बारे में लोगों को पात चला और यह स्थान देशभर में प्रसिद्ध हो गया। जिसके बाद भक्तों ने यहां माता के भव्य मंदिर का निर्माण करवाया।

महाभारत में हनुमान जी के 3 बालों ने कैसे बचाई भीम की जान

इस अद्भुत रहस्य को जानकर आप भी कहेंगे शत-प्रतिशत सत्य है 'तुम रक्षक काहू को डरना'

महाभारत में हनुमान जी से जुड़ी एक ऐसी अद्भुत कथा मिलती है, जब हनुमान जी ने महाबली भीम का अंहकार तोड़ा था। महाभारत के एक प्रसंग के अनुसार एक बार बलशाली भीम को अपनी शक्ति का अंहकार हो गया था। दस हजार हाथियों के बल वाले भीम को लगता था कि वो किसी को भी हरा सकते हैं। तब श्रीकृष्ण के कहने पर हनुमान जी ने भीम का अंहकार तोड़ा था। हनुमान जी एक वृद्ध वानर के रूप में वन में एक पेड़ के नीचे लेट गए। जब भीम वहां पहुंचे, तो उन्होंने वृद्ध बने हनुमान जी को रास्ते से हटने के लिए कहा लेकिन हनुमान जी ने विश्राम करने की बात कहकर भीम की बातों पर ध्यान नहीं दिया। इसके बाद हनुमान जी से बहस करने के बाद भीम ने खुद ही हनुमान जी की पूंछ हटाने का प्रयास किया लेकिन भीम पूरी तरह असफल रहे। तब भीम का अंहकार टूटा और उन्हें समझ आया कि उनके सामने हनुमान जी हैं।

इस घटना से ही एक और कहानी जुड़ी है, जब हनुमान जी ने प्रसन्न होकर भीम को अपने शरीर के 3 बाल दिए थे। आइए, जानते हैं महाभारत में हनुमान जी से जुड़ी कहानी।

हनुमान जी ने भीम को दिए अपने शरीर के तीन बाल

बलशाली भीम जब हनुमान जी की पूंछ हटाने में असफल रहे, तो भीम को समझ आया कि उनके सामने यूं वृक्ष के नीच लेटा हुआ वृद्ध वानर कोई और नहीं बल्कि कोई दिव्य वानर है। इसके बाद भीम ने हाथ जोड़कर अपनी भूल की क्षमा मांगते हुए वृद्ध वानर से उनके असली रूप में आने की प्रार्थना की। तब हनुमान जी ने प्रसन्न होकर भीम को अपने असली रूप में दर्शन देकर अपने शरीर से तीन बाल तोड़कर दिए।

हनुमान जी के तीन बालों का रहस्य नहीं समझ पाए भीम

भीम ने हनुमान जी के तीनों बालों को अपने पास सुरक्षित रख लिया। इसके बाद भीम ने हनुमान जी के सामने हाथ जोड़कर कहा- प्रभु आपने मुझे ऐसी मूल्यवान भेंट दी है। मैं जानता हूं कि इस भेंट से कोई रहस्य जरूर जुड़ा है क्योंकि जिस राम भक्त हनुमान को आज तक कोई पराजित नहीं कर सका या बाल बराबर हानि भी न पहुंचा सका, उन्होंने खुद अपने हाथों से मुझे अपने शरीर के बाल भेंट स्वरूप दिए हैं। कृपा करके मुझ जैसे अज्ञानी को इसका रहस्य बताएं। भीम की बात सुनकर हनुमान जी मुस्कुराए।

पिता की आत्मा की शांति के लिए पांडवों का यज्ञ

एक बार युधिष्ठिर से नारद मुनि ने कहा कि आप सभी भाई धरतीलोक में प्रसन्न हैं लेकिन स्वर्गलोक में आपके पिता दुखी हैं। जब धर्मराज युधिष्ठिर ने इसका कारण पूछा, तो नारद मुनि ने कहा कि जब आपके पिता पांडु जीवित थे, तो उन्होंने राजसूय यज्ञ कराने का संकल्प लिया था लेकिन उससे पहले ही उनकी मृत्यु हो गई, जिस कारण वे अपना संकल्प पूरा नहीं करा पाए। नारद मुनि की बात सुनकर युधिष्ठिर ने अपने पिता की आत्मा की शांति के लिए उपाय पूछा। तब नारद जी ने ऋषि पुरुष मृगा के विषय में बताया।

सूर्य करेगा कन्या से तुला राशि में प्रवेश

संक्रांति पर नदी स्नान और दान-पुण्य करने की है परंपरा

गुरुवार, 17 अक्टूबर को तुला संक्रांति है यानी इस दिन सूर्य कन्या से तुला राशि में प्रवेश करेगा। ज्योतिष में सूर्य के राशि परिवर्तन को संक्रमण और संक्रांति कहते हैं। ये ग्रह 17 अक्टूबर से 16 नवंबर तक तुला राशि में रहेगा। उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा के मुताबिक, संक्रांति को भी एक पर्व माना जाता है। इस दिन गंगा, यमुना, नर्मदा, शिप्रा जैसी पवित्र नदियों में स्नान करने और नदी किनारे दान-पुण्य करने की परंपरा है। संक्रांति की सुबह जल्दी उठना चाहिए और स्नान के बाद उगते सूर्य को जल अर्पित करना चाहिए। सूर्य को अर्घ्य देने के लिए तांबे के लोटे का इस्तेमाल करें। लोटे में जल भरें और उसमें लाल फूल, चावल, कुमकुम डालें, इसके बाद ऊँ सूर्याय नमः मंत्र का जप करते हुए सूर्य को अर्घ्य अर्पित करें।

तुला संक्रांति पर कर सकते हैं ये शुभ काम

संक्रांति पर नदी में स्नान करना संभव न हो तो घर पर पानी में थोड़ा सा गंगाजल मिलाकर स्नान कर सकते हैं। स्नान करते समय गंगा-यमुना जैसी पवित्र नदियों का ध्यान करें और इस मंत्र का जप करें- गंगे च यमुने चैव गोदावरी सरस्वति। नर्मदे सिन्धु कावेरी जलऽस्मिन्सन्निधिं कुरु।।

शास्त्रों में पंचदेव बताए गए हैं, जिनकी पूजा हर शुभ काम की शुरुआत में की जाती है। पंचदेवों में भगवान गणेश, शिव, विष्णु, देवी दुर्गा और सूर्य शामिल हैं। तुला संक्रांति पर इन सभी देवी-देवताओं की पूजा जरूर करें। गणेश जी को दूर्वा चढ़ाएं। शिव जी को बिल्व पत्र, आंकड़े के फूल, धतूरा और चंदन चढ़ाएं। विष्णु जी को तुलसी के मिठाई का भोग लगाएं।

देवी दुर्गा को लाल चुनरी अर्पित करें। सूर्य देव के लिए गुड़ का दान करें। सूर्य को जल चढ़ाने से धर्म लाभ के साथ ही स्वास्थ्य लाभ भी मिलते हैं। सुबह-सुबह की सूर्य की किरणों से त्वचा की चमक बढ़ती है, आलस दूर होता है, आंखों की रोशनी बढ़ती है। भविष्य पुराण के ब्राह्म पर्व में श्रीकृष्ण में अपने पुत्र सांब को सूर्य पूजा करने की सलाह दी है। श्रीकृष्ण कहते हैं कि सूर्य एकमात्र प्रत्यक्ष दिखाई देने वाले देवता हैं। जो भक्त श्रद्धा और भक्ति के साथ सूर्य की पूजा करता है, उसे सेहत के साथ ही सौभाग्य भी मिलता है। तुला संक्रांति पर सूर्य से संबंधित चीजें जैसे तांबे का बर्तन, पीले या लाल कपड़े, गेहूं, गुड़, माणिक्य, लाल चंदन आदि का दान किया जा सकता है।

देवी श्री प्रसाद ने 'पुष्पा 2' को लेकर कही बड़ी बात पहले भाग से दस गुना बड़ी होगी फिल्म

अल्लू अर्जुन की आगामी फिल्म 'पुष्पा 2', इस साल की बहुप्रतीक्षित और बहुचर्चित फिल्मों में से एक है। अल्लू अर्जुन इस वक्त साउथ के ही नहीं, बल्कि देश भर में एक लोकप्रिय नाम हैं। उनकी पिछली रिलीज फिल्म पुष्पा से उनकी लोकप्रियता में काफी इजाफा हुआ था। अब इसके अगले भाग को लेकर वह काफी चर्चा बटोर रहे हैं। फैंस उनकी इस फिल्म को लेकर काफी ज्यादा उत्साहित हैं और वो फिल्म से जुड़ी हर छोटी-बड़ी जानकारियों पर नजर गड़ाए रहते हैं। अब साउथ के मशहूर और लोकप्रिय संगीतकार देवी श्री प्रसाद ने भी फिल्म को लेकर खुलासा करते हुए जानकारी साझा की है।

'पुष्पा 2' होगी पहले से ज्यादा मनोरंजक- डीएसपी

'पुष्पा' की सफलता में इसके गाने और संगीत का भी एक अहम योगदान है। फिल्म का गाने काफी ज्यादा पसंद किए गए थे। इस बार भी दर्शकों को फिल्म की संगीत से काफी ज्यादा उम्मीदें होंगी। 123 तेलुगु के एक रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म में संगीत दे रहे देवी श्री प्रसाद, जिन्हें डीएसपी भी कहा जाता है, उन्होंने फिल्म की काफी तारीफ की है। उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि वो अभी इस फिल्म के पोस्ट-प्रोडक्शन में व्यस्त हैं। उन्होंने कहा कि ये फिल्म पहले भाग से भी ज्यादा मनोरंजक होगी।

'पुष्पा से दस गुना बड़ी होगी पुष्पा 2'

डीएसपी ने पुष्पा 2 को लेकर आगे कहा कि इस फिल्म का इंटरवल से पहले का हिस्सा ही लोगों को दीवाना बनाने के लिए काफी है। दिग्गज संगीतकार ने आगे कहा कि उन्होने फिल्म देखी है और इसमें कई बेहतरीन दृश्य हैं। उन्होंन कहा, मैंने फिल्म देखी है और फिल्म में कई बेहतरीन पल हैं। पुष्पा 2 पहले भाग से दस गुना बड़ी होगी। अल्लू अर्जुन अपने बेहतरीन प्रदर्शन से आपको मंत्रमुग्ध कर देंगे। डीएसपी जल्द ही अमेरिका के दौरे पर निकलने वाले हैं, जिसे लेकर उन्होंने प्रेस कॉन्फेंस कर मीडिया से बातचीत की है।

'पुष्पा' साल 2021 में रिलीज हुई थी, जिसे दर्शकों से काफी ज्यादा प्यार मिला था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। सुकुमार के निर्देशन में अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना अभिनीत फिल्म ने हिंदी दर्शकों को भी काफी आकर्षित किया था। फिल्म के हिंदी डब को भी काफी ज्यादा पसंद किया गया था। फिल्म के अगले भाग की रिलीज डेट को लेकर काफी समय तक संशय का माहौल बना हुआ था। हालांकि, अब ये साफ हो चुका है कि फिल्म 6 दिसंबर 2024 को रिलीज होने वाली है। फिल्म में फहद फासिल, सुनील आदि कलाकार भी नजर आने वाले हैं।

'वेलकम' की सक्रिप्ट नहीं सुनना चाहते थे नाना पाटेकर, अनीस बज्मी को इसलिए दी थी मां कसम

अनीस बज्मी की साल 2007 की फिल्म 'वेलकम' को आज एक कल्ट क्लासिक माना जाता है। फिल्म के कुछ क्षण और पात्र हैं, जिनकी अपार लोकप्रियता है। उदाहरण के लिए नाना पाटेकर और अनिल कपूर के किरदार उदय शेट्टी और मजनू भाई। इसी बीच अपनी अगली फिल्म 'भूल भुलैया 3' के प्रमोशन के दौरान अनीस बज्मी ने नाना पाटेकर को लेकर बड़ा खुलासा किया है। निर्देशक ने बताया कि पाटेकर शुरू में 'वेलकम' की सक्रिप्ट नहीं सुनना चाहते थे। साथ ही वह चाहते थे कि बज्मी मां की कसम खाकर यह सुनिश्चित करें कि उन्हें ये फिल्म साइन करनी चाहिए या नहीं।

अनीस बज्मी ने सुनाया दिलचस्प किस्सा

फिल्म से जुड़ी यादें ताजा करते हुए अनीस ने हाल ही में खुलासा किया कि नाना पाटेकर ने सक्रिप्ट सुनने से ही इनकार कर दिया था। निर्देशक ने नाना को कास्ट करने और उनके साथ फिल्म में काम करने की यादें ताजा कीं। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा, 'वो कहानी सुनने के लिए ही तैयार नहीं थे। उन्होंने मुझसे कहा था कि तुम अपनी मां की कसम खाओ और बताओ कि मुझे ये करना चाहिए या नहीं। मैं कहानी नहीं सुनना चाहता।'

'वेलकम' को लेकर ऐसी थी निर्देशक की योजना

निर्देशक ने यह भी खुलासा किया कि नाना ने आखिरकार तीन घंटे तक सक्रिप्ट सुनी और वह इससे बहुत खुश हुए। निर्देशक ने खुद को नाना का बड़ा फैन भी बताया। हालांकि 'वेलकम' से पहले उन्होंने कभी कॉमेडी भूमिकाओं के साथ प्रयोग नहीं किया था, अनीस को लगा कि वह हर किसी के लिए कॉमेडी को परिभाषित करेंगे। उन्होंने बताया कि नाना ने फिल्म में अपना कॉमेडी रोल बेहद संजीदगी से निभाया।

नाना पाटेकर के मुरीद हैं अनीस बज्मी

निर्देशक ने उन कहानियों के बारे में भी बताया जो उन्होंने नाना के बारे में सुनी थीं कि उनके साथ काम करना मुश्किल है। हालांकि, जब अनीस ने उनके साथ काम किया, तो उन्हें लगा कि यह बिल्कुल विपरीत हैं क्योंकि वह एक दिग्गज अभिनेता हैं।

यूपी से साइकिल यात्रा कर हैदराबाद पहुंचा अल्लू अर्जुन का फैन, अभिनेता को देख पैरों में गिरा

दक्षिण भारतीय अभिनेता अल्लू अर्जुन के प्रशंसक देशभर में हैं। इसका प्रमाण है कि टॉलीवुड सुपरस्टार की एक झलक पाने के लिए एक प्रशंसक ने उत्तर प्रदेश से हैदराबाद तक साइकिल से यात्रा की। अभिनेता को जब इस बात का पता चला तो उन्होंने अपने प्रशंसक का घर में स्वागत किया। अल्लू अर्जुन से मिलकर उनका प्रशंसक इतना अभिभूत हुआ कि वह उनके पैरों में गिर पड़ा।

अब सोशल मीडिया पर उन दोनों के बीच हुई बातचीत का दिल छू लेने वाल वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में प्रशंसक अल्लू अर्जुन को यह बताते हुए देखा जा सकता है कि कैसे वह उनसे मिलने के लिए उत्तर प्रदेश से साइकिल चलाकर आया। प्रशंसक ने कहा, 'मैं उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ से आया हूं। यह लगभग 1600 किलोमीटर दूर है।' यह सुनकर अभिनेता दंग रह गए।

अभिनेता को जब पता चला कि उनका प्रशंसक हैदराबाद तक साइकिल से आया है तो उन्होंने अपने कर्मचारियों से प्रशंसक के लिए यात्रा व्यवस्था करने के लिए भी कहा। हालांकि, प्रशंसक ने कोई मदद लेने से इनकार कर दिया और अर्जुन के इस कदम से अभिभूत होकर उसने हाथ जोड़कर उनका धन्यवाद किया और यहां तक कि उनके पैरों पर गिर पड़ा।

प्रशंसक ने कहा, 'आपसे मिल लिया, बहुत है।' अल्लू अर्जुन ने प्रशंसक के साथ तस्वीरें खिंचवाईं और उसे उपहार में एक पौधा भी दिया। इतना ही नहीं, उन्होंने 'पुष्पा 2' के प्रमोशन के लिए यूपी आने पर फैन से मिलने का वादा भी किया। खुशी से झूम रहे फैन ने अभिनेता का भव्य स्वागत करने का आश्वासन दिया।

अल्लू अर्जुन की आगामी फिल्म 'पुष्पाः द रूल' इस साल दिसंबर में सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह फिल्म 2021 में रिलीज हुई ब्लॉकबस्टर 'पुष्पाः द राइज' का बहुप्रतीक्षित सीक्वल है। सुकुमार द्वारा निर्देशित पुष्पा 2 में फहद फासिल, रश्मिका मंदाना, अनसूया भारद्वाज, प्रियामणि और अन्य भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

लंबे अंतराल के बाद दोबारा शुरू हुई पवन कल्याण की मूवी शूटिंग

साउथ सुपरस्टार पवन कल्याण वर्तमान में आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री के रूप में अपनी जिम्मेदारियों में व्यस्त हैं। इसके साथ ही वे अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'ओजी' को लेकर भी चर्चा में बने हुए हैं। हालांकि, अब सिनेमा में उनकी वापसी का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। सुजीत द्वारा निर्देशित उनकी आगामी फिल्म 'ओजी' दर्शकों के बीच उत्साह पैदा कर रही है। वहीं अब इस फिल्म से जुड़ी नई जानकरी सामने आई है।

फिल्म की शूटिंग दोबारा शुरू

पवन कल्याण की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'वे कॉल हिम ओजी' उर्फ 'ओजी' पर लंबे समय से काम चल रहा है। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बनने के बाद पवन कल्याण की राजनीतिक प्रतिबद्धताओं के कारण फिल्म के निर्माण में कुछ देरी हुई। सुजीत द्वारा निर्देशित इस एक्शन थ्रिलर का प्रशंसकों द्वारा बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है। वहीं, अब निर्माताओं ने एलान किया है कि फिल्म की शूटिंग फिर से शुरू कर दी गई है।

निर्माताओं ने साझा किया पोस्ट

ओजी निर्माताओं ने लंबे अंतराल के बाद शूटिंग फिर से शुरू कर दी है। टीम ने सेट से निर्देशक सुजीत की एक तस्वीर जारी की है और यह अपडेट इंटरनेट पर धूम मचा रहा है। पवन कल्याण बाद में शूटिंग में शामिल होंगे। वर्तमान में, टीम उन दृश्यों को फिल्मा रही है, जिनमें पवन कल्याण की उपस्थिति की आवश्यकता नहीं है।

फिल्म के कलाकार

फिल्म में प्रियंका मोहन भी मुख्य भूमिका में हैं। बॉलीवुड अभिनेता इमरान हाशमी पावरस्टार पवन कल्याण के दुश्मन की भूमिका निभा रहे हैं। श्रीया रेड्डी, अर्जुन दास, हरीश उथमन, अभिमन्यु सिंह और अन्य इस गैंगस्टर एक्शन ड्रामा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। थमन ने धुनों की रचना की है। डीवीवी दानय्या इस बड़ी फिल्म का निर्माण कर रहे हैं।

राम गोपाल वर्मा ने लॉरेंस बिश्नोई को बताया फिल्मी स्टार्स से ज्यादा स्मार्ट, मचा बवाल

गुजरात जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के गैंग ने एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या की जिम्मेदारी ली। बाबा सिद्दीकी का बॉलीवुड हस्तियों के साथ गहरा नाता था। साथ ही वह सुपरस्टार सलमान खान के बेहद करीबी थे। यही कारण है कि सिद्दीकी की हत्या के बाद सलमान खान की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। इसी बीच सुर्खियों में बने लॉरेंस बिश्नोई को लेकर फिल्म निर्माता राम गोपाल वर्मा ने चौंकाने वाला दावा किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें लॉरेंस बिश्नोई फिल्मी सितारों से भी ज्यादा अच्छे लगते हैं।

राम गोपाल वर्मा ने दावा किया कि लॉरेंस बिश्नोई उनके जानने वाले किसी भी फिल्म स्टार से ज्यादा अच्छे दिखने वाले हैं। उन्होंने एक्स पर अपने विचार साझा किए और प्रशंसकों ने इस पर प्रतिक्रियाओं की लड़ी लगा दी। तमाम सोशल मीडिया यूजर्स

ने निर्देशक से गैंगस्टर की बायोपिक में सलमान खान को खलनायक के रूप में लेने के लिए कहा गया।

राम गोपाल वर्मा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी राय साझा करने से कभी नहीं कतराते। इस बार मशहूर फिल्म निर्माता ने कहा कि अगर कभी गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई पर बायोपिक बनाई गई तो उन्हें बिश्नोई से ज्यादा अच्छा दिखने वाला बॉलीवुड स्टार नहीं मिलेगा। निर्देशक ने एक्स पर अपने विचार साझा किए। वर्मा ने गैंगस्टर की एक तस्वीर पोस्ट की जिसमें वह गंभीर दिख रहा था। बिश्नोई को काले और नारंगी रंग की हुडी जैकेट पहने देखा जा सकता है।

राम गोपाल वर्मा ने एक्स पर लिखा, 'अगर कोई फिल्म सबसे बड़े गैंगस्टर पर आधारित है, तो कोई भी फिल्म निर्माता दाऊद इब्राहिम या छोटा राजन जैसे दिखने वाले व्यक्ति को कास्ट नहीं करेगा। यहां मैं एक भी फिल्म स्टार को नहीं जानता जो बिश्नोई से ज्यादा अच्छा दिखने वाला हो।' एक यूजर ने कहा, 'आरजीवी निर्देशक और बिश्नोई नायक हैं, यहां खलनायक कौन है...सलमान?' एक ट्वीट में लिखा गया, 'सलमान खान को लॉरेंस के रूप में कास्ट करना सबसे बड़ी विडंबना होगी।' एक अन्य फैन ने लिखा, 'क्या हुआ सर फोन आ गया क्या। एकदम से प्यार आ गया?'

राम गोपाल वर्मा के बिश्नोई के लुक के बारे में ट्वीट करने के कुछ मिनट बाद, उन्होंने एक और ट्वीट साझा किया जहां उन्होंने सलमान खान से गैंगस्टर को 'सुपर काउंटर थ्रेट' देने का आग्रह किया। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'काश सलमान खान बिश्नोई को एक सुपर काउंटर थ्रेट देते। यह टाइगर स्टार की कायरता की तरह लगेगा।' लॉरेंस ने 1998 में राजस्थान में काले हिरण के शिकार मामले को लेकर सलमान को धमकी दी थी।

उन्होंने कई बार सुपरस्टार को खुली धमकियां देते हुए सार्वजनिक तौर पर माफी मांगने को कहा। लेकिन चीजें उनके मुताबिक नहीं हुईं। हाल ही में सलमान के दोस्त और एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की कथित तौर पर उनके गिरोह के सदस्य द्वारा मुंबई में हत्या कर दी गई थी। इससे उनमें दरार फिर उभर आई।

भारतीय फिल्म है या फ्रेंच 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट'?

फिल्म 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' ! साल 24 की सबसे चर्चित फिल्म रही है। कोई भी अवॉर्ड फंक्शन हो भारतीय फिल्म निर्देशक पायल कपाड़िया की इस फिल्म का जिक्र जरूर होता है। कान फिल्म फेस्टिवल में तो इस फिल्म ने 'ग्रैंड प्रिक्स' अवॉर्ड जीतकर इतिहास ही रच दिया। फिर जब ऑस्कर के नामांकनों का एलान हुआ तब भी इस फिल्म ने खूब सुर्खियां बटोरीं और उस दौरान ऐसी खबरें भी आईं कि फ्रांस की तरफ से यह फिल्म ऑस्कर में भेजी जा रही है। हालांकि, फ्रांस की तरफ से इसे ऑस्कर में तो नहीं भेजा गया, लेकिन दर्शकों के बीच ये सवाल जरूर उठा कि पायल कपाड़िया की यह फिल्म भारतीय है या फ्रेंच? चलिए पूरी तस्वीर साफ करते हैं...

इसलिए जुड़ा है फ्रांस का नाम

कान के बाद अब ये फिल्म एशिया पैसिफिक स्क्रीन अवॉर्ड्स में चमक बिखेरेगी। 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' को एशिया पैसिफिक स्क्रीन अवॉर्ड्स के 17वें संस्करण में पांच नामांकन मिले हैं। अगर भाषा की बात करें तो 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' एक मलयालम और हिंदी भाषा की फिल्म है। निर्देशक भी इसकी भारतीय हैं और अधिकांश सितारे भी। फिर फ्रांस से नाता कैसे जुड़ा? दरअसल, फ्रांस की कंपनी इस फिल्म की सह-निर्माता है। 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' को भारत, फ्रांस, नीदरलैंड और लक्जमबर्ग की कंपनियों ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। फिल्म कहां कि ये उसकी निर्माता कंपनी से तय होता है। फिल्म की भाषा या फिल्म के निर्देशक के जन्म स्थान से इसका संबंध नहीं है। प्रोडक्शन में फ्रेंच कंपनी की भूमिका के चलते यह फ्रेंच फिल्म है। इसी नाते फ्रांस की तरफ से इसे ऑस्कर में भेजे जाने की भरसक कोशिशें हुईं, लेकिन प्रतिष्ठित फिल्म समारोह में यह अपनी दावेदारी नहीं पेश कर पाई।

फ्रांस की तरफ से नहीं हुआ चयन

अगले साल होने वाले ऑस्कर पुरस्कार समारोह में फ्रांस की तरफ से 'एमिलिया पेरेज' आधिकारिक एंट्री है। 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' फ्रांस की तरफ से ऑस्कर के चयन में जगह नहीं बना पाई। फ्रांस में ऑस्कर के लिए फिल्म चुनने वाली ज्यूरी वहां की सरकार तय करती है। सांस्कृतिक मंत्री राचिता दाती ने जो 11 सदस्यीय समिति फ्रांस की तरफ से ऑस्कर के लिए आधिकारिक प्रविष्टि चुनने के लिए बनाई। उसके सामने 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' भी बतौर प्रतिभागी प्रस्तुत की गई। समिति ने चार फिल्में शॉर्ट लिस्ट की थीं, उनमें एमिलिया पेरेज के अलावा द काउंट ऑफ मोंटे क्रिस्टो, मिसेरिकॉर्डिया और ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट भी शामिल थी। उस दौरान इस खबर ने जोर पकड़ा कि 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' को फ्रांस ने अपनी आधिकारिक प्रविष्टि के रूप में ऑस्कर भेजा है। लेकिन, ऐसा नहीं हुआ।

'ऑल वी इमैजिन एज लाइट' की कहानी

'ऑल वी इमैजिन एज लाइट' एक फीचर फिल्म है। इसकी कहानी दो नर्सों (प्रभा और अनु) पर आधारित है, जो साथ में रहती हैं। प्रभा की शादी अरेंज्ड मैरिज हुई और उसका पति विदेश में रहता है। दूसरी तरफ अनु की शादी नहीं हुई है, लेकिन उसे एक लड़के से प्यार है। प्रभा और अनु अपनी दो दोस्तों के साथ एक ट्रिप पर जाती हैं, जहां वो खुद को पहनाने की कोशिश करती हैं और फिर उन्हें आजादी के मायने समझ आते हैं। इस फिल्म में कनी कुश्रुति, दिव्या प्रभा, ऋधु हरून, छाया कदम और अजीस नेदुमंगड़ जैसे सितारों ने बेहतरीन काम किया है।

हेमा चक्रवर्ती से हेमा मालिनी क्यों पड़ा था नाम

हेमा मालिनी 16 अक्टूबर को अपना 76वां बर्थडे मनाया। यूं तो एक्ट्रेस की लाइफ से जुड़ा हर किस्सा उनके फैन्स को पता है। उनकी फिल्में हों, शादीशुदा एक्टर से शादी, डांस या फिर धर्मेन्द्र की पहली पत्नी के परिवार से उनका रिश्ता। आज हम यहां उनके बर्थडे पर बताने जा रहे हैं उनके परिवार की कहानी। हेमा चक्रवर्ती परिवार में जन्मी थीं और वो हेमा चक्रवर्ती न होकर हेमा मालिनी क्यों कहलाती हैं।

बताया जाता है कि हेमा पहले काफी पतली-दुबली थीं और उन्हें तमिल फिल्म से नकारा गया था। उनका साउथ से हिंदी फिल्मों में आना, फिर अपने डांसिंग स्किल से सबको हैरान कर देना... उनकी कलाकारी को समेटें तो कैनवास बहुत बड़ा है। कई एक्ट्रेस सिल्वर स्क्रीन पर आईं और छा गईं लेकिन हेमा जैसी कोई नहीं रहीं। पर्दे के हर किरदार को खूबसूरती से अपना बना लिया। 'शोले' में धन्नो की बक बक करती बसंती का किरदार मिला तो उसमें रम गईं, ड्रीम गर्ल हो, मीरा बाई हो या फिर स्वामी विवेकानंद की मां दुर्गा हो... एक्ट्रेस ने हर भूमिका को शिद्दत से निभाया।

तमिलनाडु के एक गांव में जया चक्रवर्ती ने हेमा को जन्म दिया

वो साल 1948 के 15-16 अक्टूबर की दरमियानी रात थी। 'हेमा मालिनी द ऑथराइज्ड बायोग्राफी' के मुताबिक, तमिलनाडु के एक गांव में जया चक्रवर्ती ने एक बच्ची को जन्म दिया। दशहरे के बाद जन्मी थीं चक्रवर्ती परिवार की ये बिटिया।

बताया जाता है कि पूरा परिवार धार्मिक

प्रवृत्ति का था। उनकी फैमिली मां लक्ष्मी जी की अनन्य भक्त थी, इसलिए बेटी को नाम दिया- हेमा मालिनी।

बताया जाता है कि हेमा दो भाइयों की इकलौती बहन थीं। शुरू से ही क्लासिकल डांस की ट्रेनिंग दी गई। तमिल फिल्मों में करियर शुरू होने से पहले ही खत्म हो गया। कई शोज में इस बारे में एक्ट्रेस ने बात भी की है। उन्हें रिजेक्शन से काफी धक्का पहुंचा, बुरा लगा लेकिन हार नहीं मानी और तब जाकर हिंदी फिल्म में एक ब्रेक मिला।

पतली-दुबली हेमा को पसंद किया जाने लगा

साल 1969 में उन्होंने 'सपनों के सौदागर' में राज कपूर के ऑपोजिट काम किया। पतली-दुबली हेमा को पसंद किया जाने लगा। 1970 में तीन बड़ी फिल्म रिलीज हुई 'तुम हसीन मैं जवान', 'अभिनेत्री' और 'जॉनी मेरा नाम'। तीनों फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल साबित हुईं। इसके बाद साल दर साल कामयाबी की सीढ़ियां चढ़ती गईं।

दो जुड़वा बहनें जिनका अंदाज एक दूजे से बिल्कुल जुदा

1972 में 'सीता और गीता' में हेमा ने डबल रोल किया। ये भी उस दौर की लीक से हटकर की गई फिल्म थी। दिलीप कुमार के 'राम और श्याम' की तर्ज पर महिला पात्रों पर केंद्रित फिल्म। दो जुड़वा बहनें जिनका अंदाज एक दूजे से बिल्कुल जुदा। हेमा ने दोनों ही कैरेक्टर्स के साथ पूरा पूरा न्याय किया। संजीव कुमार और धर्मेंद्र दोनों ने उनके अपोजिट काम किया।

मेन स्ट्रीम सिनेमा की पहली सुपरस्टार जिन्होंने दुर्गा मां की भूमिका अच्छे से निभाई

1998 में आई एक फिल्म 'स्वामी विवेकानंद' दूरदर्शन पर रिलीज हुई। विवेकानंद के जीवन पर गढ़ी कहानी में हेमा ने मां दुर्गा का किरदार निभाया। अपने आप में अनूठा। शायद मेन स्ट्रीम सिनेमा की पहली सुपरस्टार होंगी जिन्होंने दुर्गा मां की भूमिका अच्छे से निभाई। ऐसा लगा मानो शक्ति से सीधा साक्षात्कार हो रहा है।

1975 में गुलजार की 'खुशबू' में भी हेमा खूब महकीं। किरदार कुसुम को जिंदा कर दिया था। 2003 में 'बागबान' से जब सालों बाद कमबैक किया तब भी वही जोश और जुनून दिखा। जितेंद्र, संजीव कुमार और धर्मेंद्र के नाम हेमा से जुड़े। इस बात का जिक्र उनकी जीवनी 'हेमा मालिनी द ऑथराइज्ड बायोग्राफी' में भी है। जिसमें एक्टर ने इसकी चर्चा की थी। लेकिन फिर शादी 'ही मैन' धर्मेंद्र से की। धर्मेंद्र जो पहले से ही शादीशुदा थे और 4 बच्चों के पिता भी थे। लेकिन कृष्ण भक्त हेमा ने रिस्क लिया और शादी की।

छोटे पर्दे पर नूपुर के जरिए भी दस्तक दी

पद्म श्री से सम्मानित ड्रीम गर्ल ने 155 से ज्यादा फिल्में की तो छोटे पर्दे पर नूपुर के जरिए भी दस्तक दी। 'दिल आशना है' फिल्म प्रोड्यूस और डायरेक्ट भी की। रील से लेकर रियल तक हर किरदार को लगन, ईमानदारी और सच्चाई से निभाया। मां के तौर पर ईशा - अहाना को पाला पोसा, राज्य सभा पहुंची फिर लोकसभा चुनाव में किस्मत आजमाई। मथुरा से एक बार नहीं बल्कि तीन बार सांसद रहीं, कला के प्रति समर्पण अब भी जारी है।

चेन्नई में भारी बारिश के बीच रजनीकांत के 35 करोड़ी आवास में भरा पानी

पूर्वोत्तर मानसून से भारी बारिश के कारण चेन्नई गंभीर जलभराव से जूझ रहा है। शहर के पॉश इलाके पोएस गार्डन में स्थित रजनीकांत का आलीशान विला पानी में डूब गया है। लगातार बारिश के कारण परिसर में पानी घुस गया। सोशल मीडिया पर बाढ़ के दृश्य दिखाई दे रहे हैं। यह स्थिति इसलिए उत्पन्न हुई है क्योंकि भारी बारिश के कारण शहर की जल निकासी व्यवस्था चरमरा गई है।

रजनीकांत के विला में भरा पानी

सोशल मीडिया पर साझा किए गए कई वीडियो बाढ़ पर प्रकाश डालते हैं। न केवल उनका आवासीय क्षेत्र, बल्कि विभिन्न इलाकों में घुटनों तक पानी भर जाने से कई मोहल्ले प्रभावित हुए हैं। हालांकि अभिनेता ने अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है। लेकिन

रिपोर्ट की मानें तो रजनीकांत अपने परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक सावधानी बरत रहे हैं। रजनीकांत के स्टाफ ने कड़ी नजर रखी और सुनिश्चित किया कि बाढ़ की स्थिति नियंत्रित रहे। कथित तौर पर, स्थानीय अधिकारियों ने पानी को बाहर निकालने के लिए तत्काल कदम उठाए।

बारिश बनी आफत

भारी वर्षा जारी है, शहर में बड़े पैमाने पर जलभराव, बाधित परिवहन और निचले इलाकों में बाढ़ का सामना करना पड़ रहा है। चेन्नई रात भर की बारिश के बाद अराजकता की स्थिति में है। वायरल वीडियो में नजर आया कि शहर के कई हिस्सों में निवासी घुटनों तक गहरे पानी में डूबे हुए हैं। चल रही बारिश के जवाब में, चेन्नई कॉर्पोरेशन ने निवासियों की सहायता के लिए एक हेल्पलाइन नंबर, 1913 स्थापित किया है।

सरकार ने जारी किया हेल्पलाइन नंबर

इसके अतिरिक्त, सरकार ने छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आज यानी 16 अक्तूबर, 2024 को चेन्नई, तिरुवल्लुर, कांचीपुरम और चेंगलपट्टु जिलों में स्कूलों और कॉलेजों के लिए छुट्टी की घोषणा की है। तमिलनाडु राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने राहत केंद्र के बारे में जानकारी के लिए व्हाट्सएप संपर्क विकल्प (9445869848) के साथ-साथ आपात स्थिति के लिए एक हेल्पलाइन (1070) भी प्रदान की है। गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं है जब रजनीकांत का पोएस गार्डन आवास बारिश के कारण प्रभावित हुआ है। इससे पहले 2023 में चक्रवात मिचौंग के कारण उनके घर को ऐसी ही स्थिति का सामना करना पड़ा था।

कीवी में है संतरा से अधिक विटामिन-सी, रोज करें सेवन पास भी नहीं भटकेंगी संक्रामक बीमारियां

शरीर को स्वस्थ और फिट रखने के लिए नियमित रूप से पौष्टिक चीजों के सेवन की जरूरत होती है। मौसमी फल, हरी सब्जियां, नट्स और सीड्स से शरीर को आवश्यक पोषक तत्व प्राप्त हो जाते हैं। जिन तत्वों की हमें सबसे ज्यादा आवश्यकता होती है विटामिन-सी उनमें से एक है।

विटामिन-सी शरीर की इम्युनिटी पावर को बढ़ाने में बहुत फायदेमंद माना जाता है। इतना ही नहीं इसके एंटीऑक्सीडेंट गुण शरीर को कई प्रकार की क्रोनिक बीमारियों से भी सुरक्षा देते हैं।

आपने अक्सर सुना होगा कि खट्टे फलों विशेषरूप से संतरा-नींबू, अनानास में विटामिन-सी की भरपूर मात्रा होती है। करीब 100 ग्राम संतरा से 53 मिलीग्राम विटामिन सी मिल सकता है। पर क्या आप जानते हैं कि एक फल ऐसा है जिसमें संतरा से दोगुना अधिक विटामिन-सी होता है? इसका कुछ महीने सेवन कर लें तो संक्रामक रोगों के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

बहुत लाभकारी है कीवी फल

हम जिस फल की बात कर रहे है वह है-कीवी। कीवी फल के रोजाना सेवन से स्वास्थ्य संबंधी कई लाभ होते हैं। कीवी में संतरे से दोगुना यानी 100 ग्राम कीवी से आप 93 मिलीग्राम विटामिन-सी होता है। ये रक्त का थक्का जमना कम करने (हृदय स्वास्थ्य के लिए ये एस्पिरिन की तरह ही प्रभावी हैं), कोलेस्ट्रॉल कम करने और एंटीऑक्सीडेंट की मात्रा होने के कारण कैंसर के जोखिमों से बचाने में भी आपके लिए बहुत लाभकारी हो सकता है।

इसमें फाइबर की भी मात्रा पाई जाती है जो डायबिटीज और कोलेस्ट्रॉल दोनों को कंट्रोल रखने के लिए आवश्यक है।

कैंसर से बचने के लिए खाएं कीवी

अध्ययनों से पता चलता है कि कैरोटीनॉयड से भरपूर आहार कैंसर और हृदय रोग दोनों से बचा सकते हैं, कीवी इस पोषक तत्व से भरपूर फल है। अध्ययनों की समीक्षा में पाया गया कि कैरोटीनॉयड, विटामिन-सी और विटामिन-ई से भरपूर होने के कारण कीवी का सेवन न सिर्फ कैंसर से सुरक्षा दे सकता है साथ ही कैंसर के कारण होने वाले मौत के खतरे को कम करने में भी इससे लाभ पाया जा सकता है। इसमें प्रभावी एंटीकैंसर गुणों के बारे में भी पता चलता है।

हार्ट के लिए लाभकारी फल

कीवी का सेवन हृदय स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद माना जाता है। अध्ययनों से पता चलता है कि कीवी खाने से उच्च रक्तचाप सहित हृदय रोग के अन्य जोखिम कारकों को कम करने में मदद मिल सकती है। एक अध्ययन में ब्लड प्रेशर के शिकार लोगों में कीवी खाने के प्रभावों को देखा गया। जिन लोगों ने 8 सप्ताह तक प्रतिदिन दो-तीन कीवी खाए उनमें ब्लड प्रेशर का स्तर काफी कंट्रोल में देखा गया। कोलेस्ट्रॉल कम करने में भी इस फल का सेवन लाभकारी हो सकता है।

विटामिन-सी की आसानी से कर सकते हैं पूर्ति

कीवी में विटामिन-सी की मात्रा भरपूर होती है। ये ऐसा पोषक तत्व है जो आपकी कोशिकाओं को ऑक्सीडेटिव डैमेज से बचाने में मदद करता है और शरीर में कई अन्य महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाता है। अध्ययनों से पता चलता है कि दो महीने कीवी खाने से आपके शरीर में विटामिन-सी की कमी दूर हो सकती है। शरीर में विटामिन-सी होने का मतलब है कि आप संक्रामक रोगों के खिलाफ सुरक्षित हो सकते हैं।

ये बातें आपके व्यक्तित्व को बना देंगी प्रभावी

किसी भी व्यक्ति को अच्छा या बुरा उसका व्यवहार और व्यक्तित्व ही बनाता है। आप लोगों से किस तरह का व्यवहार करते हैं, ये आपके व्यक्तित्व पर निर्भर करता है और आपका व्यवहार व व्यक्तित्व ही दूसरों के मन में आपकी अच्छी या बुरी छवि का जरिया बनता है। आपके गलत व्यवहार का असर ये होता है कि लोग आपके व्यक्तित्व को पसंद नहीं करते हैं। अच्छा व्यवहार आसपास के लोगों को इम्प्रेस कर सकता है। ऐसे में अगर आप चाहते हैं कि लोग आपके व्यक्तित्व की तारीफ करें और आप एक अच्छे व प्रभावी व्यक्तित्व के इंसान बनें तो कुछ आदतों को अपने व्यवहार में शामिल करें। इन आदतों को अपनाकर आप अपने व्यक्तित्व में निखार ला सकते हैं और दूसरों के सामने खुद को प्रभावी बना सकते हैं।

व्यक्तित्व निखारने वाली आदतें

माफी मांगे और शुक्रिया करें

कभी अगर आपके कोई गलती हो जाए तो उस गलती के लिए माफी मांगने में संकोच न करें। गलती पर माफी मांगने से आप छोटे नहीं हो जाएंगे। अपनी गलती स्वीकार करना अच्छे व्यक्तित्व के लोगों की आदत होती है। वहीं अगर कोई अच्छा काम करता है या आपकी मदद करें तो उसे शुक्रिया बोलने में भी झिझक महसूस न करें। किसी की तारीफ करना या उनकी मदद के लिए उनका आभार देना दूसरों की नजरों में आपके अच्छे व्यक्तित्व को प्रदर्शित करता है।

बहुत अधिक आलोचना न करें

किसी दूसरे की गलती पर उसकी आलोचना करते वक्त सहनशीलता का ध्यान रखें। किसी भी व्यक्ति की जरूरत से अधिक आलोचना करना गलत बात है। आपके द्वारा कहे गए शब्द सामने वाले व्यक्ति को बुरे लग सकते हैं या उनको हतोत्साहित कर सकते हैं। ऐसे में ध्यान रखें कि किसी की उतनी ही आलोचना करें, जितना जरूरी हो।

गलतियां नजरअंदाज करें

दूसरों की छोटी-छोटी गलतियों को नजरअंदाज करने की आदत भी सीखें। किसी की छोटी सी गलती पर भी आपका रिएक्शन अच्छे व्यक्तित्व की निशानी नहीं होती है। अपने व्यक्तित्व को प्रभावी बनाने के लिए लोगों को और उनकी गलतियों को माफ करना सीखें। जरूरत पड़ने पर इसे नजरअंदाज भी करें।

अच्छा बनें

किसी की मदद करने में संकोच न करें। दूसरों के लिए अच्छा बनने का प्रयास करें। दूसरों की मदद करके संतोष की भावना को महसूस करना सीखें। ऐसा करने से खुशी मिलती है और तनाव कम होता है।

दूसरों को सुनें

हमेशा अपनी बात रखने के साथ ही दूसरों को ध्यान से सुनना भी सीखें। उनकी की राय को स्वीकार करें और दूसरों की नजर से भी दुनिया को देखें व समझें। इससे आप एक अच्छे और प्रभावशाली व्यक्तित्व का निर्माण कर पाएंगे।

गलतियों से सीखें

अपने व्यक्तित्व को निखारने के लिए खुद की गलती को स्वीकार करने और माफी मांगने के साथ ही गलतियों से सीखने की आदत भी डालें। अगर आप अपनी गलतियों को स्वीकार कर लेंगे तो गलतियों को दोहराने से बच पाएंगे। गलतियों से सबक लें।

प्यार की भावना

व्यक्तित्व को निखारने के लिए लोगों को प्रति प्रेम भाव और स्नेह की भावना भी आपके अंदर होनी चाहिए। बिना वजह किसी से नफरत न करें। जीवन में जिस व्यक्ति से मिले, स्नेह के भाव के साथ मिलें। पूर्वाग्रहों के आधार पर उनके बारे में कोई राय न बनाएं।

आंखों के आसपास काले धब्बे को न करें नजरअंदाज, बर्फ से मिल सकता है आराम

आंखों के आसपास चोट लगने के कारण ब्लैक आई की समस्या होती है। आमतौर पर यह अपने आप ही ठीक हो सकती है, लेकिन कुछ मामलों में डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी होता है।

ब्लैक आई यानी काली आंख तब होती है जब आंख के आस पास की त्वचा के नीचे नीला गहरा घाव हो जाता है। यह आंख के पास चोट लगने के कारण होता है। चूंकि आंखों के आसपास की स्किन काफी पतली होती है, इसलिए वहां खून जमने से निशान बन जाता है। ज्यादातर यह अपने आप ही ठीक हो जाता है लेकिन कुछ मामलों में डॉक्टर से सलाह लेने की जरूरत भी पड़ती है। ब्लैक आई को शाइनर भी कहा जाता है। मेडिकल भाषा में इसे पेरीऑर्बिटल हेमटोमा कहते हैं। अधिकांश मामलों में चोट आंख की जगह चेहरे को प्रभावित करती है।

क्या है ब्लैक आई?

मेयो क्लीनिक के अनुसार आमतौर पर ब्लैक आई आंख में चोट लगने से होती है। चोट के कारण सूजन हो सकती है और खून भी जम सकता है। इससे आंख खोलने में परेशानी होती है और अस्थाई रूप से नजर धुंधली हो सकती है। ब्लैक आई होने पर व्यक्ति को आंख के आसपास दर्द के अलावा सिर दर्द भी महसूस हो सकता है। यदि सिर पर चोट लगने के बाद दोनों आंखें काली हो जाए तो यह किसी गंभीर स्थिति की ओर इशारा करता है। ऐसे में व्यक्ति को तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

ब्लैक आई के लक्षण

अगर किसी व्यक्ति को आंखों के आसपास चोट लगती है तो उस जगह पर सूजन हो सकती है। जैसे-जैसे सूजन बढ़ती है त्वचा का रंग भी बदलता है। शुरुआत में यह लाल हो सकता है लेकिन धीरे-धीरे या बदल भी सकता है जैसे बैंगनी, पीला और काला। इसमें चोट वाली जगह पर यदि हाथ लगाया जाए तो व्यक्ति को लगातार दर्द महसूस हो सकता है। इसके अलावा नजर धुंधली भी हो सकती है। हालांकि कुछ दिनों के अंदर ही सूजन कम हो सकती है साथ ही त्वचा का रंग भी हल्का हो जाता है।

ब्लैक आई का कारण

ब्लैक आई का सबसे बड़ा कारण होता है चोट जो आपकी आंख के आसपास के हिस्से पर लगती है। आंखों में चोट लगने के कई कारण हो सकते हैं जैसे दुर्घटना, खेल के दौरान चोट लगना, किसी चीज से टकराना आदि। ब्लैक आई के कुछ अन्य कारण भी हो सकते हैं जैसे चेहरे की सर्जरी या स्कल फ्रैक्चर।

ब्लैक आई का इलाज

ब्लैक आई अपने आप ही ठीक हो जाती है लेकिन कुछ उपायों को अपनाकर इसे आसानी से और जल्दी ठीक किया जा सकता है।

पहले एक-दो दिनों के दौरान एक दिन में लगभग 10 से 20 मिनट के लिए चोट पर बर्फ की सिकाई करें

दो दिनों के बाद चोट पर गर्म पट्टी लगाएं

ओवर द काउंटर दर्द निवारक दवा लें

हालांकि कुछ बातों का आपको विशेष ध्यान रखना चाहिए जैसे चोट पर जोर से दबाने से बचें। इसके अलावा आप बर्फ को सीधे चोट पर ना लगाएं।

ब्लैक आई कितने दिनों तक रहती है

आमतौर पर ब्लैक आई की समस्या दो से तीन हफ्तों में ठीक हो जाती है और इसमें किसी भी तरह के इलाज की जरूरत नहीं पड़ती है।

जब भी बच्चों के साथ हों, अपना फोन दूर रखें, इमोशनल इंटेलिजेंस पर पड़ता है बुरा असर

इन दिनों एक छोटी सी बच्ची का वीडियो क्लिप तेजी से वायरल हो रहा है। यह उन माता-पिता के लिए एक सबक है, जो बच्चों से ज्यादा मोबाइल फोन पर वक्त बिताते हैं। वीडियो में बच्ची के पिता उसके साथ रहते हुए भी फोन पर व्यस्त रहते हैं। बच्ची जब पिता से कई चीजों का जवाब मांगती है, तो पिता फोन में व्यस्त रहते हुए बच्ची का बात का बेमन से जवाब देते हैं।

इस पर बच्ची कहती है कि मेरा फेवरेट प्लेन है। क्योंकि यहां पापा का फोन पिंग नहीं करता और वो मेरी सारी बातें सुनते हैं। दिल को छू लेने वाला ये वीडियो हर पैरेंट को यह अहसास कराता है कि उन्हें मोबाइल छोड़कर अपने बच्चों के साथ समय बिताना चाहिए। अगर आपके लिए ऐसा करना मुश्किल है, तो यहां बताए गए टिप्स आपकी मदद कर सकते हैं।

पैरेंट्स फोन की वास्तविक जरूरत समझें

स्मार्टफोन आदत के बाद लत बन जाता है। इसलिए हर पेरेंट को पता होना चाहिए कि उन्हें फोन की कितनी जरूरत है। कुछ लोग बच्चों के सामने फोन पर जरूरत से ज्यादा बातें करते हैं। ऐसा करने के बजाय यह तय कर लें कि आपको किन-किन कामों के लिए फोन की जरूरत पड़ेगी और किसके लिए नहीं।

इमोशनल इंटेलिजेंस पर पड़ता है असर

एक जर्नल में पब्लिश स्टडी के अनुसार, माता पिता के स्मार्टफोन के इस्तेमाल से बच्चों के इमोशनल इंटेलिजेंस पर गहरा असर पड़ सकता है। जब पेरेंट्स बच्चों के आसपास रहते हुए अपने फोन में खोए रहते हैं, ऐसे में बच्चें के साथ उनकी बातचीत और प्रतिक्रिया सीमित हो जाती है। इसलिए माता-पिता को ध्यान रखना चाहिए कि वे बच्चों के आसपास कितनी बार फोन का उपयोग कर रहे हैं।

स्मार्टफोन के बारे में बच्चों से बात करें

आप अपने बच्चों के साथ बैठकर फोन के बारे में बात कर सकते हैं।यहां तक की छोटे बच्चे के साथ भी। इससे उन्हें समझने में मदद मिलेगी कि आपको फोन की जरूरत क्यों पड़ती है।

कुछ नियम बनाने चाहिए

पेरेंट्स को भी फोन से दूर रहने के कुछ नियम बनाने चाहिए। इन्हें लिखकर एक ऐसी जगह लगाएं, जहां आते जाते आपकी नजर पड़े। जैसे-

घर आने के एक घंटे बाद तक कोई फोन नहीं।

बच्चों के साथ समय बिताते हुए फोन दूर रखें।

डिनर करते वक्त फोन पास में ना रखें। फैमिली के साथ मूवी देखते समय भी फोन से दूरी बनाए रखें।

बहुत तेजी से वजन घटाना कई अन्य समस्याओं को दे सकता है जन्म, एक हफ्ते में कितना कम करें वजन?

मोटापे से पीड़ित लोग वजन कम करने की जद्दोजहद में लगे रहते हैं। कई लोग तरह-तरह के डाइट प्लान को फॉलो करते हैं, तो कुछ दवाओं का सहारा लेते हैं। पर क्या आप जानते हैं कि कम समय में ज्यादा वजन कम करना सेहत पर बुरा असर डालता है। ऐसे में सही तरीका क्या है?

मोटापे की समस्या को दूर करने के लिए लोग वजन कम करना चाहते हैं, लेकिन तेजी से वजन कम करना खतरनाक हो सकता है। इससे पाचन संबंधी समस्याएं, थकान और ऊर्जा की कमी, कमजोर हड्डियां, कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता, बालों का झड़ना, मसल्स क्रैम्प, निर्जलीकरण, कुपोषण और पित्ताशय में पथरी हो सकती है। चिकित्सकों के अनुसार, लोगों को ऐसे सभी डाइट प्लान से बचना चाहिए, जो कुछ ही दिनों में वजन तेजी से कम करवाने का दावा करती हैं।

संतुलित आहार बिल्कुल न छोड़ें

तेजी से वजन तब कम होता है, जब आप खाने की मात्रा को आधे से भी कम कर देते हैं। इस वजह से मेटाबॉलिज्म काफी धीमा हो जाता है और स्टार्वेशन मोड में चला जाता है। यह मोड शरीर में एनर्जी बचाने के लिए मेटाबॉलिज्म को काफी धीमा कर देता है। इसका सबसे बड़ा नुकसान यह है कि दोबारा पहले की तरह खाना-पीना शुरू करते ही वजन पहले से भी ज्यादा बढ़ जाता है।

मेटाबॉलिज्म के गड़बड़ होने से शरीर की वजन कम रखने की क्षमता प्रभावित होती है। तेजी से वजन कम करने वाले कई डाइट प्लान में प्रतिदिन 800 ग्राम से कम कैलोरी शामिल की जाती है, जो ठीक नहीं है।

रोजाना कितने कैलोरी की जरूरत?

एक वयस्क को प्रतिदिन 1200-1300 कैलोरी की जरूरत होती है, जिसे बेसल मेटाबॉलिक रेट कहा जाता है। प्रतिदिन कई तरह के कार्यों को बिना थके पूरा करने के लिए शरीर को ऊर्जा की जरूरत पड़ती है। साथ ही मेटाबॉलिज्म को दुरुस्त रखने के लिए भी इसकी जरूरत होती है। ऐसे में एक दिन में सिर्फ 800 कैलोरी लेने से शरीर को जरूरी ऊर्जा नहीं मिलती और पोषक तत्वों की कमी हो जाती है।

तेज वजन घटाने के नुकसान

जल्दी वजन घटाने या बढ़ने से स्किन इलास्टिसिटी पर असर पड़ता है और वह इस प्रक्रिया में काम करना बंद कर देती है। त्वचा बेजान और बीमार दिखने लगती है। इस स्थिति में पतला शरीर आपको सुखद अहसास नहीं करा पाता है और आप मानसिक चिंता से घिर जाते हैं। इसके अलावा डाइट के बिगड़ने और पोषक तत्वों की कमी से कई प्रकार की मानसिक समस्याएं होने लगती हैं।

इसके अलावा मनपसंद चीजों से एकदम से दूरी बनाने से एक समय बाद आप खाना देखते ही खुद को वह चीज खाने से रोक नहीं पाएंगे। ऐसा लेप्टिन हार्मोन लेवल के असंतुलित होने के कारण होता है।

कितना वजन घटाना ठीक?

शरीर को सही ढंग से काम करने के लिए एक निश्चित मात्रा में वसा, प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट की जरूरत होती है। इसके अलावा विटामिन और खनिजों की भी जरूरत होती है, जिसे हम संतुलित आहार कहते हैं।

तेजी से वजन कम करने के बजाय एक सही गति से वजन कम

करना लाभदायक रहता है। एक हफ्ते में 400 से 900 ग्राम तक वजन घटाना सही रहता है। इससे अधिक वजन कम करने की कोशिश करने से शरीर को नुकसान पहुंच सकता है। आप आहार विशेषज्ञ से विशेष प्रकार के डाइट प्लान पूछें और नियमित व्यायाम की आदत डालें। इससे आप सही तरह से वजन कम कर पाएंगे।

डायबिटीज में बहुत फायदेमंद है करेला त्वचा की रंगत सुधारने में भी इसके लाभ

डायबिटीज एक गंभीर क्रोनिक बीमारी है, लगभग हर उम्र के लोगों में इसका खतरा देखा जा रहा है। ब्लड शुगर बढ़े रहने की ये बीमारी कई अंगों जैसे आंख, किडनी, पाचन और पैरों को भी प्रभावित कर सकती है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को डायबिटीज कंट्रोल करने के उपाय करते रहने की सलाह देते हैं।

अध्ययनों से पता चलता है कि डायबिटीज को नियंत्रित रखने के लिए खान-पान ठीक रखना सबसे जरूरी है। लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाली चीजें शुगर को तेजी से बढ़ने से रोकने में मदद करती हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, डायबिटीज में करेला खाना आपके लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है। तीखे स्वाद वाली इस सब्जी में कई ऐसे गुण होते हैं जो न सिर्फ डायबिटीज रोगियों के लिए काफी फायदेमंद हैं साथ ही इसके सेवन से कई और भी स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किए जा सकते हैं।

डायबिटीज में करेला खाने के लाभ

डायबिटीज में करेला खाने से क्या लाभ होता है, इसे समझने के लिए किए गए अध्ययन में पाया गया कि इसमें कई ऐसे यौगिक होते हैं जो इंसुलिन की तरह काम करते हैं और रक्त शर्करा के स्तर को कम करने में मदद करते हैं। करेला इंसुलिन स्राव को बढ़ाने में भी सहायक है, जिससे शरीर में रक्त शर्करा का स्तर नियंत्रित रहता है।

यह अग्नाशय को इंसुलिन स्रावित करने के लिए उत्तेजित करता है। करेला की सब्जी या इसके जूस का सेवन करके ब्लड शुगर को नियंत्रित रखने में मदद मिल सकती है।

करेला में फाइबर की मात्रा

करेला में डाइट्री फाइबर की भी मात्रा होती है जो न सिर्फ पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने के लिए जरूरी है, साथ ही फाइबर वाली चीजों का अधिक सेवन करके डायबिटीज को भी कंट्रोल में रखना आसान हो सकता है। डायबिटीज के रोगियों में लिवर और किडनी की समस्याएं होने का खतरा भी अधिक देखा जाता रहा है। करेला लिवर को डिटॉक्सिफाई करने और किडनी की सेहत को बनाए रखने में भी फायदेमंद सब्जी है।

करेला के एंटीकैंसर गुण

करेला में एंटीऑक्सीडेंट्स की भी अच्छी मात्रा होती है, जो शरीर में फ्री रेडिकल्स से लड़ने में मदद करते हैं। फ्री रेडिकल्स कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाकर कैंसर और कई अन्य क्रोनिक बीमारियों का कारण बन सकते हैं। कुछ शोध बताते हैं कि करेला का सेवन कैंसर की कोशिकाओं के विकास को रोक सकता है, हालांकि इन प्रभावों की पुष्टि के लिए और अधिक शोध की आवश्यकता है।

त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद

करेला खाने का एक लाभ ये भी है कि आपकी त्वचा स्वस्थ बनी रहती है। असल में इसमें एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन-सी होते हैं, जो त्वचा को चमकदार और साफ रखने में मदद करते हैं। करेला का रस पीने से खून साफ होता है और एक्जिमा-त्वचा संक्रमण जैसी समस्याओं में भी राहत मिलती है। इसके एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण त्वचा में होने वाले मुंहासों और अन्य समस्याओं को दूर करने में मदद करते हैं।

दुनिया के इन देशों में मनाया जाता है दीपों का त्योहार, दिवाली जैसा होता है उत्सव

दिवाली भारत के प्रमुख त्योहारों में से एक है। इस बार ये त्योहार 31 अक्तूबर/ 1 नवंबर को मनाया जा रहा है। पांच दिवसीय दीपोत्सव की जगमगाहट धनतेरस से ही शुरू हो जाती है। हर जगह दिवाली की तैयारी शुरू हो गई है। लोग घरों में साफ-सफाई, शॉपिंग में जुट गए हैं। रोशनी और आतिशबाजी वाले इस त्योहार को लेकर लोगों में एक अलग ही उत्साह देखने को मिलता है। भारत के कोने-कोने में ये त्योहार धूमधाम से सेलिब्रेट किया जाता है। बच्चों से लेकर बड़े-बूढ़े इस त्योहार के इंतजार में रहते हैं।

भारत में तो ये त्योहार धूमधाम से मनाया जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं भारत के अलावा भी कई अन्य देशों में दिवाली मनाई जाती है। इस लेख में दुनिया के उन देशों के बारे में बताया जा रहा है, जहां दीपोत्सव मनाया जाता है।

नेपाल की दिवाली

भारत के पड़ोसी देश नेपाल में भी दीपों का उत्सव यानी दिवाली मनाई जाती है। नेपाल में इस त्योहार को 'स्वान्ति' कहा जाता है। भारत की तरह नेपाल में भी 5 दिनों का पर्व मनाया जाता है। पहले दिन लोग कौवे को और दूसरे दिन कुत्ते को भोजन कराते हैं। तीसरे दिन माता लक्ष्मी की पूजा होती है और इसी दिन से नेपाल संवत की भी शुरुआत होती है। चौथे दिन को नए साल की तरह सेलिब्रेट किया जाता है और पांचवें दिन भाई टीका होता है, जो भाई दूज की तरह मनाया जाता है।

मलेशिया और सिंगापुर की दिवाली

मलेशिया और सिंगापुर जैसे देशों में भी दिवाली सेलिब्रेट की जाती है। इस मौके पर सिंगापुर में सरकारी छुट्टी रहती है और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होता है। मलेशिया की दिवाली भी काफी मशहूर है। मलेशिया में हिंदू सूर्य कैलेंडर के सातवें महीने में दिवाली का त्योहार मनाया जाता है।

स्कॉटलैंड

स्कॉटलैंड में हर साल प्रकाशोत्सव मनाया जाता है, जिसे 'अप हेली आ' के नाम से जाना जाता है। यह असल में दिवाली का ही स्वरूप है, जिसमें यहां के लोग प्राचीन समुद्री योद्धाओं जैसे कपड़े पहनकर हाथ में मशाल लेकर जुलूस निकालते हैं। इस दौरान पूरा शहर रोशनी से घिर जाता है।

श्रीलंका में दिवाली

भगवान श्री राम द्वारा रावण के वध के बाद उनके भाई विभीषण लंका के राजा बने। विभीषण ने बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक में दीपोत्सव का आदेश दिया था। इसके बाद से ही श्रीलंका में अमावस्या के दिन दीपक जलाकर इस त्योहार को मनाने की परंपरा शुरू हो गई और आज भी यहां दिवाली मनाई जाती है।

जापान की दिवाली

हर साल जनवरी महीने में शुरू होने वाला 'ओनियो फायर फेस्टिवल' जापान का सबसे पुराना त्योहार है। इस फेस्टिवल को दिवाली की तरह मनाया जाता है, जिसमें शहरों को रोशनी से जगमगा दिया जाता है। इस दौरान छह मशालें जलाई जाती हैं जो आपदा को खत्म करने का प्रतीक है। जापानी इस दिन सफेद कपड़े पहनकर टॉर्च घुमाते हुए हैरतअंगेज करतब दिखाते हैं।

कनाडा में दिवाली

कनाडा में हर साल 5 नवंबर को गाइ फॉक्स नाइट यानी बोनफायर नाइट नाइट सेलिब्रेट करते हैं जिसे 'न्यूफाउंडलैंड ट्रेडिशन' नाम से भी जाना जाता है। ये बिल्कुल दिवाली की तरह ही मनाया जाता है। इस दिन यहां खूब आतिशबाजी होती है और लोग खूब नाचते-गाते हैं।

अगले साल यहां पर भी नंबर 1 होगा भारत, चीन समेत ये 5 देश रहेंगे पीछे

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। इकोनॉमिक ग्रोथ से लेकर मैन्युफैक्चरिंग एवं सर्विस सेक्टर आदि तमाम इलाकों में भारत पहले पायदान पर पहुंच रहा है। चीन और एशिया के दूसरे देश आसपास भी दिखाई नहीं दे रहे हैं। अब एक और मामले में अगले साल भारत नंबर वन पर होगा। जी हां, डब्ल्यूटीडब्ल्यू की फ्रेश रिपोर्ट के अनुसार अगले साल सैलरी बढ़ाने के मामले में भारत एशिया के दूसरे देशों के मुकाबले सबसे आगे होगा। यहां तक कि चीन का नंबर इन देशों में काफी पीछे देखने को मिल रहा है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर भारत में प्राइवेट सेक्टर में काम करने वाले कर्मचारियों की सैलरी में कितना इजाफा होगा। वहीं एशिया के दूसरे देशों में सैलरी हाइक का क्या अनुमान लगाया गया है।

भारत में इतनी होगी सैलरी

भारत में कंपनियां अपने कर्मचारियों को 2025 में 9.5 प्रतिशत वेतन वृद्धि की पेशकश कर सकती हैं जो इस साल की वास्तविक वेतन वृद्धि के बराबर ही है। मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में यह अनुमान

जताया गया। डब्ल्यूटीडब्ल्यू की ताजा वेतन बजट योजना रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में औसत वेतन वृद्धि 2025 में 9.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। यह 2024 की वास्तविक वेतन वृद्धि के बराबर ही है जो इस साल 9.5 प्रतिशत रही है। अगले साल सर्वाधिक 10 प्रतिशत वेतन वृद्धि औषधि क्षेत्र में होने की संभावना है जबकि विनिर्माण (9.9 प्रतिशत), बीमा (9.7 प्रतिशत) और खुदरा (9.6 प्रतिशत) में भी वेतन वृद्धि औसत स्तर से अधिक होने की संभावना है। हालांकि वर्ष 2025 में सॉफ्टवेयर और कारोबार सेवा क्षेत्र में वेतन वृद्धि नौ प्रतिशत ही रहने का अनुमान है जो सामान्य उद्योग औसत 9.5 प्रतिशत से कम है।

इन देशों से ज्यादा होगा इजाफा

रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय कॉरपोरेट जगत 9.5 प्रतिशत की वेतन वृद्धि के साथ समूचे क्षेत्र में सबसे आगे है। वियतनाम (7.6 प्रतिशत), इंडोनेशिया (6.5 प्रतिशत), फिलीपीन (5.6 प्रतिशत), चीन (पांच प्रतिशत) और थाईलैंड (पांच प्रतिशत) के भारत से पीछे ही रहने के अनुमान हैं। यह रिपोर्ट डब्ल्यूटीडब्ल्यू के रिवाड्र्स डेटा इंटेलिजेंस द्वारा जुटाए गए आंकड़ों पर आधारित है। यह सर्वेक्षण अप्रैल और जून 2024 में किया गया था। दुनिया भर के 168 देशों की कंपनियों से मिलीं लगभग 32,000 प्रविष्टियों के आधार पर यह रिपोर्ट तैयार हुई है। इस सर्वेक्षण में भारत से भी 709 प्रतिभागी शामिल थे।

स्टेबिलिटी चाहते हैं इंप्लॉयर और इंप्लॉई

डब्ल्यूटीडब्ल्यू इंडिया में सलाहकार प्रमुख (कार्य एवं पारिश्रमिक) राजुल माथुर ने कहा कि भारत में कंपनियां वृद्धि को लेकर आशावादी होने के साथ सतर्कता भी दिखा रही हैं। बड़े पैमाने पर इस्तीफों का दौर अब पीछे छूट चुका है। अब नियोक्ता एवं कर्मचारी दोनों ही स्थिरता चाहते हैं और बाजार की धारणा उल्लेखनीय रूप से स्थिर है। माथुर ने कहा कि संगठन प्रदर्शन-आधारित वेतन विभेद पर अधिक जोर दे रहे हैं। इस प्रवृत्ति के अनुसार शीर्ष प्रदर्शन करने वालों को औसत प्रदर्शन वाले कर्मचारियों की तुलना में तीन गुना वेतन वृद्धि मिलने की संभावना है, जबकि औसत से बेहतर कर्मचारियों को औसत प्रदर्शन करने वालों की तुलना में लगभग 1.2 गुना वेतन वृद्धि मिलने की उम्मीद है।रिपोर्ट कहती है कि लगभग 28 प्रतिशत कंपनियां अगले 12 महीनों में नई भर्तियां करने की योजना बना रही हैं। हालांकि कर्मचारियों के स्वेच्छा से नौकरी छोड़ने की दर इस क्षेत्र में ऊंचे स्तर पर बनी हुई है।

अमेरिका से यूरोप तक भारत की कॉफी का डंका, 6 महीने में की बंपर कमाई

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका से लेकर यूरोप तक भारत की कॉफी का डंका बज रहा है। भारत ने चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) के दौरान कॉफी निर्यात में पर्याप्त वृद्धि दर्ज की है, जिसका मूल्य 7,771.88 करोड़ रुपए है। कॉफी बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, यह पिछले वर्ष की समान अवधि के देश ने 4,956 करोड़ रुपए की कॉफी एक्सपोर्ट की थी। इसका मतलब है कि एक्सपोर्ट में पिछले साल के मुकाबले 55 फीसदी का इजाफा देखने को मिला है। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए, भारत ने 2.2 लाख टन कॉफी का निर्यात किया है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 1.91 लाख टन से अधिक है। इसका मतलब है कि इसमें भी 15 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिली है। रिपोर्ट के अनुसार निर्यात में इजाफे का प्रमुख कारण इंटरनेशनल मार्केट में कॉफी डिमांड को माना जा रहा है।

कॉफी कीमतों में इजाफा

दूसरी ओर इंटरनेशनल मार्केट में में कॉफी की कीमतों में भी काफी वृद्धि देखी गई है, खरीदारों को भारतीय कॉफी के लिए औसतन 352 रुपए प्रति किलोग्राम का भुगतान करना पड़ा है, जबकि पिछले साल यह कीमत 259 रुपए थी। हालाँकि, कॉफी की घरेलू खपत अपेक्षाकृत कम देखने को मिली है, और कुल प्रोडक्शन का 80 फीसदी एक्सपोर्ट किया जाता है। इटली सबसे बड़ा बाजार बना हुआ है, जो कुल निर्यात का 20 फीसदी हिस्सा है। जबकि जर्मनी, रूस, संयुक्त अरब अमीरात और बेल्जियम जैसे देश सामूहिक रूप से 45 फीसदी भारतीय कॉफी का इंपोर्ट करते हैं। विदेशी बाजारों में बढ़ती मांग के कारण घरेलू स्तर पर कीमतें बढ़ गई हैं, रोबस्टा कॉफी बीन्स की कीमत वर्तमान में लगभग 233-235 रुपए प्रति किलोग्राम है। इस किस्म की कॉफी बेरी की कीमत 385 रुपए से लेकर 400 रुपए तक है। पिछले छह महीनों में कॉफी बीन्स की कीमत 53 रुपए बढ़ी है, जबकि कॉफी बेरी की कीमत 65 रुपए बढ़ी है।केरल भारत के कॉफी उत्पादन में 20 फीसदी का योगदान देता है, जो इसे देश में दूसरा सबसे बड़ा कॉफी उत्पादक राज्य बनाता है।

सरकार ने किसानों को दिया दिवाली का तोहफा

सरसों की एमएसपी 300 और गेहूं की 150 रुपए बढ़ी

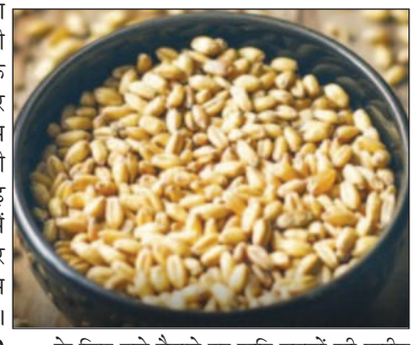

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश के करोड़ों किसानों को सरकार ने दिवाली का तोहफा दे दिया है। त्योहार से ठीक पहले केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में सरकार ने रबी की 6 फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बढ़ाने पर मंजूरी दे दी। इसके लिए सरकार 87,657 करोड़ रुपए खर्च करेगी। रबी की 6 फसलों में गेहूं, चना, मसूर, सरसों, जौ और सनफ्लॉवर सीड्स के लिए नए न्यूनतम समर्थन मूल्य का ऐलान कर दिया गया है।

सरसों की एमएसपी 300 और गेहूं 150 रुपए बढ़ी

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट के फैसलों की जानकारी दी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने बताया कि नई एमएसपी दरों में अब गेहूं की एमएसपी 150 रुपए बढ़ा दी गई है और अब नई दर 2,425 रुपए प्रति क्विंटल होगी। इसी तरह सरसों की एमएसपी 300 रुपए बढ़ाई गई है। अब इसकी नई खरीद दर 5,950 रुपए प्रति क्विंटल होगी।सरकार किसानों से जिस न्यूनतम दर पर फसलों की खरीद करती है, उसे ही न्यूनतम समर्थन मूल्य कहा जाता है। बाजार में इन फसलों का रेट सरकार के एमएसपी से कम या ज्यादा हो सकता है। एमएसपी का सीधा ताल्लुक फसलों की सरकारी खरीद से होता है। सरकार देश में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बड़े पैमाने पर कृषि उपजों की खरीद करती है और उन्हें फिर सरकारी गोदामों में रखती है।

चना, जौ, मसूर और सनफ्लॉवर सीड्स की नई दरें

नई एमएसपी दरों में अब जौ की दर 130 रुपए बढ़ाई गई और इसकी नई दर 1,980 रुपए प्रति क्विंटल होगी। इसी तरह चना (देसी) की एमएसपी में 210 रुपए की बढ़ोतरी की गई है और इसकी नई दर 5,650 रुपए प्रति क्विंटल होगी।सरकार ने लेंटिल यानी मसूर की दर 275 रुपए बढ़ाई है और इसकी नई एमएसपी दर 6,700 रुपए प्रति क्विंटल है। वहीं तिलहन की फसल सनफ्लॉवर सीड्स की दर 140 रुपए बढ़ाई गई है और इसकी नई दर 5,940 रुपए प्रति क्विंटल होगी।

भारतीय ब्रांड को दुनिया में स्थापित करने के लिए गुणवत्ता जरूरी

पीयूष गोयल ने की अपील

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय गुणवत्ता प्रबंधन प्रतिष्ठान (आईएफक्यूएम) की ओर से आयोजित प्रथम वार्षिक संगोष्ठी में केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने उद्योग जगत के दिग्गज रतन टाटा को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि रतन टाटा ने बहुत कठिन परिस्थितियों में आगे बढ़कर नेतृत्व किया, और वास्तव में एक अंतरराष्ट्रीय समूह बनाया। उन्होंने समूह को उपलब्धियों के साथ भारत को गौरवान्वित किया। गोयल ने कहा, रतन टाटा ने ब्रांड इंडिया को दुनिया भर में, सीमाओं के पार ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने वास्तव में यह दुनिया को यह दिखाया कि हम यह कर सकते हैं, हमारे पास दुनिया में बदलाव लाने की क्षमता है। उन्होने एक सख्त एग्जीक्यूटिव की छवि होने के बावजूद, इसे बहुत ही दयालु तरीके से किया। उनका नेतृत्व हमें बहुत कुछ सिखाता है।

कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों के निर्माण की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि इस दृष्टिकोण के बिना भारत को वास्तव में प्रतिस्पर्धी बनाना बहुत मुश्किल होगा। गोयल ने जोर देकर कहा कि गुणवत्ता को प्राथमिकता देने से न केवल घरेलू मांगें पूरी होंगी बल्कि भारत वैश्विक बाजारों की सेवा करने की स्थिति में भी आएगा। उन्होंने कहा, इससे नौकरियां पैदा करने, आर्थिक गतिविधि का विस्तार करने और भारत की आर्थिक वृद्धि को बनाए रखने की हमारी क्षमता प्रभावित होगी। गोयल ने उद्योग जगत के नेताओं से गुणवत्ता को एक दीर्घकालिक बदलाव के रूप में अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त ब्रांड बनने के लिए, भारत को अपने उत्पादों और सेवाओं को गुणवत्ता का पर्याय बनाना चाहिए। अपने संबोधन में, गोयल ने गुणवत्ता मानकों को अपनाने में भारत के सामने आने वाली चुनौतियों को स्वीकार किया, विशेष रूप से गुणवत्ता नियंत्रण आदेश पेश करते समय शुरुआती प्रतिरोध का सामना करना पड़ा। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस विरोध पर काबू पाना भारत के आर्थिक भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, हमें 20-25 सालों में गुणवत्ता को एक आंदोलन के तौर पर अपनाना होगा, इसके बिना भारत को वास्तव में प्रतिस्पर्धी बनाना बहुत मुश्किल होगा। भारत को दुनिया में एक ब्रांड बनाने की हमें आकांक्षा रखनी होगी, ताकि दुनिया को लगे कि अगर यह भारत से आ रहा है, तो इसकी गुणवत्ता अच्छी ही होगी, तभी हम वास्तव में वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बन पाएंगे।

हम साल में जितना खाना बर्बाद करते हैं

उतने में आ जाएंगी 920 वंदे भारत ट्रेन, घर में खराब होता है सबसे ज्यादा खाना

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। आज वर्ल्ड फूड डे है। हर साल 16 अक्टूबर को इसे मनाया जाता है। देश में हर साल हजारों करोड़ रुपये का खाना बर्बाद होता है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक साल 2022 में हर साल प्रति व्यक्ति 55 किलो खाना बर्बाद किया गया। यह साल 2021 के मुताबिक 5 किलो प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष ज्यादा है। रिपोर्ट बताती है कि साल 2022 में भारतीयों ने 92 हजार करोड़ रुपये का खाना बर्बाद दिया। इतने रुपये में 920 वंदे भारत ट्रेन तैयार हो सकती थीं। एक वंदे भारत ट्रेन की लागत करीब 100 करोड़ रुपये है। इस साल मार्च में आई संयुक्त राष्ट्र की फूड वेस्ट इंडेक्स रिपोर्ट-2021 में बताया गया है कि भारत में सबसे ज्यादा खाने की बर्बादी घरों में होती है। इसके बाद फूड सर्विस और फिर रिटेल्स का नंबर आता है। खाने की रिपोर्ट बताती है कि पाकिस्तान में खाने की बर्बादी भारत से ज्यादा होती है। पाकिस्तान में प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष 74 किलो खाना बर्बाद करता है। अगर दुनिया की बात करें तो दुनिया में हर साल खाने का 17 फीसदी हिस्सा यानी 931 मिलियन मीट्रिक टन बर्बाद होता है।

घर में सबसे ज्यादा खाना बर्बाद

भारत में घरों में सबसे ज्यादा खाना बर्बाद होता है। रिपोर्ट बताती है कि भारत में जितना खाना बर्बाद होता है, उसका आधे से ज्यादा हिस्सा घरों में बर्बाद होने वाले खाने का होता है।

कौन सा देश है सबसे आगे?

खाने की बर्बादी में सबसे आगे मालदीव है। रिपोर्ट के मुताबिक मालदीव में प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष 207 किलो खाना बर्बाद करता है। इसके बाद पाकिस्तान का नंबर आता है। पाकिस्तान में प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष 130 किलो खाना बर्बाद करता है। भूटान सबसे कम खाना बर्बाद करता है। यहां प्रति वर्ष प्रति व्यक्ति खाने की बर्बादी मात्र 19 किलो है।

बिरयानी है नंबर वन

हमारे देश में कई तरह के खाने खाए जाते हैं। लगभग हर राज्य का अपना अलग पारंपरिक खाना है। भारत में खाए जाने वाले सबसे ज्यादा खाने की बात करें तो इसमें बिरयानी सबसे आगे है। बिरयानी के बाद मसाला डोसा का नंबर आता है। इस साउथ इंडियन डिश को पूरे भारत में काफी पसंद किया जाता है।

मीठे में गुलाब जामुन पहली पसंद

बात अगर मीठे की करें तो इसमें बाजी गुलाब जामुन के हाथ लगती है। यह ऐसी स्वीट डिश है जो पूरे भारत में सबसे ज्यादा खाई जाती है। इसके बाद जलेबी का नंबर आता है। पूरे देश में जलेबी खाने वालों की संख्या भी अच्छी-खासी है। इस लिस्ट में तीसरे स्थान पर रसगुल्ला है।

अनाज में चावल सबसे आगे

देश में अनाज के मामले में चावल सबसे आगे है। यानी अनाज खाने की बात करें तो सबसे ज्यादा चावल खाया जाता है। चावल का इस्तेमाल कई तरह से किया जाता है। इसकी कई तरह की डिश बनाई जाती हैं। चावल के बाद गेहूं का नंबर आता है।

आईटी ऑटो शेयरों ने बिगाड़ा बाजार का मूड

सेंसेक्स-निफ्टी गिरावट के साथ हुआ बंद

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। निवेशकों की मुनाफावसूली के चलते भारतीय शेयर बाजार बुधवार के कारोबारी सत्र में गिरावट के साथ क्लोज हुआ है। बैंकिंग, आईटी और ऑटो शेयरों में गिरावट के चलते बाजार में ये बिकवाली आई है। मिडकैप शेयरों में भी आज के सत्र में गिरावट दर्ज की गई। बाजार बंद होने पर बीएसई सेंसेक्स 319 अंकों की गिरावट के साथ 81,501 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 86 अंकों की गिरावट के साथ 24,971 अंकों पर क्लोज हुआ है।

चढ़ने-गिरने वाले शेयर्स

सेंसेक्स के 30 शेयरों में केवल 5 शेयर तेजी के साथ बंद हुए। 25 स्टॉक्स गिरकर क्लोज हुए। निफ्टी के 50 शेयरों में 16 तेजी के साथ और 34 गिरावट के साथ क्लोज हुए। बीएसई पर कुल 4068 शेयरों में ट्रेडिंग हुई जिसमें 2023 तेजी के साथ और 1940 स्टॉक्स गिरावट के साथ बंद हुए। 105 शेयरों के बाव में कोई बदलाव नहीं देखने को मिला है। तेजी वाले शेयरों में एचडीएफसी लाइफ 1.79 फीसदी, डॉ रेड्डी 1.34 फीसदी, ग्रासिम 1.05 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 0.97 फीसदी, बजाज ऑटो 0.88 फीसदी, भारती एयरटेल 0.86 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुए। गिरने वाले शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा 2.76 फीसदी, इंफोसिस 2.05 फीसदी, कोटक महिंद्रा बैंक 1.39 फीसदी, अडानी पोर्ट्स 1.21 फीसदी, टाटा मोटर्स 1.19 फीसदी, आईटीसी 1.11 फीसदी, टाइटन 1.06 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है।

सेक्टोरल अपडेट

आज के कारोबार में जिन सेक्टर्स के शेयरों में तेजी रही उसमें एनर्जी, ऑयल एंड गैस, इंफ्रा, रियल एस्टेट शामिल है। जबकि आईटी, ऑटो, फार्मा, एफएमसीजी, मेटल्स, मीडिया, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और हेल्थकेयर सेक्टर के स्टॉक्स गिरावट के साथ बंद हुए। आज के कारोबार में मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक्स में भी गिरावट रही।

निवेशकों को लगा 80000 करोड़ रुपये का झटका

बाजार में गिरावट के चलते आज के कारोबारी सत्र में निवेशकों को नुकसान हुआ है। बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप 463.06 लाख करोड़ रुपये पर क्लोज हुआ है जबकि पिछले सत्र में ये 463.86 लाख करोड़ रुपये रहा था। यानि आज के सेशन में 80000 करोड़ रुपये मार्केट कैप में कमी आई है।

76,502 के ऑल टाइम हाई पर सोना

इस साल अब तक 13,150 रुपए महंगा हुआ, साल के आखिर तक 78 हजार तक जा सकता है

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। सोना आज यानी 16 अक्टूबर को अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 572 रुपए बढ़कर 76,502 रुपए पर पहुंच गया। इससे एक दिन पहले इसके दाम 75,930 रुपए प्रति दस ग्राम थे। वहीं, चांदी की कीमत में भी आज बढ़त रही। ये 1,454 रुपए बढ़कर 91,254 रुपए प्रति किलो हो गई। इससे एक दिन पहले चांदी 89,800 रुपए पर थी। इस साल चांदी 29 मई को अपने ऑल टाइम हाई 94,280 रुपए प्रति किलो पर पहुंच चुकी है।

महानगरों और भोपाल में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,550 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,040 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,150 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,890 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 71,150 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 77,890 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,150 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,890 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,450 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,940 रुपए है।

हैदराबाद : सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 77,890 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 71,400 रुपये है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कन्या	मे	कन्या..	04-09 बजे
चंद्र-	मीन	मे	तुला...	06-13 बजे
मंगल	मिथुन	मे	वृश्चिक	08-23 बजे
बुध-	कन्या	मे	धनु-	10-37 बजे
गुरु-	वृष	मे	मकर...	12-43 बजे
शुक्र-	वृश्चिक	मे	कुंभ--	14-34 बजे
शनि-	कुंभ	मे	मीन-	16-11 बजे
राहु-	मीन	मे	मेष---	17-48 बजे
केतु-	कन्या	मे	वृष---	19-32 बजे
			मिथुन	21-33 बजे
			कर्क--	23-46 बजे
			सिंह---	01-57 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -शरद
महावीर निर्वाण संवत -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-13
भोग्य कलि वर्ष-426875 सूर्यास्त. - 17-49
कलियुग संवत -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- पूर्णिमा 16-56 तक उपरान्त प्रतिपदा
मास - आश्विन शुक्ल , गुरुवार 17 October
नक्षत्र - रेवती 16 -20 तक अश्विनी
योग - हर्षण 01-41 तक उप वज्र
करण- बव 16-56 तक उप बालव
विशेष:- पूर्णिमा पुण्य
व्रत -त्योहार -

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:29 से 14:56 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	06:13 - 07:38 शुभ	अमृत.	17:549 - 19:24 शुभ
रोग	07:38 - 09:06 अशुभ	चंचल..	19:24 - 20:56 शुभ
उत्पात	09:06 - 10:34 अशुभ	रोग.	20:56 - 22:29 अशुभ
चंचल	10:34 - 12:01 शुभ	काल.	22:29 - 00:01 अशुभ
लाभ	12:01 - 13:29 शुभ	लाभ	00:01 - 01:34 शुभ
अमृत	13:29 - 14:56 शुभ	उत्पात	01:34 - 03:06 अशुभ
काल	14:56 - 16:24 अशुभ	शुभ.	03:06 - 04:39 शुभ
शुभ	16:24 - 17:49 शुभ	अमृत.	04:39 - 06:13 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,

अगर आप अपना समय और ऊर्जा गरीब और कम सुविधा प्राप्त बच्चों को शिक्षा देने में लगायेंगे तो आपको बहुत ख़ुशी मिलेगी । अपना कुछ सामन किसी जरूरतमंद को दे दें । आपकी वित्तीय स्थिति अच्छी है ,आप पैसे से भी किसी की मदद कर सकते हैं । आप नए लोगों से जल्दी ही परिचय भी कर लेते हैं।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आप आज कल्पनात्मक रहेंगे । कार्यस्थल की ओर से किसी अन्य स्थान की यात्रा का मौका मिल सकता है ।आपकी रोमांटिक प्रवृति उजागर होगी । अपने आपको थोड़ी ढील देने का दिन है ,लेकिन काम में व्यवहारिकता भी दिखानी होगी । साथियों के साथ अच्छे मूड में रहेंगे ।अपनी मेल देख लें,कोई महत्वपूर्ण मेल आपकी प्रतीक्षा कर रही है ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आज आपको अपनी मेहनत का फल मिलेगा । पहचान और इज्जत भी मिलेगी । वित्तीय स्थिति बेहतर होगी,ऑफिस में तारीफ़ मिलेगी । वेतन में बढ़ोतरी भी संभव है । सेल्स क्षेत्र वाले लोग भी लक्ष्य हासिल क्र पायेंगे । आज अपने परिधान में नीला रंग शामिल करें । इससे सकारात्मक ऊर्जा मिलेगी ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आज आपकी किस्मत आपके साथ है । आप अपने समस्या को सुलझा लेने की कुशलता से सबको अचरज में डाल देंगे । सहकर्मी आपसे प्रभावित होंगें । आपका आत्मविश्वास देकने लायक होगा और आपको एक नया काम मिलेगा । खुश रहें और अपनों के साथ ख़ुशी बाँटें । आज कोई दोस्त मिल सकता है । दिन कुल मिलाकर मजेदार रहेगा ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आपके दिमाग में आज कोई अद्भुत विचार आएगा और आपको इसे हाथोहाथ केवल इसीलिए रद्द नही क्र देना चाहिए क्योंकि आपको इसका हो पाना मुश्किल लग रहा है । आज बड़ा सोचने और ऊँचाइयों को छूने का दिन है । ऐसा करने के लिए आपको बाधाओं की सूची बनाकर अच्छी योजना बनानी अहि और आप पायेंगे कि परेशानियों से खुद-ब-खुद समाधान नजर आने लगेंगे ।

कन्या टो पा पी यू ष ण ठ पे पो

व्यवसाय सम्बन्धी परेशानियां हल होंगीं लेकिन तब तक आपको बोलने ,लिखने और काम में भी आक्रामक नही होना है । निजी जीवन से सम्बंधित परेशानियां झेल रहे लोगों को अपनों के लिए समय निकालना चाहिए । आप लम्बे समय से स्वस्थ्य की उपेक्षा क्र रहे हैं ,इस पर ध्यान दें ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आप आज थोड़ी सी गंभीर मानसिक स्थिति में रहेंगे । आपको आज जीवन के व्यावहारिक मुद्दों पर ध्यान देना होगा । लेकिन आप विश्वास और आशावादिता से भरपूर हैं और गहरे भावनात्मक स्तर पर भी मौके लेने के लिए तैयार हैं । आपका कोई करीबी आपके लक्ष्यों और उद्देश्यों के लिए अपनी चिंता जाहिर करेगा,उन्हें अपनी स्थिति समझाने के लिए समय निकालें ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आज फैसला लेने का दिन है । आप पिछले सप्ताह से कई चीजों के बारे में चिंता कर रहें हैं । आज कोई ऐसा फैसला लेना पड़ सकता है जो शुरू में काफी कठोर लगे । लेकिन आपको इस बारे में अपने दिल की सुननी चाहिए । ये सोचना है कि अब मुझे क्या करना चाहिए? ये नही कि मुझे क्या करना होगा?अपने दिल की बात सुनें,इससे आपको लाभ होगा ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आपकी जीवन में कोई ऐसी स्थति आने वाली है जब आपको सीधे ,तुरंत और अति सक्रिय रहकर फैसले लेने होंगे । यह स्थिति देखने में बहुत मुश्किल लग सकती है परन्तु आप इसे आसानी से संभाल पायेंगे । आपको बस दृढ़ता पूर्वक डटे रहना है । लेकिन चिंता ना करें,एक बार जब यह समस्या ख़तम हो जायेगी तो लोग इसे सुलझाने में आपकी भूमिका की भी प्रशंसा करेंगे ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आपके आसपास आपका ध्यान और समय बांटने वाली बहुत सी गतिविधियाँ चल रही है। छोटी-मोटी बातों पर समय व्यर्थ ना करें । एकाग्र रहें,तभी आपको मुक्त ऊर्जा का प्रवाह अनुभव हो पायेगा । अगर आपको यह मिल गया तो आपकी जिन्दगी बन जायेगी । घबराएं नहीं,ध्यान से समझकर समय रहते अवसर का लाभ उठायें।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आपको अपना अधूरा काम समय पर पूरा करने के बहुत से मौके मिलेंगे । आपकी दूसरी परेशानियां भी तुरंत दूर हो जायेंगी ,उनके बारे में चिंता ना करें । आज अधिक से अधिक काम करने की कोशिश करें क्योंकि आपको आज के अपने सब कामों में सफलता मिलेगी । आप अपने किसी करीबी से सलाह ले सकते हैं ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

दिन शांत रहेगा । पिछले सप्ताह के व्यस्त कार्यक्रम से थोड़ी राहत मिलेगी,जो अच्छी लगेगी । आपके वरिष्ठ अधिकारी आप पर नजर रखे हुए हैं ,इसीलिए अधिक मेहनत करें । कुछ अनापेक्षित निजी मुद्दे आपके सामने आ सकते हैं ,उनसे आपको आश्चर्य तो जरुर होगा,लेकिन आप संतोषजनक तरीके से उन्हें सँभालने में कामयाब होंगे ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

कांग्रेस की पूर्व विधायक ममता देवी को बड़ी राहत

हाईकोर्ट ने सजा पर लगाई रोक अब वे विधानसभा चुनाव लड़ सकेंगी

रांची, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड हाईकोर्ट ने रामगढ़ की पूर्व विधायक ममता देवी को बड़ी राहत दी है। गोला गोलीकांड के दो अलग-अलग मामले में ममता देवी को हजारीबाग की निचली अदालत ने दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई थी। फैसले के खिलाफ उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। हाईकोर्ट के जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की अदालत ने मंगलवार को निचली अदालत द्वारा दी गई सजा पर रोक लगा दी। इसके साथ ही जनप्रतिनिधित्व कानून के तहत चुनाव लड़ने पर लगी रोक भी हट गई। अब वे विधानसभा चुनाव लड़ सकेंगी। ममता देवी कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़कर विधायक बनी थीं। रामगढ़ के गोला में हुए गोलीकांड में उनकी मिली भागत सामने आने के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज की थी। रजरप्पा थाना कांड संख्या 79/2016 में 13 दिसंबर 2022 को उन्हें पांच साल की सजा सुनाई गई थी। वहीं,

गोला थाना कांड संख्या 65/2016 में हजारीबाग की विशेष अदालत ने 4 जनवरी 2023 को उन्हें दो साल कैद की सजा सुनाई थी। 117 दिन जेल में रहने के बाद ममता जमानत पर बाहर आई थीं। इस बीच, रामगढ़ विधानसभा उपचुनाव हुआ। इसमें आजसू पार्टी की सुनीता चौधरी ने जीत हासिल की और वह विधायक बन गईं। दरअसल, गोला थाना क्षेत्र स्थित इनलैंड पावर लिमिटेड कंपनी में मजदूरों के शोषण का आरोप लगाते हुए ममता देवी की अगुवाई में प्रदर्शन हुआ था। प्रदर्शन बेकाबू होने पर पुलिस ने लाठी चार्ज और फायरिंग की थी।

सूरजपुर डबल-मर्डर केस, मास्टरमाइंड के आलीशान मकान पर चलेगा बुलडोजर

घर पर नोटिस चस्पा, आरोपी से कड़ी सुरक्षा में पूछताछ

सूरजपुर, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। सूरजपुर में हेड कॉन्स्टेबल तालिब शेख की पत्नी और बेटी की हत्या केस में मुख्य आरोपी कुलदीप साहू को कोर्ट में आज पेश कर पुलिस रिमांड मांगेगी। आरोपी को कड़ी सुरक्षा में सूरजपुर कोतवाली थाने में रखा गया है। इसके साथ ही प्रशासन ने कुलदीप साहू के आलीशान घरों पर बुलडोजर चलाने की तैयारी की है। उसके मकान को अवैध निर्माण बताते हुए नोटिस चस्पा कर दिया गया है।

दरअसल, रविवार की रात आदतन बदमाश कुलदीप साहू ने हेड कॉन्स्टेबल तालिब शेख के घर में घुसकर उसकी पत्नी मेहनाज तालिब और मासूम बेटी आलिया की हत्या कर दी थी। हत्या के बाद वह भागकर झारखंड चला गया था। गढ़वा से अंबिकापुर आते समय उसे बलरामपुर थाने के सामने बलरामपुर एसपी बैंकर वैभव की टीम ने हिरासत में ले लिया। उसे कड़ी सुरक्षा के बीच सूरजपुर लाया गया। हत्याकांड के बाद

सोमवार को आक्रोशित लोगों ने जमकर प्रदर्शन किया। सूरजपुर को पुलिस ने छावनी में बना रखा है। कुलदीप साहू से कोतवाली थाने में वारदात और उसमें शामिल अन्य आरोपियों के संबंध में पूछताछ की जा रही है। मां-बेटी की हत्या और शव फेंकने में अन्य आरोपियों के शामिल होने की आशंका है। हत्याकांड के बाद फरार कुलदीप साहू को पुलिस लगातार ट्रैक कर रही थी। इसमें महत्वपूर्ण भूमिका बलरामपुर एसपी वैभव बैंकर की रही। हत्याकांड के बाद पुलिस लगातार छापे मार रही थी। कुलदीप साहू को इससे एनकाउंटर का डर सताने लगा था। वह झारखंड भागने में सफल होने के बाद वापस अंबिकापुर आ रहा था। बताया जा रहा है कि एनकाउंटर के डर से कुलदीप साहू की योजना अंबिकापुर कोर्ट में सरेंडर करने की थी, लेकिन बलरामपुर एसपी की टीम ने फोन लोकेशन के आधार पर बलरामपुर में बस को रोककर दबोच लिया।

नगर पालिका सूरजपुर के सीएमओ प्रभाकर शुक्ला ने वार्ड क्रमांक 13, मानपुर मोहल्ले में हत्याकांड के मुख्य आरोपी कुलदीप साहू के पिता अशोक साहू के नाम पर निर्मित आलीशान बहुमंजिला भवन को अवैध निर्माण बताया है। घर में नोटिस चस्पा कर दिया है। नोटिस में निर्माण को अवैध बताते हुए कब्जा तत्काल हटा लेने कहा गया है। हालांकि कब्जा हटाने की मोहलत, नोटिस में मेंशन नहीं है। नियमानुसार अवैध कब्जा हटाने के पहले निकायों को तीन नोटिस जारी करना होता है। कहा जा रहा है कि आलीशान घरों में बुलडोजर कार्रवाई की तैयारी तेज कर दी गई है। कुलदीप साहू के पिता अशोक साहू का मानपुर के अतिरिक्त बस स्टैंड के पीछे और कब्रिस्तान के पास भी मकान है। कब्रिस्तान के पास के मकान को किराए पर दिया गया था, जिसे प्रशासन ने सोमवार को खाली करा दिया है।

झारखंड में पहली बार दो चरण में मतदान

लोकसभा चुनाव से ज्यादा वोट पड़े तो एक गठबंधन को बहुमत, कम पड़ने पर त्रिशंकु के चांस

रांची, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा चुनाव दो चरण में होंगे। 13 नवंबर को पहले फेज की वोटिंग होगी, जिसमें 43 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। दूसरे फेज की वोटिंग 20 नवंबर को होगी, जिसमें 38 सीट पर वोट डाले जाएंगे। 23 नवंबर को काउंटिंग होगी और नतीजे आएंगे। राज्य गठन के बाद झारखंड में पहली बार विधानसभा का चुनाव दो चरण में हो रहा है। राज्य गठन के बाद अबतक चार बार विधानसभा चुनाव हुए हैं। इनमें तीन बार पांच चरण में और एक बार तीन चरण में वोट डाले गए थे। इस बार दो चरण में ही 81 विधानसभा सीटों पर मतदान होने से क्या अतिरिक्त प्रभाव पड़ेंगे, वो मतदान के बाद ही सामने आएगा। लेकिन, यदि लोकसभा की तुलना में विधानसभा चुनाव में और अधिक मतदान हुए, तो हो संभव है कि स्पष्ट जनादेश मिल जाए अन्यथा आंकड़ों पर गौर करें तो कम वोट पड़ने पर त्रिशंकु विधानसभा बनने का ज्यादा चांस रहता है। राज्य गठन के बाद वर्ष 2005 में पहला विधानसभा चुनाव तीन चरण में हुआ था। उसके बाद से वर्ष 2009, 2014 और 2019 में हुए विधानसभा चुनाव 5 चरणों में हुए थे। 2014 और 2019 में पांच चरणों में चुनाव के बाद भाजपा और झामुमो गठबंधन की बहुमत की सरकार बनी थी। वर्ष 2009 में हुए विधानसभा चुनाव में त्रिशंकु विधानसभा बनी थी। जिसके बाद पहली बार झामुमो और भाजपा ने मिलकर सरकार बनाई थी। राज्य बनने के बाद वर्ष 2004 में पहली बार विधानसभा चुनाव हुआ था।

इसमें 57.03% मतदान हुआ था, जो उसे कुछ माह पहले हुए लोकसभा चुनाव से 1.34 % अधिक था। मोटे तौर पर लोकसभा चुनाव की तुलना में विधानसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत अधिक होता रहा है। केवल 2014 और 2019 के चुनाव में मतदान प्रतिशत 63 से अधिक था।

छत्तीसगढ़ में 50 प्रतिशत हुआ महंगाई भत्ता, 4% बढ़ा

3 लाख सरकारी कर्मचारियों को मिलेगा लाभ मंत्रालय में साय कैबिनेट की मीटिंग

रायपुर, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सरकारी कर्मचारियों को साय सरकार ने दिवाली का तोहफा दिया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव ने महंगाई भत्ता 46 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने की घोषणा की है। फिलहाल नवा रायपुर स्थिति महानदी भवन में साय कैबिनेट की बैठक चल रही है। महंगाई भत्ता 1 अक्टूबर से राज्य के सभी कर्मचारियों को मिलेगा। प्रदेश में 3 लाख से ज्यादा सरकारी कर्मचारी काम करते हैं। कैबिनेट मीटिंग में धान-मक्का खरीदी, राज्योत्सव और नक्सल नीति समेत कई मुद्दों पर चर्चा हो सकती है।

शिक्षक संघर्ष मोर्चा के मुताबिक 4% डीए बढ़ाने से शिक्षक और कर्मचारियों को आधी खुशी मिली है। दिवाली से पहले सरकार के इस कदम का स्वागत करते हैं, लेकिन इसे 1 जनवरी 2024 से दिया जाना था। मोर्चा के मुताबिक 5 वर्षों के देय तिथि से महंगाई भत्ता की एरियर्स राशि के संबंध में अभी तक कोई नया निर्देश नहीं हुआ है, जिसके कारण कर्मचारी नाखुश हैं।

शिक्षक मोर्चा ने बताया कि पूर्व सेवा गणना मिशन के तहत मोदी की गारंटी को लागू करने की मांग लेकर उनकी हड़ताल जारी रहेगी। इस पर फैसला नहीं लेने पर शिक्षक 24 अक्टूबर को सामूहिक अवकाश लेकर हड़ताल करेंगे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक हो रही है। बैठक में धान-मक्का खरीदी, राज्योत्सव के आयोजन को लेकर चर्चा होगी। माना जा रहा है कि बैठक में नई नक्सल नीति, औद्योगिक नीति पर भी चर्चा हो सकती है। राज्य सरकार कुछ नए फैसले जनता के बीच पेश कर सकती है। बताया जा रहा है कि बैठक के बाद सरकार धान खरीदी की तारीख का ऐलान भी कर सकती है। मीटिंग नया रायपुर स्थित मंत्रालय में रखी गई है। जहां कैबिनेट के सभी मंत्री मौजूद हैं। इसके कुछ दिन पहले ही 15 नवंबर से धान खरीदी शुरू करने का प्रस्ताव कैबिनेट की उप समिति ने भेजा था। खाद्य मंत्री दयाल बघेल की अध्यक्षता में बैठक में की गई। इस मीटिंग खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी और कस्टम मिलिंग की नीति की समीक्षा की गई थी। इस साल 160 लाख मीट्रिक धान खरीदने का अनुमान रखा गया है। बैठक धान खरीदी 15 नवंबर से शुरू किए जाने पर बात हुई। मंत्रियों ने कहा कि राज्य मंत्री परिषद की बैठक में ही इसका अंतिम निर्णय लिया जाएगा। आज इस पर सरकार फैसला स्पष्ट करेगी। कांग्रेस इसका विरोध कर रही है। 1 नवंबर से धान खरीदी शुरू करने की मांग कर रही है।

झारखंड में आज 7 जिलों में बारिश के आसार

आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका, 19 अक्टूबर से बढ़ेगी ठंड

रांची, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। रांची सहित राज्य के अलग-अलग हिस्से में अगले दो दिन तक हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है। इसके बाद मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। 19 अक्टूबर से आसमान साफ होने की उम्मीद है। इसके बाद न्यूनतम तापमान में गिरावट आएगी। इस गिरावट की वजह से सुबह और शाम ठंड महसूस होने लगेगी। मौसम विभाग के अनुसार, आज कुछ जिले जैसे रांची, गुमला, खूंटी, सरायकेला खरसावां, पश्चिमी व पूर्वी सिंहभूम और लोहरदगा में हल्की बारिश की संभावना है। इस दौरान आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका जताई गई है। इधर मंगलवार की दोपहर हल्के दर्जे की बारिश रांची और आसपास के क्षेत्र में हुई है। मौसम विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक राजधानी रांची में छह मिमी के आसपास बारिश हुई। जमशेदपुर में भी दो मिमी के आसपास बारिश हुई। बीते 24 घंटे में सबसे अधिक बारिश 16.2 मिमी चास (बोकारो) में रिकॉर्ड की गई। सबसे अधिक तापमान 35.1 डिग्री सेल्सियस सरायकेला में, जबकि सबसे कम तापमान 21.6 डिग्री सेल्सियस मौसम केंद्र रांची में दर्ज किया गया। वहीं, आज के संभावित तापमान की बात करें तो देवघर, धनबाद, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़ व साहिबगंज में अधिकतम 33 व न्यूनतम 24 डिग्री, कोडरमा, चतरा, गढ़वा, लातेहार, लोहरदगा, पलामू में अधिकतम 33 डिग्री व न्यूनतम 23 डिग्री रहने वाला है। वहीं बोकारो, रामगढ़, हजारीबाग, रांची, खूंटी, गुमला में अधिकतम 31 डिग्री व न्यूनतम 21 डिग्री, पूर्वी व पश्चिम सिंहभूम, सरायकेला खरसावां व सिमडेगा में अधिकतम 33 व न्यूनतम 24 डिग्री तापमान दर्ज किया जा सकता है।

कर्मचारियों को बिना काम किए मिलेगी 150 दिन की सैलरी

छत्तीसगढ़ में 2025 के लिए छुट्टियों का ऐलान, अप्रैल में लगातार 5 दिन अवकाश

रायपुर, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ सरकार ने नए साल यानी 2025 के लिए छुट्टियों की घोषणा कर दी है। इनमें 25 सामान्य और 55 ऐच्छिक अवकाश (ऑप्शनल लीव) शामिल हैं। सरकारी कर्मचारियों को बिना काम 150 से अधिक दिनों का वेतन मिलेगा। 365 में से करीब 200 दिन ही काम करने होंगे। इनमें कर्मचारियों को मिलने वाले 52 शनिवार, 52 रविवार का अवकाश, 25 सामान्य अवकाश, 3 ऐच्छिक अवकाश, 52-52 शनिवार-रविवार, 13 सीएल, 30 अर्जित अवकाश शामिल हैं। अप्रैल में एक दिन का ऐच्छिक अवकाश मिलाकर लगातार पांच दिन की छुट्टी है।

इस बार कर्मचारियों को 9 छुट्टी कम मिलेगी। रविवार पड़ने के कारण 3 सार्वजनिक और 6 ऐच्छिक अवकाश को सूची में शामिल नहीं किया गया है। वहीं 55 ऐच्छिक अवकाश में कर्मचारी केवल तीन दिन की छुट्टी ले सकते हैं। गणतंत्र दिवस, रामनवमी, मोहर्रम, महर्षि दयानंद सरस्वती जयंती, भाई-दूज (होली), गुड़ी-पड़वा-चैतीचंद, बैशाखी, पितृ-मोक्ष अमावस्या और दीपावली रविवार के दिन होने की वजह से अलग से छुट्टी की सूची में इसे शामिल नहीं किया गया है। अप्रैल में सरकारी कर्मचारी अपने परिवार के साथ सैर सपाटे के लिए जा सकते हैं। 5 दिन का वीकेंड अप्रैल में पड़ रहा है। 10 अप्रैल गुरुवार को महावीर जयंती, 11 अप्रैल शुक्रवार को हाटकेश्वर जयंती, 12 अप्रैल शनिवार को धरती पूजा, 13 अप्रैल रविवार को ऐच्छिक अवकाश है। इसके साथ ही 14 सोमवार को डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती है। अप्रैल में 4 शनिवार और 4 रविवार पड़ रहे हैं।

ट्रेलर की चपेट में आकर स्कूटी सवार युवक की मौत

रायगढ़, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। रायगढ़ जिले में ट्रेलर की चपेट में आकर स्कूटी सवार एक युवक की मौत हो गई। परिजनों की रिपोर्ट के बाद पुलिस ने आरोपी वाहन चालके खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले को जांच में ले लिया है। जेल पारा निवासी महिला लता ने बताया कि वह आटा रिक्शा चलाती है और उसका पति गिरधर देवांगन बैनर पोस्टर लगाने का काम करता है। 14 अक्तूबर की सुबह उसका पति कोरबा जा रहा हूं कहकर स्कूटी क्रमांक सीजी 13 एक्यू 4398 से निकला था इसी बीच रात करीब 9 बजे के आसपास फोन कर बताया था कि वह घर लौट रहा था लेकिन देर रात तक वापस घर नही लौटा।

किरोड़ीमल नगर पंचायत के सीएमओ रिश्वत लेते पकड़े गए

काम के एवज में मांगे थे 10 हजार रुपये

रायगढ़, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में बिलासपुर से आई एसीबी की टीम ने मंगलवार की शाम किरोड़ीमल नगर पंचायत के सीएमओ रामायण पांडेय को 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ पकड़ा है। इस मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। मिली जानकारी के मुताबिक, वरूण सिंह निवासी आजाद चैक, किरोडीमल ने एंटी करप्शन ब्यूरो बिलासपुर में शिकायत की थी। जिसमें उसने बताया कि अपनी कंपनी एमएस भवानी ट्रेडर्स के लाइसेंस के लिए कार्यालय नगर पंचायत, किरोडीमल में आवेदन किया था। जिसका लाइसेंस देने के एवज में आरोपी रामायण प्रसाद पांडेय, प्रभारी सीएमओ किरोड़ीमल ने 20 हजार रुपये की मांग की थी।

2019 की हार को जीत में बदलने के लिए एनडीए की जबरदस्त तैयारी

रांची, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा चुनाव की तमाम तैयारियां हो चुकी हैं। भारत निर्वाचन आयोग की ओर से तारीखों का ऐलान भी कर दिया गया। चुनाव को लेकर राजनीतिक पार्टियां ने भी पूरी तैयारी कर ली है। एनडीए ने 2019 की कमियां दूर करते हुए इस बार हर हाल में किला फतह करने की योजना बनाई है तो सत्ताधारी इंडिया ब्लाक ने भी जीत दोहराने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी है। पिछली बार छह नवंबर से 26 नवंबर तक पांच चरणों में चुनाव हुए थे।

झारखंड में वैसे तो कई अन्य क्षेत्रीय दल भी ताल ठोंक रहे हैं, लेकिन मुख्य मुकाबला दो गठबंधनों- एनडीए और इंडिया ब्लॉक के बीच ही होना है। एनडीए में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ आजसू और जेडीयू के उम्मीदवार ताल ठोंकेंगे। इंडिया ब्लॉक में झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के साथ कांग्रेस, आरजेडी और सीपीआई (एमएल) के उम्मीदवार उतरेंगे।

पिछली बार एनडीए में अकेले बीजेपी थी तो तत्कालीन महागठबंधन (अब इंडिया ब्लॉक) में जेएमएम, कांग्रेस और आरजेडी शामिले थे। जेडीयू ने चुनाव ही नहीं लड़ा था, जबकि आजसू पार्टी ने अपने दम पर चुनाव लड़ा था। हालांकि आजसू और भाजपा को तालमेल उसी साल हुए लोकसभा चुनाव तक कायम था। विधानसभा चुनाव में सीटों को लेकर आजसू अलग हो गया था। भाजपा ने इस बार अपने सहयोगियों का न सिर्फ ख्याल रखा है, बल्कि सहयोगी भी मैदान मारने के लिए तालमेल बनाए हुए हैं। एनडीए में सीट बंटवारे का अभी तक औपचारिक ऐलान तो नहीं हुआ है, लेकिन सीटों पर साथियों में सहमति बन चुकी है। आजसू को 10 सीटें मिली हैं और जेडीयू को दो सीटें दी गई हैं।

चिराग पासवान के नेतृत्व वाले लोजपा (आर) के लिए एनडीए ने एक सीट का प्रोविजन किया है। अगर चिराग इस पर मान जाते हैं तो आजसू की एक सीट कम हो सकती है। जीतन राम मांझी की हम पार्टी भी झारखंड में चुनाव लड़ना चाहती थी, लेकिन उसके हाथ खाली रह गए। एनडीए ने उसके लिए कोई सीट नहीं छोड़ी है। एनडीए में सीटों और उम्मीदवार का ऐलान गुरुवार तक हो जाने क उम्मीद है। दूसरी ओर इंडिया ब्लाक में अभी तक सीटों का बंटवारा नहीं हो पाया है। अभी तक बातचीत ही चल रही है।

सीरियल किलर, पत्थर से कुचलकर करता है मर्डर

सेम पैटर्न में की तीसरी हत्या, सबसे पहले पत्नी को मारा, ड्रग्स का करता है कारोबार

बिलासपुर, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में पुलिस ने एक सीरियल किलर को पकड़ा है। आरोपी 17 साल पहले अपनी पत्नी की हत्या की, फिर अब 2 साल के अंदर में सेम पैटर्न में 2 लोगों को मार डाला। बताया जा रहा है कि आरोपी हथियार का उपयोग नहीं करता। पत्थर से सिर कुचलता है। इस बार तीन लोगों ने मिलकर एक युवक को मारा है। मामला सरकंडा थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक आरोपियों ने सरकंडा क्षेत्र के लिंगियाडीह दुर्गा मंदिर के पास रहने वाले सत्यनारायण की हत्या की है। सत्यनारायण प्रधान ई-रिक्शा चलाता था। अपने परिवार से अलग किराए के मकान में रहता था। मंगलवार की सुबह चिंगराजपारा स्थित स्वामी आत्मानंद स्कूल में उसकी खून से

लथपथ लाश मिली थी।

बिलासपुर में ई-रिक्शा चालक की हत्या केस की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया है। ई-रिक्शा से ठोकर लगने पर बदमाशों से विवाद हो गया। इस दौरान बदमाशों ने पत्थर से सिर कुचलकर हत्या की थी। वारदात में शामिल एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है, वहीं 2 अन्य लोग फरार हैं। पुलिस की जांच में पता चला कि सत्यनारायण का चिंगराजपारा में रहने वाले प्रदीप सिंह ठाकुर (36) से विवाद हुआ था। इस पर पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की। प्रदीप अपने घर से गायब था, जिस पर पुलिस का शक गहरा गया। इसी बीच पता चला कि वह शहर से भागने के फिराक में है। जवानों ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। आरोपी प्रदीप ठाकुर ने पूछताछ में बताया कि अपने दोस्त रिंकू साहू और अजय श्रीवास के साथ मिलकर सत्यनारायण की पिटाई की। वह भागते हुए आत्मानंद स्कूल के पास पहुंच गया। वहां भी उसको पीटे। वह भाग नहीं पा रहा था। इसके बाद पत्थर उठाकर उसके सिर पर पटक दिया। उसे कुचलकर मार डाला। आरोपी प्रदीप करीब 2 साल पहले चिंगराजपारा में ही कोंदा नाम के एक युवक की हत्या की थी। मामूली विवाद में आरोपी ने सेम पैटर्न में हत्या की थी। इसकी भी पत्थर से सिर कुचला था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया था। अभी वह जमानत पर था। इससे पहले भी आरोपी हत्या की कोशिश में गिरफ्तार किया गया था। बताया जा रहा है कि आरोपी प्रदीप मोहल्ले में नशे (ड्रग्स) का सामान बेचता है।

क्लेम में आनाकानी करने पर बीमा कंपनी दोषी करार

ब्याज सहित चुकाने होंगे 20 लाख रुपये

रायगढ़, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी की स्थानीय शाखा से मकान का बीमा कराने के बाद बीमित अवधि में आगजनी से मकान को क्षति पहुंचने की स्थिति में बीमा कंपनी के द्वारा बीमा राशि का भुगतान करने में आनाकानी करने के मामले में उपभोक्ता फोरम ने बीमा कंपनी को दोषी करार देते हुए बीमा धारक को 20 लाख रुपये से अधिक का मय ब्याज भुगतान करने का आदेश पारित किया है।

आवेदक डॉ सरोज कुमार निवासी दिनदयाल पुरम फेस 1 छोटे अतरमुडा के स्वामित्व की भूमि ग्राम अतरमुड़ा पटवारी हल्का नंबर-13. तहसील व जिला रायगढ़ में भूमि है, भूमि पर आवेदक द्वारा ऋण सुविधा प्राप्त कर 2004 में मकान का निर्माण कराया गया। मकान की सुरक्षा के लिए अनावेदक कार्यालय से 30 नवंबर 2014 को विधिवत प्रीमियम अदा कर बीमा कराया गया जोकि 29 नवंबर से 28 नवंबर 2024 के लिये वैध है। जिसका पॉलिसी नंबर 0000000002307235 है। 25 अप्रैल 2021 को मकान में सिलेंडर में अचानक आग लग जाने से हुए विस्फोट के कारण पुरा मकान क्षतिग्रस्त हो गया और मकान में रखा अन्य समान भी पूरी तरह जलकर राख हो गया।

करोड़ों की सरकारी-जमीन 54 टुकड़ों में बेची, एफआईआर

बिलासपुर में 2 डिप्टी रजिस्ट्रार ने की नजूल की जमीन की रजिस्ट्री, निलंबन की अनुशंसा

बिलासपुर, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिलासपुर में सरकारी जमीन की हेराफेरी कर बंदरबाट मामले में जिला प्रशासन ने सख्ती दिखाई है। आवासीय उपयोग के लिए करोड़ों रुपए कीमती नजूल भूमि को लीज धारक ने बिल्डर के साथ मिलकर 54 टुकड़ों में बेच दिया। सरकारी नियमों को दरकिनार कर रजिस्ट्री कार्यालय के दो डिप्टी रजिस्ट्रार ने जमीन की रजिस्ट्री भी कर दी।

जांच में गड़बड़ी सामने आने पर अब नजूल विभाग की तहसीलदार ने लीजधारक और बिल्डर के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कराया है। वहीं, कलेक्टर ने दोनों तत्कालीन डिप्टी रजिस्ट्रार लक्ष्मी पांडेय और वीएस मिंज को निलंबित करने अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की अनुशंसा की है। दरअसल, सिविल लाइन क्षेत्र के चांटापारा निवासी भूपेंद्र राव तामस्कर पिता स्वर्गीय कृष्ण राव तामस्कर शहर के बीच स्थित कुदुदंड में 2 एकड़ 13 डिसमिल नजूल की जमीन को लीज पर लिया था। साल 2015 में लीज की अवधि खत्म होने पर आवेदन पेश कर 30 साल यानी मार्च 2045 तक बढ़वा दिया। आवासीय उपयोग के लिए नजूल की जमीन को लीज पर दी गई थी, लेकिन भूपेंद्र राव ने नगर निगम की अनुमति के बिना और टाउन एंड कंट्री प्लानिंग से ले-आउट पास कराए बगैर ही जमीन को 54 टुकड़ों में अलग-अलग लोगों को बेच दिया। खास बात यह है कि पंजीयन कार्यालय के 2 डिप्टी रजिस्ट्रार ने सरकारी जमीन की रजिस्ट्री भी कर दी। नजूल की करोड़ों की जमीन बेचने का मामला सामने आने के बाद कलेक्टर अवनीश शरण ने जांच के लिए कमेटी बनाई। इसमें संयुक्त कलेक्टर मनीष साहू की अध्यक्षता में 5 सदस्यीय टीम ने इसकी जांच की। जांच रिपोर्ट में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए, जिसके बाद कलेक्टर ने इस मामले में धोखाधड़ी करने वाले लीज धारक भूपेंद्र राव तामस्कर और बिल्डर राजेश अग्रवाल पर केस दर्ज कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर अवनीश शरण ने जांच रिपोर्ट के आधार पर नजूल अधिकारी को पत्र लिखकर नामांतरण पुनर्विलोकन करने से लेकर निरस्त करने के साथ ही रजिस्ट्री शून्य कराने के लिए आदेशित किया है। कलेक्टर ने नगर निगम को भी पत्र लिखकर कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

साथ ही पंजीयन विभाग को पत्र लिखकर उक्त जमीन का पंजीयन करने वाले तत्कालीन पंजीयक व उप पंजीयक की जानकारी लेकर लक्ष्मी पांडेय और वीएस मिंज के निलंबन और अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए शासन को पत्र लिखा गया है। कलेक्टर के निर्देश पर मंगलवार को नजूल तहसीलदार शिल्पा भगत सिविल लाइन थाने पहुंची, जहां उन्होंने आवासीय प्रयोजन के लिए नजूल भूमि की लीज लेकर इसे टुकड़े में बेचने वाले भू-स्वामी भूपेंद्र राव तामस्कर और बिल्डर राजेश अग्रवाल के खिलाफ केस दर्ज कराया है।

शव को खेतों से श्मशान घाट ले गए परिजन

मुक्तिधाम के रास्ते पर दबंगों का कब्जा अफसर बोले- रोड सैंक्शन होगी तो बना देंगे

खैरागढ़, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले में अतिक्रमण की वजह से एक शव यात्रा को खेतों से गुजरना पड़ा। मामला लालपुर ग्राम पंचायत का है। इसका वीडियो भी वायरल हो रहा है। इसमें श्मशान घाट तक जाने के लिए लोगों को रोड की जगह पगडंडियों का सहारा लेना पड़ा। जानकारी के मुताबिक, लालपुर गांव की जनसंख्या एक हजार से ज्यादा है। लगभग साढ़े आठ सौ मतदाता हैं लेकिन प्रशासनिक लापरवाही और अतिक्रमण के चलते श्मशान घाट के लिए भी रास्ता नहीं बचा है। जहां रोड होना चाहिए वहां गांव के ही दबंग लोगों ने खेत बना दिया है। वहीं शिकायत पर अधिकारियों का कहना है कि रोड सैंक्शन होते ही इसे बनाया जाएगा।

लोगों का कहना है कि, अतिक्रमणकारी श्मशान घाट जाने वाले रास्ते में कब्जा कर वहां खेती कर रहे हैं। इसके लिए पहले भी कलेक्ट्रेट में ज्ञापन दिया गया है। लंबे समय से प्रशासन से अतिक्रमण हटाने और सड़क बनाने की मांग की जा रही है। इसके अलावा श्मशान घाट के लिए टिन सेट की भी मांग की गई है लेकिन अभी तक कोई स्वीकृति नहीं मिली है। इस मामले में जनपद पंचायत छुईखदान सीईओ रवि कुमार से बात की गई। उनका कहना है कि, इसकी फाइल बनी है या नहीं उसे देखना होगा।

भारत-कनाडा विवाद में अमेरिका बोला- भारत सहयोग नहीं कर रहा

जांच में मदद करे, ट्रूडो का आरोप- निज्जर की हत्या में भारतीय अफसर शामिल

वॉशिंगटन, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। खालिस्तान समर्थक हरदीप सिंह निज्जर मामले को लेकर भारत-कनाडा में विवाद के बीच अब अमेरिका का भी बयान आया है। अमेरिका ने भारत पर जांच में सहयोग नहीं करने का आरोप लगाया है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने मंगलवार को कहा- भारत पर लगाए गए आरोप बेहद गंभीर हैं। हम चाहते हैं कि भारत सरकार कनाडा के साथ जांच में मदद करे। भारत ने अब तक ऐसा नहीं किया है। इससे पहले कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने सोमवार को दावा किया था कि भारतीय सरकार के अधिकारी निज्जर की हत्या में शामिल थे। ये पहली बार नहीं है जब भारत और कनाडा के बीच तनाव पर अमेरिका ने टिप्पणी की है। पिछले साल सितंबर महीने में कनाडाई पीएम ट्रूडो ने संसद में भारत पर निज्जर की हत्या में शामिल होने के आरोप लगाए थे। तब भी अमेरिका ने भारत से जांच में सहयोग करने की बात कही थी।

बीच क्या-क्या हुआ?

13 अक्टूबर: कनाडा ने भारत को एक चिट्ठी भेजी। इसमें कहा कि भारतीय हाई-कमिश्नर संजय कुमार वर्मा और दूसरे डिप्लोमैट्स एक मामले में संदिग्ध हैं। कनाडा ने मामले की जानकारी नहीं दी, पर इसे निज्जर मामले से जोड़कर देखा गया।

14 अक्टूबर: भारत ने अपने डिप्लोटमैट्स को संदिग्ध बताए जाने पर विरोध जताया और कनाडा के राजदूत को तलब किया। कुछ ही घंटों बाद भारत ने संजय कुमार वर्मा और दूसरे डिप्लोमेट्स को वापस बुला लिया। देर रात खबर आई की कनाडा ने भी भारत से अपने 6 राजदूतों को वापस आने का आदेश दिया है।

15 अक्टूबर: कनाडा के प्रधानमंत्री ने निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंट्स के सीधे तौर पर शामिल होने का आरोप लगाया।

अमेरिकी मीडिया हाउस वॉशिंगटन पोस्ट ने दावा किया है कि गृह मंत्री अमित शाह और रॉ एजेंसी ने मिलकर कनाडा में खुफिया जानकारी इsकट्ठा करने और खालिस्तानी आतंकियों पर हमले की इजाजत दी थी।

वॉशिंगटन पोस्ट ने एक कनाडाई अधिकारी के हवाले से बताया कि भारतीय डिप्लोमैट्स कई लोगों पर कनाडा जाने की इजाजत के बदले खुफिया जानकारी देने का दबाव बनाते थे। इस काम का नेतृत्व कनाडा में भारत के हाई कमिश्नर संजय वर्मा करते थे। रिपोर्ट के मुताबिक 12 अक्टूबर को कनाडा के एनएसए ने भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को एक मीटिंग में इसकी जानकारी भी दी थी। कनाडाई पुलिस के कमिश्नर माइक दुहेमे ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस किया था। इसमें उन्होंने कहा था कि कनाडा में भारतीय राजनयिक और अधिकारियों ने अपने पद का गलत इस्तेमाल कर गुप्त तरीके से भारत सरकार के लिए जानकारियां जुटाई हैं। इसके लिए भारतीय अधिकारियों ने एजेंट्स का इस्तेमाल किया। इनमें से कुछ एजेंट्स को भारत सरकार के साथ काम करने के लिए धमकाया गया और उन पर दबाव बनाया गया। उन्होंने बताया कि भारत ने जो जानकारी जुटाई, उसका इस्तेमाल दक्षिण एशियाई लोगों को निशाना बनाने के लिए किया जाता है। हमने भारत सरकार के अधिकारियों को इसके सबूत दिए थे और उनसे हिंसा को रोकने और सहयोग करने की अपील की थी।' 18 जून 2023 की शाम को कनाडा के सरे शहर के एक गुरुद्वारे से निकलते समय निज्जर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। कनाडा के प्रधानमंत्री ट्रूडो ने पिछले साल 18 सितंबर को भारत सरकार पर निज्जर की हत्या में शामिल होने का आरोप लगाया था, जिसे भारत ने खारिज किया था।

फ्यूल टैंकर में हुआ भयानक विस्फोट, 94 लोगों की मौत

अबुजा, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। नाइजीरिया में एक फ्यूल टैंकर बीच रास्ते में ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसके बाद उसमें से तेल चुराने के लिए लोगों का हुजूम इकट्ठा हो गया था। लोग बड़ी संख्या में टैंकर से तेल निकालने लगे, तभी उस तेल टैंकर में एक बड़ा धमाका हो गया। इस धमाके में 94 लोगों की मौत हो गई। यह घटना उत्तरी नाइजीरिया के जिगावा राज्य की है। घायलों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि ये हादसा पेट्रोल टैंकर के पलट जाने की वजह से हुआ। विस्फोट होने से 90 से अधिक लोगों की मौत हो गई और 50 अन्य घायल हो गए। यह घटना उस समय हुई जब दर्जनों लोग ईंधन लेने के लिए वाहन की ओर दौड़े थे। पुलिस प्रवक्ता लॉन एडम ने बताया कि यह विस्फोट मध्य रात्रि के बाद जिगावा राज्य में हुआ ऐसे वक्त हुआ, जब टैंकर चालक ने विश्वविद्यालय के निकट राजमार्ग पर वाहन से अपना नियंत्रण खो दिया। इसके बाद टैंकर पलट गया।

वक्फ बोर्ड मामले में कर्नाटक हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को लगाई फटकार

नोटिस जारी कर मांगा जवाब

बेंगलूरु, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। वक्फ बोर्ड मामले में कर्नाटक हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को लेकर अपना सख्त रुख अपनाया है। जहां सिद्धारमैया सरकार के वक्फ बोर्ड को विवाह प्रमाण पत्र जारी करने की अनुमति देने के फैसले पर सवाल उठाते हुए अदलात ने दायर जनहित याचिका पर नोटिस जारी किया है। बता दें कि कर्नाटक सरकार ने वक्फ बोर्ड को विवाह प्रमाण पत्र जारी करने की अनुमति दे दी थी, जिसके विरोध में हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई। जिसपर सुनवाई के दौरान कर्नाटक हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को फटकार लगाते हुए जवाब मांगा है।

कर्नाटक एचसी ने मांगा जवाब

दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान सरकारी वकिल के तर्क पर मुख्य न्यायाधीश एनवी अंजारिया और न्यायमूर्ति केवी अरविंद की पीठ ने कहा कि वक्फ बोर्ड के पास विवाह प्रमाण पत्र जारी करने का कोई कार्य नहीं है। जानकारी के अनुसार अदालत में वकिल ने तर्क दिया था कि बोर्ड को केवल विवाह प्रमाण पत्र जारी करने का अधिकार दिया गया है। बता दें कि पीठ ने इस मामले में राज्य सरकार से 12 नवंबर से पहले पहले जवाब मांगा है।

कर्नाटक हाईकोर्ट में दायर जनहित याचिका में की गई मांग की बात करें तो, याचिकाकर्ता ने मांग की है कि अल्पसंख्यक, वक्फ एवं हज विभाग के अवर सचिव द्वारा जारी 30 सितंबर 2024 के सरकारी आदेश को वक्फ अधिनियम, 1995 में कानून के विपरीत और असंगत घोषित किया जाने की मांग की गई है और इसलिए कर्नाटक सरकार के इस फैसले को अधिनियम के विरुद्ध घोषित किया जाए।

इमरान खान की पूर्व पत्नी जेमिमा को मिल रहीं दुष्कर्म की धमकियां

पीएमएनएल सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

इस्लामाबाद, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व पीएम और पीटीआई प्रमुख इमरान खान की पत्नी जेमिमा गोल्डस्मिथ ने उनकी सेहत को लेकर चिंता जाहिर की है। जेमिमा ने इमरान खान को जेल से रिहा करने, उनके परिवार से बात करने की अनुमति देने की मांग की। जेमिमा गोल्डस्मिथ ने दावा किया कि पाकिस्तान में विरोध को शांत करने के लिए इमरान खान पर कड़े प्रतिबंध लगाए गए हैं। जेमिमा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में ये आरोप ऐसे वक्त लगाए हैं, जब पाकिस्तान में शंघाई सहयोग संगठन की बैठक चल रही है। इमरान खान बीते एक साल से भी ज्यादा समय से रावलपिंडी की अडियाला जेल में बंद हैं और उनके खिलाफ कई मामले चल रहे हैं। एससीओ बैठक के दौरान किसी भी तरह के विरोध प्रदर्शन को रोकने और सुरक्षा कारणों से पंजाब की सरकार ने 7 अक्तूबर से लेकर 18 अक्तूबर तक इमरान खान के किसी से भी मिलने पर रोक लगा दी थी। इस पर नाराजगी जाहिर करते हुए जेमिमा गोल्डस्मिथ ने लिखा कि बीते कुछ वर्षों से पाकिस्तान की सत्ताधारी पार्टी पीएमएलएन के समर्थकों द्वारा उन्हें सोशल मीडिया पर प्रताड़ित किया जा रहा है। उन्हें दुष्कर्म की धमकियां मिल रही हैं।

ब्रिटेन की नागरिक जेमिमा गोल्डस्मिथ ने साल 1995 में इमरान खान से शादी की थी और साल 2004 में दोनों का तलाक हो गया था। दोनों की शादी से दो बेटे हैं, जो ब्रिटेन में रहते हैं। जेमिमा ने जेल में इमरान खान को अलग-थलग करने का आरोप लगाया और दावा किया कि जेल में इमरान की सेल की बिजली बंद कर दी गई है और उन्हें अपनी सेल से बाहर निकलने की भी इजाजत नहीं है। साथ ही उनके रसोइये को भी छुट्टी पर भेज दिया गया है।

भारत के दुश्मन संग रूस का सैन्य अभ्यास

एससीओ समिट के बीच पाक सेना के साथ नजर आए पुतिन के सैनिक

इस्लामाबाद, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान और रूस ने संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू किया है। ये दोनों देशों की सेनाओं के बीच 7वां आतंकवाद विरोधी साझा अभ्यास है। इस ज्वाइंट मिलिट्री एक्सरसाइज को द्रुजबा VII नाम दिया गया है। द्रुजबा का मतलब दोस्ती है और VII इसलिए जोड़ा गया है क्योंकि ये सांतवां साझा अभ्यास है। पाकिस्तान आर्मी की मीडिया और पब्लिक रिलेशन विंग आईएसपीआर ने मंगलवार को इस ज्वाइंड ड्रिल की जानकारी दी है। पाकिस्तान के पाब्बी में ये संयुक्त अभ्यास हो रहा है।

दोनों देशों का ये सैन्य अभ्यास ऐसे समय हो रहा है, जब राजधानी इस्लामाबाद में एससीओ समिट चल रही है। दो दिवसीय एससीओ समिट मंगलवार को शुरू हुई है। समिट में शामिल होने के लिए कई बड़े नेता इस्लामाबाद में हैं, इनमें भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर भी शामिल हैं। जयशंकर मंगलवार शाम को ही पाकिस्तान पहुंचे हैं।

आईएसपीआर की ओर से मंगलवार को जारी बयान में कहा गया है कि रूस और पाकिस्तान की सेना के इस साझा अभ्यास का उद्देश्य मित्र देशों के बीच ऐतिहासिक सैन्य संबंधों का इस्तेमाल करने के साथ ही संयुक्त प्रशिक्षण के जरिए पेशेवर कौशल को निखारना है। केपी के पाब्बी में ये अभ्यास अगले दो हफ्ते तक चलेगा।

आईएसपीआर ने जानकारी दी है कि दो सप्ताह तक चलने वाला यह अभ्यास 13 अक्टूबर को राष्ट्रीय आतंकवाद-रोधी केंद्र, पाब्बी में शुरू हुआ, जिसमें पाकिस्तान सेना के लाइट कमांडो ट्रूप्स और रूसी सैन्य दल की भागीदारी थी। इससे पहला सैन्य अभ्यास द्रुजबा-VI तीन साल पहले 2021 में रूस के मोल्किनो ट्रग क्षेत्र में आयोजित किया गया था।

रूस-पाक में बेहतर हो रहे हैं संबंध

बयान में कहा गया है कि पाकिस्तानी सशस्त्र बल नियमित रूप से युद्ध की तैयारी बढ़ाने, प्रशिक्षण और वर्तमान सैन्य सिद्धांत में समस्याओं की पहचान करने के लिए दूसरे देशों के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास करते हैं। ये भी इसी कड़ी का एक हिस्सा है।

छात्रा से रेप के बाद भड़के छात्र

पूरे पंजाब में फैला आक्रोश, हर जगह मचा बवाल

लाहौर, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। एक तरफ जहां पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में एससीओ समिट के लिए तमाम देशों के नेता पहुंचे हैं तो वहीं दूसरी तरफ लाहौर में छात्र सड़कों पर उतर आए हैं। छात्र पाकिस्तान के लाहौर कॉलेज में छात्रा से कथित रेप की घटना का विरोध कर रहे हैं। मंगलवार को बड़ी संख्या में छात्रों ने पंजाब प्रांत की नेशनल असेंबली के बाहर विरोध-प्रदर्शन किया। छात्रों ने कॉलेज में छात्रा से रेप , पंजाब महिला कॉलेज में उत्पीड़न की घटना और हाल ही में छात्राओं के खिलाफ हुई हिंसा की जांच के लिए समिति के गठन की मांग की है। छात्रों का कहना है कि समिति में स्वतंत्र मानवाधिकार निकायों के सदस्य, छात्र प्रतिनिधि और न्यायाधीश शामिल हों। लाहौर के कॉलेज में छात्रा से रेप की घटना के खिलाफ छात्रों का आंदोलन पंजाब प्रांत के अन्य शहरों में भी फैल गया है। घटना को लेकर पंजाब प्रांत के मुल्तान, वेहारी, जफरवाल, जहानिया और फैसलाबाद शहर में बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन हुए हैं। विरोध-प्रदर्शन तब शुरू हुए जब जब सोशल मीडिया पर खबरें आईं कि लाहौर के गुलबर्ग गर्ल्स कॉलेज की एक छात्रा के साथ संस्थान के 'बेसमेंट' में एक सुरक्षा गार्ड ने कथित तौर पर रेप किया है। पुलिस ने दावा किया कि संदिग्ध उसकी हिरासत में है, लेकिन उसने पूछताछ के दौरान सभी आरोपों से इनकार किया है।

पंजाब प्रांत की सूचना मंत्री उज्मा बुखारी ने दावा किया कि किसी भी कॉलेज के परिसर में रेप की कोई घटना नहीं हुई है। बुखारी ने कहा, "लाहौर और पंजाब को "कॉलेज परिसर में रेप की घटना की झूठी खबर फैलाकर" निशाना बनाया जा रहा है।" इस बीच लाहौर में प्रोग्रेसिव स्टूडेंट्स कलेक्टिव के बैनर तले आयोजित रैली में शहर के विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्रों ने हिस्सा लिया। छात्रों ने मांग की, "उत्पीड़न विरोधी कानूनों और प्रक्रियाओं के बारे में जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए।

दो अरब महिलाएं सामाजिक सुरक्षा व कल्याण योजनाओं के दायरे से बाहर

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में दावा

न्यूयार्क, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र ने एक चौंकाने वाली रिपोर्ट पेश की है। इसमें दावा किया गया है कि विश्वभर में दो अरब से अधिक महिलाओं व लड़कियों को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा है। महिला सशक्तिकरण मामलों के लिए यूएन संस्था (यून वूमन) ने 17 अक्तूबर को 'अंतरराष्ट्रीय निर्धनता उन्मूलन दिवस' से ठीक पहले प्रकाशित एक नई रिपोर्ट में ये निष्कर्ष साझा किए।

रिपोर्ट के अनुसार, साल 2015 के बाद से अब तक महिलाओं को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने के लिए किए जा रहे प्रयासों में कुछ सफलता मिली है। मगर अधिकांश विकासशील देशों में इसकी कवरेज की खाई चौड़ी होती जा रही है। ऐसी योजनाओं का लाभ गैर-आनुपातिक ढंग से पुरुषों को मिल रहा है, जिससे लैंगिक समानता पर केंद्रित पांचवें टिकाऊ विकास लक्ष्य को पूरा करने के प्रयासों पर जोखिम मंडरा रहा है। जीवन के हर चरण व आयु वर्ग में निर्धनता का सामना करने वाले लोगों में महिलाओं व लड़कियों की संख्या सबसे अधिक है। बच्चों का लालन-पोषण करने वाले वर्षों में यह विसंगति सबसे अधिक नजर आती है। 25 से 34 वर्ष आयु वर्ग में, पुरुषों की तुलना में महिलाओं द्वारा अत्यधिक निर्धनता का सामना करने की संभावना 25 फीसदी तक अधिक होती है।

जलवायु परिवर्तन और हिंसक टकराव के कारण यह असमानता बढ़ रही है। स्थायित्वपूर्ण देशों की तुलना में संवेदनशील हालात वाले क्षेत्रों में महिलाओं के अत्यधिक निर्धनता से जूझने की आशंका, साढ़े सात गुना तक अधिक होती है। 2022 के बाद से अब तक मुद्रास्फीति की ऊंची दर के कारण भोजन व ऊर्जा की कीमतों में उछाल आया है, जिसका महिलाओं पर विशेष रूप से असर हुआ है। इसके बावजूद, 171 देशों की सरकारों द्वारा अपनाए गए एक हजार से अधिक सामाजिक सुरक्षा उपायों में, केवल 18 प्रतिशत महिलाओं की आर्थिक सुरक्षा पर लक्षित हैं। संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों के अनुसार, यह सीधे तौर पर दर्शाता है कि अक्सर लैंगिक परिप्रेक्ष्य, विशिष्ट जरूरतों और संवेदनशीलताओं को नजरअंदाज कर दिया जाता है। एक अनुमान के अनुसार, विश्व भर में 63 फीसदी से अधिक महिलाएं मातृत्व योजनाओं के लाभ के बिना ही बच्चों को जन्म दे रही हैं। सब-सहारा अफ्रीका में यह आंकड़ा 94 फीसदी है। मातृत्व अवकाश के दौरान वित्तीय समर्थन का अभाव है, जिससे महिलाएं आर्थिक दृष्टि से एक बड़ी चुनौती को झेलने के लिए मजबूर होती हैं।

प्रत्याशी खर्च कर सकेंगे 40 लाख

रायपुर, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। रायपुर दक्षिण उप चुनाव की घोषणा के साथ ही आज से आचार संहिता लागू हो गई है। चुनाव आयोग ने प्रत्याशी के लिए प्रचार खर्च की सीमा भी तय कर दी है। प्रत्याशी 40 लाख रुपए से ज्यादा नहीं खर्च कर सकेंगे। मतदान के लिए 253 केंद्र बनाए गए हैं। इन केंद्रों के सुरक्षा की जिम्मेदारी में 500 पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाएगा। सुरक्षा की दृष्टि से अस्थाई चौकियां बनाई जाएंगी। इसके अलावा मतदान केंद्रों की लाइव वेबकास्टिंग कराई जाएगी। प्रत्याशी मतदाताओं को लुभा ना सकें और चुनाव प्रभावित ना कर सकें, इसलिए 19 मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं। दक्षिण विधानसभा इलाके में 4 नाका लगाए जाएंगे। यहां से गुजरने वाले लोगों की जांच की जाएगी।

दूसरे राज्यों से आए चुनाव प्रभारियों के लिए भी गाइड लाइन निर्वाचन आयोग ने जारी की है।

उम्मीद करती हूं, वो ठीक होंगे

कमला हैरिस ने डोनाल्ड ट्रंप की मानसिक सेहत को लेकर उठाए सवाल

वॉशिंगटन, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के लिए प्रचार प्रसार अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है। वहीं अभी तक आक्रामक दिखाई दे रहे डोनाल्ड ट्रंप पर लगता है कि चुनाव प्रचार की थकान हावी होने लगी है। यही वजह है कि कमला हैरिस ने डोनाल्ड ट्रंप की सेहत को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। हाल ही में कमला हैरिस ने डोनाल्ड ट्रंप की बढ़ती उम्र को लेकर निशाना साधा था, अब कमला हैरिस की प्रचार टीम ने एक नया वीडियो साझा कर डोनाल्ड ट्रंप की मानसिक सेहत पर भी सवाल उठाए हैं।

दरअसल कमला हैरिस की प्रचार टीम ने सोशल मीडिया पर डोनाल्ड ट्रंप का एक वीडियो साझा किया है। यह वीडियो डोनाल्ड ट्रंप के एक हालिया प्रचार कार्यक्रम का है, जिसमें डोनाल्ड ट्रंप थोड़े खोए-खोए और थके हुए नजर आ रहे हैं। इस वीडियो पर निशाना साधते हुए कमला हैरिस ने ट्रंप की मानसिक सेहत पर सवाल उठाए और लिखा कि 'ट्रंप खोए हुए, असमंजस में और शिथिल नजर आ रहे हैं। उनके कार्यक्रम में 30 मिनट से ज्यादा समय तक गाने बजते रहे और इस दौरान उनके समर्थक रैली स्थल छोड़कर चले गए। उम्मीद करती हूं कि वह ठीक होंगे।'

दरअसल फिलाडेल्फिया में आयोजित एक रैली में ट्रंप अपने समर्थकों के अर्थव्यवस्था पर पूछे गए सवालों के जवाब दे रहे थे। इस दौरान रैली में कुछ मेडिकल इमरजेंसी आई और सवाल जवाब कुछ देर के लिए रोक दिए गए। इस बीच दर्शकों के मनोरंजन के लिए गाने बजने लगे, लेकिन हैरानी तब हुई, जब ये गाने 30 मिनट से ज्यादा समय तक बजते रहे। इस बीच ट्रंप ने कहा कि कौन कम्बख्त सवाल सुनना चाहता है? और इस तरह ट्रंप ने अचानक से सवाल जवाब के सत्र को बीच में ही खत्म कर दिया।

भारत-कनाडा विवाद के बीच ब्रिटेन के पीएम ने ट्रूडो से की बातचीत

कानून व्यवस्था के महत्व पर दिया जोर

लंदन, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत और कनाडा के बीच चल रहे कूटनीतिक विवाद के बीच सोमवार को ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कनाडा के राष्ट्रपति जस्टिन ट्रूडो से फोन पर बातचीत की। जिस दौरान पीएम स्टार्मर ने कानून व्यवस्था के महत्व पर सहमति जताई। हालांकि ब्रिटेन द्वारा जारी आधिकारिक बयान में भारत का जिक्र नहीं है। लेकिन इस बयान में उन आरोपों का जिक्र किया गया है जिसको लेकर कनाडा में जांच चल रही है।

भारत और कनाडा विवाद के बीच ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने सोमवार शाम कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो से बात की। उन्होंने कनाडा में जांच के तहत आरोपों के संबंध में हाल के घटनाक्रमों पर चर्चा की। दोनों ने कानून व्यवस्था के महत्व पर सहमति जताई। बता दें कि ब्रिटेने के पीएम कीर-स्टामर का ये फ सोमवार शाम को यह फोन कॉल ऐसे समय में आया जब भारत ने छह कनाडाई राजनयिकों को निष्कासित कर दिया और कनाडा में अपने उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा को वापस बुला लिया, और ओटावा के आरोपों को बेतुका और वोट बैंक की राजनीति पर केंद्रित राजनीतिक एजेंडे का हिस्सा बताया। वहीं इस मामले में भारतीय विदेश मंत्रालय ने बयान जारी करते हुए कहा कि यह दर्शाया गया है कि उग्रवाद और हिंसा के माहौल में ट्रूडो सरकार की कार्रवाइयों ने उनकी सुरक्षा को खतरे में डाला। हमें उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वर्तमान कनाडाई सरकार की प्रतिबद्धता पर कोई भरोसा नहीं है। इसलिए, भारत सरकार ने उच्चायुक्त और अन्य लक्षित राजनयिकों और अधिकारियों को वापस बुलाने का फैसला किया है। इसके साथ ही बयान में यह भी बताया गया कि भारत के खिलाफ उग्रवाद, हिंसा और अलगाववाद के लिए ट्रूडो सरकार के समर्थन के जवाब में भारत आगे कदम उठाने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

इजरायली सेना ने हफ्तों में पहली बार दक्षिण बेरूत को बनाया निशाना

क्षेत्र खाली करने की दी थी चेतावनी

बेरूत, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजरायल-हमास के बीच जारी संघर्ष में अब हिजबुल्ला भी शामिल हो गया। यह संघर्ष अब गाजा तक सीमित नहीं रहा, यह ईरान और लेबनान तक फैल चुका है। बुधवार को इजरायली सेना (आईडीएफ) ने लेबनान की राजधानी बेरूत में हमले किए। यह हमला सेना द्वारा वहां के निवासियों को बेरूत छोड़ने की चेतावनी देने के कुछ ही घंटों बाद किया गया। पहले हमले के बाद हैरेट रीक में इमारतों से काला धुंआ निकलते हुए देखा गया, जिसके बाद इजरायली सेना के प्रवक्ता अविचाई अद्राई ने लोगों से क्षेत्र खाली करने को कहा। इसके कुछ ही क्षण बाद दूसरा हमला हुआ। इजरायली सेना के प्रवक्ता अविचाई अद्राई ने हमले से पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अरबी में एक पोस्ट लिखा। उन्होंने कहा, आप हिजबुल्ला से संबंधित सुविधाओं और हितों के निकट रह रहे हैं। आईडीएफ भविष्य में इसके खिलाफ काम करेगी। बता दें कि पिछले कुछ दिनों से इजरायली सेना बेरूत में लगातार हमले कर रहे हैं। पिछले महीने लेबनान में इजरायल द्वारा हमले बढ़ाने के बाद से 1,356 लोगों की मौत हो चुकी है। लेबनानी स्वास्थ्य मंत्रालय के आकड़ों के अनुसार, मरने वालों की संख्या और अधिक होने की संभावना है। हाल ही में हिजुबल्ला ने इजरायली नागरिकों से इजरायली सेना के ठिकानों से दूर रहने की सलाह दी थी, जिसके बाद इजरायली सेना ने दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्ला के ठिकानों पर हमला जारी रखते हुए लेबनानी नागरिकों को दक्षिणी क्षेत्र में अपने घरों की तरफ न लौटने की चेतावनी दी थी।

इस हमले के कारण लेबनान के लाखों लोग अपने घरों को छोड़कर विस्थापित जीवन जी रहे हैं। इससे पहले शुक्रवार को इजरायल ने हिजबुल्ला के ठिकानों पर हमला कर उसके दो कमांडर्स को ढेर कर दिया। इजरायल ने लेबनान में अपने मिसाइल हमलों में बेरूत के दाहिया में हिजबुल्ला के कई हथियार डिपो भी तबाह कर दिए हैं।

बांसवाड़ा में गोल्ड माइनिंग के लिए 8000 करोड़ का निवेश

जैसलमेर और सवाई माधोपुर में खुलेंगे 63 नए होटल-रिसोर्ट; 32 हजार युवाओं को मिलेगा रोजगार

बांसवाड़ा, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में बुधवार को राइजिंग राजस्थान के तहत इनवेस्टर मीट हुई। इसमें बांसवाड़ा में गोल्ड माइनिंग के लिए 8 हजार करोड़ रुपए का निवेश आया, जिसके जरिए करीब 6 हजार लोगों को रोजगार भी मिल सकेगा।

जिले में होटल व रिसोर्ट के 65 करोड़ के 8 प्रस्ताव, 680 करोड़ की 3 मैगनीज़ की खदान, मिनरल प्रोसेसिंग के 60 करोड़ के 17 प्रस्ताव, बायोफ्यूल के 40 करोड़ के 4 प्रस्ताव और एग्रो प्रोसेसिंग के 50 करोड़ के 10 प्रस्ताव भी प्राप्त हुए है। 52 उद्योगपतियों से 8 हजार 936.46 करोड़ रुपए के एमओयू साइन किए गए, जिनकी संभावित डेड लाइन 2025-26 तक रखी गई है।

सवाई माधोपुर में मीट में 34 निवेशकों ने एमओयू साइन किए। इनमें से 18 निवेशकों ने होटल और रिसोर्ट खोलने में दिलचस्पी दिखाई है। जैसलमेर में भी 78 में से 45 निवेशकों ने होटल, रिसोर्ट और डेजर्ट कैंप खोलने के लिए एमओयू किया है। वहीं जिले के रामगढ़ में सेरेंटिका रिन्युबल्स इंडिया लिमिटेड ने रामगढ़ में 20 हजार करोड़ रुपए की लागत से एनर्जी पार्क डेवलप करने के लिए भी एमओयू साइन किया।

बांसवाड़ा में इनवेस्टर्स मीट में सबसे बड़ा करार 8 हजार करोड़ का गोल्ड माइंस का रहा। वहीं 3 मैगनीज की माइनिंग के लिए 680 करोड़ का निवेश किया जाएगा। चारों माइंस की नीलामी हो चुकी है और चारों की निवेशक भी एक ही फर्म सैयद ओवेस अली है। फर्म के प्रतिनिधि ओमजी तरड़ ने बताया- गोल्ड माइंस को लेकर कोई विवाद की स्थिति नहीं है। काम शुरू होने में देरी की वजह पर्यावरण, वन विभाग और अरावली क्लीयरैंस है। गोल्ड माइंस में माइनिंग लाइसेंस की एलओई जारी होते ही काम शुरू कर देंगे। चारों माइनिंग शुरू होने पर जिले के करीब 9300 लोगों को रोजगार मिलेगा। 2025 तक चारों माइंस शुरू हो जाएगी।

मीट में लघु उद्योग भारती के सचिव दीनदयाल शर्मा ने कहा- बांसवाड़ा में पर्याप्त खनिज है, पानी है, पावर प्लांट बन रहा है। यहां पिछले सरकार ने 3 इंडस्ट्रियल एरिया की घोषणा की थी, लेकिन यहां सरकारी जमीन नहीं होने के कारण एक भी एरिया डेवलप नहीं हो सका। दानपुर क्षेत्र में पूर्व में थर्मल पावर प्लांट के लिए जमीन अलॉट की थी,अब प्लांट नहीं लग रहा तो उस जमीन को इंडस्ट्रियल एरिया के उपयोग में लिया जा सकता है।

यह ट्राइबल क्षेत्र हैं, यहां विशेष रियायत देने की जरूरत है। यहां पर्यटन को बढ़ाया जा सकता है, लेकिन सुरक्षा के इंतजाम नहीं। त्रिपुरा सुंदरी मंदिर क्षेत्र में बहुत खनिज है, वहां करीब 100 एकड़ जमीन का डाइवर्जन होता है तो यह बड़ा गेम चेंजर होगा। सबसे बड़ी समस्या है कि संभाग बनने के बाद भी जिले में कोई फोर लेन सड़क नहीं, यह दुर्भाग्य है।

डोटासरा बोले-महिला-एसपी की लोकेशन ट्रेस गंभीर

जयपुर, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने महिला एसपी की लोकेशन ट्रेस करने के मामले पर सरकार को निशाने पर लिया है। डोटासरा ने कांग्रेस सरकार बनने पर इस मामले की जांच की बात कही है। डोटासरा ने कहा कि महिला एसपी की उनका स्टाफ ही लोकेशन ट्रेस कर रहा है। उस पर अब तक कोई चर्चा नहीं हो रही है तो फिर कौन सी महिला सुरक्षा का काम कर रहे हैं ?

दरअसल, डोटासरा ने बुधवार को कांग्रेस वार रूम में मीडिया से बातचीत के दौरान महिला एसपी के लोकेशन ट्रेस मामले में पर भी सरकार पर निशाना साधा। वे बोले- मुख्यमंत्री जो गृहमंत्री हैं, वो जांच कराएं। यह बातें अच्छी नहीं है, महिला सशक्तिकरण की बात कर रहे हो और एक आईपीएस अधिकारी की लोकेशन ट्रेस कर रहा है तो यह हमारे लिए पूरे प्रदेश के लिए गंभीर बात है। बाकी वह जाने उनको कार्रवाई करनी नहीं करनी। अभी तो कांग्रेस वालों की जांच करने में लगे हुए हैं। अपनी जांच करने में फुर्सत कहां हैं, उनकी जांच में समय लगेगा तो हम करवाएंगे।

शिक्षा मंत्री मधुमक्खियों से डंक मरवाने बने हैं क्या?

इंग्लिश मीडियम स्कूल में खाली पदों के सवाल पर डोटासरा ने कहा— इंग्लिश मीडियम स्कूलों में खाली पदों को क्यों

हम जांच करवाएंगे, शिक्षा मंत्री मधु मक्खियों से डंक मरवाने बने हैं क्या

नहीं भर रहे। टीचर भर्ती शिक्षा मंत्री करें, आपको केवल मधुमक्खियां के डंक मरवाने के लिए मंत्री बनाया है क्या? आप शिक्षा मंत्री हो?आपकी सरकार है। आपने कहा था इंग्लिश मीडियम बंद करेंगे तो हमने कहा बंद करके दिखा दो। अब भर्ती करना इनका काम है। इनके विभाग में समझ में नहीं आ रहा है तो हमसे पूछ ले जितना हमारा विजन होगा वह बता देंगे।

यू-टर्न सरकार है जो कोई फैसला नहीं कर पा रही है

डोटासरा ने कहा- लोगों की जुबान पर है कि यह सर्कस है जो यू टर्न सरकार बन गई है । यू-टर्न सरकार इसलिए बन गई क्योंकि यह एक भी फैसला लागू नहीं करवा पा रहे हैं। 100 दिन में ट्रांसफर पॉलिसी को लागू करने पर यू टर्न लिया। अंग्रेजी मीडियम को हिंदी मीडियम में कन्वर्ट करने पर यू टर्न लिया।

डोटासरा ने कहा- पेपर लीक देश में हुए,नीट का पेपर लीक हुआ। हमारे समय रीट का पेपर लीक हुआ, दोबारा भर्ती करवाई और नियुक्ति दे दी । लेकिन उसके आधार पर कितने दिन तक झूठे बदनाम करोगे ? अपराधी मिल रहा है उसके खिलाफ काम करें सर्कस दिखाना बंद करें। बीजेपी ने जनसुनवाई शुरू की थी और दूसरे दिन ताला लग गया। मंत्री यह कहे मैं मंत्री नहीं हूं तो जनता किसके पास जाए? तमाशा नहीं है तो और क्या है?

शिक्षा मंत्री बोले-कुछ टीचर पूरा शरीर दिखाकर स्कूल आते हैं

कई झूमते हुए पहुंचते हैं, ये बच्चों के दुश्मन, इन्हें शिक्षक कहना पाप

नीमकाथाना (सीकर), 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने स्कूल टीचर्स के पहनावे को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा- कई शिक्षक-शिक्षिकाएं पूरा शरीर दिखाकर स्कूल जाते हैं। इससे बच्चे और बच्चियों पर अच्छा संस्कार नहीं पड़ता। इन लोगों को सोचना चाहिए कि मैं शिक्षिका, शिक्षक हूं। हमें कैसा पहनावा पहनना चाहिए, क्या खाना चाहिए। दिलावर ने हिदायत देते हुए कहा कि टीचर सही ड्रेस पहनें।

दिलावर ने कहा- कई टीचर झूमते हुए स्कूल जाते हैं। बच्चे क्या सोचेंगे कि दारू पीना अच्छा रहता है। गुरु जी भी पीकर आते हैं। जो ऐसे कृत्य करते हैं, वो शिक्षक नहीं, बच्चों के दुश्मन हैं। उनको शिक्षक कहना पाप है।

उन्होंने शिक्षकों से कहा- हमारा आचरण ऐसा रहे कि बिना कुछ बोले भी बच्चे हमसे संस्कार ले सकें। शिक्षा मंत्री बुधवार को नीमकाथाना के नृसिंहपुरी गांव में उच्च प्राथमिक संस्कृत स्कूल भवन के लोकार्पण कार्यक्रम में पहुंचे थे।

मंत्री बोले- टीचर गालिया देते हैं, बच्चे क्या सीखेंगे

शिक्षा मंत्री ने कहा- मैं कई शिक्षक भाई-बहनों को देखता हूं तो गुटका खाते हुए दिखते हैं। इससे बच्चों पर क्या प्रभाव नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा- कई जगह देखने में आता है कि कुछ टीचर गालियां देते हैं। अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं। इससे बच्चे क्या सीखेंगे। कुछ टीचर स्कूल देरी से आते हैं। उनसे पूछो तो कहते हैं कि ठीक समय पर आया था। बच्चा ये सुनता है तो क्या सीखता है कि झूठ बोलने से डांट खाने से बच जाते हैं।

मदन दिलावर ने एक बार फिर कहा कि कुछ टीचर ये कहते हुए स्कूल से निकल जाते हैं कि साहब मुझे भैरूजी, बालाजी की पूजा करने जाना है। नमाज पढ़ने जाना है। पूजा-पाठ करने के लिए थोड़े ही वेतन दिया जाता है। पूजा-पाठ करने का एक नियत समय होता है, सुबह-शाम करिए।

मैंने एक आदेश जारी किया है कि कोई टीचर बालाजी-भैरूजी की पूजा, नमाज पढ़ने के नाम पर स्कूल नहीं छोड़ेगा। अन्यथा उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। हम बच्चों को पढ़ाने के लिए वेतन देते हैं। मैं कोशिश कर रहा हूं कि बच्चों को अच्छी शिक्षा के साथ अच्छे संस्कार मिलें।

उदयपुर से 5 किमी दूर 2 महिलाओं पर झपटा तेंदुआ

बेटा लट्ठ लेकर दौड़ा तो भागा, 30 फीट दूर खड़ा गुर्राता रहा; रात में बछड़े को मारा था

उदयपुर, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। उदयपुर की गोगुंदा-झाड़ोल तहसील में करीब एक महीने से लेपर्ड की दहशत बनी हुई है। यहां लेपर्ड नौ लोगों की जान ले चुका है। अब लेपर्ड उदयपुर शहर के करीब आ चुका है। लेपर्ड ने 14 घंटे के भीतर उदयपुर से महज 5 किलोमीटर दूर बड़गांव में 3 हमले किए हैं।

बुधवार दोपहर 3 बजे बड़गांव के मदार में खेत में काम कर रही दो महिलाओं पर लेपर्ड ने झपट्टा मारा। इनमें से एक महिला का बेटा लाठी लेकर लेपर्ड की ओर दौड़ा तो वह भाग निकला। लेकिन, 30 फीट दूर खड़ा होकर गुर्राता रहा। वहीं, मंगलवार देर रात 1:30 बजे पालड़ी इलाके में गाय के बछड़े को मार डाला था। वन विभाग के कर्मचारियों ने ग्रामीणों से अकेले बाहर नहीं निकलने और रात के समय पटाखे फोड़ने की सलाह दी है।

मदार में खेत में काम कर रही केशीबाई और मांगीबाई पर लेपर्ड ने हमला किया था। केशीबाई के बेटे गणेशराम ने लाठी से लेपर्ड को भगाया तो दोनों महिलाओं की जान बची। गणेशराम ने बताया- दोपहर को मां केशीबाई और उनकी सहेली मांगीबाई खेत में सोयाबीन की फसल काट रही थीं। दोनों 25 फीट दूरी पर थे। इसी दौरान अचानक लेपर्ड ने हमला कर दिया। लेपर्ड ने पहले मांगीबाई पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया। इसी दौरान मेरी मां चिल्लाई तो मैं तुरंत लाठी उठाकर उनकी ओर दौड़ा। लेपर्ड मेरी मां की तरफ भागा और सीधे गर्दन पर अटैक किया। मैंने

लाठी से लेपर्ड को मारने की कोशिश की, लेकिन शोर सुनकर वह भाग निकला। लेपर्ड 30 फीट दूर खड़ा हो गया और हमारी ओर देखने लगा। मैं असमंजस में था, लेपर्ड को भगाऊं या इन दोनों को बचाऊं। फिर मैं घायल मां और उनके साथ काम कर रही मांगी बाई को अस्पताल लेकर पहुंचा। दोनों का इलाज चल रहा है। दोनों के गर्दन और हाथ में गंभीर घाव हैं।

इस घटना से करीब 14 घंटे पहले लेपर्ड ने बड़गांव में बछड़े का शिकार किया। मंगलवार रात 1:30 बजे एक राहगीर ने इसका वीडियो भी बना लिया। वीडियो में लेपर्ड बछड़े को गर्दन से दबोच कर 4 फीट ऊंची दीवार पर चढ़ता नजर आ रहा है।

खून के निशान तो मिले, बछड़े का शव नहीं मिल पाया

बड़गांव सरपंच संजय शर्मा ने बताया- मेरे पास आज सुबह यह वीडियो आया था। मालूम किया तो वीडियो बड़गांव के पालड़ी अंगोरा बस्ती का है। देर रात यहां से गुजर रहे किसी राहगीर ने यह वीडियो बनाया है।

सरपंच ने बताया- इसके बाद गांव में जाकर मालूम किया तो बछड़े के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली। उन्होंने आशंका जताई कि लेपर्ड कहीं और से आवारा मवेशी का शिकार कर यहां लाया है। मौके पर वन विभाग की टीम को भी सूचना दी थी। उन्होंने आकर ढूंढा, मौके पर खून के निशान तो मिले, लेकिन आसपास बछड़े का शव नहीं मिला। हमने वन विभाग से पिंजरा लगाने की मांग की है। पूरे गांव के लोग डरे हुए हैं। बाहर निकलने से कतरा रहे हैं।

ट्यूशन सेंटर के वॉशरूम में लड़कियों की वीडियो रिकॉर्डिंग

सफाई कर्मचारी ने दरार में छुपाकर रखा मोबाइल; 3 अश्लील वीडियो मिले

कोटा, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। कोटा के एक ट्यूशन सेंटर के वॉशरूम में सफाई कर्मचारी ने मोबाइल कैमरा लगा दिया। एक छात्रा वॉशरूम में गई तो उसकी नजर वहां छुपाए गए फोन पर पड़ी। इसके बाद उसने सेंटर के संचालक को बताया और पुलिस को सूचना दी।

मौके पर पहुंची पुलिस ने फोन को अपने कब्जे में ले लिया। जांच करने पर उसमें 3 वीडियो मिले। आईटी एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। घटना कैथूनीपोल थाना इलाके की है।

सिटी एसपी डॉ. अमृता दुहन ने बताया- शहर के एक ट्यूशन सेंटर में 50-60 बच्चे पढ़ने आते हैं। यहां वॉशरूम (शौचालय) में मोबाइल लगाकर लड़कियों के वीडियो रिकॉर्ड किए जाने की सूचना मिली थी। डीएसपी राजेश टेलर और एसएचओ अनिल कुमार मौके पर गए। उन्होंने वॉशरूम में मिले फोन को जब्त कर लिया।

ट्यूशन सेंटर में सफाई का काम करने वाले विकास पंवार (21) को गिरफ्तार किया गया है। पीड़िता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ आईटी एक्ट की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया आरोपी पिछले 3-4 दिनों से लगातार लड़कियों के वॉशरूम में मोबाइल लगाकर वीडियो रिकॉर्डिंग कर रहा था। मंगलवार देर शाम को एक छात्रा ने वॉशरूम में छुपाए गए मोबाइल को देख लिया। तब जाकर मामले का खुलासा हुआ। सूचना पर पुलिस ने मौके पर जाकर मोबाइल को जब्त किया और उसकी जांच की तो उसमें वीडियो नजर नहीं आया। इसके बाद थाने में लाकर एक्सपर्ट से मोबाइल की जांच करवाई तो उसमें 3 वीडियो मिले।

करणी माता को 15000 किलो हलुए का लगाया भोग

20 क्विंटल आटा, 113 टीन देशी घी, 36 क्विंटल चीनी और 1.25 क्विंटल ड्राई फ्रूट्स से तैयार हुआ महाप्रसाद

बीकानेर, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। देशनोक में बुधवार को श्री करणी माता मंदिर में अश्विन शुक्ल पक्ष चतुर्दशी के दिन मां करणी को महाप्रसादी का भोग लगाया गया। श्री करणी मंदिर निजी प्रन्यास के अध्यक्ष बादल सिंह ने बताया- पंडित नरोत्तम दास मिश्रा ने आज सुबह विधिवत पूजा-अर्चना कर मां करणी को मंत्रोच्चार करवाकर पोशाक धारण करवाई । पूजन के बाद 15000 किलोग्राम के हलुए का भोग लगाया गया।

महाप्रसादी का आयोजन पुष्पा कंवर आढ़ा और डॉ. कैलाश सिंह चारण आसावत परिवार खिंनावड़ी जैतारण की ओर से करवाया गया। डॉ. कैलाश दान ने बताया कि मां करणी की लीला अपरम्पार है। आज मां करणी के आशीर्वाद से महाप्रसादी का आयोजन

हुआ है। महाप्रसादी का विधिवत पूजा-अर्चना भोग लगाने के बाद पूरे देशनोक कस्बे व श्रद्धालुओं में वितरित किया जाता है। इससे पहले मंगलवार शाम को भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें देर रात तक मां करणी की चिरजाओ का गुणगान किया गया।

महाप्रसाद के लिए हलवा, बूंदी या लापसी का भोग लगता है। पवन कुमार पंचारिया ने बताया कि इसके लिए मिश्रण, अनुपात और वजन सब तय होता है। करीब 113 टिन देसी घी, 37 क्विंटल चीनी, 20 क्विंटल आटा और करीब सवा क्विंटल ड्राई फ्रूट्स का मिश्रण होता है। इस महाप्रसादी में केवल मंदिर के अंदर बनी बावड़ी के बरसाती पानी का ही उपयोग होता है।

मंदिर प्रन्यास ट्रस्ट के उपाध्यक्ष सीतादान बारहठ इस महाप्रसादी के इतिहास पर बात करते हुए कहते हैं कि देशनोक मंदिर में बीकानेर रियासत के महाराजा गंगा सिंह के समय से यह परंपरा शुरू हुई।

लंबे समय तक केवल राज परिवार ही इस आयोजन को कराता रहा लेकिन बदलते समय में अब आम श्रद्धालु भी इसे करने में लग गए। अपनी मन्नत पूरी होने पर वे मां के दरबार में आते हैं और महाप्रसाद का आयोजन करते हैं।

एयरफोर्स ठगी के मामले में बाप-बेटा गिरफ्तार

फर्जी एप से आईपीओ दिलाने का झांसा देकर दस राज्यों में 36 बार ठगी कर चुके हैं

बीकानेर, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। बीकानेर के नाल स्थित एयरफोर्स स्टेशन के एक जवान के साथ करीब तीस लाख रुपए की ठगी करने वाले बाप-बेटे को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में पता चला कि बाप-बेटे अब तक देश के दस राज्यों में 36 लोगों को आईपीओ के नाम पर ही ठग चुके हैं।न

नाल थानाधिकारी महेंद्र दत्त शर्मा ने बताया- नाल एयरफोर्स के जवान अंकित कुमार को आईपीओ दिलाने के नाम पर 21 जून को ठगा गया। उसके बैंक खाते से करीब तीस लाख रुपए चालीस हजार रुपए ले लिए लेकिन आईपीओ नहीं मिला। उसकी शिकायत पर पुलिस ने छानबीन शुरू की। इस मामले में अब छत्तीसगढ़ निवासी प्रकाश चंद्र श्रीवास्तव को गिरफ्तार किया गया है। उसके बेटे प्रियांक श्रीवास्तव को भी गिरफ्तार किया है। दोनों को बुधवार को न्यायालय में पेश किया जाएगा और पुलिस रिमांड की डिमांड की जाएगी। पुलिस को पता चला है किये दोनों देश के कई राज्यों में ठगी कर चुके हैं। अब तक की जांच के मुताबिक इनके खिलाफ बिहार, कर्नाटक, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, राजस्थान, पश्चिमी बंगाल, दिल्ली, गुजरात, हिमाचल, केरल, झारखंड व तेलंगाना में भी मामले दर्ज है। अब तक दोनों के खिलाफ 36 मामले दर्ज होने की पुष्टि हुई है।

डीजल चुराते तीन चोर पकड़े, ग्रामीणों ने पीटा

सरपंच को टूटा मिला शटर का ताला, ड्राइवर की मदद से वारदात करने की कोशिश

भवानी मंडी, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। सरपंच संघ के अध्यक्ष के ऑफिस का ताला तोड़कर तीन चोरों ने एक हजार लीटर डीजल चुराने की कोशिश की। इस दौरान गांव वालों ने चोरों को पकड़ लिया और जमकर धुनाई कर दी। मामला मंगलवार रात झालावाड़ जिले के डग थाना क्षेत्र का है। सरपंच संघ के अध्यक्ष ईश्वर सिंह ने बताया- वह किसी काम से डग से बाहर गए थे। इस दौरान किसी वजह से उन्हें बीच रास्ते से ही वापस लौटना पड़ा। इसके बाद जब वे रात 10 बजे आजाद नगर कॉलोनी स्थित अपने ऑफिस पहुंचे तो वहां शटर लगा हुआ था, मगर ताला टूटा पड़ा था। अंदर झांककर देखा तो 3 लोग उनके ड्राइवर ईश्वर शर्मा की सहायता से पेट्रोल पंप के लिए रखा हुआ एक हजार लीटर डीजल कैंपरों में भरते हुए दिखाई दिए।

इसके लिए चोर एक स्विफ्ट गाड़ी लेकर आए थे। इस पर फौरन आसपास के लोगों को सूचना दी और तीन चोर शंकर सिंह निवासी सरवर, गोविंद सिंह और बने सिंह के साथ ड्राइवर को भी पकड़ लिया। इसके बाद गांव वालों ने तीनों चोरों की पकड़कर धुनाई कर पुलिस को सुपुर्द कर दिया।

डग थाना अधिकारी मुकेश मीणा ने बताया-ग्रामीण 4 लोगों को डीजल चोरी के मामले में पकड़कर लेकर आए थे। जिन्हें हिरासत में ले लिया। इसके बाद रात 12 बजे आरोपियों के परिजनों के सरपंच से माफी मांगने पर मामला दर्ज नहीं कराने की बात बोलकर चारों को सरपंच ने चारों को छुड़वा लिया। पुलिस को सरपंच की ओर से कोई रिपोर्ट नहीं दी गई है।

3 दिन में सांप ने 6 लोगों को डसा

करौली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। करौली के मांची गांव में बुधवार अलसुबह एक महिला सहित 4 लोगों को सांप ने डस लिया। घायलों में तीन एक ही परिवार के हैं, जबकि महिला पड़ोस में रहती है। चारों का इलाज करौली जिला अस्पताल में किया जा रहा है। हैरानी की बात यह है कि दो दिन पहले भी इसी परिवार के पिता-पुत्र की सांप के डसने से मौत हो गई थी। एक परिवार में लगातार सर्प के डसने की घटना गांव में चर्चा का विषय बनी हुई है।

अस्पताल में भर्ती बाबू सिंह (47) ने बताया कि मैं, मेरा बेटा दीपेंद्र (18) और भतीजा नागेंद्र (31) मंगलवार रात को एक ही कमरे में सो रहे थे। बुधवार

अलसुबह करीब पौने चार बजे सोते समय मुझे शरीर पर कुछ रेंगता हुआ महसूस हुआ। जिस पर मैं जाग गया। उठकर देखा तो एक सांप मेरी शर्ट में घुसा हुआ था। मैंने शोर मचाते हुए सांप को बाहर निकाल कर फेंका, जिससे सांप मेरे भतीजे नगेंद्र की ओर चला गया। मैंने बेटे दीपेंद्र की देखा तो पता चला उसके पैर पर सांप के डसने का निशान था। सांप ने उसे मेरे जगने से पहले ही काट लिया था। इसके बाद मौके पर पहुंचे अन्य परिजनों ने हमें अस्पताल पहुंचाया।

सर्पदंश का शिकार हुए दीपेंद्र ने बताया कि मुझे नहीं मालूम सांप ने कब काटा। पापा की शर्ट में सांप घुसने पर पापा के सांप-सांप चिल्लाने पर मैं जागा। उस समय मेरे पैर में दर्द हो रहा था। घरवालों मुझे बताया कि मुझे सांप ने डस लिया है।

करौली हॉस्पिटल पीएमओ डॉ. रामकेश मीणा ने बताया कि अपने घर में सो रहे एक ही परिवार के दीपेंद्र, नागेंद्र, बाबू सिंह को सांप ने डस लिया। पड़ोस में रहने वाली एक महिला अंकिता (30) पत्नी रोहित को भी सांप ने डसा है। हालांकि अंकिता और दीपेंद्र के शरीर पर ही सांप के डसने के निशान मिले हैं। जबकि दो लोगों पर यह निशान नहीं मिले हैं। फिर भी प्रोटोकॉल के हिसाब से सभी का इलाज किया जा रहा। अच्छी बात यह है कि जहर का असर कम है।

परिवारजन देवी सिंह ने बताया कि दो दिन पहले बाबू सिंह के भतीजे पुष्पेंद्र सिंह और उसके 4 साल के बेटे को भी सांप ने काट लिया था। जिनकी उपचार के दौरान मौत हो गई थी। एक ही परिवार के पांच लोगों को सांप काटने के बाद ग्रामीणों में भय व्याप्त हो गया। उन्होंने सांप को ढूंढकर मार डाला। लोगों ने अंदेशा जताया कि अभी ऐसा ही जहरीला सांप एक और हो सकता है। उन्होंने वन विभाग से सांप के रेस्क्यू की मांग की है।

कोंडा सुरेखा के खिलाफ बगावत

6 कांग्रेस विधायकों ने हाईकमान से की कार्रवाई की मांग

हैदराबाद, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्ववर्ती वारंगल में कांग्रेस के सामने एक बड़ा राजनीतिक संकट खड़ा हो गया है, जहां 6 कांग्रेस विधायकों ने मंत्री कोंडा सुरेखा के खिलाफ खुलेआम बगावत कर दी है और पार्टी आलाकमान से शिकायत की है कि वह उनके निर्वाचन क्षेत्रों में "हस्तक्षेप' कर रही हैं। पता चला है कि 6 विधायकों ने मंगलवार को हाईकमान और राज्य नेतृत्व से सुरेखा के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया था, जिसमें मंत्री द्वारा हस्तक्षेप और दुर्व्यवहार का हवाला दिया गया था। अपनी शिकायतों में, उन्होंने सुरेखा पर अपनी सीमाओं को लांघने और जिले के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में समस्याएं पैदा करने का आरोप लगाया। विधायकों ने आरोप लगाया कि सुरेखा और उनके समर्थकों के हस्तक्षेप से स्थानीय विधायकों, पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच टकराव पैदा हो रहा है।

सूत्रों का कहना है कि विधायक गुरुवार को दिल्ली जाएंगे और पार्टी हाईकमान से सुरेखा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराएंगे। उन्होंने एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल से मिलने का समय भी मांगा है। तेलंगाना कांग्रेस पार्टी प्रभारी दीपा दास मुंशी और टीपीसीसी प्रमुख महेश कुमार गौड़ ने भी सुरेखा के कामकाज पर नाराजगी जताई है और उन्हें विवादों से दूर रहने को कहा है। इस बीच, मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने कथित तौर पर राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी से इस मुद्दे को सुलझाने के लिए कहा है क्योंकि पार्टी विधायकों के बीच दरार आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में पार्टी की संभावनाओं को प्रभावित कर सकती है।

वारंगल के कांग्रेस विधायकों का दावा है कि सुरेखा के कार्यों ने पार्टी की सार्वजनिक छवि को धूमिल किया है और आगामी स्थानीय निकाय और एमएलसी चुनावों में इसकी संभावनाओं पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। कांग्रेस ने पूर्ववर्ती वारंगल जिले की 12 में से 10 विधानसभा सीटें जीती थीं। पार्टी सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस विधायकों ने अपने निर्वाचन क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रमों में सुरेखा को आमंत्रित करना बंद कर दिया है क्योंकि वह पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच दरार पैदा कर रही थीं और गुटबाजी को बढ़ावा दे रही थीं। उन्होंने शिकायत की कि मंत्री उनके निर्वाचन क्षेत्रों में अपना प्रभाव बढ़ाने और उन्हें कमजोर करने की कोशिश कर रही हैं। वारंगल जिले के गीसुगोंडा मंडल के धर्माराम गांव में दशहरा के दिन फ्लेक्स पोस्टरों में अपने-अपने नेताओं की तस्वीरें प्रदर्शित करने को लेकर सुरेखा के समर्थकों और पार्टी के परकला विधायक रेवरी प्रकाश रेड्डी के बीच हुई झड़प ने दोनों के बीच मतभेदों को उजागर कर दिया है। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद सुरेखा का गीसुगोंडा पुलिस स्टेशन के स्टेशन हाउस ऑफिसर की कुर्सी पर बैठना भी राज्य नेतृत्व को पसंद नहीं आया।

सुरेखा और प्रकाश रेड्डी के बीच पिछले कुछ समय से अनबन चल रही है। इस साल मई में दोनों के बीच फोन पर हुई तीखी बातचीत वॉट्सऐप ग्रुप पर वायरल हो गई थी। पता चला है कि सुरेखा का पंचायत राज और ग्रामीण विकास मंत्री सीथक्का से भी झगड़ा चल रहा है। सुरेखा का वारंगल पश्चिम के विधायक और पूर्व जिला अध्यक्ष नैनी राजेंद्र रेड्डी और नरसंपेट के विधायक दोंती माधव रेड्डी, दोनों वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के साथ दशकों से विवाद चल रहा है। स्टेशन घनपुर के विधायक कादियाम श्रीहरि, जो बीआरएस से कांग्रेस में शामिल हुए थे, ने भी मंत्री को अपने विधानसभा क्षेत्र में कार्यक्रमों में बुलाने से परहेज किया है। पालकुर्थी विधायक यशस्विनी रेड्डी, वर्धनपेट विधायक केआर नागराजू, दोर्नाकल विधायक जतोथ रामचंद्र नाइक और महबूबाबाद विधायक मुरली नायक भी सुरेखा के कामकाज के तरीके से खुश नहीं हैं।

हत्या मामले में 16 लोगों को आजीवन कारावास

कुमराम भीम आसिफाबाद, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आसिफाबाद की एक अदालत ने बुधवार को 4 साल पहले एक व्यक्ति की हत्या के मामले में 16 लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई और 1.49 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। आसिफाबाद सत्र न्यायालय के न्यायाधीश एमवी रमेश ने जरपुला सुरेश, जरपुला सत्यवती, अजमीरा वसंत राव, जरपुला टिक्या नाइक, जरपुला हरीश, अजमीरा अरविंद, अजमीरा नवीन, अजमीरा प्रवीण, अजमीरा संतोष, अजमीरा प्रवीण कुमार, जरपुला लक्ष्मी, जरपुला के खिलाफ सजा सुनाते हुए फैसला सुनाया। राजिथा, जरपुला थुकुराम, जरपुला रवि, जरपुला राजू और जरपुला बिक्या नाइक, सभी रेबेना मंडल के सिंगलगुडा गांव से हैं, उन्हें 19 अगस्त 2020 को अजमीरा रमेश की हत्या में दोषी पाया गया।

16 लोगों पर रमेश की हत्या करने और उसकी पत्नी रेणुका पर लाठी-डंडों और पत्थरों से हमला करने का आरोप है। ये लोग रमेश पर तब हमला कर चुके हैं जब वे खेत से लौट रहे थे।

राज्यपाल ने टीबी सील बिक्री अभियान की शुरुआत की

हैदराबाद, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने बुधवार को राजभवन में 75वें टीबी सील बिक्री अभियान की शुरुआत की। यह कार्यक्रम तेलंगाना के क्षय रोग संघ के सहयोग से आयोजित किया गया। अपने संबोधन में राज्यपाल ने इस बात पर जोर दिया कि क्षय रोग पूरी तरह से ठीक हो सकता है और उन्होंने राज्य से इस बीमारी को खत्म करने के लिए ठोस प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने राष्ट्रीय टीबी नियंत्रण कार्यक्रम के माध्यम से उपलब्ध उपचार विकल्पों में प्रगति पर प्रकाश डाला और टीबी रोगियों से निर्धारित उपचार व्यवस्था का सख्ती से पालन करने का आग्रह किया। राज्यपाल ने एसोसिएशन को टीबी के मामलों की संख्या को कम करने के प्रयासों को तेज करने के लिए भी प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा, "2025 तक टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सक्रिय सामुदायिक भागीदारी सुनिश्चित करना और सभी स्तरों पर परिवारों का समर्थन हासिल करना आवश्यक है।" राज्यपाल ने क्षय रोग उन्मूलन में उत्कृष्ट योगदान के लिए तेलंगाना क्षय रोग एसोसिएशन की सराहना की। समारोह की अध्यक्षता डॉ. टी.वी. वेंकटेश्वरुलु ने की। नई कार्यकारिणी का चुनाव किया गया, जिसमें डॉ. सुधीर प्रसाद और डॉ. सी.एन. प्रसाद को उपाध्यक्ष तथा डॉ. बालचंदर को महासचिव चुना गया। एसोसिएशन के कार्यकारी सदस्य के रूप में 15 अन्य सदस्यों का चुनाव किया गया।

मुसी नदी परियोजना पर स्पष्टता की कमी का आरोप

हैदराबाद, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव (केटीआर) ने बुधवार को तेलंगाना सरकार पर मुसी रिवरफ्रंट विकास परियोजना पर स्पष्टता की कमी का आरोप लगाया। हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया संपत्ति संरक्षण एजेंसी (हाइड्रा) पर अपने विचार व्यक्त करते हुए केटीआर ने कहा कि मेरे लिए, हाइड्रा बिल्डरों और व्यापारियों को ब्लैकमेल करने और उनसे पैसे ऐंठने का एक उपकरण लगता है। उन्होंने आगे कहा कि हाइड्रा का गठन कुछ परियोजनाओं को निशाना बनाने और गरीबों को परेशान करने के लिए किया गया है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार के अनावश्यक फैसले लोगों के लिए समस्याएं पैदा कर रहे हैं।

तेलंगाना भवन में बीआरएस विधायकों और एमएलसी के साथ बैठक में राजन्ना सिरसिला विधायक ने जोर देकर कहा कि पार्टी लोगों के बीच मूसी रिवरफ्रंट विकास के बारे में जागरूकता पैदा करेगी। 15 अक्टूबर को केटीआर ने आरोप लगाया था कि मुसी रिवरफ्रंट डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के तहत तेलंगाना सरकार ने 1.5 लाख करोड़ रुपये का घोटाला किया है। उन्होंने दावा किया कि कुल राशि में से 25,000 करोड़ रुपये दिल्ली भेजे जा रहे हैं। कांग्रेस नेता अथराम सुगुना की शिकायत के आधार पर उत्नूर पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

आईटी मंत्री ने डब्लूटीएस को संबोधित किया

हैदराबाद, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स, संचार और उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने नई दिल्ली में विश्व दूरसंचार मानकीकरण सभा (डब्लूटीएस) 2024 को संबोधित किया। उन्होंने केंद्र सरकार से भारतीय सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) के तहत तेलंगाना में सेमीकंडक्टर एडवांस्ड पैकेजिंग एंड मैन्युफैक्चरिंग प्लांट्स (एपीएमपी) और असेंबली, टेस्टिंग, मार्किंग और पैकेजिंग (एटीएमपी) इकाइयाँ स्थापित करने की जोरदार अपील की।

वांकिडी में 2 लाख 20 हजार रुपये का अवैध तंबाकू जब्त

आसिफाबाद, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कोमुराम भीम आसिफाबाद जिले के एसपी डीवी श्रीनिवास राव के आदेश के अनुसार, वांकिडी पुलिस ने मंगलवार रात 2 लाख मूल्य के प्रतिबंधित तंबाकू उत्पाद जब्त किए। वांकिडी के एएसआई पोशेट्टी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार गिरफ्तार किए गए लोगों में वानखेड़े मंडल केंद्र (इंदिरा नगर, वानखेड़े) के सईद मुस्तफा और एक अन्य व्यक्ति (कार चालक) टेम्बुरकर चंद्रकांत, (चंद्रपुर) का उल्लेख किया गया है। मंडल केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार एक कार में प्रतिबंधित तम्बाकू उत्पाद अवैध रूप से महाराष्ट्र ले जाया जा रहा था, उसे वानकिडी पुलिस स्टेशन के पास पकड़ा गया। उनसे होला हुक्का-शीशा तंबाकू के 10 बैग, कीमत रु. 82,000, ईगल हुक्का शीशा तंबाकू के 216 पैकेट मिले। इनकी कीमत 1,38,240 रुपये बताई गई है।

उन्होंने बताया कि जब्त अवैध तंबाकू की कीमत 2,20,240 रुपये है। जब्त किए गए प्रतिबंधित तंबाकू से संबंधित कोई रसीद नहीं होने के कारण वांकिडी पुलिस ने इसे जब्त कर लिया और दोनों को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी।

सरकार महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनने के लिए प्रोत्साहित करेगी : मंत्री सीताक्का

आसिफाबाद, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के पंचायत राज, ग्रामीण विकास और महिला एवं बाल कल्याण मंत्री धनासारी अनसूया (सीताक्का) ने कहा कि सरकार महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनने के लिए प्रोत्साहित करेगी। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे, एकीकृत आदिवासी विकास एजेंसी-उत्नूर परियोजना अधिकारी खुशबू गुप्ता, अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय निकाय) दीपक तिवारी, कागज नगर उपजिलाधिकारी श्रद्धा शुक्ला, विधान परिषद सदस्य दांडे विट्ठल, आसिफाबाद विधायक कोवा लक्ष्मी ने कार्यक्रम को संबोधित किया।

इस मौके पर राज्य मंत्री ने कहा कि सरकार महिला शक्ति योजना के माध्यम से महिलाओं के आर्थिक विकास के लिए कदम उठा रही है। इसी क्रम में इंदिराम्मा महिला शक्ति कैंटीन की स्थापना के माध्यम से महिला समूहों के सदस्यों को अधिक रोजगार प्राप्त करने के अवसर मिलेंगे। शक्ति योजना, जिससे अतिरिक्त आय प्राप्त करने का अवसर मिलता है। इस अवसर पर जिला महासंघ द्वारा 270 महिला समूहों को 16 करोड़ रुपये का बैंक ऋण चेक एवं 2 करोड़ रुपये का महिला निधि ऋण का चेक सौंपा गया। बाद में जिला केंद्र के सरकारी अस्पताल के परिसर में जिला गरीबी उन्मूलन संगठन के तत्वावधान में महिला संघ के सदस्यों द्वारा स्थापित इंदिराम्मा महिला शक्ति कैंटीन का उद्घाटन किया गया। उन्होंने कहा कि सरकार महिला शक्ति, महालक्ष्मी, गृह ज्योति आदि कई योजनाओं के माध्यम से महिलाओं के कल्याण और आर्थिक विकास की दिशा में काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने गांवों में लोगों को अधिक सुलभ और बेहतर चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रधानमंत्री जन मन योजना के तहत मोबाइल वाहनों की व्यवस्था की है। उन्होंने कहा कि सरकार पीवीटीजी के विकास और कल्याण के लिए चलाए गए कार्यक्रमों के लिए प्रतिबद्ध है और चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने की दिशा में काम करने को कहा। इस कार्यक्रम में जिला ग्रामीण विकास अधिकारी बनोथ दत्ताराम, जिला चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी तुकाराम, अतिरिक्त ग्रामीण विकास अधिकारी रामकृष्ण, सर्प कर्मचारी, जिला अधिकारी, महिला संघों के सदस्य, जिला महासंघ के सदस्य और अन्य लोगों ने भाग लिया।

मोशेन राजू ने गुथा सुखेंदर से मुलाकात की

हैदराबाद, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश विधान परिषद के अध्यक्ष कोये मोशेन राजू ने बुधवार को यहां विधानसभा में तेलंगाना विधान परिषद के अध्यक्ष गुथा सुखेंदर रेड्डी से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर गुथा सुखेंदर रेड्डी ने मोशेन राजू को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। दोनों नेताओं ने दो तेलुगु राज्यों के ताजा राजनीतिक घटनाक्रम पर चर्चा की। इस अवसर पर तेलंगाना विधानमंडल के सचिव डॉ. नरसिम्हा चार्युलु भी मौजूद थे।

200 से अधिक लोगों के साथ 20 करोड़ की ठगी

हैदराबाद, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुथबुल्लापुर के चिंतल में 2 व्यक्तियों ने कथित तौर पर चिटफंड धोखाधड़ी में 200 से अधिक लोगों से 20 करोड़ रुपये की ठगी की। मुख्य संदिग्ध सीतारामैया, जिसने कथित तौर पर चिटफंड चलाने की आड़ में चिंतल के श्री साईं कॉलोनी के निवासियों सहित अधिकांश पीड़ितों से लगभग 20 करोड़ रुपये एकत्र किए थे, फरार हो गया है। जानकारी के अनुसार, जमाकर्ताओं को यह जानकर आश्चर्य हुआ कि सीतारामैया और उनका परिवार भाग गया है और उन्होंने पुलिस से संपर्क किया।

पीड़ितों का दावा है कि कई महीनों तक सीतारामैया और उनके दामाद मुरली ने समय पर रिटर्न का वादा करके चिटफंड चलाया लेकिन जब पैसे लौटाने का समय आया तो परिवार इकट्ठा किए गए पैसे लेकर गायब हो गया। अधिकांश पीड़ित, जिनमें दिहाड़ी मजदूर भी शामिल हैं, जिन्होंने चिटफंड में भाग लेने के लिए छोटी रकम बचाई थी, अब तबाह हो चुके हैं। उन्होंने न्याय और अपने पैसे वापस पाने की मांग करते हुए साइबराबाद आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) में शिकायत दर्ज कराई है। इसके विरोध में पीड़ित बुधवार को सीतारामैया के आवास के सामने एकत्रित हुए और कार्रवाई तथा अपने धन की वसूली की मांग की।

हैदराबाद में पूर्वोत्तर मानसून सक्रिय

हैदराबाद, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य विकास योजना सोसाइटी (टीएसडीपीएस) के अनुसार, पूर्वोत्तर मानसून हैदराबाद में सक्रिय हो गया है और अगले दो दिनों में शहर भर में हल्की बारिश होने की उम्मीद है। शहर के ज़्यादातर इलाकों में गुरुवार को हल्की बारिश होने का अनुमान है, चारमीनार, बंदलागुडा, रामचंद्रपुरम और सेरिलिंगमपल्ली जैसे इलाकों को छोड़कर, जहाँ बारिश नगण्य होने की उम्मीद है। पूर्वानुमान के अनुसार, शुक्रवार तक कोई बड़ी बारिश होने की उम्मीद नहीं है। बुधवार को, शहर में मियापुर, गजुलारामाराम, जीदिमेटला और पाटनचेरु सहित क्षेत्रों में छिटपुट तीव्र तूफान आए। इस बीच, राज्य भर में अन्य जिलों में भी गुरुवार को हल्की बारिश होने की संभावना है।

नागारम स्थित पँवार परिवार द्वारा आयोजित राजस्थानी मित्र मंडल भजन मंडली द्वारा भजन कार्यक्रम मे उपस्थित आयोजक गीतादेवी, दरियादेवी, मंजूदेवी पँवार, ममता परिहारिया व समाज की महिलाएँ।

केबीआर पार्क स्थित गणेश मंदिर में पूजा-अर्चना करते हुए राजेन्द्र, गोपाल बल्दवा, अशोक, आदिनारायण, कृष्णदास, प्रेमोद, सुरेश अग्रवाल,भोजरेड्डी विठ्ठलदास अग्रवाल आदि।

जामबाग डिवीजन के नगरसेवक राकेश जायसवाल ने 2बीएचके मुरलीधरबाग, जामबाग डिवीजन में नगर निगम के पानी के नल का उद्धाअन किया। इस कार्यक्रम में शंकर, राजेश, अज्जू, अनिल, प्रताप अदि भाजपा कार्यक्रर्ता शामिल थे।

8 साल के विहानराम ने की पर्वत पर चढ़ाई

सिद्दीपेट, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जब तेलंगाना के एक अभियान दल के 42 सदस्यों में से 20 सदस्य माउंट पातालसू पर विजय प्राप्त नहीं कर सके, तो सिद्दीपेट का एक आठ वर्षीय लड़का आसानी से शिखर पर पहुंच गया, जिससे हर कोई आश्चर्यचकित रह गया। धुलमिट्टा मंडल के हनुमा थांडा का रहने वाला जेतोथ विहानराम नाम का यह लड़का करीमनगर कस्बे में रहता था चूंकि उसके पिता जेतोथ तिरुपति नायक करीमनगर में आबकारी कांस्टेबल के पद पर कार्यरत थे, इसलिए विहान भी कस्बे में ही चौथी कक्षा की पढ़ाई कर रहा था।

नायक के सहकर्मी लेंकला महिपाल रेड्डी, जो एक प्रसिद्ध पर्वतारोही हैं, 42 युवाओं को पर्वतारोहण का प्रशिक्षण दे रहे थे, जो भारतीय सेना में विभिन्न नौकरियों के लिए इच्छुक थे। हर दिन युवाओं को प्रशिक्षण लेते देखने के बाद, विहान ने भी पर्वतारोहण के प्रति अपनी रुचि व्यक्त की और बिना अधिक प्रशिक्षण के अभियान दल में शामिल होने का फैसला किया।

हिमाचल प्रदेश के मनाली में 3 दिनों के संक्षिप्त प्रशिक्षण के बाद विहान 42 अन्य लोगों के साथ अभियान पर निकल पड़े। हालांकि उनमें से 20, जिनकी उम्र 18 से 20 वर्ष के बीच थी, ने बीच में ही अपना अभियान छोड़ दिया, लेकिन विहान ने 7 अक्टूबर को बिना किसी परेशानी के इसे पूरा कर लिया। महिपाल रेड्डी के बेटे धर्मा तेजा (12), जो टीम के दूसरे सबसे कम उम्र के सदस्य हैं, ने भी 14,500 फीट ऊंची चोटी पर विजय प्राप्त की। अभियान दल ने ड्रग्स के इस्तेमाल के खिलाफ तेलंगाना पुलिस के अभियान का समर्थन करते हुए 'ड्रग्स को नकारें' बैनर भी प्रदर्शित किया।

महिपाल रेड्डी ने विहान की तारीफ करते हुए कहा कि पर्वतारोहण में उसका भविष्य उज्ज्वल है। रेड्डी ने कहा कि विहान आने वाले दिनों में तेलंगाना के लिए पर्वतारोहण में चमत्कार करेगा। विहान के पिता तिरुपति नायक ने कहा कि वे विहान को जल्द ही अफ्रीकी महाद्वीप की सबसे ऊंची चोटी माउंट किलिमंजारो पर ले जाने की तैयारी कर रहे हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

9 नेताओं की...

नई बटालियन वह होगी जो कुछ महीने पहले तक संसद की सुरक्षा में लगी थी। अधिकारी ने बताया कि संसद में पिछले साल सुरक्षा में चूक का मामला सामने आने के बाद संसद की सुरक्षा सीआरपीएफ से सीआईएसएफ को सौंप दी गई थी।

सूत्रों के अनुसार नया कार्यभार संभालने की प्रक्रिया के तहत आंध्र प्रदेश पुलिस की एक टीम हाल में अपने मुख्यमंत्री की सुरक्षा को एनएसजी से बदलकर सीआरपीएफ को सौंपने के मद्देनजर दिल्ली में थी। सूत्रों के अनुसार, इन नौ वीआईपी में से दो को सीआरपीएफ द्वारा दिया जाने वाला उन्नत सुरक्षा संपर्क (एएसएल) प्रोटोकॉल भी प्रदान किया जाएगा। इनमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ हैं।

एएसएल में वीआईपी के आगामी दौरे वाले स्थान की पहले से जांच की जाती है। सीआरपीएफ देश में पांच वीआईपी के लिए इस तरह का प्रोटोकॉल अपनाता है, जिनमें गृह मंत्री अमित शाह, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और गांधी परिवार के तीन कांग्रेस नेता शामिल हैं।

केंद्र सरकार ने एनएसजी को पुनर्गठित करने और अयोध्या में राम मंदिर के पास और देश के दक्षिणी हिस्से में स्थित कुछ महत्वपूर्ण संपत्तियों के आसपास कुछ उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में कमांडो की स्ट्राइक टीम को बढ़ाने और तैनात करने के लिए अपनी श्रमशक्ति का उपयोग करने का फैसला किया है। ब्लैक कैट कमांडो को दो दशक से अधिक समय पहले इस काम में लगाया गया था। यह काम 1984 में बल की अवधारणा और स्थापना के समय मूल रूप से इसके लिए निर्धारित नहीं था।

लड़की का रेप-मर्डर...

राहुल को गिरफ्तार कर लिया गया है। लोकल पुलिस ने बताया कि लड़की का बॉयफ्रेंड से झगड़ा चल रहा था। मंगलवार शाम राहुल ने उससे मुलाकात के लिए कहा। यह भी कहा कि वो किसी को बताए नहीं।

इसके बाद लड़की बिना परिवारवालों को बताए मिलने चली गई। जब वह 9 बजे तक घर नहीं लौटी तो दादी ने उसके माता-पिता को कॉल किया। अगली सुबह उसकी बॉडी मिली। उसका चेहरा जलाया गया था और पहचान नहीं हो पा रही थी। आशंका है कि लड़की की हत्या कहीं और की गई। इसके बाद बॉडी को पूजा पंडाल के पास फेंक दिया गया। पीड़ित के परिवार ने आरोप लगाया है कि रेप के बाद बॉयफ्रेंड ने हत्या कर दी है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक राहुल बसु अक्सर लड़की के घर ठहरता था। घटना वाले दिन जब लड़की के परिवारवालों ने उसे फोन किया तो उसने कहा कि लड़की सोर रही है। इसके बाद वह परिवारवालों को भलाबुरा कहने लगा। अगली सुबह जब परिवारवाले राहुल के घर गए और सवाल किया तो वो उन्हें भटकाने लगा। इसके बाद पुलिस में शिकायत की गई।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

भारत-न्यूजीलैंड सीरीज का डब्ल्यूटीसी पर क्या असर होगा

3-0 से जीते तो फाइनल कन्फर्म; एक भी मैच ड्रॉ हुआ तो ऑस्ट्रेलिया में जीतना पड़ेगा

बेंगलुरू, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 3 टेस्ट की सीरीज आज से शुरू हो रही है। पहला मुकाबला बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में सुबह 9:30 बजे से खेला जाएगा। सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने के लिहाज से दोनों ही टीमों के लिए अहम है, लेकिन बेंगलुरु के खराब मौसम ने दोनों टीमों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। भारत ने अगर 3-0 से टेस्ट सीरीज जीती तो टीम का डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचना कन्फर्म हो जाएगा। हालांकि, बारिश के कारण पहला टेस्ट ड्रॉ रहा तो भारत को फिर ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट जीतना पड़ेगा। जो टीम के लिए मुश्किल हो सकता है। स्टोरी में डब्ल्यूटीसी का पूरा गणित... डब्ल्यूटीसी टेबल में टॉप पर है भारत बांग्लादेश को घर में 2-0 से टेस्ट सीरीज हराने के बाद टीम इंडिया वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के पॉइंट्स टेबल में टॉप पर कायम है। टीम ने 2023 के डब्ल्यूटीसी साइकल में एक भी टेस्ट सीरीज नहीं गंवाई। भारत को साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड के खिलाफ 1-1 मैच में हार मिली, जबकि वेस्टइंडीज के खिलाफ एक मैच बारिश के कारण ड्रॉ रहा। इनके अलावा भारत ने सभी 8 मैच जीते। 3-0 से जीते तो टॉप पर बना रहेगा भारत टीम इंडिया के घरेलू कंडीशन में फॉर्म को देखते हुए लगता है कि सीरीज में न्यूजीलैंड के लिए एक भी मैच ड्रॉ करा पाना मुश्किल होगा। हालांकि, बेंगलुरु में बारिश को देखते हुए पहला टेस्ट कम्प्लीट हो पाना मुश्किल नजर आ रहा है। भारत को डब्ल्यूटीसी फाइनल खेलने के लिए 60% ज्यादा पॉइंट्स रखने ही होंगे। जानते हैं सीरीज के नतीजों से भारत के पॉइंट्स पर क्या असर होगा? भारत की आखिरी सीरीज ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ न्यूजीलैंड के बाद टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया में 5 टेस्ट की मुश्किल सीरीज खेलनी है। भारत ने यहां पिछली 2 टेस्ट जीती जरूर है, लेकिन तब कप्तान विराट कोहली और अजिंक्य रहाणे थे। अब रहाणे स्क्वॉड का हिस्सा नहीं हैं और कोहली कप्तानी छोड़ चुके हैं। वहीं रोहित शर्मा ने अब तक एसईएनए देशों में कोई टेस्ट सीरीज नहीं जीती है। ऐसे में भारत के लिए ऑस्ट्रेलिया में जीत पाना अब मुश्किल नजर आ रहा है। छठे नंबर पर है न्यूजीलैंड 2021 में भारत को ही फाइनल हराकर डब्ल्यूटीसी का खिताब जीतने वाली न्यूजीलैंड टीम पॉइंट्स टेबल में छठे नंबर पर है। टीम को ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के खिलाफ पिछली 2 टेस्ट सीरीज गंवानी पड़ी।

बारिश के भेंट चढ़ा बेंगलुरु टेस्ट का पहला दिन

बिना टॉस के रद्द

भारत और न्यूजीलैंड के बीच 3 मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला आज यानि बुधवार 16 अक्टूबर से बेंगुलरु में खेला जाना था. लेकिन इस मुकाबले के पहले ही दिन फैंस के लिए एक बुरी खबर आई. लगातार हो रही बारिश के कारण पहले दिन को रद्द करना पड़ा. मैच से एक दिन पहले ही बारिश शुरू हुई थी, पूरी तरह नहीं थमी. सुबह से ही रुक-रुककर बारिश होती रही. पहला और दूसरा सेशन रद्द होने के बाद बारिश रुक गई थी. इसलिए तीसरे सेशन में कुछ खेल की उम्मीद जताई जा रही थी. लेकिन फिर से बारिश शुरू हो गई. इसके पहले दिन को रद्द करने का फैसला लिया गया. बता दें मौसम वेबसाइट्स के मुताबिक मैच के पांचों दिन बारिश हो सकती है. ऐसे में अगर खेल शुरू हुआ फिर भी इसे बार-बार रोकना पड़ सकता है.

नीरज चोपड़ा, मनु भाकर होंगे महिला आयोग के ब्रॉड एंबेसडर

नशे से दूर रहने के लिए करेंगे जागरूक

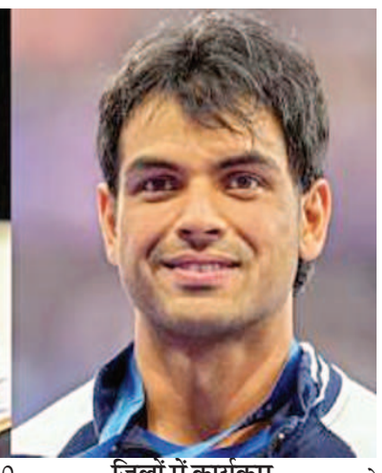

चंडीगढ़, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। युवाओं को नशे से दूर रहने और खेल के प्रति जागरूक करने के लिए हरियाणा महिला आयोग एक विशेष अभियान शुरू करने जा रहा है। इसको लेकर खेलों के क्षेत्र में दुनियाभर में भारत का नाम चमकाने वाले नीरज चोपड़ा, मनु भाकर, नवदीप श्योराण, प्रणव सूरमा समेत 20 ओलंपियन को आयोग ब्रॉन्ड एंबेसडर बनाने की तैयारी कर रहा है।

महिला आयोग ने खेल विभाग से ओलंपिक और पैरा-ओलंपिक खिलाड़ियों की सूची मांगी है। खेल विभाग की ओर से खिलाड़ियों की सूची तैयार कर दो दिन में महिला आयोग को भेज दी जाएगी। सभी खिलाड़ियों के साथ बातचीत के बाद आयोग की तरफ से अंतिम सूची फाइनल की जाएगी, लेकिन प्रदेश के 20 ओलंपियन को महिला आयोग का ब्रॉन्ड एंबेसडर बनाना तय है। महिला आयोग की तरफ से 20 अक्तूबर को पानीपत में एक कार्यक्रम प्रस्तावित किया गया है। आयोग की तरफ से इन सभी 20 ओलंपियन को इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया जाएगा। इसके लिए खिलाड़ियों से संपर्क किया जा रहा है।

जिलों में कार्यक्रम आयोजित कराएगा आयोग

राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रेनू भाटिया ने बताया कि आयोग की तरफ से प्रदेश को नशामुक्त बनाने के लिए मुहिम चलाई जाएगी। इसके तहत आयोग की तरफ से अलग-अलग जिलों में जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित कराए जाएंगे। जिस जिले में जागरूकता कार्यक्रम होगा, उस जिले के 20 से 25 स्कूल और कॉलेज के छात्र-छात्राओं को आमंत्रित किया जाएगा। इसी कार्यक्रम में आने वाले ब्रॉन्ड एंबेसडर छात्र-छात्राओं को जागरूक करने में अहम भूमिका निभाएंगे। ये महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर भी युवाओं को जागरूक करेंगे। उन्होंने बताया कि महिला आयोग का स्लोगन है कि गलत नश से दूर रहो, खेल का नशा करो।

महिला आयोग युवाओं को नशे से दूर रहने और खेल के प्रति जागरूक करने के लिए एक विशेष अभियान पर काम करेगा। इसी के तहत प्रदेश के 20 ओलंपियन को राज्य महिला आयोग का ब्रॉन्ड एंबेडसर बनाया जा रहा है। इसकी प्रक्रिया चल रही है। 20 अक्तूबर को पानीपत में कार्यक्रम आयोजित कर इसकी अधिकारिक घोषणा भी कर दी जाएगी।

आशालता के नाम दर्ज होगा रिकॉर्ड

100 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली पहली भारतीय महिला फुटबॉलर बनेंगी

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। कप्तान आशालता देवी पाकिस्तान के खिलाफ गुरुवार को यहां सैफ चैंपियनशिप के शुरुआती मैच के लिए मैदान पर उतरेगी तो 100 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली पहली भारतीय महिला फुटबॉलर बन जाएंगी। मणिपुर की 31 साल कि इस खिलाड़ी ने मार्च 2011 में बांग्लादेश के खिलाफ ढाका में ओलंपिक पूर्व टूर्नामेंट में भारत के लिए पदार्पण किया। तब से इस स्टार डिफेंडर ने एक लंबा सफर तय किया है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने जारी बयान में कहा, 'मार्च 2011 में बांग्लादेश के खिलाफ ढाका में ओलंपिक पूर्व मुकाबले में जब उन्होंने पहली बार भारतीय शर्ट पहनी थी, तो बहुत कम लोगों ने सोचा होगा कि आशालता देवी भारतीय महिला फुटबॉल में इस तरह का मुकाम हासिल करेंगी।' आशालता को 2008 में भारत की अंडर-17 टीम के लिए बुलाया गया था जब वह 15 साल की थीं। इम्फाल में जन्मी इस खिलाड़ी ने 13 साल की उम्र में फुटबॉल खेलना शुरू किया। वह शुरुआत में भारतीय रेलवे फुटबॉल टीम में थी और 2015 में मालदीव के न्यू रेडियंट महिला फुटबॉल क्लब में शामिल हुईं। उन्होंने इसके बाद भारत में इंडियन वुमेन लीग में राइजिंग स्टूडेंट क्लब (कटक), केआरवाईपीएचएसए (इम्फाल), सेतु (मदुरै) और गोकुलम केरल का प्रतिनिधित्व किया। वह फिलहाल ईस्ट बंगाल के साथ हैं।आशालता ने यहां पहुंचने के बाद कहा, 'मैं उत्साहित और खुश हूं कि मैं पाकिस्तान के खिलाफ अपना 100वां मैच खेलूंगी। हमारा ध्यान हालांकि सभी मैचों को जीतकर ट्रॉफी को घर वापस ले जाने पर होगा। नेपाल आने का यही मुख्य सपना और मकसद है।' उन्होंने कहा, 'मैं चैंपियनशिप के सभी मैचों का इंतजार कर रही हूं क्योंकि यह हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण टूर्नामेंट है। हमें पिछले सैफ में पहले ही झटका लग चुका है, लेकिन इस बार यह अलग होगा।' भारत 2022 सत्र में खिताब का बचाव करने में विफल रहा था।

लक्ष्य सेन डेनमार्क ओपन के शुरुआती दौर से बाहर

सिंधू ने दूसरे दौर में जगह बनाई

कोपेनहेगन, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक लाने से चूकने वाले स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन का डेनमार्क ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में प्रदर्शन निराशाजनक रहा और उन्हें पहले ही दौर में हार का सामना करना पड़ा। दूसरी तरफ, दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने महिला एकल वर्ग में शानदार शुरुआत की और दूसरे दौर में जगह बनाने में सफल रहीं। पुरुष एकल वर्ग में लक्ष्य को चीन के लू गुआंग जू के खिलाफ कड़ा संघर्ष करना पड़ा। विश्व चैंपियनशिप के पूर्व कांस्य पदक विजेता लक्ष्य शुरुआती गेम को आसानी से जीतने के बावजूद मौके भुनाने में नाकाम रहे। चीन के खिलाड़ी ने उन्हें 70 मिनट तक चले मुकाबले में 21-12, 19-21, 14-21 से शिकस्त दी। पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने वाला यह 22 वर्षीय खिलाड़ी पिछले सप्ताह फिनलैंड में आर्कटिक ओपन के दूसरे दौर में हार गया था। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू चीनी ताइपे की पाई यू पो के दूसरे गेम के बीच में ही मुकाबले से हटने से दूसरे दौर में पहुंच गईं। पो ने जब मैच से हटने का फैसला किया तब सिंधू 21-8, 13-7 से आगे थीं। महिला एकल वर्ग के एक अन्य मैच में मालविका बंसोड को हार का सामना करना पड़ा। मालविका भी शुरुआती दौर की बाधा पार करने में विफल रहीं। उन्हें वियतनाम की एंगुयेन थुये लिन्ह ने 21-13, 21-12 से हराया। आकर्षि कश्यप को भी सातवीं वरीयता प्राप्त थाईलैंड की सुपानिडा काटेथोंग से 13-21, 12-21 से हारकर बाहर होना पड़ा। ऋतुपर्णा और स्वेतापर्णा पांडा बहनों की जोड़ी को भी पहले दौर में चीनी ताइपे के चांग चिंग हुई और या चिंग तुन की जोड़ी ने महिला युगल में 21-18, 24-22 से हराया।

एशेज सीरीज का शेड्यूल जारी

कब और कहां खेला जाएगा ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड के बीच टेस्ट

पर्थ 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। टेस्ट क्रिकेट में फैंस को एक प्रतिष्ठित और ऐतिहासिक टेस्ट सीरीज का बेसब्री से इंतजार रहता है. वह टेस्ट सीरीज है एशेज. जो ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच खेली जाती है. ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच क्रिकेट की सबसे प्रतिष्ठित और ऐतिहासिक टेस्ट सीरीज एशेज 2025-26 के शेड्यूल की घोषणा कर दी गई है. पांच मैचों की यह रोमांचक सीरीज 21 नवंबर 2025 से पर्थ में शुरू होगी और 8 जनवरी 2026 को सिडनी में समाप्त होगी. क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने इस सीरीज के सभी मैचों की तारीखों और स्थानों की पुष्टि कर दी है. सीरीज की शुरुआत 21 से 25 नवंबर तक पर्थ स्टेडियम में खेले जाने वाले पहले टेस्ट से होगी. इसके बाद दूसरा टेस्ट 4 से 8 दिसंबर तक ब्रिस्बेन के गाबा स्टेडियम में डे-नाइट फॉर्मेट में खेला जाएगा. तीसरा मैच 17 से 21 दिसंबर तक एडिलेड ओवल में खेला जाएगा, जबकि पारंपरिक बॉक्सिंग डे टेस्ट 26 से 30 दिसंबर तक मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में खेला जाएगा. आखिरी और निर्णायक टेस्ट 4 से 8 जनवरी, 2026 तक सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में नए साल के टेस्ट के रूप में आयोजित किया जाएगा.

अब तक इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच 73 एशेज सीरीज खेली जा चुकी हैं, जिनमें से ऑस्ट्रेलिया ने 34 बार जीत हासिल की है, जबकि इंग्लैंड ने 32 बार बाजी मारी है. सात सीरीज़ ड्रॉ पर खत्म हुई हैं.

दोनों ही टीमों ने एशेज में लगातार आठ-आठ बार जीत दर्ज करने का रिकॉर्ड बनाया है. इंग्लैंड ने यह कारनामा 1882-83 से 1890 तक किया था, इस दौरान इंग्लैंड ने 16 टेस्ट मैचों में जीत दर्ज की और केवल चार मैच हारे थे.

गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलिया ने 2023 में इंग्लैंड के साथ 2-2 की ड्रॉ सीरीज के बाद एशेज ट्रॉफी अपने पास बनाए रखी है. अब देखना होगा कि 2025-26 में कौन सी टीम एशेज ट्रॉफी पर कब्जा करती है.

एशेज 2025-26 का शेड्यूल

पहला टेस्टः पर्थ स्टेडियम । 21-25 नवंबर 2025

दूसरा टेस्ट (डे-नाइट): गाबा । 4-8 दिसंबर 2025

तीसरा टेस्टः एडिलेड ओवल । 17-21 दिसंबर 2025

चौथा टेस्टः मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड । 26-30 दिसंबर 2025

पांचवां टेस्टः सिडनी क्रिकेट ग्राउंड । 4-8 जनवरी 2026

हरमनप्रीत कौर को क्यों हटाने की तैयारी में है बीसीसीआई?

टीम इंडिया की हार समेत सामने आई 5 बड़ी वजह

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। महिला टी20 वर्ल्ड कप 2024 में टीम इंडिया का प्रदर्शन बेहद खराब रहा. इस टूर्नामेंट को जीतने का प्रबल दावेदार मानी जा रही थी. लेकिन भारतीय टीम नॉक स्टेज तक भी नहीं पहुंच पाई और ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गई. अब हरमनप्रीत कौर की कप्तानी पर सवाल उठ रहे हैं. वहीं ताजा रिपोर्ट्स के अनुसार, बीसीसीआई जल्द ही हेड कोच अमोल मजूमदार के साथ मीटिंग करके हरमनप्रीत को कप्तानी से हटा सकती है. इसके अलावा टीम इंडिया की पूर्व कप्तान मिताली राज ने भी आलोचना करते हुए कहा है कि पिछले 2 से 3 साल में टीम में कोई ग्रोथ देखने नहीं मिला है. उन्होंने भी नए कप्तान की मांग की है.

न्यूजीलैंड सीरीज से पहले तय होगी किस्मत

भारतीय महिला टीम को 24 अक्टूबर से न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज खेलनी है. इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक इससे पहले बीसीसीआई टीम इंडिया के हेड कोच अमोल मजूमदार के साथ मीटिंग कर सकती है. इस दौरान हरमनप्रीत के भविष्य का फैसला किया जाएगा. 2025 के वनडे वर्ल्ड कप से पहले बीसीसीआई अब उन्हें हटाकर नया कप्तान लाना चाहती है.

बता दें भारतीय महिला टीम 2016 में टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में जगह नहीं बना सकी थी. इसके बाद हरमनप्रीत कौर को टी20 टीम की कप्तानी सौंपी गई थी. उनकी कप्तानी में टीम इंडिया नॉक आउट स्टेज तक जाती रही. 2020 के एडिशन में तो फाइनल में पहुंच गई थी. हालांकि, कभी भी टूर्नामेंट को जीतने में कामयाब नहीं हो सकी.

हरमनप्रीत को क्यों हटाना चाहती है बीसीसीआई?

हरमनप्रीत कौर को कप्तानी से हटाने के पीछे कुछ वजहें सामने निकलकर आई है. सबसे बड़ी वजह तो यही है कि इस बार भारतीय टीम सेमीफाइनल तक नहीं पहुंच सकी, जबकि स्क्वॉड काफी मजबूत था. वहीं टीम को टी20 वर्ल्ड कप जीतने प्रबल दावेदार भी माना जा रहा था. लेकिन पहले न्यूजीलैंड और फिर ऑस्ट्रेलिया से हारकर सेमीफाइनल का सपना चकनाचूर हो गया. हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में टीम इंडिया का फिटनेस और फील्डिंग भी बहुत बड़ी समस्या रही है. टी20 वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3 कैच ड्रॉप किए थे. वहीं कुछ मौके ऐसे थे जिन्हें कैच में बदला जा सकता था.

टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज ने भी टीम के फिटनेस को लेकर सवाल खड़े किए हैं. उन्होंने कहा है कि 11 में से सिर्फ 2 फिट खिलाड़ियों के दम पर बड़े टूर्नामेंट्स नहीं जीते सकते हैं. उनके मुताबिक जेमिमा रोड्रिग्स और राधा यादव के अलावा दूसरी खिलाड़ी फील्ड पर तेज नहीं हैं. हरमनप्रीत के रहते हुए नए खिलाड़ियों को मौका नहीं देने पर भी सवाल खड़े किए जा रहे हैं. मिताली के मुताबिक पिछले कुछ सालों से टीम में कोई ग्रोथ नहीं हुआ है. लगातार पुराने खिलाड़ी ही खेलते आ रहे हैं.

मिताली ने मेंस टीम का उदाहरण देते हुए कहा कि हर बड़े टूर्नामेंट के बाद नए खिलाड़ियों मौका देने की वजह से वह ज्यादा सफल हैं. जबकि हरमनप्रीत की कप्तानी में नए खिलाड़ी नहीं तैयार हो सके हैं. वहीं बड़े टूर्नामेंट्स से पहले टीम मैनेजमेंट की प्लानिंग भी ठीक नहीं रही है. यूएई में जारी टी20 वर्ल्ड कप के लिए एशिया कप तैयारी एक बड़ा मौका था. लेकिन भारतीय टीम सिर्फ उसी टूर्नामेंट को जीतने के लिहाज से खेलती रही. जब यूएई में टूर्नामेंट शुरू हो तो नंबर 3 और नंबर 4 के पोजिशन पर बल्लेबाजी को लेकर कन्फ्यूजन देखने को मिला.

भारत से हार के बाद बांग्लादेश क्रिकेट में मचा बवाल

हेड कोच हथुरुसिंघा सस्पेंड

ढाका, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज और टी20 सीरीज में मिली करारी हार के बाद बांग्लादेश क्रिकेट में बवाल मच गया है. बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने अनुशासनात्मक आधार पर हेड कोच चंदिका हथुरूसिंघा को सस्पेंड कर दिया है, उनकी निलंबन की प्रक्रिया 48 घंटे में शुरू होगी.

इस फैसले का ऐलान मंगलवार को बीसीबी अध्यक्ष फारूक अहमद ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान किया. हथुरूसिंघा की जगह वेस्टइंडीज के पूर्व कोच फिल सिमंस को चैंपियंस ट्रॉफी 2025 तक अंतरिम कोच नियुक्त किया गया है. हथुरूसिंघा, वनडे वर्ल्ड कप से कुछ महीने पहले फरवरी 2023 में दूसरी बार बांग्लादेश के मुख्य कोच बने. लेकिन, अपने पहले कार्यकाल के दौरान उन्हें कड़ी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा. 2014 से 2017 तक बांग्लादेश ने शीर्ष टीमों के खिलाफ वनडे सीरीज में सफलता हासिल की और 2015 वर्ल्ड कप के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई.

अपने दूसरे कार्यकाल में, हथुरूसिंघा की मार्गदर्शन वाली बांग्लादेशी टीम ने 10 में से 5 टेस्ट मैच, 35 में से 13 वनडे मैच और 35 में से 19 टी20I मैच जीते. हाल ही में उन्होंने पाकिस्तान में टेस्ट सीरीज में जीत हासिल की. लेकिन आईसीसी टूर्नामेंट्स में उनका प्रदर्शन औसत से रहा. वनडे वर्ल्ड कप 2023 और टी20 वर्ल्ड कप 2024 में बांग्लादेश के निराशाजनक प्रदर्शन ने मुख्य कोच के ऊपर दबाव को और बढ़ा दिया. हथुरुसिंघे के निलंबन में शामिल एक प्रमुख घटना एक खिलाड़ी के प्रति अनुचित व्यवहार है. उन पर क्रिकेटर को थप्पड़ मारने का आरोप लगाया गया था और पूरी जांच के बाद, बीसीबी ने पुष्टि की है कि आरोप सही थे.

बीसीबी अध्यक्ष ने कहा, 'ऐसी घटनाएं हुई हैं, जिन्हें सुनना मेरे लिए एक पूर्व क्रिकेटर के रूप में दर्दनाक था. एक क्रिकेटर का उत्पीड़न एक कारण था और बिना अनुमति के छुट्टी लेना एक अन्य मुद्दा है. 48 घंटे बाद, हम उनकी बर्खास्तगी की प्रक्रिया शुरू करेंगे'.

'भारत के बारे में बात करना बैन'

पाकिस्तानी कप्तान का सनसनीखेज बयान आया सामने

इस्लामाबाद, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। इमर्जिंग एशिया कप 2024 का आयोजन इस बार ओमान में होने वाला है, जिसमें भारत पाकिस्तान सहित कई एशियाई देश हिस्सा लेंगे। भारत A के अलावा पाकिस्तान ने भी टीम का ऐलान कर दिया है। पाकिस्तान A की कमान इस प्रतियोगिता में मोहम्मद हारिस संभालने वाले हैं। लेकिन उन्होंने टूर्नामेंट शूरू होने से पहले एक बयान दिया है, जो इस समय चर्चा में है।

पाकिस्तानी कप्तान मोहम्मद हारिस ने टूर्नामेंट से पहले बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने कहा है कि इमर्जिंग एशिया कप 2024 के लिए उनकी टीम के ड्रेसिंग रूम में भारत के बारे में बात करने पर प्रतिबंध है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें देखा जा सकता है कि हारिस कहते हैं कि मेरे ड्रेसिंग रूम में पहली बार ऐसा होगा कि भारत पर बात करने पर पाबंदी होगी। उन्होंने माना कि जब हमारे ड्रेसिंग रूम में भारत की बात होती है तो उनके खिलाड़ी जरूरत से ज्यादा दबाव महसूस करते हैं।

उन्होंने आगे कहा, हमें केवल भारत के बारे में नहीं सोचना है मैं पाकिस्तान की सीनियर टीम में रहा हूं। पिछला विश्व कप भी खेला। इससे इतना दबाव बनता है कि आप मानसिक रूप से भारत के बारे में ही सोचते हैं। हमें दूसरी टीमों का भी सामना करना है। इसलिए फिलहाल ड्रेसिंग रुम में भारत की बात करने पर पाबंदी लगी हुई है।

भारतीय टीम की कमान इमर्जिंग एशिया कप में तिलक वर्मा संभालेंगे। उनके अलावा टीम में अभिषेक शर्मा सहित प्रभसिरन सिंह को भी शामिल किया गया है। इन खिलाड़ियों ने आईपीएल में कमाल का प्रदर्शन किया था। हालांकि पिछली बार इमर्जिंग एशिया कप में भारत की कमान यश धुल ने संभाली थी। हालांकि पाकिस्तान ने भारत को फाइनल में हराकर खिताब पर कब्जा जमाया था।

इमर्जिंग एशिया कप 2024 के लिए टीम इंडिया का स्क्वाड

तिलक वर्मा (कप्तान), अभिषेक शर्मा (उप-कप्तान), प्रभसिमरन सिंह, आयुष बदोनी, निशांत सिंधु, रमनदीप सिंह, वैभव अरोड़ा, रसिख सलाम, अनुज रावत, नेहल वढेरा, अंशुल कंबोज, रितिक शौकीन, साई किशोर, राहुल चाहर और आकिब खान।

हाईकोर्ट का आंध्र प्रदेश कैडर के आईएएस अधिकारियों के तबादलों पर रोक लगाने से इनकार

हैदराबाद, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने आंध्र प्रदेश कैडर के आईएएस अधिकारियों को झटका दिया है, जिन्होंने केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) के फैसले के खिलाफ न्यायिक हस्तक्षेप की मांग की थी। उच्च न्यायालय ने बुधवार को कहा कि वह ऐसे मामलों में हस्तक्षेप नहीं कर सकता और इस बात पर जोर दिया कि सिविल सेवकों की नियुक्तियों पर विवाद नहीं किया जा सकता। न्यायालय ने तबादला आदेशों पर रोक लगाने से इनकार कर दिया और अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे आगे की सुनवाई से पहले अपने नए पदों पर रिपोर्ट करें। हाईकोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि स्थानांतरण आदेशों का पालन करने और अपने निर्दिष्ट राज्यों को रिपोर्ट करने के बाद ही याचिकाओं की समीक्षा की जाएगी। न्यायालय ने आगे विस्तार से बताया कि जब तक अधिकारी अपने नए कार्यभार पर रिपोर्ट नहीं करते, तब तक वह निर्णय लेने की स्थिति में नहीं है। इसने दोहराया कि आईएएस अधिकारियों को सार्वजनिक सेवा के लिए नियुक्त किया जाता है, और उन्हें जहां भी नियुक्त किया जाता है, वहीं सेवा करनी चाहिए। पीठ ने कहा कि न्यायाधिकरण द्वारा खारिज किए जाने के बाद ऐसे मामलों में अदालतों का दरवाजा खटखटाना उचित नहीं है। जबकि अदालत ने दलीलें सुनने के लिए सहमति व्यक्त की, इसने जोर देकर कहा कि तत्काल कोई हस्तक्षेप नहीं किया जाएगा। हाल ही में, कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) द्वारा स्थानांतरित किए गए कई आईएएस अधिकारियों- जिनमें रोनाल्ड रोज, सृजना, शिवशंकर, हरिकिरण, आम्रपाली, वाकाटी करुणा और वाणीप्रसाद शामिल हैं- ने उच्च न्यायालय में लंच मोशन याचिका दायर की। यह याचिका कैट द्वारा उनके स्थानांतरण पर रोक लगाने की याचिका को खारिज करने के बाद आई। आईएएस अधिकारियों का प्रतिनिधित्व करते हुए उनके वकील ने तर्क दिया कि वे कैट के फैसले को चुनौती दे रहे हैं और उन्होंने कोर्ट से कैट के आदेश की समीक्षा करने का अनुरोध किया है। हालांकि, चूंकि कैट के आदेश की प्रति अभी तक जारी नहीं की गई है, इसलिए उन्होंने कोर्ट को अधिकारियों की याचिकाओं को ट्रिब्यूनल द्वारा स्वीकार किए जाने के बारे में सूचित किया। कैट में अगली सुनवाई 4 नवंबर को होनी है और आईएएस वकील ने अनुरोध किया कि तब तक अधिकारियों को उनके वर्तमान कर्तव्यों से मुक्त न किया जाए।

डॉ. रेड्डी टीजीसीएचई के नए अध्यक्ष

हैदराबाद, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने मंगलवार को कानून के प्रोफेसर डॉ. वी बालकिशन रेड्डी को तेलंगाना उच्च शिक्षा परिषद (टीजीसीएचई) का अध्यक्ष नियुक्त किया। इस आशय का आदेश प्रमुख शासन सचिव (शिक्षा) बुर्रा वेंकटेशम द्वारा जारी किया गया है। डॉ. रेड्डी, जो महिंद्रा विश्वविद्यालय के डीन स्कूल ऑफ लॉ हैं, को टीजीसीएचई के अध्यक्ष के रूप में 3 साल का कार्यकाल दिया गया है। इससे पहले, उन्होंने हैदराबाद के नालसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ में रजिस्ट्रार के रूप में कार्य किया था। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय कानून के प्रोफेसर के रूप में कार्य किया और नलसार में विभिन्न नेतृत्व पदों पर भी कार्य किया, जिनमें एयरोस्पेस एवं रक्षा कानून केंद्र तथा जनजातीय एवं भूमि अधिकार केंद्र के निदेशक शामिल हैं। वह नलसार में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और व्यवसाय कानून के लिए एलएलएम पाठ्यक्रम समन्वयक भी थे।

सिकंदराबाद मंदिर में तोड़फोड़: संदिग्ध की हुई पहचान

हैदराबाद, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद के कुम्मारिगुडा में मंदिर में तोड़फोड़ के संदिग्ध की पहचान महाराष्ट्र के सलमान सलीम ठाकुर उर्फ सलमान (30) के रूप में हुई है, जो एक महीने पहले व्यक्तित्व विकास कार्यशाला में भाग लेने के लिए शहर आया था। मामले की जांच कर रही हैदराबाद पुलिस के अनुसार, संदिग्ध व्यक्ति ऑनलाइन इस्लामी वक्ताओं के भाषणों से प्रभावित था और उसने अन्य समुदायों के प्रति कट्टरपंथी मानसिकता विकसित कर ली थी। मुंब्रा का रहने वाला सलमान कंप्यूटर इंजीनियरिंग में स्नातक है और सोशल मीडिया पर सक्रिय है। उसने कथित तौर पर फेसबुक और यूट्यूब पर भगोड़े जाकिर नाइक और अन्य जैसे धार्मिक उपदेशकों के वीडियो देखना शुरू कर दिया और प्रभावित हो गया। पुलिस ने कहा कि वह खुद कट्टरपंथी बन गया और दूसरे धर्मों की प्रथाओं के प्रति उसके मन में नफरत पैदा हो गई।

जांच से पता चला है कि बदमाश अक्टूबर के पहले सप्ताह में मुनव्वर ज़मा, मोहम्मद कफील अहमद और अन्य के नेतृत्व में रेजिमेंटल बाज़ार स्थित एक होटल में इंग्लिश हाउस अकादमी द्वारा आयोजित एक महीने के व्यक्तित्व विकास कार्यशाला में भाग लेने के लिए हैदराबाद आया था। पुलिस ने पाया कि होटल परिसर को शैक्षणिक पाठ्यक्रम चलाने के लिए अवैध रूप से किराए पर लिया गया था और इसके लिए कोई औपचारिक अनुमति नहीं थी। अधिकारियों ने कहा कि इसके लिए होटल प्रबंधन के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

जांच में यह भी पता चला है कि संदिग्ध व्यक्ति पहले भी मुंबई में इसी तरह की घटनाओं में शामिल रहा है। 2022 में वह अपने जूते पहनकर गणेश पंडाल में घुस गया और स्थानीय निवासियों से मूर्तिपूजा की प्रथा का मजाक उड़ाते हुए बहस की, जबकि 2024 में उसने मीरा रोड पर एक मंदिर में घुसकर मूर्ति को तोड़ दिया। पुलिस अधिकारियों ने नागरिकों से अनुरोध किया कि वे इस घटना के संबंध में अफवाह फैलाने और अटकलें लगाने से बचें, क्योंकि मामला अभी भी जांच के अधीन है। 14 अक्टूबर की सुबह-सुबह संदिग्ध व्यक्ति मंदिर के गर्भगृह में घुस गया और मुख्य मूर्ति को अपवित्र कर दिया। मोंडा मार्केट पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पूर्व सैनिकों ने शहीदों को दी श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। 82वें ईएमई कोर दिवस के अवसर पर, एमसीईएमई के कमांडेंट और ईएमई कोर के कर्नल कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल नीरज वार्ष्णेय, 1 ईएमई सेंटर के कमांडेंट ब्रिगेडियर प्रशांत बाजपेयी और वरिष्ठ दिग्गजों ने कर्तव्य निभाते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी।

एक विशेष सैनिक सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें ब्रिगेडियर प्रशांत बाजपेयी ने सभी रैंकों, असैन्य कर्मचारियों और 1 ईएमई सेंटर, ईएमई डिपो बटालियन और ईएमई रिकॉर्ड्स के परिवारों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। जीओसी-इन-सी कमेंडेशन कार्ड, डीजीईएमई कमेंडेशन कार्ड, डीजीईएमई प्रोफेशनल एक्सीलेंस और कमांडेंट कमेंडेशन के पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया गया। प्रतिष्ठित कमांडेंट बैनर 2024 को 2 टेक ट्रेनिंग बटालियन ने केंद्र में आयोजित सभी गतिविधियों में प्रशिक्षण वर्ष के दौरान उनके समग्र प्रदर्शन के लिए जीता। 82वां ईएमई कोर दिवस ईएमई कोर के अटूट समर्पण और तकनीकी उत्कृष्टता का प्रमाण था जो भारतीय सेना को निरंतर मिल रहा है। भविष्य की चुनौतियों पर नज़र रखने के साथ, कोर भारतीय रक्षा बल का एक अभिन्न अंग बना हुआ है, जो विकसित हो रही तकनीक के अनुकूल है और परिचालन दक्षता के उच्चतम मानक सुनिश्चित करता है।

अल्पसंख्यक आवासीय स्कूलों के लिए बकाया किराये का हुआ भुगतान

कुरैशी ने सरकार के प्रति जताया आभार

हैदराबाद, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने तेलंगाना अल्पसंख्यक आवासीय शैक्षणिक संस्थानों (टीजीएमआरईआईएस) के निजी भवनों के लिए किराए के बकाया के लंबे समय से चले आ रहे मुद्दे को सुलझा लिया है, 4 महीने के किराए के भुगतान के लिए धनराशि जारी की है। अगस्त 2023 से नवंबर 2023 तक की अवधि को कवर करने वाला यह भुगतान लगभग 28 करोड़ रुपये है। टीजीएमआरईआईएस के उपाध्यक्ष और अध्यक्ष मोहम्मद फहीमुद्दीन कुरैशी ने लंबित भुगतानों को संबोधित करने के लिए सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इन निधियों के समय पर जारी होने से भवन मालिकों को आवश्यक मरम्मत करने में मदद मिलेगी, जिससे इन सुविधाओं में रहने वाले छात्रों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित होगी।

इससे पहले, रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार के सत्ता में आने के तुरंत बाद मार्च और अप्रैल 2024 के लिए किराए का बकाया चुका दिया गया था। पिछले बीआरएस प्रशासन के दौरान किराए के भुगतान में देरी एक लगातार चिंता का विषय रही थी, जिसमें भवन मालिक लगातार बकाया राशि जारी करने की मांग कर रहे थे। राहत उपायों के तहत, तेलंगाना सरकार निजी भवन मालिकों को सभी बकाया भुगतान करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिन्होंने शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए सुविधाएं प्रदान की हैं। फहीमुद्दीन कुरैशी ने भवन मालिकों द्वारा दिखाए गए धैर्य और समर्थन की सराहना की और इस बात पर प्रकाश डाला कि सरकार के प्रयासों से छात्रों के लाभ के लिए बुनियादी ढांचे को बनाए रखने और सुधारने में मदद मिलेगी।

सड़क पर लड़कों ने किया खतरनाक बाइक स्टंट

हैदराबाद, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हाल ही में एक वीडियो सामने आया है जिसमें लड़कों का एक समूह हैदराबाद की व्यस्त सड़क पर खतरनाक बाइक स्टंट करता हुआ दिखाई दे रहा है। यह लापरवाही भरा स्टंट राजेंद्र नगर में पीवीएनआर एक्सप्रेसवे के नीचे वाली सड़क पर फिल्माया गया। वीडियो में एक लड़का बाइक चलाते हुए खतरनाक स्टंट करता हुआ दिखाई दे रहा है, जबकि उसका एक दोस्त इस पूरी हरकत को फिल्मा रहा था। घटना के बाद ऑनलाइन लोगों में आक्रोश फैल गया है।

हैदराबाद में सड़क पर बाइक स्टंट का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद, कई नेटिज़न्स ने अपनी हैरानी और निराशा व्यक्त की है और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। कई उपयोगकर्ताओं ने स्थानीय अधिकारियों को टैग करते हुए उनसे शहर की सड़कों पर इस तरह के लापरवाह व्यवहार को रोकने के लिए त्वरित कदम उठाने का आग्रह किया है।

यह घटना हैदराबाद में खतरनाक सड़क स्टंटों की बढ़ती संख्या के प्रति बढ़ती चिंता को उजागर करती है, जिससे न केवल इसमें शामिल लोगों को बल्कि निर्दोष यात्रियों को भी खतरा होता है।

स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने अभी तक वीडियो के संबंध में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है, लेकिन जनता के बढ़ते दबाव के कारण, अधिकारी जल्द ही अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई कर सकते हैं। हैदराबाद में सड़क सुरक्षा एक प्रमुख मुद्दा बना हुआ है, और इस तरह की घटनाएं सड़क पर सभी की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यातायात नियमों के सख्त प्रवर्तन की आवश्यकता की याद दिलाती हैं।

रंगारेड्डी में फार्महाउस पर बुजुर्ग दंपति की हत्या

हैदराबाद, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले के कोठागुडा इलाके में मंगलवार को एक फार्महाउस की देखभाल करने वाले बुजुर्ग दंपति की हत्या कर दी गई। मृतकों की पहचान उशैया और शांतम्मा के रूप में की गई, जो तेलंगाना के नगरकुर्नूल जिले के मूल निवासी थे। उन्हें फार्म हाउस की सुरक्षा और रखरखाव का काम सौंपा गया था। मंगलवार की रात को अज्ञात लोगों ने दंपत्ति पर हमला कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। कंदुकुर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है कि क्या यह हत्या लूटपाट के प्रयास का हिस्सा थी या फिर यह दंपत्ति के परिचितों द्वारा की गई। घटना के बारे में विस्तृत जानकारी का इंतजार है।

डाक विभाग के सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने किया विरोध प्रदर्शन

हैदराबाद, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। डाक विभाग के सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने आज अपने परिवार के सदस्यों के साथ अपनी मांगों की पूर्ति के लिए बुधवार को यहां आबिदस स्थित डाक सदन और जीपीओ के सामने धरना कार्यक्रम आयोजित किया। उनकी मांग है कि सुप्रीम कोर्ट के कैट के आदेशों को यथावत लागू किया जाए। डाक विभाग के सेवानिवृत्त कर्मचारियों के जेएसी सदस्यों ने कहा कि 1980 में केंद्र सरकार की एजेंसी डाक विभाग ने 2 रुपये प्रति घंटे के वेतन पर उनकी सेवाएं ली थीं। उन्होंने कहा कि दो तेलुगु राज्यों के 383 लोगों में से 40 की मौत हो गई थी।

डाक विभाग, जो अपने वैध अधिकारों की प्राप्ति के लिए तीन दशकों से संघर्ष कर रहा है, ने इसे नजरअंदाज कर दिया है। कुछ शीर्ष अधिकारी मानसिक चिंता और परेशानी पैदा कर रहे हैं। 35 साल के कानूनी अधिकारों पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुसार, उन्होंने कहा। सभी तरह की रियायतें देने के साथ ही सरकार से डाक निदेशालय के आदेशों को लागू करने को कहा गया। कैट के आदेशों के अनुसार सेवा का नियमितीकरण अनिवार्य है। नियुक्ति की तिथि से भुगतान निर्धारण में अनियमितताओं को तत्काल सुधारा जाए। पांचवें वेतन आयोग के अनुसार वेतन वृद्धि और पेंशन लाभ तत्काल दिए जाएं। उन्होंने कहा कि जब तक हमारी मांगों का समाधान नहीं हो जाता, हम चरणबद्ध तरीके से अपना आंदोलन जारी रखेंगे।

कार नहर में गिरने से 7 लोगों की मौत

मेदक, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को शिवमपेट मंडल के उसिरीकेपल्ली गांव में एक कार के सड़क किनारे नहर में गिर जाने से कम से कम 7 लोगों की मृत्यु। बताया जा रहा है कि मृतक में 4 महिलाएं, 2 लड़कियां और एक पुरुष शामिल हैं जो वाहन चला रहा था। वे शिवमपेट मंडल के पामुबांडा के निवासी थे। बताया जा रहा है कि चालक ने स्टीयरिंग पर नियंत्रण खो दिया, जिसके बाद कार सड़क किनारे पुलिया से टकरा गई और नहर में गिर गई।

दुर्घटना के पीड़ितों के लिए अनुग्रह राशि की मांग

मेदक, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने मेदक में हुई सड़क दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया, जिसमें 7 लोगों की मौत हो गई। बुधवार को घटना के तुरंत बाद एक बयान में राव ने शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति संवेदना संदेश भेजा। उन्होंने सरकार से प्रत्येक मृतक के परिजन को 5 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने तथा घायलों को मुफ्त इलाज उपलब्ध कराने की मांग की।

बोंगुलाकुंटा झील का हुआ जीर्णोद्धार

हैदराबाद, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। डिजिटल परिवर्तन समाधान कंपनी यूएसटी ने अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत शहर के निजामपेट क्षेत्र में एक कभी बंजर रही झील को जल संसाधन में बदल दिया है। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम के साथ साझेदारी में, यूएसटी द्वारा बोंगुलाकुंटा झील के जीर्णोद्धार से आसपास के क्षेत्र के लगभग 250 परिवारों को लाभ मिलेगा और 1,000 से अधिक निवासियों को उनके बोरवेल के माध्यम से विश्वसनीय जल आपूर्ति उपलब्ध होगी। झील के जीर्णोद्धार के अलावा, तालाब के चारों ओर एक पैदल मार्ग विकसित किया गया है, जिससे एक सामुदायिक स्थान का निर्माण हुआ है, जिसमें बच्चों के लिए पार्क और मनोरंजन तथा सामुदायिक सहभागिता के लिए बैठने की जगह भी है। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि हैदराबाद में यूएसटी की सीएसआर टीम ने झील को पुनर्जीवित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसमें सूखे और उपेक्षा के कारण पानी की काफी कमी हो गई थी। इस परियोजना में झील के पुनरुद्धार में सहायता के लिए एक जीर्णोद्धार बांध का निर्माण और जल भंडारण सुविधा विकसित करना शामिल है।

निज़ामपेट डिवीजन-1 के कॉर्पोरेटर विजयलक्ष्मी सुब्बा राव और यूएसटी सेंटर हेड-हैदराबाद वेंकट पेरम के साथ-साथ यूएसटी की सीएसआर टीम के सदस्य तिरुमाला विजयकुमार पी. बिक्षापति एंडला, सूर्य शेषगिरी राव खंडाविली, नरेंद्र कनकला और अन्य ने परियोजना के उद्घाटन में भाग लिया।

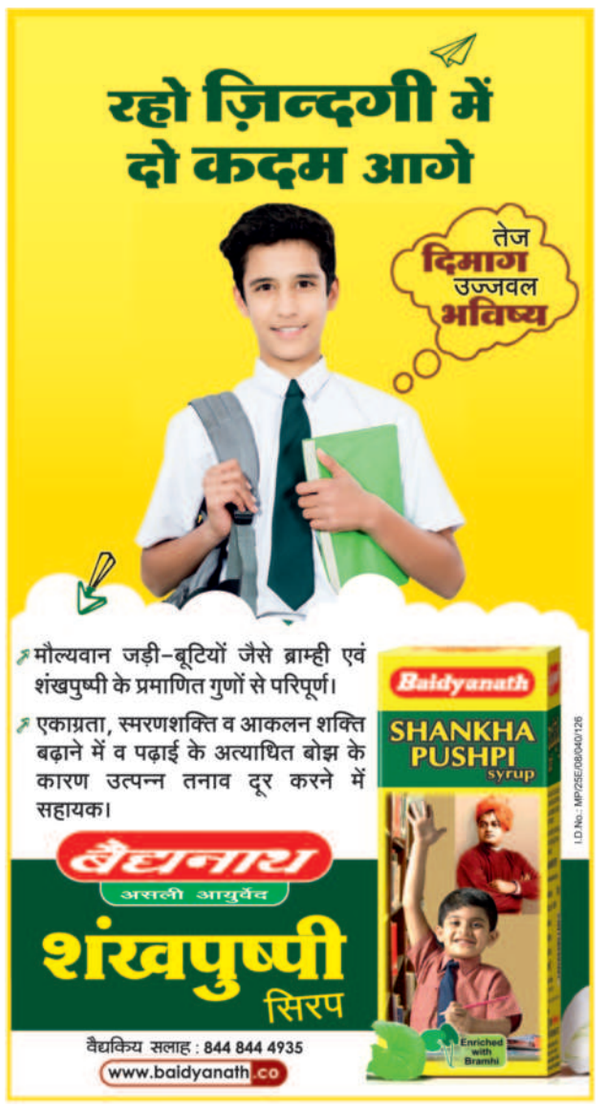

कपास खरीद के लिए करें व्यापक व्यवस्था

भूपालपल्ली, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कलेक्टर राहुल शर्मा ने जिले में कपास की उपज की सुचारू खरीद के लिए व्यापक व्यवस्था करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने विपणन विभाग, सहकारी समितियों और भारतीय कपास निगम (सीसीआई) के अधिकारियों के साथ कपास खरीद पर समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि कपास खरीद का मौसम शुरू होने वाला है और सीसीआई के माध्यम से खरीद के लिए सभी व्यवस्थाएं की जानी चाहिए।

मिल मालिकों को सीएमआर धान का आवंटन नहीं

हैदराबाद, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कस्टम मिल्ड चावल (सीएमआर) का भुगतान न करने वाले मिलर्स के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए राज्य सरकार ने कस्टम मिलिंग के लिए धान का आवंटन केवल उन मिलर्स को करने की मांग की है जो अपनी नियमित डिलीवरी की समय सीमा को पूरा करते हैं। बुधवार को सचिवालय में खरीद पर कैबिनेट उप-समिति की दूसरी बैठक में इस आशय का निर्णय लिया गया।

उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क और नागरिक आपूर्ति मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने स्पष्ट किया कि इस सीजन में डिफॉल्टरों को धान का आवंटन नहीं किया जाएगा। उन्होंने मिल मालिकों के बीच अनुपालन और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए कड़े उपायों की आवश्यकता पर जोर दिया। डिफॉल्टरों को बिना किसी देरी के सरकार को सीएमआर बकाया तुरंत जमा करना चाहिए। मंत्रियों ने मिलिंग आउटपुट में विसंगतियों की ओर इशारा करते हुए कहा कि 100 किलो ग्रेड ए धान की मिलिंग से 58 किलो चावल मिलेगा, जबकि 100 किलो मोटे धान की मिलिंग से 67 किलो चावल मिलेगा।मिल मालिकों ने समिति के समक्ष उन समस्याओं को उठाया जिनका वे मैदान में सामना कर रहे हैं। मंत्री थुम्माला नागेश्वर राव और डी श्रीधर बाबू सहित समिति के सदस्यों ने ऑनलाइन बैठक में भाग लिया। विशेष मुख्य सचिव रामकृष्ण राव, कृषि सचिव एम रघुनंदन राव, आयुक्त नागरिक आपूर्ति डीएस चौहान और जीएम नागेश्वर राव भी मौजूद थे।

टीटीडी ने श्रीवारी मेट्टू पैदल मार्ग बंद किया

तिरुमाला, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार शाम तक अगले 36 घंटों तक जारी रहने वाली भारी बारिश को देखते हुए, टीटीडी ईओ जे श्यामला राव ने सभी संबंधित अधिकारियों को तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के लिए निवारक उपाय करने में अधिक सतर्क रहने का निर्देश दिया। टीटीडी ईओ ने अतिरिक्त ईओ चौधरी वेंकैया चौधरी और अन्य अधिकारियों के साथ बुधवार शाम को स्थिति का आकलन करने और प्रत्येक विभाग की तैयारियों के बारे में जानकारी लेने के लिए एक वर्चुअल बैठक आयोजित की।

लगातार बारिश के बाद, तीर्थयात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, टीटीडी ने तिरुमाला में गोगरभम सर्कल से शुरू होने वाले पापविनासनम रोड पर भक्तों के प्रवेश को पहले ही बंद कर दिया है। 17 अक्टूबर को श्रीवारी मेट्टू पैदल मार्ग को पूरी तरह से बंद करने का निर्णय लिया गया है। चक्रवाती बारिश कम होने के बाद इस पैदल मार्ग के संचालन पर निर्णय लिया जाएगा। ईओ ने इंजीनियरिंग विंग द्वारा घाट की सड़कों पर भूस्खलन, बोल्डर (यदि कोई हो) को साफ करने, पुलिस के साथ टीटीडी सतर्कता और सुरक्षा द्वारा घाटों पर यातायात के मुद्दों से बचने, बिजली की विफलता के मामले में जेनरेटर चलाने के लिए पर्याप्त ईंधन (डीजल) रखने, मेडिकल विंग द्वारा मेडिकल किट, एम्बुलेंस, दवाएं रखने, स्वास्थ्य विंग द्वारा स्वच्छता उपाय आदि के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने मुख्य पीआरओ को समय-समय पर तीर्थयात्रियों की बेहतर जानकारी के लिए मीडिया, एसवीबीसी और सोशल मीडिया को अपडेट देने का निर्देश दिया। अतिरिक्त ईओ ने कहा कि 15 सदस्यीय आपदा प्रबंधन प्रतिक्रिया बल टीम का गठन किया गया है, जिसमें एसई2 तिरुमला के अध्यक्ष के रूप में जीएम (टी), वीएसओ तिरुमला, डिप्टीईओ स्वास्थ्य, स्वास्थ्य अधिकारी, चिकित्सा अधीक्षक (सिविल सर्जन), ईई 1, ईई 5 (घाट रोड), डीई इलेक्ट्रिकल, डीएफओ (तिरुमला), गार्डन उप निदेशक और संबंधित विभागों के अन्य अधिकारी शामिल हैं। जेईओ गौतमी, वीरब्रह्मम, सीवीएसओ श्रीधर, सीई सत्यनारायण, जीएम (टी) शेष रेड्डी और अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.